र जिस्ट्री सं० डी० — (डी० एन०) — 73



The Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORITE

सं • 45]

नई दिस्लो, शनिवार, नवम्बर 8, 1986 (कार्तिक 17, 1908)

No. 45) NEW DEUHL, SATURDAY, NOVEMBER 8, 1986 (KARTIKA 17, 1908)

इस भाग में भिन्न पृथ्ठ संख्या दी जाती है जित्रमें कि वह अनत संख्या है जा में हजा जा सके (departed paging in given to thin Part in order that a may be filed as a superate compilation)

भाग III—खण्ड :

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायातयों, नियन्त्रक और महातेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विचाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 मई 1986

सं० ए० 32013/2/86—प्रशा०—[— संघ लोक सेवा ग्रायोग के ग्रध्यक्ष, सं० लो० मे० ग्रा० (कर्मचारी) विनियमन, 1958 के विनियम 7 के ग्रन्तर्गत उन्हें प्रदत्त की गई शक्तियों के ग्रन्तर्गत ग्रायोग के के० स० से० संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी ग्रनुभाग ग्रधिकारियों को उनके प्रत्येक के नाम के समक्ष दर्शाई गई ग्रवधि के लिए ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, के० स० से० के, ग्रेड—1 में तदर्थ ग्राधार पर ग्रवर सचिव के पद पर स्थाना-पन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्ति करते हैं:—

कमांक नाम	श्रवधि
. 1. श्री एस० डी० शर्मा	22-5-86 से 3 महीने के लिए
2. श्री पी० डी० श्रीवास्तव	—वही—
3. श्री के० कोचुगोविन्दन	वही

दिनांक 2 जून 1986

सं० ए० 19014/8/86-प्रशा०-I--राष्ट्रपति, के० स० से० के श्री भार० के० पुरी को 30 मई, 1986 1-316GI/86 के पूर्वाह्न से आगामी ब्रादेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में ब्रवर सचिव के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 जून 1986

सं० ए० 19013/1/82-प्रशा०-1-संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर कार्यरत, भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा सेवा के अधिकारी श्री एम० वालाकृष्णन, को उनके कार्य-काल की अविध समाप्त होने के परिणामस्वरूप आयोग के कार्यालय से दिनांक 18-6-1986 (अपराह्न) से अपने कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

श्री वालाकृष्णन् को 19-6-1986 से 30-6-1986 तक का 12 दिनों का ग्राजित अवकाश प्रदान किया गया है। उनका ग्रवकाश समाप्त होने पर वे ग्रपने मूल विभाग ग्रथीत् भारतीय महालेखा परीक्षा महानियंत्रक, 10 बहाद्दर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली को रिपोर्ट करेंगे।

सं० ए० 19014/4/82-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में प्रतिनियुक्ति के आधार पर उप सिचव के पद पर कार्यरत भारतीय आयुध कारखाना सेवा के अधिकारी श्री एच० के० नरूला का केन्द्र में कार्यकाल पूरा हो जाने

(24931)

के परिणामस्वरूप उन्हें 18−6−1986 (ग्रपराह्न) से ग्रायोग में उनके कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

- 2. रक्षा मंत्रालय, श्रायुध कारखाना बोर्ड, कलकत्ता के पत्न सं० 381/ए०/जी० दिनांक 7-5-86 के श्रनुपालन में, श्री एच० के० नरूला को महाप्रबन्धक, श्रायुध कारखाना मुरादनगर के कार्यालय में तैनान किया गया है।
- 3. श्री नरूला को यह निदेश दिया जाता है कि ड्यूटी पर पहुंचने के लिये दिये जाने वाले सामान्य समय के बाद वे मुरादनगर के ग्रपने नये कार्यभार को संभाल लें।

दिनांक 3 जुलाई 1986

सं० ए० 19013/1/82-प्रशा०-I--इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रिध्सूचना दिनांक 18 जून, 1986 के ग्रिधि-क्रमण में, संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर कार्यरत, भारतीय-लेखा परीक्षा तथा लेखा सेवा के ग्रिधिकारी श्री एम० बाला-क्रुष्णन् को ग्रायोग के कार्यालय से दिनांक 18-6-1986 (ग्रपराह्न) से, कार्यकाल की ग्रविध समाप्त होने के परिणाम-स्वरूप ग्रपने कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

श्री बालकृष्णन को दिनाँक $19^{\circ}6\cdot86$ से $30^{\circ}6\cdot86$ तक का ग्राजित ग्रवकाश प्रदान किया गया है । उनके इस ग्रवकाश के समाप्त होने पर वे लेखा महानियंत्रक (लेखा परीक्षा) ग्राई॰, तिमलनाडु एवं पांडिचेरी, मद्रास के कार्यालय में रिपोर्ट करेंगे, क्योंकि भारतीय महालेखा परीक्षक नियंत्रक के ग्रादेश सं॰ 3010—जी॰ ई॰ I/I—86 दिनांक 25 जून, 1986 के ग्रनुसार उन्हें विरिष्ठ उप लेखा महानियंत्रक के पद पर तैनात किया जाता है।

दिनांक 10 जुलाई 1986

सं० ए० 19014/9/86-प्रशा०-I--राष्ट्रपति, के० स० ग्रा० से० के श्री एस० वी० रामानी को 8 जुलाई 1986 के पूर्वाह्म से श्रागामी ग्रादेशों तक संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में ग्रवर सविच के पद पर नियुक्त करते हैं।

एम० पी० जैन, ग्रवर सचिव (का० प्रशा०) संघ लोक सेवा भ्रायोग

कार्मिक एवं प्रशिक्षण, प्रणा० सुधार, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय (का० ग्रौर प्रशिक्षण विभाग) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्युरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 14 ग्रक्तूवर 1986

सं० 10/1/85-प्रशा०-5--निदेशक, केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो तथा पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना,

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में फिलहाल प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत श्री जैंड० एन० शेख को दिनांक 15-9-86 से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में 'स्थानान्तरण' के ग्राधार पर मूल रूप से लोक ग्रभियोजक (समृह "ख" राजपन्नित) के रूप में नियुक्त करते हैं।

> धर्मपाल भल्ला प्रशासन ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रन्वेषण व्यूरो

गृह मंत्रालय

पुलिस ग्रेनुसंधान एवं विकास ब्यूरो नई दिल्ली-3, दिनांक 16 ग्रक्तूबर 1986

सं० सी० ई०-18(191)/पी० टी०--श्री के० एन० प्रसाद किनष्ठ वैज्ञानिक ग्रिधिकारी (डॉक) केन्द्रीय न्यायिक विज्ञान प्रयोगशाला चंडीगढ़ द्वारा सी० सी० एस० (पेंशन) नियमों 48(1) (1 ए०) (ए०) (बी०) के ग्रन्तर्गत स्वैच्छिक मेवानिवृत्ति के लिये दिनांक 9-10-86 को ग्रधोहस्ताक्षरित को दी गई सूचना को स्वीकार किया जाता है।

तदनुसार श्री के० एन० प्रसाद क० वै० ग्र० (हाँक) कि० न्या० वि० प्रयोगशाला चंडीगढ़ को दिनांक 18-10-86 (ग्रपराह्न) से 30 वर्षों की ग्रह्क सेवा के बाद स्वैच्छिक सेवानिवृत्त किया जाता है।

एस० के० **मल्लि**क महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 13 ग्रक्तूबर 1986

संश 13/4/86—प्रशा०—1—महानिदेशक, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो, श्री के० एन० प्रसाद, किनिष्ठ वैज्ञानिक ग्रिधिकारी, को केन्द्रीय न्यायिक विज्ञान प्रयोगशाला चंडीगढ़ में दिनांक 1-7-78 से किनिष्ठ वैज्ञानिक ग्रिधिकारी (डॉक) के मूल पद पर नियुक्त करते हैं।

एन० पी० गुप्ता सहायक निदेशक

महािदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस वल नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रक्तूबर 1986

सं डी एंक 56/85-स्था०-एक-केन्द्रीय रिजर्व पुलिस वल के श्री वी लक्ष्मीनारायनन, सहायक कमाण्डेंट ग्रुप केन्द्र, के रि पु बल, नागपुर की सेवायें दिनांक 30-9-86 (श्रपराह्म) से निर्यात नरीक्षण एजेंसी (एक्सपोर्ट इन्सपेक्शन एजेंसी), वाणिज्य मंत्रालय, नई दिल्ली को प्रति-नियुक्ति श्राधार पर सौंपी जाती हैं।

> किशन लाल, उपनिदेशक (स्थापना)

नई दिल्ली-110003, दिनांक 9 ग्रक्तूबर 1986

सं० ग्रो० दो० 1798/83-स्था०-1--राष्ट्रपति जी, केन्द्रीय सिविल सेवा (ग्रस्थाई सेवा नियमावली), 1965 के नियम 5(1) के ग्रधीन नोटिस की एक माह की ग्रविध समाप्त होने पर 49 बटालियन के डाक्टर प्रान बैन्धु देवनाथ, जनरल ड्यूटी ग्राफिसर, ग्रेड-II की सेवायें समाप्त करते हैं। डाक्टर देवनाथ को दिनांक 30-9-85 ग्रपराह्म की सेवायें समाप्त करने का नोटिस की तामील कर दी गई थी। तदनुसार उनकी सेवायें दिनांक 29-10-85 ग्रपराह्म से समाप्त कर दी गई हैं।

वी० पी० रामन सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 9 ग्रक्तूबर 1986

सं० ई०-28017/10/84-कार्मिक-II--निवर्तन की आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप, श्री के० पी० नायर ने दिनांक 31 श्रगस्त, 1986 (श्रपराह्न) से के० ग्रौ० सु० व० यूनिट, बी० एस० एस० सी०, थुम्बा, विवेन्द्रम के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दुर्गामाधव मिश्र महानिदेशक/के०औ०सु०ब०

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रक्तूबर 1986

सं० 10/11/86-प्रशा०-1--योजना महालय, सांख्यिकी विभाग के ब्रादेश सं० ए०-12025/1/86-एस०-2 तारीख 1-9-86 के द्वारा इस कार्यालय में तैनाती किये जाने के परिणामस्वरूप, राष्ट्रपति, भारतीय सांख्यकीय सेवा के ग्रेड-4 ब्रिधिकारी श्री एल० ग्रार० यादव को 1 सितम्बर, 1986 के पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेश होने तक के लिये भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय, नई दिल्ली में अनुसंधान ग्रिधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री यादव का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

वी० एस० वर्मा भारत के महारजिस्ट्रार वित्त मंत्रालय

ग्रार्थिक कार्य विभाग चलार्थ पत्न मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 13 ग्रक्तूबर 1986

सं० ई० एस० ई०-1-21/15270—महाप्रबंधक, चलार्थ पत्र मुद्रणालय, श्री सोहनलाल भंडारी को भंडार ग्रिधकारी (वर्ग "ख" राजपितत) के पद पर रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 की वेतन श्रेणी में स्पष्ट रूप से तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति प्रारंभिक रूप में दिनांक 20 सितम्बर 1986 (ग्रपराह्न) से 6 महीने की ग्रविध के लिये ग्रथवा नियमित नियुक्ति किये जाने की तारीख तक, जो भी पहले घटित हो तक की जा रही है।

सु० द० इडगुंजी महाप्रबंधक

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नासिक रोड, दिनांक 8 ग्रक्तूबर 1986

सं० 443/क०—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग "ख्") भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड़ की सिफारिश पर श्री टी० ह्वी० उल्हनन तदर्थ सुरक्षा ग्रधिकारी को एतद्द्वारा ग्रगले ग्रादेश तक सुरक्षा ग्रधिकारी ("वर्ग ख") राजपित्रत के पद पर सुधारित वेतनमान रु० 2000—3500 में दिनांक 1—10—1986 में नियमित स्थानापन्न ग्राधार पर नियुक्त किया जाता है।

पा० सु० शिवराम महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) I, म० प्र० ग्वालियर, दिनांक 6 श्रक्तूबर 1986

कमांक प्रशा०— $1/\hat{\phi}$ ० ग्र०/प्रमोशन/199/1085—महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम म० प्र० ग्वालियर ने श्री रामदास जाटव ग्रनुभाग ग्रिधकारी को दिनांक 28-8-86 पूर्वीह्न से स्थानापन्न लेखा ग्रिधकारी के पद पर रुपये $840-40-1000-\hat{\xi}$ ०बी०—40-1200 के वेतनमान पर ग्रागामी ग्रादेशों तक पदोन्नत किया है।

(प्राधिकार—महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) - प्रथम के ग्रादेश दिनांक 26-8-86)

> जी० एल० गर्ग उप महालेखाकार (प्रशा०)

महालेखाकार का कार्यालय (लेखा एवं हकदारी) उत्तर प्रदेश इलाहाबाद, दिनांक ७ श्रक्तूबर 1986

शक्ति पक्ष

सं० प्रशा०—1/11-144/ग्रधि०/2264—पूर्व में प्रका-शित श्रिक्षसूचना में निम्न प्रकार से संशोधन किया जाता है:—

क सं० श्री प्रवीर चटर्जी स्थानापन्न लेखा स्थानापन्न लेखा 19 लेखा ग्रधिकारी ग्रधिकारी पद पर ग्रधिकारी पद पर पूर्व नियुक्ति नियुक्ति की तिथि 31-1-86 संगोधित तिथि ग्रपराह्म से 31-1-86 पूर्याह्म

> मीनाक्षी चक उप महालेखाकार (प्रशासन)

वाणिज्य मंद्रालय

मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 13 ग्रक्तूबर 1986

सं० 6/1652/86-प्रशा० (राज०)/4898--राष्ट्रपति, श्री छी० राजागोपालन, भारतीय प्रशासनिक सेवा (जी० जे०: 74) को 10 सितम्बर, 1986 के अपराह्म से श्रगला आदेश होने तक, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात, व बम्बई के रूप में नियुक्त करते हैं।

> राजीव लोचन मिश्र मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात

वस्त्र मंत्रालय

वस्त्र भ्रायुक्त का कार्यालय वम्बई-20, विनांक 14 श्रक्तुबर 1986

सं० 2 (59) स्था०-1/86/4226—शिक्तचालित कर्मा सेवा केन्द्र, इरोड के श्री के० वी० रामास्वामी, सहायक निदेशक शेणी-II सेवानिवृत्ति की श्रायु पूरी करते हुए दिनांक 31-7-1986 के श्रपराह्म से सेवानिवृत्त हो गए।

भ्रुषण कुमार वस्त्र भ्रायुक्त

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग-6)

ंगई विल्ली-110001, विनांक 6 अक्तूबर 1986

सं० ए-6/247(613(/69-निरीक्षण निवेशक (धातूकर्म) जमशेदपुर के कार्यालय में कार्यरत स्थायी सहायक निरीक्षण प्रश्चिकारी (धातू रसायन) श्री जी० जे० वाधवानी वार्क्रवन्यवय प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31 श्रगस्त 1986 के श्रपराह्म से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

> श्चार० पी० शाही उपनिदेशक (प्रशासन) **छते** महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात भ्रोर खान मंझालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 13 श्रगस्त 1986

सं० 6799-बी०/ए०-19011(1-जे० एस०)/86-19-ए०-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) डा० जे० सिम्हाचलन ने भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) के पद का कार्यभार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 31 जुलाई, 1986 के अपराह्न से छोड़ दिया, ताकि वे अन्तरिक्ष विभाग, भारत सरकार में वैज्ञानिक/अभियंता-एस० डी० के पद का कार्यभार, 1100-1600 ह० के वेतनमान में, आरंभिक रूप से दो वर्ष की अवधि के लिए, प्रतिनियुक्ति की सामान्य शर्ती पर, प्रतिनियुक्ति पर ग्रहण कर सकें।

दिनांक 14 श्रक्तूबर 1986

सं० 6812-बी०/ए० 19011(1-एस० के० एस०)/ 85-19ए०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक (क्षनिष्ठ) श्री संजय कुमार श्रीवास्तव ने भूवैज्ञानिक (क्षनिष्ठ) के पद का कार्यभार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 15-4-86 (भ्रपराह्म) से त्यागपत्न पर छोड़ दिया।

सं० 6824-बी०/ए० 19011 (1-स्नार० के० एस०)/79-19ए०-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) श्री श्रार० के० मर्मा ने भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पव का कार्यभार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 19-7-85 के श्रपराह्न से छोड़ विया, ताकि वे योजना भायोग, भारत सरकार, नई दिल्ली में अनुसंधान श्रधिकारी (भूविज्ञान) का कार्यभार ग्रहण कर सके।

दिनांक 15 अक्तूबर 1986

सं० 6837-बी०/ए०-19011(6-के० के० एन०)/66-19ए०-डा० के० के० नन्दी, खनिज विज्ञानी (वरिष्ठ) ने खनिज विज्ञानी (वरिष्ठ) के पद का कार्यभार 11-8-86 (अपराह्म) से छोड़ दिया ताकि से प्रेसीडेंसी कालेज, कलकत्ता में भ्रतिथि वैज्ञानिक के पद का कार्यभार दो वर्षी की भ्रविध के लिये सामान्य गर्ती पर प्रतिनियक्ति पर ग्रहण कर सके।

श्रमित कुशारी निवेशक (कार्मिक)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 14 ग्रक्तुबर 1986

सं० ए० 19011(179) 84-स्था० ए०- तिभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री एस० एम० पिपले, स्थाई सहायक खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरों में उप खान नियंत्रक के पद पर नियमित रूप से दिनांक 4-8-1986 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश तक सहर्प नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19011(176)/84-स्था० ए०---राष्ट्रपति, श्री एस० एल० पितले, स्थायी सहायक खान नियंत्रक को भार-तीय खान ब्यूरो में उप खान नियंत्रक के पद पर नियमित रूप से दिनांक 31 जुलाई 1986 (पूर्वाह्न) से ग्रागामी ग्रादेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19011(180) 75-स्था०-ए०-विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर, राष्ट्रपति, श्री ग्रार० राज्गोपाल, स्थाई सहायक खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरो में उप खान नियंत्रक के पद पर नियमित रूप से दिनांक 4 ग्रगस्त 1986 (पूर्वाह्म) से ग्रागामी ग्रादेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं एव 19012 (227) 86-स्या० ए० विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री ए० हाडी, वरिष्ठ तकनीकी सहायक, भारतीय खान ब्यूरो को दिनांक 23 जुलाई 1986 के पूर्वीह्म से भारतीय खान ब्यूरो में ज्यानापन्न रूप में सहायक खनन भूविज्ञानी के पद पर पदोत्ति प्रदान की गई है।

सं० ए० 19011 (243) 86-स्था० ए०--िन्नागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्रो बी० पी० सिन्हा, स्थानापन्न सहायक खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरो में उप निदेशक खान नियंत्रक के पद पर नियमित रूप से दिनांक 6-8-86 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 भ्रक्तूबर 1986

सं० ए० 19011 (50)/86-स्था० ए०-विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री एम० एल० सिंघल, ग्रधीक्षक खनन भूविज्ञानी को भारतीय खान ब्यूरो में प्रमुख खनन भूविज्ञानी के पद पर दिनांक 30-9-86 के पूर्वाह्य, से ग्रागामी ग्रादेश तक महर्ष नियुक्त करते हैं।

जी० सी० शर्मा सहायक प्रशासन ग्रधिकारी कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्मे त्रभाग

ब्म्बई-400 026, दिनांक 8 अक्तूबर 1986

सं० 6/37/55—सिबन्दी—I—मुख्य निर्माता फिल्म प्रभाग ने श्री एम० राधाकृष्णमूर्ति, वितरक, फिल्म प्रभाग, तिवेन्द्रम को दिनांक 26 श्रगस्त, 1986 पूर्वाह्न से शाखा प्रबन्धक, तिवेन्द्रम के पद पर नियुक्त किया है।

वी० ग्रार० पेस**वानी** सहायक प्रशासकीय ग्रधिकारी कृते मुख्य निर्माता

भाभा परमाणु भ्रनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 14 अक्तूबर 1986

सं० पी० ए०/73 (18)/86-ग्रार०-4/1094— नियंत्रक, भाभा परमाणु ग्रनुसंधान केन्द्र डा० ग्रानिज्ञ कुमार लल्लूभाई पटेल को निवासी चिकित्सा ग्रिधकारी पद पर इस ग्रनुसंधान केन्द्र के ग्रायुविज्ञान प्रभाग में सितम्बर 19, 1986 (पूर्वाह्न) से दिसम्बर 1, 1986 (ग्रपराह्न) तक ग्रस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

> सी० जी० सुकुमारन उप स्थापना ग्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग इंदिरा गांधी परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र

कलपाक्कम-603 102, दिनांक 14 ग्रगस्त 1986 सं० ग्राई० जी० सी० ए० ग्रार०/ए० 32013/22/86-ग्रार०--राष्ट्रपति, इंदिरा गांधी परमाणु ग्रनुसंधान केन्द्र, कलपाक्कम में काम कर रहे उन व्यक्तियों में से प्रत्येक को, जिनके नाम नीचे दिये जा रहे हैं, 1 फरवरी, 1986 के पूर्वाह्न से ग्रगला ग्रादेश जारी होने तक के लिये उस केन्द्र में उन पदों पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं जो नीचे उसके नाम के सामने बताया जा रहा है।

ऋ० सं०	नाम तथा पदनाम	मौलिक पद	वह पद जिस पर नियुक्ति की गई
1	2	3	4
1. প্রী	वी० गणपतिरामन	वैज्ञानिक सहायक ''बी०''	वैज्ञानिक ग्रधिकारी/ ग्रभियंता ग्रेड ''ए स ० बी०''

1	2	3	4,
2.	श्री एन० करपागम ड्राफ्ट्समैन "सीं॰"	ड्राफ्ट्समैन ''बी०''	वैज्ञानिक स्रधिकारी/ स्रभियन्ता ग्रेड "एस० वी०"
3.	लीला कुंचीथापठम वैज्ञानिक सहायक "सी०''	वैज्ञानिक सहायक ''बी०''	वैज्ञानिक ग्रधिकारी/ ग्रभियंता ग्रेड ''एस० बी०''
4.	श्री जे० कंडासामी, वैज्ञानिक सहायक "सी०"	वैज्ञानिक सहायक ''बी०''	वैज्ञानिक ग्रिधिकारी/ ग्रिभियंता ग्रेड ''एस० बी०''
	श्री धार० पलानीचामी, वैज्ञानिक सहायक "सी०"	वैज्ञानिक सहायक ''डी०''	वैज्ञानिक स्रधिकारी/ स्रभियंता ग्रेड ''एस० वी०''
	श्री ग्रार० रंगनाथन, वैज्ञानिक सहायक ''सी०''	वैज्ञानिक सहायक ''बी०''	वैज्ञानिक ग्रधिकारी/ ग्रभियंता ग्रेड ''एस० बी०''
	श्री सर्त∧ा वेल्ल वी, वैज्ञानिक सहायव. ''सी०''	वैज्ञानिक सहायक ''बी०''	वैज्ञानिक ग्रिधिकारो/ श्रिभियंता ग्रेड ''एस० बी०''

पी० वेणुगोपालन प्रशासनिक श्रधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-16, दिनांक 14 अक्तूबर, 1986

संग प०ख०प्र०-8/7/85-भर्ती—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु उर्जा विभाग एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रणी लिपिक भीर स्थान पत्र सहायक लेखपाल, श्री महाबीर सिंह को उभी प्रभाग में श्रीमती सरस्वती वेंकटाचलम्, सहायक लेखा अधिकारी के छुट्टी पर जान पर 18-8-1986 से 19-9-1986 तक स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं । पं ख । प्र । ४०-८/ ७/ ८५-भर्ती--निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्द्वारा परमाणु खनिज

प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं स्थानापन्न लेखा-पाल श्री जें० के० शर्मा को उसी प्रभाग में 22-8-1986 से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

> ई० वे० गोविन्दराजन, प्रशासन ग्रधिकारी-II

वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 13 अक्तूबर 1986

सं 16/198/71-स्थापना-I— अतिवार्य सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर श्री डी॰ एन॰ भाटिया, अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून दिनांक 31 अगस्त, 1986 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

जगदीश नारायण सक्सेना कुल सचिव वन अनुसंधान संस्थान <u>एवं महाक्खिलय</u>

निरीक्षण महानिदेशालय — सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली, दिनांक 14 ग्रक्तूबर 1986

सं 20/86—श्री एच० टी० ग्राचार्य ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय ग्रहमदाबाद में अधीक्षक ग्रुप 'ख' के पद पर तैनात थे, इस निरीक्षण महानिदेशालय के दिनांक 11-7-1986 के ग्रादेश सं० 1041/47/84—प० प्रा० यू० द्वारा निरीक्षण ग्रधिकारी ग्रुप 'ख" के रूप में नियुक्त होने पर, इस महानिदेशालय के बम्बई स्थित पश्चिमी प्रादेशिक ग्रूपित में दिनांक 8-9-86 को (पूर्वाह्म) में निरीक्षण ग्रधिकारी ग्रुप 'ख" के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० 18/86—श्री डी॰ सुब्रह्मण्यम ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ग्रधीक्षक ग्रुप "ख" के पद पर केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, हैदराबाद में तैनात थे, इस महानिदेशालय के दिनांक 16-6-1986 के ग्रादेश सी॰ सं० 1041/47/84 केन्द्रीय प्रादेशिक यूनिट द्वारा निरीक्षण ग्रधिकारी, ग्रुप "ख" के रूप में नियुक्ति होने पर निरीक्षण महानिदेशालय सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के हैदराबाद स्थित केन्द्रीय प्रादेशिक यूनिट में दिनांक 14-7-86 (पूर्वाह्म में) को निरीक्षण ग्रधिकारी ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एच० एम० सिंह, निरीक्षण महानिदेशक

केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली-66, विनांक 13 अक्तूबर 1986

सं० ए०-19012/1161/86-स्थापना-पांच--श्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग श्री एस० दास० गुप्ता, पर्यवेक्षक को श्रतिरिक्त सहायक िदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनिरिंग) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-६० रो०-35-880-40-1000-६० रो०-40-1200/- रूपये के वेतनमान में 20-6-1986 की पूर्वीह से एक वर्ष की श्रवधि के लिए श्रयवा पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हों, पूर्ण श्रस्थाई तथा तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

्म० श्रार० सिंघल श्रवर सचिव, केन्द्रीय जल श्रायोग

कृष्णा कावेरी सर्कल

्हैबराबाद 500 001, विनांक 22 सितम्बर 1986 केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) के नियम 1965 के उपनियम 5(1) के अन्तर्गत सेवा समाति की सूचना

सं० के० सी० सी/ए/ 22012/556/85/प्रशासन/ 7338-43 केन्द्रीय सिविल सेवा के नियम 65 के उपनियम 5(1) के प्राधार पर मैं, वि० वि, राम शर्मा, ग्रधीक्षक अभियंता, श्री हमीद उल्ला शरीफ (Hameedullah Shareef) की सेवा समाप्त करने की नोटिस/सूचना जारी करता हूं। इस भादेश की श्रवधि, सूचना जारी करने की तारीख से एक महीने तक की होगी, या जो उचित होगा।

वी० वी० राम गर्मा ग्रधीक्षक ग्रभियंता, कृष्णा कावेरी सर्केल

रजिस्ट्री ए० डी०:

- (1) श्री हमीदजल्ला गरीफ, ग्रनुरेखक (Tracer)
 मकान नं 11-2-570, हसीब नगर,
 नामपल्ली, हैदराबाद-500001.
- (2) श्री हमीदउल्ला शरीफ, मकान नं० 1-3-77/30, इसलाम स्ट्रीट, एम० जी० रोड, मेंदक-502110.

उद्यो। तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी रजिस्ट्रार कार्यालय कम्पनी प्रधिनियम 1956 एवं भिम्कांस प्राईवेट लिमिटेड

> के विषय में हैदराबाद, दिनांक 9 श्रक्तुबर 1986

सं 1290/टी॰ए॰ /560--कम्पनी ग्रधिनियम की धारा 560 की उनधारा (5) के श्रनुरसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि भिम्कांस प्राईवेट लिमिटेड का नाम माज रिजस्टर से काट दिया दिया या है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं पायनियर चिट्स एण्ड फाईनें। प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1986

सं० 2787/टी०ए० III/ 560 - कम्पनी धिधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पायनियर चिट्स एण्ड फाईनेंस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी प्रधिनियम 1956 एवं हैवराबाद टैक्सटाइल्स प्राहवेह लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 9 अक्तूबर, 1986

सं० 2034/टी०ए० [1]/ 560— कम्पनी प्रधिनियम की धारा 560 की (5) के श्रनुसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि हैधराबाद टैनसटाइल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कस्पनी श्रधिनियम 1956 एवं सोफरीम कैमिकल प्रासस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

सं० 2429/टी०ए०III/ 560—कम्पत्ती मिश्विनियम की धारा 560 की (5) के अनुमरण में एतदहारा सूचना दी जाती है कि सोफरीम केमिकल प्रासस प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं लेबर, इकनामिक एण्ड परसोनल सर्विसिस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराताद दिनांक 9 ग्रक्तूबर 1986

सं० 1697/टी ०ए० $\Pi^{IJ}/560$ —कम्पनी श्रिधितियम की धारा 560 की (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि लेजर ईकानाभिक एण्ड परसौनल सर्विसिस प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर- जक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं भाग्यनगर टूल्स एण्ड फैब्रीकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद, दिनांक 9 अन्तूबर 1986

सं 3425/2िं oए o III/560— कमानी स्रिधि ियम की धारा 560-को (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि भाग्यनगर टूल्स एण्ड फैब्रीकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम **भाज** रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ऋधिनियम 1956 एवं होटल सागर व्यू प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1986

सं • 1340/टी • ए • III/ 560— कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि होटल सागर व्यू प्राईवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

श्रार० के० भट्टाचारजी कम्पनियों का रजिस्ट्रार श्रांध्र प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं गल्फ पावर श्रौर इनर्जी इन्जीनियरिंग सर्विस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 13 श्रक्तूबर 1986

सं० 723/13134/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर गल्फ पावर और इनर्जी इन्जीनियरिंग सर्विस प्रा० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण प्रदर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 एवं माईको पेरीफर्ल्स बाम्बे प्राईवेट लिमिटिङ के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 13 ग्रक्तुबर, 1986

सं० 729/32323/560(3)—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मार्डको पेरीफरल्स बाम्बे प्रा० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिंशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 ए**डं कुलीन्स वाच ब्रासलेट** मैन्युफैक्चरिंग प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

त्रम्यई, दिनांक 13 अक्तूबर 1986

सं 722/17269/560(3)—कम्पनी स्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कुलीन्स वाच ब्रासलेट मेंग्न्युफैक्चरिंग प्राईवेट िमिटड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उंक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं गणेश शिपिंग लिमिटेड के विषय में ।

वम्बई, दिनांक 13 ग्रक्तूबर 1986

सं० 726/18966/560(3)—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर गणेश शिपिंग लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं कुलीन्स वाच केस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में!

बम्बई, दिनांक 16 ग्रक्तूबर 1986

सं० 713/21795/560 (3)—कम्पनी अधिनियम1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास
के अववान पर कुलीन्स बाच केस प्रा० लिमिटेड का नाम
इसके प्रतिकृत ज्वरण दिणत न किया गया तो उजिस्टर
से गट दिया जएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी
ज्ञार्गा।

वी० राधाकृष्णन, कम्पनियों का ग्रातिरिक्त रिजस्ट्रार, महाराष्ट्र, बम्बई।

क्त्यानी अधिनियम 1956 एवं श्रोम शिव शक्ति होटल अधिवेट विभिटेड के विषय में

पप्रकी, दिलां । 15 अक्तूवर 1986

रं० 46 1/560/(3)—ेंग्रपनी श्रिधित्यम 1956 की धार 198 की एपशास (3) के अनुसरण में एतद्हारा पन स्वार की तिति है थि इस नारीख से तीन मास के अपना की प्राप्त किया सकत होटल प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकृत कारण दिशित न किया गया रिजस्टर भे काट दिया आएगा ग्राँग उम्क कम्पनी विषटित कर दी आएगी।

बी० एन० हरीण कम्पनियो कः रजिस्ट्रार, गोबा, दमन ग्रीर दीव।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 एवं यात्रिक प्राईवेट लिमिटेड के विषय में :

कलकत्ता, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1986

सं० 22149/560 (5)— उम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि यांत्रिक प्राध्वेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विष्टित कर दी गई हैं।

कम्पनी ऋधिनियम 1956 एवं ए० जी० वी० फाइनेंस प्रा**ई**वेट लि**मिटेड** के विषय में।

कलकता, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1986

स० 36577/560 (5) — हम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि ए० जी० बी० फाइनेंस प्राईवेट लिभिडेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 एवं धार० एच० एन० चौधुरी एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकता, दिनांक 16 अक्तूबर 1986

संव 17511/560 (6) — कम्पनी श्रिधिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि आर० एच० एन० चौधुरी एण्ड कम्पनी प्राध्वेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटिल हो गई है।

कस्पती श्रधितियम 1956 बेहार डेबलपमेंट कारपोरेणन प्रार्ड्बेट लिमिटिंड के विषय में ।

कलकता, दिनांक 16 भ्रक्तूबर, 1986

 सूचना दी जाती है कि बिहार डबलपमेंट कारपो-रेशन प्राईवेट लिसिटेड है। नाम ग्रांच रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कस्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मैदिनोपुण लोन एण्ड एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्राईवेट लिसिटेड के विषय में।

कलकता, दिनाँक 16 श्रक्तूबर 1986

सं० 12014/560 (5) -- कम्पनी प्रधितियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रनुसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि मेदिनीपुर लोन एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राइ रिजस्टर में काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विषटिन कर दी गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 एवं रेनबो इण्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलमत्ता, दिनांश 16 श्रम्तूबर 1986

सं० 21649/560 (5)---कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि रेनबो इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटिङ का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटिन हो गई है।

कम्पनी अधितियम, 1956 एवं वेस्ट ंगाल साल्ट एण्ड ३ण्डस्ट्रीज प्रा० लिमिटिड के विषय में।

कलक्सा, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1986

सं० 23156/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि वेस्ट बंगाल साल्ट एण्ड इण्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का काम आज रिक्स्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

> एन० एन० मौलिक कम्पनियों का श्रतिरिक्त रिजस्ट्रार पश्चिम बंगाल

प्ररूप आहर् .टी .एन .एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

LE ANGLES PER LE CALLE CONTRA DE SERVICIO DE LA CONTRA DEL CONTRA DE LA CONTRA DEL CONTRA DE LA CONTRA DEL CONTRA DE LA CONTRA DE LA CONTRA DE LA CONTRA DEL CONTRA DE LA CONTRA DEL CONTRA DE LA CONTRA DEL C

भारत सरकार

बाधिलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, II, मद्रास मद्रास, दिनांक 30 सितम्बर 1986 निदेश सं० 1/फरवरी 1986—श्रत: मुझे, ए० श्रार०

रेड्डी, ब्रायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इसमें**

इसकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्यात् 'उचन अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्ष्य आधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

धौर जिसकी सं 19, पलवर्स रोड, मब्रास 10 है, जो मद्रास में स्थित है, है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पुरणवाक्कम लेख सं 353/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी 1986

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एरे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अन्तर्रितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तविक रूप से कथित गहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) ो स्प्रीय, निम्नोलिंगित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बी॰ श्रश्वत ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ज्योत्स्नाबेन बी० पटेल।

(भ्रन्तरिती)

गृह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीच से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20 - के में परि-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनसः ची

भूमि — 19, पलवर्स रोड, मद्रास-10, पुरणवाक्षम/ लेख सं० 353/86 ।

> ए० ऋार० रे**ड्डी** सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकर स्नायुक्त(निरीक्षीय) श्रर्जन रेंज~≀ा, मद्रास

दिनांक : 30-9-1986

प्ररूप वार्ड. टी. एन. एस.-----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 30 सितम्बर 1986

निदेश सं० 2/फरवरी 1986—श्रतः मुझे, ए० श्रार० रेड्डी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 19, फ्लबर्स रोड कीलपाक है, जो मद्रास— 10 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित-है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, पुरशवाक्कम्/ लेख सं० 364/86 से 375 तक, भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी 1986,

को पृशेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उनत नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सृविभा के किए; और/या
- (का) दोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अस, उथत सीधीनयम की धारा 269-ग के अनुवरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निर्लिश व्यक्तियों, अर्थातः :—

- (1) श्री वी० एम्बेरूमानारचेट्टी श्रौर श्रन्यों । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गिग्नेष ग्रार० जवेरी। (अन्तरिती)

कः यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के रिष्णु कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हन्न

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पात्त में हितजद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी. के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें अय्वतं शब्दा और पदां का, जो उक्त अधिनियमा, के अध्याय 20-या में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ हों। जो उन अध्याय के दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि भ्रौर मकान—1/12 हिस्सा—19 फ्लवर्स रोड कील्पाक , मद्रास—10 पुरशवाक्कम् लेख स० 364 से 375 तक ।

दिनांक : 30-9-86

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रासः; विनांक 30 सितम्बर 1986 निवेश सं० 3/फरवरी 1986—-श्रतः मुझे, ए० श्रार्० रेड्डी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्यांत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट सं० 8-सं० 19 प्लबर्स रोड कीलपाक है, जो मद्रास-10 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पुरश्यावकम् लेख सं० 361/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक फरवरी 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विद्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अदि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

अतः अतः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिक्ति व्यक्तित्यों, अर्थात् हु--- (1) श्री वी० रमेश !

(धन्सरक)

(2) श्रीमती भानुमती पी० शा० ग्रौर ग्रन्थों । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति की अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-थित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि प्लाट सं० 8, सं० 19 फ्लवर्स रोड कील्पाक, श्रौर मकान मद्रास, पुरशवाक्कम लेख सं० 3761/86।

> ए० श्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षीय) ग्रर्जन रेंज—II, मद्रास

विनांक : 30-9-1986

प्रारूप वार्ड ्टी एन एस् .-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरुक्षिण)

ध्रर्जन रेंज-II, मद्रास

फरवरी, दिनांक 30 सितम्बर 1986

निवेश सं० 4/फरवरी 1986—अतः मुझे, ए० न्नार० रेड्डी, शायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) हिंच्य इतनें इसके वृश्यात् 'उच्छ अभिनियन' कहा वस्त हैं), की धारा 269-ए के वधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह जिल्हाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिश्वका उच्छित् बाबार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० 19, पलवर्स रोड, मद्रास-10 है, जो मद्रास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पुरशवाक्कम् लिख सं० 232/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक फरवरी 1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाकार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के सिए जंतरित को गई है और भूनों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार न्रस्य उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिखत से अधिक है और जन्तरक (सन्तरका) बार अन्तरिती (अन्तरिद्धायाँ) के बीच एसे क्नतरण के जिए तब पाता गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनक सन्तरण सिकित में भास्तिक रूप से क्यूनिक महीं निका गया है है—

- (क) मृत्युद्रक् से शुद्ध किसी बाय की वाक्य ; उनक् ग्रीशृतिस्भ में अभीव काद्ध दोने हो जनस्यक से वास्तिक में कभी करने या उक्से क्वने में सुविधा में क्रिए; मीट्/वा
- (क) देशी कियों बाब ना किसी धन या क्या वास्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा औं किय:

(1) श्री वी॰ ग्रश्वतः।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पूष्पाबेन सी० घोषी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना को राजपण में प्रकाशम की शासीय है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजका की उत्पंक्षण के 30 किन की जनकि, को धी सक्ति वाद में स्वाप्त होती हो, के शीकर क्लॉक्श व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति कुलाक;
- (क) इस प्रकास के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक सिसित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकित्व :--- वस्ते प्रयुक्त कवां और पवां का, जो जनत सीवनियम, के वश्याय 20-क में परिभावित हैं, वहाँ वर्ष होगा जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

जन्स्यी

भूमि—19 फ्लबसं रोड, मब्रास-10 पुरणवाण्यकम लेख सं० 232/86 ।

> ए० ग्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षीय) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

जतः अव, उपा अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण प मैं. अक्ल अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अभीतः :---

विनाम : 30-9-86

एकम् भार्त्रही₋यम्,एस् वनसम्बन्धनम्

नायकार अभितियम, 1961 (1961 का 43) वर्षी भारा 269-म (1) के विभीन सुचना

लाइब बहुन्सह

कार्याजयं, सहायक बायकर बायुक्त (हैनरीक्रण)

श्चर्णन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 सितम्बर 1986

निदेश सं॰ 5/फरवरी 1986—-श्रतः मुझे, ए० श्रार० रेङ्की, ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्व 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 5, सेनाठोप रोड तेनाम्पेठ, है, जो मन्नास-18 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबध श्रमुर्स्चा में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मन्नास सेण्ट्रल लंख सं० 129/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित उद्देष्य से उसते अन्तरण लिखित वे बास्तिबक रूप से कीयत गड़ी किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (व) एंसी किसी नाम या किसी धन या वन्य नास्तिनी की, चिन्हें भारतीय नाम-कड़ विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भवा था या किया जाना किहा था, छिपान में धिना के जिए।

भत्तः स्वाः व्यक्त सीमीनयम की धारा 269-म के समुसरण सो, मी, दक्त सीमीनयुग की धारा 269-म की उपधारा (1) में सभीन, निम्मसिक्क व्यक्तियों, समीक् हे—- (1) श्रीमती ग्रन्नी ग्रलगणन्।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कल्याणी तामस।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त संपृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिमां शुरू करता हुं।

वक्त स्प्रतित के वर्षन् के स्वयंत्र में कोई श्री आक्षेप्य--

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए या सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रंयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त के बिधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुम्

भूमि प्लाट सं० 5, सनाटोप रोड, तेनाम्पेठ मद्रास-18 मद्रास सेण्ट्रल लेख सं० 129/86

> ए० श्रार० रेड्डी ः सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षीय) श्रर्जन रेंज–।।, मद्रास

विनाक : 30-9-1986

मोहर 🙏

शक्य आहु ् दर्शे पुंचान पुरस्क कार्यक

आयकतु जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भाउत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर माम्कत निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, विनांक 30 सितम्बर 1986

निदेश सं० 7/फरवरी 1986—श्रतः मुझे, ए० श्रार० रेड्डी,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 86, 4 मेन रोड गांधी नगर, ग्राडयार है, जो मद्रास-20 में स्थित (ग्रीर इससे उपाबध ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, विक्षण मद्रास लेख सं० 322/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक फरवरी 1986,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्थामान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा मवा प्रतिष्म, निम्बसिवित उष्देश्य से उक्त बन्तरण निवित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्धरण से हुई फिली भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तरे वचने में स्थिध के सिए; और√या
- (श) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती विजया सुन्दरम्

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मेला सन्तानम्

(ग्रन्तरिती)

कार्य **सह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्म**त्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हन्न

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां भर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार तिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः---इसमे प्रयुक्त शक्यों और वयों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या नवा हैं (1)

अनुसूची

भूमि श्रीर मकान --- 4 मेन रोड, गांधी नगर, श्रडयार मद्रास-20 मद्रास विक्षण लेख सं० 322/86 ।

> ए० आर० **रेड्डी** सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास-6

दिनांक : 30-9-86

प्ररूप आईं.टी.एन :एस : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (पिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-∏, मद्रास

मब्रास, दिनांक 30 सिलम्बर 1986

निदेश स० 8/फरवरी 1986—श्रतः मुझे, ए० ग्रार० रेड्डी,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 58, फस्ट मेन रोड सी० ए० टी० नगर, है, जो नदनम मद्रास-35 में स्थित है (भौर इससे उपाबध अनुतूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास दक्षिण लेख सं० 503/86 में भारतीय अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, रजिस्ट्रीकरण दिनांक फरवरी 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित याजार मूल्य से कम के कथमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एोसे इश्वमान प्रतिफल को पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पावा गवा शितफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उनत बंतरण विवित्त में शास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है है—

- (क) क्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी नाम या किसी भन या जन्म नास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया जाता चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के सिए;

श्राप्त अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण कों, मीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की अपभारा (1) ध अभीन, निस्नितिवित अधिकारों चर्माछ अ— (1) श्री एम० ए० फ़ुब्लमूर्ति।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के॰ महावेवन्।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिय करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति ब्यारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध क्रिक्ती अन्य स्थिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और अर्थों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि भौर मकान प्लाट सं० 15, फस्ट मेन रोड, सी० ए० टी० नगर, नदनम,मब्रास-35 मद्रास विक्षणम लेख सं० 503/86 ।

> ए० आर० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—II, मद्रास

दिनांक : 30-9-86

मक्द. बाहु ं टी. पुन. पुस. ----

भायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के नधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-।।, मद्रास मद्रास, दिनांक 30 सितम्बर 1986

निदेश सं० 10/फरवरी 1986—ग्रतः मुझे, ए० ग्रार० रेड्डी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 145, स्टॉलिंग रोड, नुगम्बाक्कम मद्रास-34 है, जो में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास उत्तर लेख सं० 688/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक फरवरी 1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; बीर/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— 3—316 GI/86

- (1) मेसर्स सौंदर राजन एण्ड कं० प्राइवेट लि० (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स अरुणा शुगर्स लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्क संपत्ति के अर्थन के संबंध में कांच्ये भी जाओंच ह—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (व) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त बाब्दों और पदों का, जो उक्तर अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्ल' होगा. जो जस अध्याय में रिया गया हैं।

प्रनुसूची

भूमि और मकान -145, स्टॉलग रोड नुंगम्बाक्कम, मद्रास उत्तर मद्रास लेख सं० 688/86

ए० स्नार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नायुक्त निरीक्षण) स्रर्जन रेंज–।।, मद्रास

दिनांक : 30-9-86

कर्य बार .टी. प्र. प्र. ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अभीन स्पना

शारत सरकाए

कार्यालय,, सहायक बाधकर आवृत्त (निर्दाक्तक) ग्रर्जन रेंज-, मद्रास-6

मद्रास, दिनांक 10 श्रक्तूवर 1986

निदेश सं० 4/फरवरी 1986—-ग्रतः मुझे, ग्रार० जानिक-रामन,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्मित्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

त्रौर जिसकी सं० 12, एराबालू चेप्टी स्ट्रीट, मद्रास है, जो मद्रास में स्थित है (ग्रौर इमसे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास उत्तर (दस० सं० 573 ग्रौर 574/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक फरवरी 1986,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति ति की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितर्गो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया क्या प्रतिफन, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में अस्तिक क्य में किया गया है : ----

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बोर/या
- है। एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, १००० १९०० की १९०० की ११० या उनत अधिनियम या पत-कर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) ए भणेक्टा अन्यिसित देवारा प्रकट नहीं किया भण का का किए आते की स्थित की संधित के लिए;

(1) श्रीमती रोक्साना जक्रया 2 ग्रसमा ग्रक्तर 3 ग्रनिसा नूर जफ्फार

(ग्रंतरक)

- (2) 1. श्रीमती विपिञ्चन्द्रा एस० देव
 - 2. हुसेनी मसालिया
 - 3. मोईस्भाई ग्रस्गार भाई

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितर प्रविक्र प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वितर
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया औ

अन्स्ची

भूमि और मकान डोर सं० 12, एराबालू चेप्टी स्ट्रीट मदास-(दस० सं० 573 ग्रौर <math>574/86)

श्रार० जानिकरामन सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—^J, मद्रास–6

अतः अवः, उपत अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनयमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 10-10-86

प्रस्प आहे ही एन एस ----

बामकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) क्ष्री भारत 269-भ (1) के संयोग मुख्या

भारत प्रस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुराई

मदुराई, दिनांक 6 प्रक्तूबर 1986

निदेश सं० 2/फरवरी 1986—अत: मुझे, ए० सेलवराज गायकर अभिनियम, १९६१ (1961 का 43) (जिस इसम स्वके पश्चात् विकस अभिनियम' काहा गमा हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने व कारण हो कि यहान विकास करने व कारण हो कि यहान विकास हैं।

म्रोर जिसकी सं० भार० एस० 282/43-1, 31, 27 से 29 है, जो सुक्लकोड़ ग्राम भीर पोनमले ग्राम में स्थित है (म्रीर क्ससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार तिक्वललार डोक सं० 424 से 427 व 459 व 460/66 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिविनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1986.

त्र पृत्रों करा सम्परित के उचित गणार मृलय से कम के स्वयमान । तिफल के लिए गन्त दित की गई हैं और भूके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यभापवें करा तेपरित का उचित गणार पृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल ने एसं अध्यमान प्रतिफल का त्यह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियां) के बीच एसे बंतरण के लिए तब पागा गया प्रतिक हत् , निम्ही सोसत बहुत गय से उचल अन्तरण कि सित् को सम्मित्र हुए से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की आअत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बर्धनरव में सभी करने न सबसे में स्रीवार के दिन्हा स्वीद्र/मा
- (क) प्रेजी किसी आप वा किसी थन वा कथा जात्तिकों की, जिन्ही भारतीय जायकर निवित्तवनन, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोधनार्थ नन्तीरती ग्वाडा प्रकट नहीं किया वृद्धा था वा निवस धाना चाहिए था, कियाने के जिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री **इडिक्कु**ला ऐब्रह्मम पुत्र श्री सिन्न एब्रह्मम, बद्दन्सका पींड , होम सेट पिलगलाव नन्दनकोड

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० ज्यार्ज ग्रीर सब टी सी 24/222, धैनकाटुडु वार्ड वलुत्तक्काड़् चंगलाचेरी कन्याक्रमारी डिस्ट्रिक्ट

(अन्तरिती)

का यह धूचना जारी करके पूर्वोच्स संपर्तित के अर्थन के जिए। अर्थयाहियां करता हुंगू।

दवत प्रज्याति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) एवं जुनता के राजपन में प्रथमिय की सारित से 45 रिन की तकिए में अपन्य मित का पानित का पर सूचना की तामीत से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वा कत व्यक्तियों में से किभी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्बित में किए जा सकेंगे।

प्यक्षणिक्षणः----इत्तर्भे प्रयुक्त शब्दों कीर धर्दों का, को जक्द विभोनसम् के जन्मान 20-क भी विस्तासिक हैं, बही जन्में होगा, को जन सन्मान में विसा क्या हैं।

श्रनुस्ची

वेकंट सैट

ए० सेलवराज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मक्रुराई

दिनांक : 6-10-86

Annual control of the control of the

प्ररूप आईं .टी .एन .एस . ---- -

সালাকৰ লাখিনিয়ন, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1986

म्रादेश सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/2702—यतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

ं कार के प्रान्यम, 1951 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा है69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का भारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार ब्रह्ण 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं नाहटा बिल्डिंग है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 20 फरवरी 1986,

प्रविक्त सम्मित के उपित बाजार मृस्य से कम के द्वयवाय शितफान के निए अंतरित की गई है जरि मृसे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वींकत सम्मित्त का उपित बाजार मृत्य, जनके द्वयमान प्रीतफान के एने व्ययमान प्रीतफान का निक्क प्रतिकार से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियों) को दील एने अन्तरण के लिए तब पाया रथा। शितका, निम्निलिसित उद्योध्य के उक्त मन्तरण लिखित के पास्तिवक एवं से कथित वहीं किया गया है है—

- (क) बंतरण से हुइं किसी बाद की बादत, उक्त की स-नियम की अभीन कर दोने के बंतरक के बंधित्य में कर्मी करने वा उसने वचने में सुविचा है [जाए] बार/वा
- (क) ऐसी किसी आव या किसी भन या क्षम वास्तियों की जिन्दी आरसीय लागकर जिमिनयं, 1922 की 11) जा उक्त निभिनयं, या भन-का जिमिनयं, 11957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के लिए।

बतः अब, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् हि—

- (1) श्री निर्मल चन्द पुत्र सोमचन्द भण्डारी निवासी—खरादियों का बास, जोधपुर (ग्रन्तरक)
- (2) सर्व श्री किरणचन्द जगदीश कुमार, ग्रनिल कुमार पुतान जवाहरमल, श्रीमती किरण कवंद श्रीमती वीणा, श्रीमती रीता श्री ग्रजयकुमार एवं श्री ग्रक्षय कुमार निवासी—8 नेनीग्रप्पा नायकन स्ट्रीट, द्वितीय फ्लोर, मद्रास ।

(ग्रन्तरिती))
(3) श्री हनुमानदास, लाल सिंह, प्रेम ग्ररोड़ा , शम्भूनाथ
भंडारी, नानकसिंह दुग्गड़, सुभाषचन्द एवं सोहनराज

चौपडा (किराएदार)

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की सर्वीध, जो भी सर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट स्वत्त्रां में ने फिडी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित के किस आ दक्षेप ।

अनुसूची

सम्पत्ति नाहटा बिल्डिंग, जालोरी गेट, चोपासनी रोड, जोधपुर का भाग जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा ऋम संख्या 817 दिनांक 20-2-86 पर पंजिबद्ध विऋय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 30-9-1986

प्रस्प बाह् .टी एन. एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन क्षा

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1986

स्रादेश सं० राज०/सहा० स्रा० स्रर्जन/2703—यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,
शायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की जारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह किन्नु एरने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है स्रोर जिसकी सं० नाहटा विल्डिंग है तथा जो जोधपुर में स्थित

श्रौर जिसकी सं नाहटा बिल्डिंग है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 20 फरवरी 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और अन्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संगीतन का उधित बाजार भूत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमत प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय अया प्रतिक् कत, निम्निसित उद्देशय से उक्त प्रतिका की बारत-विक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाब का शानत, उन्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बजते में मृत्यिया के लिए। भौर/या
- (ब) एसे किसी आय या किसी धन या अन्त्र आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा अंतिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 260 म की अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 200-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री रिखबचन्द पुत्र सोमचन्द भण्डारी निवासी—खैरादियों का बास, जोधपुर

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री किरणचन्द, जगदीशकुमार, ग्रनिलकुमार पुत्रान जवाहरमल, श्रीमती किरण कुंवर, श्रीमती वीपा, श्रीमती रीता व श्री ग्रजयकुमार एवं श्री ग्रक्षब-कुमार निवासी—8 नेनी ग्रप्पा नायकर स्ट्रीट मद्रास (ग्रन्तरिती)
- (3) श्री लक्ष्मीनारायण एवं श्री रामदास उर्फ राणीदास साद (किराएदार)

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिख् कार्यवाहियां करता हूं।

अत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप: 🗝

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पूज कुर्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी अ पास निस्ति में किए जा सर्कों ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सुची

नाहटा बिल्डिंग जालोरी गेट के बाहर, चौपासनी रोड, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 818 दिनांक 20-2-86 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में स्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 30-9-86

इस्य बाहें. ही. धन. यस

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यक्रय, सहायक बायकर बायकर (निराक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1986

निदश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2701—यतः मुझे, मुद्यीर चन्द्रा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गथा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० नाहटा विल्डिंग है तथा जो जोधपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्री-करेंग्रें ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 20 फरवरी 1986

को पृथा कि संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि बधाप्बोंकर संपत्ति का रिचन बाजार बृत्व, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे कामान प्रतिफल का रिवन प्रतिकत से अधिक हैं और यह कि बंधरक (बंधरकों) और बंधिरती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत, निम्निलिखत उद्देश्य में उच्ल अन्तरण कि निम्निलिखत उद्देश्य में उच्ल अन्तरण निम्निलिखत

- (क) बन्दरक से हुई किसी आय की बाबस, उक्त विधितवन के वधीन कर देने को बन्दरक के वाधितव में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा में किए; बॉड/मा
- (ण) दशी किसी नाय वा किसी धन या जन्म आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, १९०० (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या प अन् अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकृतिकर्ध बन्तरिती इनाय प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था कियाने में सुविभा के लिए;

अतः जय, उक्त क्रीम्डियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में:, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) में अभीत, निम्निसिमत व्यक्तियों, अर्थातः करा

- (1) श्री निर्मल चन्द पुत्र सोमचन्द जी भण्डारी एवं रिखबचन्द पुत्र सोमचन्द जी भण्डारी निवासी—खैरादियों का बास, जोधपुर ।
- (2) सर्व किरण चन्द, जगदीशकुमार, अनिल कुमार पुत्रान जवाहरमल, श्रीमती किरण कुंबर, श्रीमती वीणा, श्रीमती रीता, श्री अजय कुमार एवं श्री अक्षय कुमार निवासी—8 नेनी अप्पा नायकन स्ट्रीट, द्वितीय फ्लोर मद्रास ।

(ग्रन्तरिती)

(3) सेण्ट्रल बैंक स्राफ इंडिया, जोधपुर एवं श्री स्रशोक गांधी किराएदार । . (वह व्यक्ति, जिसके स्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाष्ट्रियों करता हुं।

अका सम्पत्ति के सबंग के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप ह—

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकामन की तारीक से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की सामील से 30 दिन की सवींथ, को भी जबिंध गृह में समान्त होती हो, के जीतर पूर्वों कर का कितयों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (व) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अपित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विधित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को जव्य संधिनियम के अध्याय 20-क में परिभारिषत हैं, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया हैं !

असमी

सम्पत्ति नाहटा बिल्डिंग, जालोरी गेट, चौपासानी रोड, जोधपुर का भाग जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 819 दिनांक 20-2-1986 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विविरणत है ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपूर

दिनांक : 30-9-1986

आयकर क्षेत्रियम, 1961 (1961 नः 43) काँ भारा 269-२ (1) ने समीन स्टना

भारत संग्कार

कार्यानय, सहायक आयकर आगा कर (ि अण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 ग्रक्तूबर 1986 निदेश सं० खरड़ | 76 | 85-86---श्रतः र्मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर शांधनियम, 1961 (1961 का 43) (िसे इसभें इसके परचास् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रतिभक्तको न्ही वह नियमन गराम का कारण है 'क स्थावर सम्मिन, दिश्यका पित्र वाराम मन्य रु. 1,00,000/- से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० इण्डिस्ट्रियल सेड सं० वी-23, है तथा जो फेज 3, मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक फरवरी 1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य है किय के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते वह विश्वमान करने का कारण है कि यथाप्योंकत अंबित तय है किय है किया प्रतिफल से ऐसे है है क्षिप्रति है किया प्रतिफल से ऐसे है है क्षिप्रति है किया प्रतिफल से ऐसे है है क्षिप्रति है किया । व्यापन्ति प्रतिकार से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल तिम्मीसिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण है हिस्का में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण सं हुई किसे बाद की बादत, उसत बिधिनयम के अधीन कर दन के अन्तरक क विदिल में कभी करने या उससे जवने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) एमी किसी आय या किसा घर पा श्रम्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय श्रम कार अधिकान, १०१५ (1922 का 11) या उत्तर अधिकाम १० प्रमुख्य बीचनियम, १९५५ (१९६५ के १९६५ के १० के विस्था भार्य अन्तिरिको स्थास प्रकट नहीं। किया प्रमुख्य या किया जाना नर्गहुए था। १९५० विस्कृतिका के निष्धः

स्तः अन, उन्त निर्मानयम् की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त निर्मानयम् की भार 209-म को कार्या हो। के मधीन, निर्मालिसित व्यक्तियों, संशोत् हि— (1) मेसर्स अरयन प्राईवेट लिमिटेड मोहाली तहसील खरड़ जिला रोपड़ द्वारा सरदार हरनाम सिंह पुत्र सरदार दयाल सिंह मैनेजिंग डाइरेक्टर निवासी——बी/23 इण्डस्ट्रियल एरिया मोहाली तहसील खरड, जिला रोपड़ ।

(भ्रन्तरक)

- (2) मेसर्स सुखहर इण्टरप्राईजेज (शेयर होल्डर)
 1. श्रीमती सुखदेव कौर विधवा श्री ग्रमरजीत सिंह
 सोनी
 - 2. श्रीमती हरचरन कौर पत्नी सरदार तजिन्द्र सिंह सोनी ।
 - श्रीमती हरदयाल कौर पितन सरदार जसपाल सिंह सोनी

निवासी---4, प्रिंसेप स्ट्रीट कलकत्ता---72 (श्रन्तरिती)

भा यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ट समिति के अर्थन के लिए बार्यवाहिमां करना हो !

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पॅर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकेंचे।

स्पच्छीकरणः --- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जो जनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका

बन्स्था

इण्डस्ट्रियल शेंड सं० बी०-23 फेज 3 मोहाली तहसील खरड़ (ग्रर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी खरड़ के विलेख संख्या 5781 माह फरवरी 1986 के तहत दर्ज है ।

> **जोगिन्द्र सिंह** सक्ष**म प्राधिकारी** सहायक श्रायकर **श्रायु**क्त (**निरीक्षण**) ग्रर्जन रेंज, **लुधियाना**

दिनांक : 8-10-86

(अन्तरक)

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अन्तूबर 1986

निदेश सं० ग्राई० ए०/राज०/85-86 ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन 1100 वर्ग गज है तथा जो राजपुरा श्रीर वनवारी जिला पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रिनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजपुरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी 1986

को पूर्वीवत सम्पिटि के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमार प्रितिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकः, रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या

अद: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन िक्स्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—

- (1) भेससं ठानिभयां बिस्कुट प्राईवेट लिमिटेड (जो कि भेससं पटियाला बिस्कुट मैन्युफैक्चर लिमिटेड के नाम मे जानी जाती है) रिजस्टर्ड कार्यानय राजपुरा जिला पटियाला ।
- (2) मेसर्ग पंजाब कैलीबर बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड र्राजस्टर्ड कार्यलय सैंचुरी इन्क्लेव नजदीक पी० ग्रार० ी० सी० वर्कशाप नाभा रोड पटियाला । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म्ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याक 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

जमीन 1100 वर्ग गज राजपुरा ग्रौर बनवारी जिला पटियाला (ग्रर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी राजपुरा के विलेख संख्या 3792 माह फरवरी 1986 के तहत दर्ज है ।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 8-10-86

प्रक्य बाइं.टी.एन.एस.नननननन

नावसार निधानयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासन, तक्क्षतक नावकर नायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 प्रन्तुबर 1986

निवेश सं० राज ०/1/86-87--ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह नावकड विश्नियम, 1961 (1961 का 43) (विचे इसमें इसमें परवात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 289-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० जमीन 500 वर्ग गज है तथा जो राजपुरा भीर बनवारी जिला पिटयाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजपुरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त 1986

का प्वांक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य सं कम के द्रश्यमान अतिकास के लिए जलारित की नहीं हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि बचापुर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य सं कम के द्रश्यमान अतिकास करने का कारण हैं कि बचापुर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके कम्पनान प्रतिकास है, एसे व्ययमान प्रतिकाल का पंद्र प्रतिकात से अधिक हैं और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (वन्तरिता) के बीच एसे वंतरण के जिए तय पाया नवा प्रविकास, निम्मिनियत उच्च के उचत वंतरण विश्वित में वास्तिका स्व से व्यक्ति वहीं किया गया है इ—

- (क) अन्तरण संहुइ किसी शय की बाबत, उभत विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के विधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधः के लिए; बाँड/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, धिन्हें बारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-केर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्याजकार जन्तिरती दशारा प्रकेट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने यें सुविधा बै किया।

बतः सव, उन्तं अधिनियम की भारा 269-न के बनुसर्थ हों, ही, उन्तर अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) ले कपीट "कालिसिस स्वीक्समों, समादि स— (1) श्री एच० एस० सिधू जायदाद मैनेजर म्नाफ मेसर्स डालिमया बिस्कुट प्राईवेट लिमिटेड (जो कि मेसर्स पटियाला बिस्कुट मैन्यूफैक्चरर लिमिटेड के नाम से जानी जाती है) रिजस्टर्ड कार्यालय राजपुरा जिला-पटियाला ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1 श्रीमती जनक दुलारी पहिन श्री प्रेम चन्द भौर 2. श्री मुरजीत राय पुत्र श्री ज्ञान चन्द निवासी 5-जे०/13 गोबिन्द कालोनी राजपुरा जिला पटियाला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त राम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना क राज्यव में प्रकाशन की तारीं से ्र : विष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 विन की वविभ, वो भी अवभि बाद में सजाज होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यवित स्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गम जिस्ति। भ किए जा सकर्ग।

अनुसूची

जमीन 500 वर्ग गज जो राजपूरा श्रौर बनवारी जिला पटियाला में स्थित है। (श्रर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिधिकारी राजपुरा के विलेख संख्या 2027 मा**ह श्रगस्त** 1986 के तहत दर्ज हैं।

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्•ू लुधियाना

दिनांक : 8-10-86

प्रकण बाह्य है हों है पुन है एस्ट्रिश्टन---

नायकर नाप्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के सभीत सुमना

भारत सरकार

कुक्किया, सहाथक वायकार वाय्क्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 स्रक्तूबर 1986 निदेश सं० राज० | 2 | 86-87--श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क से अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० जमीन 2 बीथा 3 विस्वा श्रीर 1 कनाल 18 मरले है, तथा जो बनवारी श्रीर राजपुरा जिला पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजपुरा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, विनाक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान बित्रकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्ध प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया एया है :---

- (क) विश्वरंग से हुई किसी भाय की शबद, उक्त विचितियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के विचित्व में कभी करने या ज़ससे वचने में पृतिधा के सिंग; बॉर/मा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए जा, कियाने में मृतिधा वै सिए:

> (1) श्री एच० एस० सिघू मैनेजर श्राफ मेसर्स डालमियां बिस्कुट प्राइवेट लिमिटेड (जो कि मेसर्स पटियाला बिस्कुट मैन्युफैक्चरर लिमिटेड के नाम से जानी जासी है) रजिस्टर्ड कार्यालय राजपुरा जिला पटियाला ।

> > (ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री मनोहर सिंह पुत्र मेहताव सिंह मिवासी—9728/6 रेलवे रोड, श्रम्बाला ।

2. श्री रजिन्द्र कुमार 3. सुखदेव सिंह पुत्रान श्रीमुख्त्यार सिंह निवासी--माम नगर राजपूरा । श्री प्यारा सिंह पुत्र श्री नत्यू राम निवासी---शाम नगर राजपूरा श्री प्रताप सिंह पुत्र श्री गैंदा सिंह निवावी-शाम नगर राजपूरा 7. श्री चरण जीत सिंह 7. श्री रन सिंह पुद्रान संना सिंह निवासी--शाम नगर राजपूरा । 8. श्री करतार सिंह पुत्र सरदार सेवा सिंह निवासी--21 भ्राफिसर कालोनी पटियाला । 9. श्रीमती प्रितपाल कौर पत्नी श्री करतार सिंह निवासी--21 श्राफिसर कालोनी पटियाला । 10. श्रीमती चरणजीत कौर पहित सरदार गुरजीत सिंह निवासी----श्रजनाली गोविन्द गढ़ जिला--पटियाला । 11. श्रीमती रियल ग्रेवाल पत्नि मरदार जगबीर सिंह निवासी--ग्रजनाली गोविन्दगढ जिला--पटियाला 12. श्री शशी भूषण पुत्र श्री सतप्रकाश 13. श्री प्रकाण चन्द पुत्र छोटेलाल निवासी–पटियाला ।

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 विन की सर्वीध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर बूज्या की ताबींच से 30 दिन की बन्नि, जो भी कविथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्यक्तियाँ में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ने 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वव्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

जग्सूची

जमीन 2 बीघा 3 बिस्वा और 1 कनाल 18 मरले जो कि बनवारी और राजपुरा में जिला पटियाला में स्थित है। (भ्रर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी राजपुरा के विलेख संख्या 2398 माह सितम्बर 1986 के तहत दर्ज है। जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

त्रहायक आयकर आयुक्त (ानराक्षण), ग्रर्जन रेंज, सुधियामा

दिनांक : 8-10-86

प्ररूप आंहें.टी.एनं.एसं.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्**भ**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज, बंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 8 अक्तूबर 1986 निवेश सं० श्रार० 1958/37ईई——यतः मुझे, जे० के० राव.

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्वायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृज्य 1,00,000/- रु. से बिधक हैं

श्रौर जिसकी सं० 22, लांगफोरड गारडन्स, बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 4-2-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाधार मूल्य से कम के दृश्यकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्मेरित का उचित कावार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अंतरितियों) के सीच एसे अंतरण के सिए तय पाया नया प्रतिफल निम्नसिवित उद्देश्य से उचत वंतरण विश्वित में शास्तेषक हमा से किया नया है :—

- (क) क्यारण वे हुई कियों भाग की वाधवा करता विभिन्न के नधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे नचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी सम ना किसी पन ना कव बास्तिनों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उस्त विभिनयन, वा धन-कर विधिनयन, वा धन-कर विधिनयन, वा धन-कर विधिनायम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नय। या ना किया बाना वाहिए था, छिपाने में नृविधा सृविधा से स्विध,

वंदः वदः , उक्त विधियक को पास 265-व के वयुक्रक में, में, उक्त अधिनियम को भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षास् क्रिक (1) श्रीमती पारवती शेट्टी 38, 5वां मन, III क्लाक जयलक्ष्मीपुरम, मैसूर—12।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स यूनाइटेड ब्रुयरीस लिमिटेड 24, ग्रेन्ड रोड, बेंगलूर --1।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां चूक भरता हूं।

उन्ते सम्मित्त के वर्षन के संबंध ने काई भी बार्बंप ह--

- (क) इस स्वान के रावपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की नवींच मा तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति, बोल्बी अविच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचे से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवब्ध किसी बन्ध व्यक्ति इसारा वंशोहस्ताक्षरी के पाव सिर्धित में किए वा सकते।

स्वक्षीकरणः---इसमें प्रयुक्त धन्यों और पर्यों का वां अवक विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा, वो उस अध्याय में विदा गया ही।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० श्रार० 1958 दिनांक 4-2-86) लांगकोरड हैस सं० 22, श्रपार्टमेंट सं० 301, III क्लोर, लांगफोरड गारडन्स, बेंगलूर में एडमेसरिंग ब्युलट एरिया 1780 स्केर फीट ।

> जे० के० राव सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

विनांक : 8-10-8**6**

प्रकल आहु². डी. एस. एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासव, सहायक शायकर नायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1986 निदेश सं० सी० श्रार० 62/50016/85-86-- यतः मुझे, जे० के० राव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका दिवस बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 161ए है, तथा जो बिन्नी कैसेन्ट, बेंगलूर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 7-3-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाज़ार मूल्य से कम के दृष्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्या, उसके व्ययमान प्रतिफल से एसे व्ययमान प्रतिफल का क्याह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्दोष्य से उद्धत अन्तरण लिखित में कास्तीयक रूप से किथन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण वे शृह्यं किसी बाय की वावतः, उक्त वर्षेश्वावत्र्यं वर्षीयं कर देने के अन्तरण वी कावित्यं में कनी करने या उत्तर्ध वयने में सुविधा वी किए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी थन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय अध्य-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, वा धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया बंबा था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्विथा के सिए;

ब्रहः कवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण काँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थाता ;--- (1) श्री रमेश पी० सका
 16/5, बिन्नी केसेंट,
 बेन्सनटौन, बेंगलूर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज बगारिया, पिन श्री सन्तोष के० बगारिया, ई-80, मसजिड मत स्कीम, नई विल्ली-110048

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के नर्जन के नलए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी बाध्येष ---

- (क) इस भूषना के राजपण में प्रकाशन की तारीख वं 45 दिन की जबिध या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस त्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववृष्ट किसी बन्य व्यक्ति इवाय, वभोहस्ताक्षरी के पाच सिचित में किए वा सकोंगे।

स्पन्धिकरणः हतमे प्रयुक्त सम्बाधिक पदाँका, वो उक्त विधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 3180 दिनांक 17-2-86) 16/ए, बिझी फेसेंट, बेम्सम टाउन, बेंगलूर ।

> जे० के० राय सक्षम प्राधिकारी; सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 8-10-86

म्रोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 8 भ्रक्तूबर 1986

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 19-एल हैं, तथा जो कि कस्तूरबा रोड, लावेले रोड, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 3-4-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित जाजार पृत्य से कम के रूपमान प्रतिचल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार कृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का दृश्य, प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विविद्य में अस्त अन्तरण

- (क) अन्तरम से ट्रॉड किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बाने के अन्तरक के दाविका के कवी कुड़ने या उससे वजने में स्विभा के लिए; और/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोदनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गंजा था वा किया जाना भाहिए था, खिपाने में सुविभा वी विद्या

जतः शव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरक रें., र्वें, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) वे अभीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् क्र— (1) श्री बी० एस० रामचन्द्र मुदलियार वी० श्रार० सुन्दरा मूर्ती, सं० 12, इन्फैन्ट्री रोड, बेंगलूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जियाउल्ला सरीफ,सं० 15/2, प्रिम्रोस रोड, बेंगलूर ।(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यबाहिया शुरू करता हु।

- उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षाप क्ष---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति सुवारा:
- (क्ष) इस सूचना के राजपान में प्रकार विशे राजिए से 45 विन के भीतर उक्त स्थावन सम्पत्ति में हिल-बब्ध किसी अन्य स्थावन द्वारा, अभाहस्ताक्षरी चे पास लिखित में किए जर मन्त्रींगे।

स्पर्व्याकरणः इसमे प्रमुक्त शन्दों और गदी का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाजित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3600/85-86/3-2-86) 36, कस्तूरबाई कास रोड, प्राजीन 19-एन, लावेल्ले रोड, बेंगसूर ।

> जे० के० राव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण); श्रर्जंन रेंज, बेंगसूर

दिनांक: 8-10-86

प्रस्प आर्ड. टी. एन. एस्.-----

आमकर भोजीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269नम (1) के अभीम स्पर्ता

भारत सरकार

कार्बालय, महायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1986

निदेश सं० सी० भ्रार० 62/50030/86-87—यतः मुझे, जे० के० राव,

कामकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की भारा 260-क के अधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह निश्वास करने कारण हे कि स्थावर सम्भित्त, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 50/10 है, तथा जो पालेस रोड, बेंगलूर सिटी में स्थित है (भौर इससे उपाबक्क धनुसूची में भौर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनांक 7-3-1986,

को प्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रित्तिक के लिए अन्तरित की गई है जार मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि अधाप्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृक्य, असकी दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह्न प्रित्तिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अतिरित्तियाँ) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया यमा प्रतिक्य निक्तिवित उद्वादेश से उच्या अंतरण निवित्त में बास्तिवाह क्या से किथात नहीं किया गया है ---

- (क) ज्ञालप्रम संहुई किसी नाम की नानत, सकत विधिनिया की वर्धीन कर्ष दोने की नन्त्रक की शायित्व में कमी कर्षने ना उद्दर्श ब्यूने ने सुनिधा के सिक्ष, बर्किना
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं विद्या गथा था किया जाना नाहिये था, फिलान में सुविधा में लिए;

नतः वन, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की नन्सरक मं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :- (1) मेसर्स पायर केबल्स (प्रा०) लिमिटेड सं० 20ए, कमक स्ट्रीट, कलकत्ता—16।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम एस सुरेश श्रौर ग्रवर्स, सं० 106, I 'एन' ब्लाक, राजाजीनगर, बेंगलूर ।

(श्रन्तरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के बंबीने के निष् कार्यवाष्ट्रियां शुरू करता हो।

रक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्तेप ६

- (क) इस सूचना के राज्याज में प्रकाशन की तारींत से 45 दिन की अविधि का तत्सम्बन्धी स्पित्तयों पष स्वना की ताबील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद भी समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विंग के भीतर उक्त स्थान्य सम्मत्ति के हितंबक्ष किसी जन्म व्यक्ति वृतारा जभोहत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

त्यक्वीकरणः ---- इसमें प्रमुक्त शक्यों और वर्षे का, को उक्ये विश्वास्त के अध्यास 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्षे होता, जो उस मध्यान में विश्वास्त हैं।

नगत्त्वी

(दस्तावेज सं० 3116 दिनांक 21-2-86) सं० 50/10, पालेस रोड, बेंगलूर सिटी ।

> जे० कें**० राव** स**क्षम प्राधिकारी;** सहायक द्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण); स्रर्जन रेंज, बंगसूर

दिनांक : 8-10-86

प्ररूप बाइ".टी.एन.एस.------

भाभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर 1986

निदेश सं० पी० भार० सं० 4729/।।/86-87---श्रतः मुझे, जी० भार० कौशिक,

कायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त बांधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० प्लैट्स जेतलपुर नं० 563/1/3 है। तथा जो ग्रहमदााद में स्थित है (श्रौर इसके उपायद्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कार्यालय, 37ईई ग्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 37ईई के श्रिधीन, दिनांक सितम्बर 1986,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-विश्वम को अधीन कर दोने के संतरक के दायित्य सें श्रेमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/शा
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां? चिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-स्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के बिए;

बद: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री प्रयमासरन एस० सवेरी 'तृष्णा' मिल्न सोसायटी रेसकोर्स, बडौदा । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री विद्यासरन शांतिलाल शाह जनार्दन कोल्ड स्टोरेज को० श्रो० सोसा० लि० सीता किलकुमार श्रमीन, मिलन सोसायटी, रेसकोर्स, बड़ौदा ।

(श्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तार्मबंधी व्यक्तियों सूचना पर की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति दवारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसंची

37ईई का फोर्म पर कार्यालय में सितम्बर 86 में पेश किया गया है ।

> जी० श्रार० कौशिक सक्षम प्राधिकारी; सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज—II, श्रहमदाबाद

विनांक: 26-9-86

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काशसियः महायक वायकर भाय्क्त (निरक्किक)

म्रर्जन रेंज-II, म्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० 4730/ /86-87—ग्रतः मुझे, बी० ग्रार० कौशिक,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इत्तमें अनुके का का प्राप्त अधिनियम का प्रश्ना है), की पारा अस्ति का अधिन ८०४ आधिकारी को बहु विश्वाद करने का लाउन हो कि उन्तर प्रशास का कित्र वाचार मृत्यू, 1.00,000/- 1 में प्रधिक है

जिसकी मं० शेंड, कतारगाम मं० 4565 सूरत हैं तथा जो सूरत में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनक 10-9-86

का पृथिति सम्परित के उचित अपार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास को लिए अनिरित की गई है जार मुक्ते यह विरक्षास करने का अपार है कि यथान्वीवन संपरित का उचित बाजार शुन्य, उसके रश्यमान प्रतिकास से, एसे अवसान प्रतिकास का पाइड प्रतिकास से प्रिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिय तय पाया प्रतिकास किन्दितियों) के बीच एसे जंतरण के लिय तय पाया प्रतिकास किन्दितियों। को बीच एसे जंतरण के लिय तय पाया प्रतिकास किन्दितियों। को बीच एसे जंतरण के लिय तय पाया प्रतिकास किन्दितियों। के बीच एसे जंतरण के लिय तय पाया प्रतिकास किन्दितियों। किया गया है :----

- रात्रण न हार्ज हैंगन्सी भाग भर्ती बाबस, उपस क्षितिस्था के लिन अर पंत्री के बन्तरण के राजिल्या में अमी करने या तससे बचने में सुविधा करात्रण, क्षेष्ठ किर

(1) श्रीमती चन्द्रा कान्तीलाल महेता थामाशेरी, सूरत ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री सुधा शिव गांधी रमा चक्र०क्र गोटर बेगमपूरा, सूरत ।

(भ्रग्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहिया करका है .

राजरा सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई बाक्षीप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से .4.5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त श्रिक्शियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधाहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंग्रे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयूवत शब्बों और पक्षों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया नशा है।

अन्सुची

शेड जो कतारगाम सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 7354 श्रीर 7355 तम्बर पर दिनांक 10-9-86 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> बी० श्रार० **कौशिक** सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रकायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज—¹¹, श्रहमदाबाद

हत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण । की नक्ष जीवियम की भारा 269-व की स्वपास (1) के अधीन, निम्निलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 26-9-1986

प्रकृष्ण क्षारु² तमि , द्वार , एस ,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शहरा 269-व (१) के नेपीन स्पना

भारत तरकार

कार्यासय, सहारक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर 1986

निदेश मं० पी० आर० 4631/11/86-87—-श्रतः, मुस्रे, जी० आर० कौशिक,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान सूरत वार्ड सं० 9, नोंध सं० 1862 है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 17-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से धास्तिब्क एप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुन्हें किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कनी करने या उत्तसे बचने में सुविधा में सिए; कीर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की ११) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती बवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्रिधा के लिए:

(1) श्री मोराबच्न महेशचन्द्र और श्रन्य रक्षन को० मो० हा० सोमायटी निसरा मझला, गोपीपुरा, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री धीरजलाल गोगालवास श्रीर प्रत्य रशुनाम महाराज, नम्पर्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की सर्वीच या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ६ मील से 30 दिन की सर्वीच, वो भी अविच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में में निक्षी स्वीक्ष द्वारह
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रश्विभ को तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सपरित के हिलकस्प किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अभाहरताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगा।

स्पाकरणः --- इसमे प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के से परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हामा दा लगा संख्याय से विद्या ग्राम हैं।

अनुस्थी

मकान जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 7483 नम्बर पर दिनांक 17-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

बी० ग्रार० कौशिक सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज—II, श्रहमदाबाद

दिनांक: 26-9-86

प्ररूप आहें, दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-व (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्यस (निर्देशक)

ग्नर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, विनक 26 सितम्बर

निवेश सं पी० भार० 4732/11/86-87--- श्रतः मुझे, बी० धार० कौशिक,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

भौर जिसकी सं० जमीन सं० 190 उधना, ना० चोर्यासी है तथा जो 4249 ची० मी० उधना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हप ये वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, 37ईई, ग्रहमवाबाद में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 37ईई) के अधीन, दिनांक 26-9-1986

को पर्धोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का ताबार मृत्य, उसके द्वनान प्रतिफन इस्यभान प्रतिफल के पन्यस् प्रतिकात से विभिन्छ है नीर नंतरक (अंतरकाँ) और मंतरितौ (अंतरितियाँ) के बीच एसे बन्तरम् के सिए तम पाया नदा प्रसिद्धनः, निकासिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तियक अप स क्रीभत नहीं किया गया है ए----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के बिष्ट और/वा
- (**क**) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयतार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त मधिनियम, या भगकर अभिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनाथ अन्तरिसी स्वारा प्रकट नहीं किया गया भासा किया चाना चाहिए था, क्रिपार्ग से सविधा चै किए:

जतः जीव, उक्त जीभीनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्---

(1) श्री डाह्याभायी ग्रार० पटेल ग्रीर न्य 3 सोनावाला बिल्डिंग सं० 4 ई/ 65 तारिडयो । बम्बर्ड-400034

(ग्रन्तरक)

प्सोमिएटम (2) मेर मिस्त्री गिद्धपुरा पटेल एण्ड 10डी/एवरेस्ट , तारहीयो रोड, वम्बर्ड-- 34

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिना करता हो।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकरें।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्कर निधिनियम के लध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां नर्थ होगा को उस अध्याय में जिया गया है।

जन्तूची

37ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 26-9-86 की पेश किया गया है।

> बी० श्रार० कौशिक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायकत (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, प्रहमदाबाद

विनांक: 26-9-86

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-च (1) के अधीन स्चना

भारक सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 श्रक्तूबर 1986

निदेश मं० 37ईई/7239/85—86——ग्रतः मुझे, श्रंजनी कुमार

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- सः सं मधिक ही

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 161, सर्वे नं० 26/1 to 4 इहाणुकर कालोनी पुणे

है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमे उपाबछ अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्म से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 17 फरवरी 1986

वो पूर्वोक्स संस्थित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफस के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत संपरित का उचित बाजार पृत्या उसके स्थ्यमान प्रतिफल में, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिफन, निम्निसित उद्युक्त में उन्तर अन्तरण मिचित में अस्तिक क्य से कविन महीं किया गया है ह—

- (क) अंतरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एंसी किसी नाम या किसी भन या अन्य जास्तियां की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए।

अर्थः भर् स्थतः अणिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, दनते मधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के नधीन, निक्तिविक्त व्यक्तियों, नथित् :--- (1) श्री नारायण जी सोठ, 1437 **गुनमार** पेठ पूना-2,

(भ्रन्त'रक)

(2) अभित एन्टरप्रायसेस।

(ग्रम्तरिसी)

को यह सूचना जारी करले पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भा अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्मित्त में हित-बद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिष्म, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

जैसाकि रजिस्ट्रीकृत क्रमांक 37ईई/7239-85-86 जो 17 फरवरी 1986 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रंजनी कुमार मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

福市:: 16-10-1986

प्रकृष बाह्य, टी. एन., एस. - - 🐇

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक बावकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनां र 16 प्रक्तूबर 1986

निदेश मं० 37ईई/7646/85-86-अतः मुझे, श्रंजनी कुमार,
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (त्रिष्ठं इसमें
इनके प्रवाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), को धारा
269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वाल करने
शा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
श्रीर जिक्की मं० भर्वे नं० 817 तथा जो सदाणिव
पेठ पूना में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप त विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के
कार्यित्य पूना में रिजिन्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अर्धाण दिनांड 25 फरवरी 1986
को पूर्वोंकर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इर्यमान

को पूर्वेक्टित सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करन को जिल्ला है कि स्थापूर्वियत सम्मत्ति को उचित होजार मूल्य, उभके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल को देवह प्रतिपत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिधा) के बीच एसं अन्तरण के लिए तम पामा प्रमापिक के विद्यास के उद्यास अवत सन्तरण लिखिल में कार्यक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अध्यापण मं हुन्तू किली आप की बावस, उक्त अधिनियम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के दियाल में कभी करने या उश्वस स्वाने में सुविधा के लिए; आर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिया को, जिन्ही भारतीय सायकर अधिनियम, 1.122 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या अन्य अस्तिय अस्तिय अस्तिय अस्तियम या अस्तिय अस्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया ध्या था या किया जाना धाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए.

भ्रतः एक उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उपत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर्भ, भिम्नलिखित व्यक्तित्यों. अर्थात् :---

- (1) म्रानंदी बाई के० दासार श्रीर श्री गणेण केशव दासार 24 नीनकंठ श्रापर्टमेंट चेंबूर शाम्बे। (ग्रन्तरक)
- (2) पी० के० देवले एण्ड आसोसिएट्स 48-बी रक्षा लेखा सोसाइटी धनकवडी पूना। (अन्तरिती)

सी यह स्वा थारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

सकत सम्पर्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वानः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि थाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रोकिन ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और उशा का, को व्यक्त विधिनियम को कश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गुरा है।

अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत सं० 37ईई/7646/85-86 जो 25 फरवरी 86 को सहाय क द्याय कर क्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना के देपतर में लिखा गया है ।

श्रंजनी कुमार यक्षम प्राधिकारी, सहायकश्रायकरश्रायुक्क (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 16-10-86

मोहर

प्रकार बाद' टी. इन एक ु

अपन्यर वृधिनिक्या, 1961 (1961 का 43) वर्ग भारा 269-व (1) के अभीन स्वता

नारत सरकार

बार्याबन, सहायक आयकर नामृक्त (निर्मकार्य)

धर्जन रेज, पूना

पूना, दिनोंक 4 सितम्बर 1986

निदेण सं० 37/जी/186/86—87——अतः मुझे, श्रंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विक्षे क्यमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाचार वृश्व 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 2, मंगलवास रोड है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/मब रिजस्ट्रार में, रिजस्ट्रीकरण अधिन नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक अप्रैल 1986,

को प्रोक्षित सम्परित को जियत बाबार मून्य ते का को क्यानान नितंकित के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करमें का कारण हो कि यथापर्धानत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, ब्रूब्स, जसके दश्यमान प्रतिकत संपत्ति को वस्तरका प्रतिकत का पन्तर प्रतिकत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तब बाया गया प्रतिकत, निम्नलिक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरक विसित्त में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की, वाबत, उपन अधिनियम के जधीन कर देने के जन्मरक के वायित्य में कमी करने या उत्तत्ते दचने में जुविधा के किए; और/वा
- (फ) एसी किसी भाग या किसी भन या जन्म जास्तिनों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनिजम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, ना भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शतः उक्त अविनिधम की भारा 269-ण के अन्मरण भा, भी, अक्त अधिनिधम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीश, जिल्लिखित व्यक्तियों, अधित गेल्ल (1) श्रीमती डोली राश्चित इंजीनियर एण्ड धरर हेरमेस पार्क को०-श्रापरेटिक हैिसग सोसामश्री, बंडगार्डन रोड, पूना ।

(अन्तरक)

(2) चयरमैन नीनाटेरेन्स को श्रोपरेटिक होसिंग सोसायटी लिमिटेड, लिलित कुमार केसरी मल जैन, 2 मंगलवास रोड ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के निरुष् कार्यवाहियां सूच्य करता हुं।

जनत सम्मत्ति के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बार्बंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्षीय माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्य व्यक्तियों में किसी व्यक्ति प्रवारा;
- (क) इसस्वमा के राजकत में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिधबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच सिकिस में किए का सकती।

लाकोकरण: ----इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदी का, को उमक विभिन्नियम, के अभ्याय 29-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका वया हैं।

अमृस्ची

(त्रैंस कि राजिस्ट्रोकृत सं० 36/ईई/186/86~87 जो सब राजिस्ट्रार हवेली के दफ्तर में माह अप्रैल 1986 को लिखा गया है ।)

श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकाणी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंण, पूना

दिनोंक 4-9-86

प्रस्प बाई. टी. एन. एस. -----

प्रथमर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ की अधीन सुचना

भारत सरकार

क्षभयांलयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 सिनम्बर 1986

निदेश सं० 37ईई/10950/85-86---अत मुझे, शंजनी कुमार,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 थे के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का वगरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00.000/- रा. से अधिक हैं

प्रीर जिसकी सं लेण्ड बिस्डिंग प्लान्ट मर्शानरी स्पेयरस एण्ड टूक्न जो प्लाट सं 18 एण्ड 21, मामको ए० पी० एम० यार्ड, वाशी, नई वस्बई है तथा जो वासी नई बस्बई में स्थित है (श्रांर इमा उपाधद प्रतुस्ची में श्रांर पूर्ण रूप ने विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के वार्यालय, महायक आयकर श्रायुक्त (विरक्षिण) श्राची रेजिसव रिजस्ट्री में, रिजस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधान, दिनांक फरवरी 1980

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिवात स अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नतिकित स्व्देश्य से उक्त भन्तरण विविद्य में बास्तिक रूप से किता नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायिरव में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को िकही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या िकया जाना आहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

जतः वयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के जनुसरण और, और, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) भेहुत आइन एण्ड कोल्ड स्टोरेज प्रा० लि०, एफ०-आई० गोरमन्धी अपार्टमेंटस, चन्दावरकर रोड, बोरीयनी (वेस्ट) बम्बई-400092।

(अन्तरक)

(2) श्री वारणा सह शारी दूध उत्पादक प्रक्रिया संध लि० श्रम्त नगर, वारणा, जि० कोल्हापुर

को यह सुचना अश्री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देशका;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यष्टोकरणं:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

व्यम्स्ची

जैमा की रिजस्ट्रीकृत के०-37ईई/10950/85-86 जो फरवरी 86 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जनरेंज,पूना

दिनांक : 3-9-86

प्रकथ बार्ड . टी. एम . एस . ------

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सुचना

the track of the first large large promise points with the contract of the con

प्रारत बरकार

कार्यातय, तहायक बायकर वायुक्त (विरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 श्रगस्त 1986

निवेश सं० 37ईई/896/86-87-ग्रन: मुझे, श्रंजनी

कुमार,

दायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'जक्त अधिनियम' कहा गया है'), का धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भाखिरी प्लाट मं० 157, टी पी० एस~, **आ**फ थाना सर्वे सं० 9914, 98/5 श्रीर 98सी श्रीर 98बी भौर सी० टी० सर्वे सं० 1497, 1499 ते 1507 है तथा जो पंचपाखडी नवपाड़ा, थाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 16) के प्रधीन, दिनांक जून 1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के करयकाम प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथायुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बस्य, उसके द्रम्यमान प्रतिकल से, एसे द्रम्यमान प्रतिकल का गन्मह प्रतिकात सं अभिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्ननिसित उद्योघ्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 🖰 🗝

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत उक्त जोध-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविभा के लिए: स्रोर/या
- (को एंसी किसी जान वा किसी भन वा बन्य शास्तियों करे, जिन्हां भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सुनिहार

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उवत अधिनियम की भाषा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मुकेश रामफल गुप्ता श्रीर श्रन्य 144, मनोज कूंज, फ्लैंट सं० 7, रोनापती बापट मार्ग, बम्बई-16 ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स मेहता एण्टरप्राईजेस, राजगोर हाउस . ३३५, लोहार झाली, **जेंडा**नी **या**ना ।

(ग्रसरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वीक्त सभ्यति 🐗 वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सम्बद्ध संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आखेप :----

- (क) इस स्वनाको राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों से से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रास से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुभ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

ल्पकाकरणः--इसमें प्रयुक्त ग्रन्थां और नदीं का, को उक्त **मधिनियम के अध्याय 20-क मं** परिभाधित 🜓 , वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया चया 🐉 📜

RITE

जैसा की रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/896/86-87 जो जुन 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण धर्जन रेंज, पूना केदफ्तर में लिखा गया है।

> श्रंजनी कमार मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, पूना

दिनोक : 8-8-86

शक्त बार्ड . टी. एन , **एस** ,------

मायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन स्वता

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर भाय्वत (निरक्षिण)
श्रिजेन रेंज, पूना
पुना, दिनांक 29 अगस्त 1986

निदेश सं॰ 37जी/230/86-87-- ग्रतः मुझे, श्रंजनी

कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 227, सर्वे सं० 219, हिस्सा सं० 1 सनसाटी गांव, लॉन रोड, देवलाली कॉम्प, जि० नासिक है तथा जो देवलाली नासिक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिकल को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह दिश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बून्ध, उक्षणे दरयभान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का क्ष्मक्ष प्रतिकत से विभक्ष है और वंतरक (वंतरका) वार वंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे वंतरण से लिए तय पाया पता बहुतफल निक्नितिबत उद्दूष्ट्य से उच्त वंतरण किचित्त में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है है----

- (क) बनाइम से हुए किन्छों भाग की बाबक, उपव अधिनियम के अधीन कर योगे के बनाइक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बांड/या
- (च) एंची किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियां को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तरत अधिनियम, या धन-कार सिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा से किया

बक्षः सम उपत नीभिनियम की भारा 269-ग में जनुसरक क्षं, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) क्षेत्रभीत, निम्नजिवित व्यक्तियों, अपीय क्षेत्र- (2) श्री रमेशचन्त्रा देवधन्द शाह श्रौर श्रन्य 36/37 तीसरा पलोर, 273 शहीद भगतसिंह रोह, फोर्ट, बम्बर्ध ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महाराज कृष्त बिरमानी दीपक महाल, 227 लॉम रोड, देवलाली,कॉम्प, जि॰—नासिक ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना ज़ारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के निय कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस ब्यान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की नविभ ना तत्संगंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की नविभ, जो भी वविभ नाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृशेक्त व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानार संपत्ति में हितबद्देश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जजोहन्साक्षरी के पाध तिस्ति में किए जा सकरें।

स्पक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उपस जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है नहीं अर्थ होगा को संस अध्याय में विका क्या है।

मनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37जी/230/86-87 जो सब रजिस्ट्रार नासिक के ग्राफिस में लिखा गया है ।

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 29-8-86

अरूप बार्च .टी.एन.एस. ********

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजैन रेंज-4, नई विल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1986
निर्वेश सं० थ्राई० ए० सी०/एक्यू०/4/37ईई/2-86/11-

म्रतः मुझे, डी० के०श्रीवास्तव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

तेर जिसकी सं० श्रपार्टमेंट सं० 4 है तथा जो ब्लाक सी, दिवानश्री, में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, 30, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-4, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16). के श्रधीन, दिनांक फरवरी 1986

को पूर्णेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम कै दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गर्द है और मुम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रत् प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तर-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वोद्य से उक्त अंतरण सिवित में बास्तिक रूप से कांतरण से प्राप्त के बास्तिक रूप से कांतरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वोद्य से उक्त अंतरण सिवित में बास्तिक रूप से कांवत कर्प से कांवत नहीं किया गया है है——

- (क) नंशरक से हुई किसी बाय की नावत, उन्हें अधि-धियम के अधीन कर दोने के नंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सरि/या
- (ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ास शब, उक्त आंधानियम की धारा 269-ग के अनुमरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् :---6316,GI/86

- (1) श्री विजय भौर बिलानी द्वारा पावर श्राफ एटोरनी डा० बी० डी० बेलानी । (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स प्रीतम कोर द्वारा हाइडल कंस्ट्रकशन प्रा० लिमि० 78, नेहरू पलेस, नई दिल्ली ।

. (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वनः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भ्रपार्टमेंट सं० 4, ब्लाक सी, दीवानश्री, 30, फिरोजशाह. रोड, नई दिल्ली ।

> डी० के० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4 नई दिल्ली-110002

दिनांक : 9-9-86

प्रकृष बाइं. टी ् एर. (स. ------

भागकर प्रीपंत्रियम, 1961 (1961 का 4स) की गणा 269-क (1) की अभीत सुद्ध

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-4, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1986
निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/4/37ईई/2-86/
12—प्रत: मझे, डी० के० श्रीवास्तव,

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसम इसके प्रचाद उक्त अधिनियम' कहा गया ६७, की धारी 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकार । तो यह विभवत करते का जारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० 7.18 है तथा जो एकड़ जमीन जौनपुर, तहसील मेहरौली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-4, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी 1986

को पूर्वोचल संपत्ति के खाँचत बाधार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरित ही गई है और मुन्हे यह विश्वास करने का कारण है कि सभा पूर्वोच्त सस्पति का उचित्त बाबार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिश्वत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरक) और बन्तिरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम शामा प्रतिफल कि निम्नितियाँ। उद्देश्य में उसते अम्तरण मिक्टि वे बास्तियक रूप से किथत नहीं वासा महा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की शबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासिट्य में केमी अपने या उससे अवनं से सुविधा के लिए; और/या
- (क) पूरी कियी जाय वा किसी जम या अन्य जास्मियों की, जिल्हों भारतीय ता उनते अधिनियम, का (1922 का 11) या उनते अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं विद्या

स्विधा के सिक्षा

लतः शब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण की, मीं, उक्त अधिनियम की पास 269 प्राप्त (;) के अधीन, निम्मिसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) नारंग इंडस्ट्रीज लिमि०, 3, डा० जी० सी० नारंग रोड, दिल्ली——7। (श्रन्तरक)
- (2) मैं० प्रोपर्टीज प्रा० लिमि०, 8मी∫6, खब्ल्यू० ई० ए०, करील बाग, नई विल्ली । (ग्रन्तरिती)

का पह सुचना वारों कारक पृत्रीयत सम्पत्ति के अर्थन के सिष्ट् कार्यपाहियां शरू करता है।

ंट 🛪 सम्बन्धि कें आर्थन के सर्वाच मा कोड़ी भी आर्थाप रू---

- र्त है कर हुए। है एर प्र के कामन की तारीध में 55 कि की नवीप वा उत्संकती मुक्तिवर्ध कर भूषना की आसीज से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रयोक्त
- (क) इस स्थान के राजपत्र भी प्रकारक की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर मध्यक्ति में दिनकृष किसी जन्म क्यक्ति दुवास, अभिहरकान्नरी के राष्ट्र विशिक्त में किए का सर्कोने।

क्रिक्टाक्ट के कि हम प्रतिकार के अध्यास 20 ते मी परिभाषित भौतिसम के अध्यास 20 ते मी परिभाषित को इसी को कोंगा को मार स्थाह सो तिस्र गुरुष की

वनसंची

7.18 एकड़ जमीन ग्रा॰ जौनपुर, त॰ महरौली। : खसरा सं॰ 42/10, 42/11/2, 43/4/2, 43/5, 43/6, 43/7, आधा शेयर मुस्तातित्व सं॰ 42, िकला सं॰ 1, 2 तथा 3/1, िकला सं॰ 1, 2 तथा 3/1 का भाग।

डी० के० श्रोवास्तव सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-9-86

प्रस्प आई. टी. एन. एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1986 - श्राई० · ए० सी •/एक्यू०/4/37ईई/2-86/ निदेश सं० 13---श्रतः मुझे, डी० के० श्रीवास्तव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शवाल् 'उत्रत अधिनियम' कहा गया है), की 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है श्रौर जिसकी सं०क फ्लैट सं०क 7, है तथा जो छटवां खण्ड एवर भ्रपार्टमेंट 34, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज-4, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी 1986,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थामान प्रतिफल का पेइह प्रतिकत संजितिक हो ओर अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निधित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सूविधा के लिए;

अतः अब, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) कैसकुश्रानाथ एण्ड एसोसिएट्स 1006, कनचनजंगा 18, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली । (भन्तरिती)
- (2) विमला जैन
 2, टोडर माल रोड, नई दिल्ली ।
 (धन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की लारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबच्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिता में किए जा सकोंगे।

स्याद्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

श्रवासीय फ्लैंट पालिश्व एरिया, 1600 वर्ग फीट फ्लैंट सं 7, छटवां खण्ड, श्रधीश्वर श्रपार्टमेंट, 34, फिरोजशाह रोड नई बिल्ली-110001

> डी० के० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-1100002

दिनांक : 9-9-86

हरेन बार्च हो तुन् एवं ,,५००-----

भागकर भीभनियम, 1961 (1961 का 43) का भाक 269-व (1) के मधीन सूचना

शास्त्र सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बावकर जिथिनियम, 1961 (1964 का 43) (जिथे इसमें इसके प्रचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वका करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका जिसका बाजार मुख्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो पेंट हाउस ग्रपार्टमेंट ए०पी-701, ब्लाकए, डालीमिया में स्थित है (ग्रौर गांव बिजवासन, तहसील में हरोली नई दिल्ली में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक फरवरी 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन्न के दश्यमान अस्तिकत के लिए अन्तरित की गर्ध है बोर मूझे यह विश्वास अस्त्रे का कारण है कि वनापूर्वोक्त बंपरित का उचित बाजार बुक्त, जराने श्रुपश्च प्रतिश्वास है, एसे अस्यमान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिकाश से अधिक है बोद अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्दिर्शितमों) के भीच एसे अन्तरूप के बिए तन पाना नवा प्रति-फेज निम्नेलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिकित में नास्तबिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुए जिल्ही यान की वास्ता, धनत अहैंपनियय के अपीन कर दोने के अन्तरण के दानिए में कबी करने वा उससे बहाने में सुविधा के जिए; और/का
- (क) द्वी विकसी बाय वा कियी वन वा बण्य वास्तिगं। की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ कर्यां क्वी द्वारा प्रकड नहीं किय ध्वा को या किया क्वी क्वा का किया के जिया के

जन: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:---- (1) डालमिया डायरी इंडस्ट्री लिमि॰ . 11--ए॰ बी॰ सी॰ ग्रात्मा राम हाउस, 1, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्रा नारायण 281, ग्रीन मूर पी० एस०, थाउसंड ग्रोक्स सी० ए-91361

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यकाहिता करता हूं।

जक्ष क्रम्युरिष् के वर्षाय के सम्बन्ध में खोड़' भी बाक्षण:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीख से 45 विम की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तासीस से 30 विन की व्यक्ति, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर ज्वां कर व्यक्तिसों में से किसी स्वक्तित व्यक्तियाः
- (स) इस स्थान के राजपन के अकासन को बारीन से 45 दिन के मोक्षर स्वत्य स्थानर सम्योत्य में हितनबुद् किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अभोहस्तास्त्री के पास निवित्य में किस् या सकोंगे।

स्थानिकरणः -- इत्तर्भे प्रमुख्यः कन्यों सुर वर्षों का , को क्या श्रीप्रिवक्, के स्थाय 20 क में प्रिभाषिक द्री, बहुी वर्ष सुरोधः को उस अध्यास के विवा क्या है?

अनुसूची

पेंट हाउस, ग्रपार्टमेंट सं० ए०पी-701ए, डालिमया विहार, गांव बिजवासन, तहसील-मेहरौली, नई दिल्ली ।

> डी० के० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4 विल्ली, नई विल्ली-110002

दिनांक : 9-9-86

THE SIE', 31. 14. 14.

बार्यकर सीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की पार 269-म (1) वे स्पीप स्पना

भारत महत्त्वस

कार्यासय, सहायक बायकर वाग्यत (विरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-4, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1986

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/4/एस०म्रार-3/ 2-86/5---म्रतः मुझे, श्री डी० के० श्रीवास्तव,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विक दसमें हसके वस्तात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० है तथा जो कृषि भूमि 3 बीघा 18 विस्वा खसरा सं० 601, खतीना 492, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली डेरा मण्डी में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुक्ते हैं दिन्जाए करने का कारण हैं कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह शतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाम स्याप्तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित में बास्तिक रूप से किथित हों किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी जाब की बाबधा, उत्तर वीधीनवज्ञ के जधीन कर दोने के अस्तरक के दावित्य में कमी करने वा उससे बचने की स्विधा
- (क) ध्रेली किसी बाब या किसी धन वा बन्य वास्तियों की, जिल्हों भारतीय वाय-कर व्यक्तिनवय, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधितवय, या ध्रा-कर विधितवय, या ध्रा-कर विधितवय, 1957 (1957 का 27) की अवोचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रकाला वा किया बाना बाहिए सर कियाने में नृविधा की किए;

बत: अब, उक्त विधितियम की धारा 269-म के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात ह— (1) श्री मामा चन्द सुपुत श्री हुकम सिंह निवासी—हाउस सं० 60, तमूर नगर, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) यूनाइटिड टेक्नीकल कंसल्टेंट्स यूनाइटेड हाउस-6, कम्युनिटी सेण्टर साकेत (भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारों करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के नियु

उक्ते त्योत्त के वर्षन के संबंध मा कांद्र भी बालोप :--

- (क) इस धृचना में राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जविष्या उत्तरकरणी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविष, को भी अविष नाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर प्रकार स्थादर सम्पतित् में हित्वद्रथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्की करण: — इसमें प्रयुक्त बन्धें और एका का, जो अवस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्ज होगा, जो उस अध्याय में दिवा गवा हैं।

ग्रन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 3 बीघा 18बिस्वा खसरा सं० 601, खतौनी सं० 492, गांव डेरा मण्डी तुःसील महरौली नई नई दिल्ली ।

> डी० के० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 30-9-86

ज्ञाच्य मार्च । धी_ल एष्. एस

अत्वर्कर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-प (1) जो मणीर स्थाप

MIN THE

कार्याक्षय, सङ्ग्रिक मानकर माधुक्त (निरोक्षण)

भर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, बिनांक 3 ध्रक्तूबर 1986

निदेंश सं० भई-1/37-ईई/10716/85-86-भतः मुझे निसार श्रष्टमद,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वितं इत्तमें इतके पश्चाल 'उन्त निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के नधीन सक्षम प्राधिकारी के यह निश्चास कर्ज का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 16, जो, 4थी मंजिल गरेज नं० 14 जो, बसमेट में, खुला कार पाकिंग जगह के माथ, जलिकरण इमारत, कफ परेड, बम्बई—5 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 27 फरवरी 1986।

को वृत्रोंक्त सम्पत्ति के उचित्त माधार मृत्य से कम के इस्प्रभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वा के संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ध्वयमान प्रतिफल में, एसे ध्वयमान प्रतिफल का पन्द्रश्च प्रतिफल का पन्द्रश्च प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के अधि एसे इन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिसित उध्यक्षय से उसते अन्तरण मिसित भा वास्तिक रूप से किया नहा है है—

- (क) कलारण से हुई किसी जान की वानक अक्स मिनियम के अधीन कर को से असारक में कांगरन में कभी करने या उसने वचने में सनिया के सिए; धीर था
- (च) देशी किसी जान वा किसी पन वा अन्य कास्तियां की, जिन्हों भारतीय जानकर जीभनियस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जीभनियस, या अत-कर अभिनियस 1957 (1957 का 27) के । आजनाथ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या या सिका जाना चाहिए था, क्रियान में भारतिया से किया; के विकास

जतः जग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण हों, मीं, शक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क्षं क्षीम, विकासिकित व्यक्तियों, जवित क्ष--- (1) श्री रामचंद जमूजा, श्रीमती सुशीला भार० जसूजा, श्री विजय भार० जसूजा भ्रौर श्री ग्रहण भार० जसूजा।

(म्रन्तरक)

(2) कनूभाई श्रार० महा श्रीर रामा के० महा। (ग्रन्तरिती)

(3) भन्तरकों। (वह ध्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृथांकित सञ्चरित के अर्थन के किए। कार्यवाहियां सूक करता हुं।

अक्स कम्परित के अर्थन को सम्बन्ध मा ज्योह भी नाकके 🕬

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकारण की बादीय में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो के भीतर पूर्विक्त क्यांस्त्या में से किसी स्यक्ति ब्रवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का प्रे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिए-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

प्लैट नं० 16, जो, 4थी मंजिल, गैरेज नं० 14 जो, बेसमेंट में, खुला कार पार्किंग जगह के साथ जलकिरण इमारत, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि क्र॰ सं॰ ग्रई-1/37—ईई/10096/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-2-1986 को रजिस्टडं किया गया है।

निसार ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-1, अम्बई

विनोक: 3 10-1986

पहण जार्^ड ही .एन .एस . . -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की जारा 269-ए (1) में अधीन सच्चा

भारत सरकार

कार्धास्त्र , सहायक कामकर श्रायुक्त (निरीक्तन)

श्रजेन रेज−1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 शक्तुवर 1986

निदेश सं अई-1/37-ईई/9932/85-86--श्रतः मुझे, निसार अहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परवात् 'उब्ले अिनियम' कहा गया हैं), की भारा 769-ख के अधीन अक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मूच्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 144, जो, 14वी मंजिल, पेरसी-पोलीस, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुखुची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिलांक 4-2-1986,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित वाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रिक्तल के निष्ठ अन्तरिय को गर्द है गाँउ मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित वाजार मूल्य, उक्षके प्रथमान प्रतिकल से ऐसे ब्रियमान प्रतिकल का पम्बह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पावा वया प्रतिकल, निम्निलिक उद्वव्य से उन्त अन्तरण शिवत की जास्तरिक कम से कियान नहीं किया ग्या है "——

- (का) खन्तरण ते हार्च किसी जाय की बावत, कक्त बाधिनियब के वधीन कर बने के बंतरक के बाधित की कमी करने वा चन्नचे बन्नने में चूरियभा के बिए; बार/का
- (थ) ऐसी किसी आय मा किसी अन या बन्य आस्तियों करें, किन्हें अप्रतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्दर लिधिनियम, पा धनकर अधिनियम, पा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा पकट नहीं किया पाया था का स्थिया जाना अधिक्षण था, कियाने में स्विधा और विशः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अं अधान, निम्मिसिक ध्यक्तिलीं, जर्थात् ए--- (1) श्रीमती राजकुमारी भागी, श्री देस राज भागी भार श्री विजय डो० भागी ।

(अन्तरकः)

(2) डार्जावजय झेडू, बेलानी, श्रीमती कला बीर बेलानी भौरर श्रीमती श्राप्त बेलानी ।

(अन्युणिती)

कां वह त्यमा बार्टी कारबे पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्थन के लिख कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कांद्र भी बाधीप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय वें 45 विन की स्थिप या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, जो भी नवीध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंबिस व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस स्थाना को राजपण में अकाशन की तारीक के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्व व्यक्ति व्यक्ति अथोहस्ताक्षरी को पास विविद्य में किस जा सकींगे।

स्वभाषिकरणः इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, को उन्ह विभिन्यम, को वभ्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विधा नया है।

अगुपी

प्लैट सं० 144, जो, 14वी मंजिल, पेरसीपोलीस, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है ।

श्रनुमुकी जैसा कि कि० सं० श्रई-1/37-ईई/9329/85-86 श्रौर जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार **श्रहमद** सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेंज-1, वम्बई

दिनांक 3-10-86

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सलना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

यभवर्द्द, विकास । श्रक्तूबर 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/9934/85-86--श्रतः मुझे, निसाप श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिश्वास करने का कारणे हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० इस सं ० 1 श्रीर 2, 3 रे मालेपे, विभुवन बिल्डिंग, को ० - श्रापरेटिव हा उसिंग सोसायटी लिमिटेड, 1/3 कालबादेवी रोड, विजय बल्लभ चींग, (पायधुमी), बस्बई—2 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से बींगत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर सिंधन, उठा की धारा 369 के ब श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में रिजस्ट्री है, दिनांक 4-2-1986,

को पूर्वोक्स सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पित का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीयं आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-आर अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधारीशिय अगरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए:

अल अब उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में. उक्त अभिनियम की धारा 269-घ को उपधारार (1) ► को निम्मलिक्षित स्थिक्तियों, अर्थात् — (1) श्री पश्चिक्षणाल केल्पारेख, श्रीमतो नापामती श्राप्य पारेख

(ग्रन्तरक)

(2) भी दिनेमकुमर ह्वी० दलानी, थी प्रतिलकुमार ह्वी० दलानी, श्री परेशकुमार ह्वी०, दत्तानी । (ग्रन्निती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में की हैं भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर उनते स्थानर सम्मिति में द्विस्ववृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रणः --- इ.समें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधि । नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्त्र ची

रूम सं० 1, ग्रीर 2, 3रे मालेपे, क्षिभुवन विल्डिंग को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 1/3, कालबादेवी रोष्ठ, विजय वरुपभ चीक, (गायधुनी), अम्बई-2

अनुमुची जैया कि कि० मं० अई-1/37-ईई/9331/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हाण विनास 4-2-86, को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> निसार श्र**हमद** सक्षम प्राधि ग**री,** सहायक सायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-1, **बम्ब**ई

दिनांक : 1-10-1986

The construction of the co

शक्य नार्युटी पुन**्**एत ह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) **कें अधी**त

भारत संद्रकाड

कार्यासयः सहायक शायकर शावुकः (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, अम्बई

बम्बई, दिनांक 6 ग्रक्तूबर 1986

निवेश सं० श्रई-1/37-ईई/9936/85-86-श्रनः मुझे, निसार श्रहमद,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें न्यूके परवात् 'उक्त अधिवियम' कहा वया हैं), की भारा 269-व के वधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर कम्पिका, विश्वका अधित बाकार मृश्व 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट मं० 122, जो, 12वी मंजिल, कल्पवृक्ष को-श्राप० हार्डीमंग सोसायटी लि०, 27, रिज रोड, बम्बर्ड- 6 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रृतुषुधी में श्रीर पूर्णेरूप में विणित हैं), श्रीर जिसका करारनाम श्रायकर श्रृधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, दिनांक 4-2-86,

कां प्रेंग्स्त सम्मत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के वश्यमान शितक क के लिए अन्तरित की गर् है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का स्वित बाबार मूल्य, उसके श्रव्यमान प्रतिफल से, एसे श्रव्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्घेष्य से उक्ष्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उबस विभिनियम के बचीन कर दोने के अन्तरक के बाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा खे जिए।

सतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न में अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-क की उपभाषा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात:—— 7—316GI/86

- (1) श्री अनन्तराय प्रतापराय मेहता,श्री ध्यराज अनन्तराय मेहता भ्रीप श्री (स्पः काराभाय मेहता । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती विमला कमलचन्द कोठारी । (प्रकारिती)
- (3) श्रन्तरको । (बह स्थाकत, चिथक पश्चिमीम में सम्मति है)

ग्रन्न(रती

(बह् व्यक्ति, जिसके बारे में श्रघो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सकत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप रू----

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की नविश्व था गरश्यकाओं ज्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की नविश्व भें नविश्व में समाप्त होती हो, के अंतर पूर्वी क्यांकित से में क्यांकित से किसी व्यक्ति स्वार
- (य) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपरित में टिनजरूर किसी क्या स्थावत इंगाय अधोहरताथारी के पास सिवित (े किए वा सकींगे।

स्वकाकरणः— इसमें प्रयुक्त वस्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

प्लैंट सं० 122, जो, 12वी मंजिल, कल्पवृक्ष को०—श्राप० हाउसिंग मोसायटी लि०, 27, रिज रोड, बस्बई—6 में स्थिन है ।

श्रनुमुची जैसा कि कि० सं० श्रई-1-37-ईई/9333/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकपरी, बस्बई हाल दिलांक 4-2-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> नियार श्रहमध सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-1, बस्बई

दिनांक 1-10-1986 मोहर: प्रकृप आही.टी.एन.एस.----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन समना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरिक्षण) ग्रर्जन रेश-1, बम्बई

बम्बई, दिनां ए । अन्तुबर 1986

निदेश सं० श्रर्ह- ।/37-ईई/9950/85-86---श्रव: म्झे, निसार अहमद.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक **है**

श्रीर जिलकी मं० गोडाउन लेन, प्लिट सं० ४, यार यूनिट सं० 6, गलकार क्यमी इंग्टेट, मः क्रमांब, बम्बई, सी० एस० मे० 100 (पी॰ टी॰), फ्रांट 137 (पी॰ टी॰), স্থাদ নাল্লনার डिबिजन में स्थित हैं (श्रंा इससे उपाबद्ध अनसुची में श्रार पूर्ण रू के बिणत है) क्रोरित कि किया रतामा आया हर अधिनियम, 1961 की धारा 269 एख के ग्रधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिक्स्ट्री है, दिनांक 4-2-1986, को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एंसे रूप्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वृतिकत, निम्नीसिविध उद्योध्य से उक्त जन्तरण सिन्धित् बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण सं हुए किसी आय की वाबत, कि शिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दाशित्व में कमी करने या उससे बचने में सिबाधा के लिए; भौर/वा
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य जारिक्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, **धन-कर** अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

मतः मधः अक्षा व्याभिनियमः, की भारा 269-ग **में वनुसरव** कें. में जबत अधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) **के** अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियाँ, अर्थात :----

(1) मैसर्स विमानसल भौगिनान

(धानायक)

- (2) मेसर्स प्रागर्जा मुलजी एण्ड कम्पनी । (ग्राक्तिनी)
- (3) भारतभवा

(तह काक्टि, जिसके पश्चिमीम मे नभ्यन्ति है।

को यह सूचना जानी करके पूर्वनित संपत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध के कोई भी आओष उन्न

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा . अधोष्ठस्ताक्षरी भः पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः - ासमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय। गयाहै।

गोडाउन शेंड यूनिट सं० 4 श्रीर श्रीर यूनिट सं० 6, गुलजार कसमी इस्टेट, माझगांव, बम्बई--10 सी० एस० सं० 100 (पी० टी०), श्रीप 127 (पी० टी०), श्रापः माझगांव डिविजन ।

श्रनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० श्रई—1/37—ईई/9346/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-2-86 को रिजस्टड़ किया गया है।

> नियाण अहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायट एायुक्त (निरीक्षण), प्राजीन रेंल-1, धमबर्ड

दिनां ह 1-10-1986

प्रकप आर्थः ही . एन . एव . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत तहकार

कार्यासम्बद्धाः सहायक जायकर बाबुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 सितम्बर 1986

निदेश सं० श्रई-1/37—ईई/9964/85—86—-श्रत: मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसफे पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट सं० 81, 8वां माला, पुष्पकुंज बिल्डिंग, ताडदेव रोड, बम्बई, सी० एस० सं० 3405, ग्राफ ताडदेव डिविजन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 5-2-1986.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य सं कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्हें यह विद्वास करने रहने का आरण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार भूत्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिक का निम्मिलिखित उद्वोद्य से उक्त अंतरण कि चित्त में बास्तविक रूप से अर्थन नहीं कि वा भूषा हैं हैं-

- (क्ष) अन्तरम् श हुए किसी नाम की बावस, स्वय विभिन्नमं ती सभीत कर दोने के सम्पर्क नी पासिएत में कमी करने या उससे सभाने में साविष्ण है निस्तर, बरि/ना
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन वा बन्य वास्तियों को, विन्हुं भारतीय नाय-कर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या धन-कर निभिनयम, या धन-कर निभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्राप्तः कवः, उन्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं भ्रों, भ्रों, धन्तः अधिनियमं की धारा 269-णं की उपधारा (1) हे अधीन निमनिस्थितः व्यक्तिक्षों, अधीतः हेल्ल्ल

- (1) श्री जावरीलाल सी० जैन श्रीमती छाया जे० जैन (ग्रन्सरक)
- (2) श्री परेण श्रार० शहा ग्रौर श्रीमती शिल्पा बी० गहा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना भारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन में संबंध में कांद्र भी बाकंप ह---

- (क) इस मृज्य के राजपण में प्रकादध की तारीक री 45 दिन की जबिंध या तत्स्वस्वन्धी स्थितियों पर सृज्या की तामील से 30 दिन की नविंध, जो भी अविंध वांध में समान्त्र होती हो, के भीतर प्रकारण स्थापत वां से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (अ) बंध मृध्या के राज्यम में प्रकादन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सभ्यत्ति में हित्सद्भ किसी जन्म कांचित द्वारा अभोहस्ताकरी के पास विश्वित में विश्व वा सकति।

स्परक्षीकरणः -- इसमें प्रमुक्त पब्कों और पद्धों का, जो क्या जिभिनियम के जध्याय 20 क में परिकारिक है, वहीं जर्थ होगा. जो उस अध्यास में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट मं० 81, 8वां माला, पुष्पकुंज विलिडग, ताडवेव रोड, तम्बई, सी० एम० मं० 405, श्राफ ताडवेव डिविजन श्रनुसूची जैसा कि क्र० मं० झई-1/37-ईई/9358/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 5-2-1986 को रजिस्टडं किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षग्र), ग्रर्जन रेंजे—1, बस्बई

दिनांक : 25-9-86

मरूप्, बार्च, टी. यून, यूस : ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ए (1) के अधीन मुचना

मारत सहकार

कार्यालय, महायक भायकर बायुक्त (निहाँकिय) अर्जन रेंज-1, अम्बई

बम्बई, दिनांक 29- सितम्बर 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/9998/85-86---श्रतः सुक्षे, निसार, श्रहमव,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० शो-रूम गोडाउन (सं० जो, मरीन चेंम्बर्स, 43, न्यू मरीन लाईन्स, बम्बई-20 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), /ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कंख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 10-2-86,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उभित नाजार मृत्य से कम के दर्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निद्यास करने करने का काण्ण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसक उस्प्रमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का उन्तर प्रतिकल का उन्तर प्रतिकल से अधिक है और मन्दरक (बन्तरुकों) बौड अन्तरिती (श्तार्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उन्देष्य से उन्तर मन्तरण निधित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या इससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एंसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिकती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्विभा के सिए;

कटः अंग, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण ों, गें, वह अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निजिक्त धिक्तयों, वर्षात् क्ष्म-

- (1) मैसर्स भारत इंजीमियरिंग बर्क्स (इंडिया) (ग्रन्तरक)
- (2) प्रेम एन० राणे (हिं० अ०, कु०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्बद्धित को अर्जन को विष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कीई भी बाक्षंप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार निमित मों किए जा सकोंगी।

स्पाकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभा। बस हैं, बही कर्य होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

नन्स्यो

शो-रूम (गोडाउन) सं० 10, जो मरीन चेंम्बर्स, 43 न्यु मरीन लाईन्स, बम्बई-20 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-1/37—ईई/9388/85—86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10—2—1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अम्ब**र्ड**

विनाम : 29-9-86

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) क वर्गीन स्थन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (१नर्राक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 25 सितम्बर 1986

निदेश सं॰ $\mathbf{x}^{\xi-1/37-\xi\xi/10036/85-86---- प्रतः}$ मुझे, निसार श्रहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'जक्त अधिनियम' जहां गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,06,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शाप सं० 26, ग्राउण्ड मनीश मार्केंट, पलटन रोड, बम्बई-1 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजरट्री हैं, दिनांक 11-2-1986.

की पूर्वोक्त संस्पतिः के उतित लाकार क्या स काम के क्या का शिक्क के किए अन्तरित की नहीं है त्याँए मुक्ते यह विकास कर्य का कारण है कि अधापूर्वोक्त नस्पत्ति का उतित बाकार मृद्य, उसके स्थापति अधिकार की, गीरी स्वामान प्रतिप्रभाका स्थापति अधिकार की, गीरी स्वामान प्रतिप्रभाका स्थापति अधिकार ही और अंतरिक्ष (अध्यापति अधिकार ही और अधिकार की कार्य कार्य प्रमाण की प्राप्त की अधिकार से अधिकार से अधिकार की अध्यापति अधापति अध

- (क) अमरारण से हुन्द्री गंकशी शाय क्षी बाबरा उक्त जिथिनियम के अधीन कर दीनी की अन्तरक की दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना चाहिए था, छिपाने में मृविभा के निष्;

बात: बाब, उन्नध लिंधियम की बाय 269-ग के बनुसरण को, भी, इन्नस विभिन्नियम जर साम ३६३ र की उपभारा (1) को को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती सीप्ता श्रार० कनजानी, श्रीमती रानी **जै०** कनजानी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कोमलम आर० नायर, श्रीमती देवयानी श्रार० नायर, मास्टर सुरेश आर० नायर, मास्टर महेश श्रार० नायर, मास्टर मानाक पी० नायर, फावर श्रीर नैचरल गाडियन श्री प्रभाकर नायर (श्रन्सरिती)

र प्रसम्बता भारी करकी प्रवादित सम्परित की स्वीस की दिख्य कार्यवाहियां करता हो।

इक्स सम्पर्सि के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षप:-

- (क) इस सृष्मा के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद सृष्मा की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्लिं व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित खूतारा;
- (ब) इस स्पना के राज्यका में प्रकाशन की तारीख है
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बुन्च व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास निवित में किए वा सकीं थे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ झाना जो उस अस्त्य में दिया गया है।

अनुस्ची

थाप सं० 26, ग्राउण्ड फ्लौग्रर, मनीश मार्केट, पलटन रोड, बम्बई—1

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्राह्म-1/37ईई/9424/85-86 श्रीरजी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-2-86 की रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी, स**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज-1, **बस्बई**

दिनाक : 25-9-1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

> भारत सरकार श्रर्जन रेंज-1, वम्बई

बम्बई, दिनांक 26 सितम्बर 1986

निदेश सं० श्रई—1/37 $\frac{4}{5}/10038/85$ —86—-श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट सं० 43, जो, 12—ए, फोरशोग्रर रोड, बम्बई —1 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), /श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 11—2—86 को पूर्वोंक्त सम्परित के जितत बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का बारण हैं कि यथापूर्वाक्त सम्पर्ति का दिषत बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्न, निम्नलिखित उद्वेदिय से उकत अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण ६ हुआ ं कशी क्षाय भी वावश्वः असक वाधिनयम के अधीन कर द'न के अन्तरक कं दाायत्व में कभी करने या खससे श्वते में स्वित्या के कि ए वीर√श
- (छ) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लियाने में स्थिया के लिए;

(1) एल ॰ जी ॰ छात्रीप्फ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री गांतीलाल लुन्कुं ह ।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचका कारी अध्यक्ते पृथांकतः सञ्चलित से सर्वान को लिए कार्यवाहिको करता हूं।

वक्त अम्परित कं वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (का) इस ब्रूचना के राजवृत्त में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्संगंधी व्यक्तियों पर स्वना की तानील से 30 दिन की अवधि, को भी नवधि बाद में समाध्य होती हो, को भीतर प्रविधत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस ब्रागा;
- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकादन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हित-स्वप किसी अन्य स्थावत व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में कियं वा सकोंगे:

स्वष्यक्षिकरणः इसमें प्रयुक्त कर्कों और पर्वो का, को उत्तर विभिन्नियम को कभ्यात 20-क में परिधानित ही, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में विभा गया है।

अमस्यी

फ्लैंट सं० 43, जो, 4थी मंजिल, ब्रॅडवेस्टइमारत, 12-ए, फोरगोग्रर रोड, बम्बई-1 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर संर श्रई-1/37ईई/9426/85-86 श्रीर जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-[[], अम्बर्ड

अतः अब, उत्तर अधिनियम की धारा 269-म की अनुमरण भें, में. उदत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

विनांक: 26-9-1986

मोहर

प्रक्ष बाह्र हो. एन. एस.-----

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के विभीन सूचना

RICE SCALE

कार्यासमः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज -1, यम्बई

बम्बई दिनांक :-1 धक्त्बर 1986

निर्देश मं० ग्रई-1/37ईई/10052/85-86

भ्रतः मुझे निसार भ्रह्मद,

भाग [[[—खण्ड 1]

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00000/र रुपये से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायमेस नं० 102/103, जो, स्टिल नेयर्स, 1 ली मंजिल, बोच स्ट्रिट, बम्बई-9 में स्थित है (श्रीर इसके उपाब इ श्रमुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धोरा 269 क, ख, के श्रधीन बम्पई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। नारीख 12-2-1986 को पर्योकत पम्पिन के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिक्तों) और अन्तरित (अन्तरितिक्तों) के बोच एमें अन्तर्ण के लिए प्य नाया गया श्रीतफन, निम्नतिसित उद्वेष्य से उन्तर अन्तर्ण निचित्र वास्तरिक रूप में क्रियम से उन्तर अन्तर्ण निचित्र वास्त्रिक रूप में क्रिया स्था है :---

- (क) बन्तरम से हुई किसी बाय की वाबत उक्स किथ-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविशा के निए; बॉर/या
- (च) ऐसी किसी आय या अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा नौं सिए;

अनः अयं, जुङ्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुमरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) टाटानगर ट्रान्सपोट कार्पोरेशन।

(श्रन्तरक)

(2) गुडम दान्सर्वोट लेबर बोर्ड।

(भ्रन्तरिती)

को सह स्वना जारी करने पृथांक्त सम्पणि के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी स्मिक्तयों पर सूचना की तातील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त स्मिक्तयों में संक्रिसी स्मिक्त स्मारत;
- (ख) इस स्थान के राज्यक भी प्रकाशन की सारीय है 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधिहस्ताक्षरी के पास निस्तित । विक्ता वा अधीर ।

स्पष्टीकरणः -- इसमं प्रयुक्त शब्दां और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्त्रकी

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 102/103, जो 1 ली मंजिल स्टिल चेवर्स, ब्रोच स्ट्रिट बम्बई-9 में स्थित है।

अनुसूर्च। जिसकी कि \circ सं \circ प्रई-1/37 ईई/9440/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-1 **सम्बर्ध**

दिनांक : 1-10~86

प्रकृष अरहाँ, ही . दून , दूच . ---------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार १६६० म (1) के सभीत सुचना

भारत सरकार

कायांलय, सहायक आयकर आगृबस (निर्दीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, विनांक 25-9-86

निर्वेश सं० श्रई-1/37—ईर्ड/ईर्ड/10059/85—86 श्रत:, मुझे, निसार श्रहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव पलट नंव 43, दिया माला, मोबी भवन, पंडित रमाबाई रीड, बम्बर्ड-7 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, खे के श्रिधीन वम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है विनांक 12-2-86

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के अवजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास बरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुच, उसके उद्यमान प्रतिफल है, एसे उद्यमान प्रतिफल का उन्क्रह प्रतिस्त से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के निए सब बागा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विद्य से उक्त अन्तरण विकित से बास्तिक रूप से स्विधत महीं किया जवा है :---

- (क) अन्तरण से हुई फिजी कार्य की, वास्ता, उक्त जिथिनियम के अधीन कर योगे के जन्तरक के दासित्व में कमी करने वा उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी धन का बाव वारिकारों को किन्से भारतीय आपकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धान किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा भेनिया;

(1) श्री मतो बिऱ्या एस० याह और श्री मा लग एस० णाह;

(ग्रन्तरक)

(2) चंद्रलाल गामालाग गोठ ग्रौर सन्स। (श्रन्तरिती)

का बहु सूचना जारी करकी पूर्वीक्त सम्पत्ति के अचीन के किए कार्यवाहियां करता हो।

तकत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में को**ड़े भी आक्रो**प :---

- (क) इस स्थान के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की अधीन से 30 दिन की अधि , जो भी अवधि वाद में समाधा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवार;
- (स) इसम्बना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 तिन के भीतर उबत स्थावर संपत्ति मो हित्तम्ब (स्थावर संपत्ति मो हित्तम्ब (स्थावर संपत्ति मो हित्तम्ब (स्थावर संपत्ति मो के किया कार्या कार्यक्षम्ताक्षरी के किया कार्यकर्ति।

स्परिकिरण :- - एशमी अयुक्त शब्दों और पदी का, भी उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क भी भीरभाषित ही, यही वर्ष होका को अस अध्याय में दिवा क्या ही -

ग्रन्मुची

फ्लैट नं० 43, 4था माला मोदी भुवन पंडिता रमाबाई मार्ग, बम्बई-7

भ्रमुसूची जैसा की ऋ० सं० ऋई-1/37-ईई/9448/ 85-86 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-2-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बम्बई

अतः अतः, ज्ञान अिनियम क्षी भारा 269-न के कनुसन्ध में, भी, अन्त निधिनियम की भारा 269-न की स्थाना (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिलां क: 25-2-86

मोहर 🗝

प्रकल लाहाँ टी एक एस -----

कारणकार विभिन्नियाय, 1961 (1961 का 43) की वाहर 269-व (1) के वाभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांकः । श्रमतूबर 1986

निदेश सं० ग्रई-3/37–ईई/10062/85–86–ग्रन: मुझे निससार श्रहमद

नायकर लॉभनियम, 196! (196! का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्नत निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सन्पत्ति, चिसका उपित वाचार नृज्य 1,00,000/- रा. से निधक हैं

श्रीर जिनकी संव फ्लैंट नव 71, जो 7वीं, मंजिल, मेंकर टावर-श्रायव कफ परेड बम्बई-5, में स्थित है श्रीर इससे उपाद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विजित है, श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है दिनांक 12-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मूंला से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित् की गर्व है गौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रोंक्त सम्पत्ति का उपित बाबार बूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का रुव्ह प्रतिस्त से विश्व है बौर जन्तरक (अन्तरकों) और बन्ध-रिती (अन्तरित्वों) के बौच एसे बन्तरण के लिए तय सन्तर का बतिकास निम्नसिवित उद्देश्य से उपत अन्तरण विविद्य से शास्त्रीक कम से कांच्य वहीं विकास स्था है

- (क) मन्तरण ने शुर्व कियों नाम की नामत समय स्थितिकम के वंधीन सह दोने के मन्तरक में नाधित्य में क्यी करने ना दशरों गणने में स्विधा से जिल, कडि/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या धन वा जन्य जास्तियों का, जिन्हों शारतीय जाय-अहर लोधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-अहर अधिनियम, या धन-अहर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्लास प्रकट नहीं किया नया वा या किया जाना थाहिए था. डियाने में वृतिया जी काह्य।

(1) श्री प्रफुल जनमोहन दान छोर भेहना छोर श्री मनी पन्ना पी गेहना।

(भ्रन्तरकः)

- (2) श्री जे. मी० णहा योग श्रन्य। (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिनीयों। (वह व्यक्ति जिससे अक्षिशीस में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्ष्मण सम्परित के वर्षन की बुम्बुम्भ की कोई भी बाक्शन्ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की व्विभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 दिन की वर्वीध, जो भी संबंधि कार वें स्वाप्त होती हो, से कीतर प्रविका व्यक्तियों में किसी व्यक्ति हवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपन मा प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर ध्रावित में ब्रिश्नब्र्थ किसी बन्द स्थावत नृवाद भ्राक्तियों के बाध निवित में सिश् वा सर्वों के

स्पच्छीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दाँ श्रीर पदों का, जो उक्त अधिन्यिम के अध्याद 20-क में यथा परिमाणित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में रिया गवा है

जन्स्यो

फ्लैंट न० 71 जो 7वीं, मंजिल मेकर टावर श्राय, कफ परेड वस्थई—5, में स्थित है।

श्रनुसूची जैपाकि कि से० श्रई-3/37-ईई/9451/ 85-86 श्रीरजो सक्षम प्राधिकारी वस्बई हारा दिनांक 12-2-1986 को पिनस्टई किया गया है।

> निसार श्रह्मद गक्षम गाधिभारी महायक आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) यजैन रेंज-1, बम्बई

दिनां क: 1-10-1986

मोहरः

प्ररूप भार्द, टी. एन. एस.,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज ⊶ा. बम्बर्ष

बम्बई; दिनांक 29 सिसम्बर 1986

निर्देण स० श्रई-1/37-ईई/10068/85-86 श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कार्यातय नं० 32, जो, तीगरी मंजिल वहाईट हाल 143 ए० के० मार्ग, अम्बई-36 में स्थित हैं (श्रौर इसी उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रौर जिनता करारनामा श्रीयकर श्रीविनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रवीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिक्टी है तारीख 13~2-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से क्षिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया व्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है क्षिन

- (क) अम्तरण से हुन्दं किसी आय की बाबत, उक्त नियम को अभीन कर दोने के अंतरक को दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन भा बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजित व्यक्तियों, अर्थात ॥——

- (1) मेनर्स बंग्य जमानजी निस्की प्रायवेट लिया (ग्रन्सपक)
- (৫) शेलनाङ बी॰ पूनाबाला श्रीर श्रास्य। (श्रास्त्रिती)

कीर यह सूचना जारी वारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंच में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास तिष्यित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमे प्रय्वतः शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ उपया की उस्र अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 32 जो, तीयरी मंजिल,व्हाईट हाल, ए० के० मार्ग, धम्बई—36 में स्थित है।

अनुसूची जैप(कि कै० में० यह -1/37-2ई/9458 85-85 और जो नक्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा दिनोक 13-2-1986 को रजिस्टई निया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिनारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेज-1, वस्बई

दिनोंक 29-9-86 **मोह**र

प्रकप बाइ • ही • एत् • एस • -----

जायकर मधिनियम, 1961 (1961 क्या 43) की भारा 269-ज (1) के नभीव स्था

भारत सरकार

कार्यासयः, सहायक भागकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रजंन रेंज⊶1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 सितम्बर 86

निर्देश मं० म्रई-1/27-ईई/10078/85-86--म्रत: भुझे निमाण म्रहगदः,

नाथकर जीभीनगम 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त जीभीनगम' कहा गया ही, की भाष 269-स के जभीन सभम प्राधिकारी को वह विश्वास करने कर काइण है कि स्थावर सम्बंधिक विश्वस उचित्र गायार मुख्य 1,00,000/- रहन से अधिक है

भ्रार जिसकी स० फ्लेट नं० 1 1ली माला, अलेकझोंडर हाउस काशीभाई नवरंग सिंह जामदेवी, बस्बई

में स्थित है (ग्रीर इसके उपावद ग्रमुस्ची में पूर्ण रूप में वर्णित है (ग्रीर जिमका करारनामा ग्रायकर श्रिधित्यम, 1961 की धारा 269 ज,ख के ग्रिधित वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 13-2-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से लिए इत्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुइ प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सिक रूप स कथित नहीं किया गमा है :---

- (क) कच्चरन ने हुन् किनी नाम की नावत , कमत कथि-नियम के वधीन कर योगे के जन्तरक के नायित्य में कभी करने मा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाद ना किसी धन या क्या वास्तिकों को जिल्हें भारतीय वायकार मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या संकत किपिनियम, या धनकार जिल्हों निया धनकार जिल्हों के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया ध्या था या किया जाना चाहिए था. क्रियानों ये स्विधा के सिहा:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :--- (1) श्री ह्ममुखलाल नाथालाल झबेरी,
 श्रीमती इदिरा एच० झबेरी ।

(ध्रन्त'रक)

(2) श्री नरेन्द्रकुमार विरचन्द्र शहा, जयन्तीलाल ह्वी० शहा और चन्द्रिका श्रार० शहा।

(श्रम्सरिती)

का यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचवा के राजपण में प्रकाशन का। तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास विवित्त में किस् वा तकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त कड्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लैट सं०1, पहली माला, अलेक झोंडर हाउस, काशीभाई, नवरंग स्ट्रीट, जामदेवी, वस्बई—७ ।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० ग्रई-1/37-ईई/9466/ 85-86 श्रीर जो सक्षनम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-2-86 को रिजस्टई किया गया है।

> निसार हमद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रापुक्त (निरीक्षण) स्रजन रीज-1, बस्बई

दिनाक : 29**-9-8**6

मोहर ।

प्रकप आहें.टी.एन.एस.-----

नायकार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) को स्थीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यास्य , तहासक अस्यकर बास्यका (निरासक) ग्रर्जन रेज-1, तम्बई

बम्बई, दिनांक 3 अक्तूबर 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/10097/85-86 श्रत: मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फलैंट नं० 1, जो, 13वीं मंजिल जयवत ग्रपार्टमें टस्, दादरकर कंपाउंड, तुलसीवाडी, ताडदेव रोड बम्बई-3.1 में स्थित हैं (श्रीर जिस उपाबद श्रतुस्ची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 के, खे, के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 14-2-86

अर्थ पृत्रोकता संपत्ति के उचित् वाजार मुख्य से कम् के स्थयाम् प्रितिकृत के लिए अन्सरित की गर्य है बार मुक्ते वह विश्वास करते का विश्व अन्य कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके अध्यान प्रतिकृत से, एसे अवसान प्रतिकृत का पंत्रह पतिथात वे अध्यान ही कीर सन्तर्क (अन्यरकों) और अंतरिती भन्ति कि वीथ एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकृत कि निम्नितिश्व उद्वेषम से उक्त सन्तरण लिखित में वास्तरिक क्ष्म पीया विश्व के वीथ नहीं किया मया है

- (क) अलारण सं हुई किसी बाब की बाबत, बक्ट अधिनियम के अधीन कार वाने की बन्दारक की वायित्य में कभी काइने मा उत्तरी कचने में सुविधा को लिए; बाँड/धा
- (स) एमी किसी जाम या किसी अन या बन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयासमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था भा भा भिना साना साहिए वा स्थिति में तुविधा के सिक्;

अल. अल, उन्न की धोरमम की धारा 269-म की अनुस्रक मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, संभित्त — (1) जयबंत डेब्ह्लोपमेंट कार्पीरेशम।

(भन्तरक)

(2) श्री अस्पी विनोंय।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिव की बवीध वा तत्त्रवंधी व्यक्तियाँ पर स्वभा की तामीन से 30 दिन की नविध, जो भी सब्दीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशिन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविध में प्रकाश वा स्वींगी।

स्थादिकरणः — इत्तभे प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जांउ ६. विधितियम के अध्याद 20 के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगस्ची

फलैट नं \circ \downarrow 1, जो 13वीं मंजिल, जयवंत श्रपार्टमें टस् वादरकर कंपाउंड, तुलसी वाडी, ताडदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित हैं।

श्रनुमूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/9488/85/86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 14-2-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रामकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रुजैन रेंज —1, बम्बई

विनांक: 3-10-19**8**6

प्रकृष् आइ. . सी. एम . एस . -----

बारफर विभिन्निम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के वभीन स्का

भारत सरकार

भावातक, सहायक आयकर आयुक्त (पिरीक्रण) प्रार्जन रेंज-1 बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 3 श्रक्त्बर 1986

निर्देण सं० श्रर्ध-1/37—ईई/10098/85—86 श्रतः मुझे, निमार श्रहमद,

आयकर आधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फलैंट नं० 25, जो, 3री मंजिल, ए-इमारत, श्रनंत नगर, फोर्जेंट स्ट्रिट, बम्बई-36 में स्थित है। (श्रौर इसके उपावद श्रनुश्ची में और पूर्ण रूप से विज्ञ है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खे, के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 14~2~86

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल गे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तिश्वास) के स्वास्ति के स्वास्ति के लिए तम पाया बमा प्रसिक्तिन, विस्तासित सूक्षेत्रम से उन्तर प्रतिकृत में बास्तिमक किया से किया नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सहूई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दीयित्व मो कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/धा
- (ख) एभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया वर्ते, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृविध्य के लिए;

अतः अयः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में अस्त योजियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीनः सिमास्त्रियस व्यक्तियों, अर्थन ——

- (1) श्रीमति सोना जे गांधी, ग्रौर श्री केकी छे० (श्रन्सरक)
 - (2) श्री मवनीतलाल भार० गाँधी श्रीर श्रीमित जयावेन एन० गाँधी (भ्रन्तरिती)

नतं यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपरित के अर्थन के लिखे कार्यवाहियां करता हुई।

उन्स सम्पत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप 🌤 🕶

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस ते 45 दिन की अविभि या तत्सेंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट क्यक्तियों में से किसी क्यक्टि द्वारा;
- (क) इस सूचना क राजभन में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर अक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्योंक्त द्वारा, अथोहस्ताक्षरी की पाम लिखित में कि ये जा सकांगे।

स्याब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और यदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अधे हांगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

फलैट नं० 25, जो 3री मंजिल ए- इमारत, श्रनंत नगर, फोर्जेंज स्ट्रिट, बस्बई--36 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क्र० सं० श्रर्ह-1/37—र्हर्ट/9487/85-86/ श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 14-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्र**हमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रजेंन रेंज-1, बम्बई

विमांक: 3-10-86

बक्त बार् , दी, प्रमु प्रस् । का----

नागकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) को ग्योग सूचना

STEE SEWY

कार्यासय, ब्रह्मयक शायकर नाम्यत (रिन्द्रीकाण)

ग्रर्जन रेंज -1 बम्बई,

बम्बई, दिनांक 6 ग्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० प्रई-1/37-ईई/10101/85-86 भ्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

वावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाक्ष (जिसे वाभिनियम कहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवसास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उनित बाबार म्हन 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 43, 4 थे मालेपे, सतगुर श्रपार्टमेंटस् को० ऑपरेटिव्ह हाउसिंग मीसायटी लिमिटट, 16 फेंच रोड़, फ्रोंच क्रिज के पास, चौपाटी बम्बई-7

में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 14-2-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाबार मृस्य से कन के कावमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे

नधु निक्नास करने का कारन है कि यथापूर्वोक्त सम्वत्ति का कारन है कि यथापूर्वोक्त सम्वत्ति का कारन तामार मुख्य, उसके क्यमान प्रतिकत है, एवं क्षमान क्षिम्चक का पंद्र प्रतिकत से निषक है और नन्तरक (बन्तरकों) भीर अम्ति। (बन्तरितिकों) के बीच एके जन्तरक के विष त्या पाया गया प्रतिकत निम्निलिखित उद्विध्य से उसत अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की धावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या बन्य बास्तियों की जिन्हें भारतीय बायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, मा चन-कर बीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया बचा था या किया बाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए।

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ध के अन्सरण भै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के जबीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्रीमित मनोरनाबेन पी० शहा, श्री प्रवित्तचंद्व एल० शहा.

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रकाश एम० मेहता, श्री भद्रेश एम० मेहता, श्रीमित कामिनी पी मेहता, श्रीमित निवा बी मेहता

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बाधो करको पूजोंक्त सम्पत्ति के कर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

जनत संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़^न भी नाक्षेप ;----

- (क) इस सूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ प्रश्न सूलना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना को राषपण में प्रकाशन की वारीय वं 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भे दिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकी।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

अम्सूची

फलैंट नं० 43, 4 थोमालेपे सतगुरु ग्रपार्टमें टस्, को--ग्रापरेटिव हार्जसंग सोसायटी लिमिटेड, 16 फ्रेंच रोड के पास, चोपाटी, बम्बई-7

श्रनुसूची जैसाकी क० सं० श्रई-1/37—ईई/9492/8/5/86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रह्मद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनोक :-- 6-- 1 0-- 1986 मोहर :--

इस्म बार्ड दी एन एस ु------

नायकर मधिनियम, 1061 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के नथीन सुभना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिर्माक 1 प्रक्तूबर 1986
निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/1021/85-86--प्रतः
मुझे, निसार ग्रहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं 25, जो 2री, मंजिल विमल महल पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारना-मा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है। विनांक:-14-2-1986

का पूर्वेक्त सम्पत्ति के अधित कारार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास कुकरने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अभिक हैं और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अभ्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तृतिक रूप से कथित शही किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अपित्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों की, जिन्हें शास्तीय आयनार अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनयम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धारिए था, छिपाने में मिकिया के लिए:

ै सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाग्न (1) क बभारन, निम्हिनिस्ट जानिस्यों, भ्याक्र :---- (1) श्री राजेन्द्र सुमार सुभकरण रुईया श्रीर श्री सुणील कुमार शुभकरन रूईया।

(ग्रन्मरक)

(2) श्री मती इंदु ब्रार० सिधानिया और मास्टर श्रविवनी श्रार० सिधानिया।

(श्रम्तरिसी)

को यह सृचना चारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति को वर्णन को विष् कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोब :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र भी प्रकासन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तांधीम से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति श्वापा;
- (च) इस सुचना के राजपत्र ं शकाक्षम की तारीक्ष से 45 चिन के भीतर उक्त श्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्राध अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकैंगे।

रनकीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों और वहां का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वया है।

जगत थी

पर्लंट नं० 25, जो, 2री, मंजिल, विमल महल, पेडर रोड, बम्बई-26, में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी क \circ सं 1-1/37-ईई/9512/85-86--ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 14-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजैन रैंज-1, बस्कई

विनोक: 1-10-1986

मोहर 🗉

शक्य मार्च दी प्राप्त प्राप्त

बायकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) में अधीर सुमना

नाइत शरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रजैन रेंज-1, यम्बई बम्बई, दिनांक 29 सितम्बर 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/10133-85-86--- मतः मुप्ते, निसार श्रहमद,

कायकर करिंपनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिव्यम' कहा क्या हैं), की वाच 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वाचार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० कार्यालय नं० 42, जो, 4थी, मंजिल क्हाईट हाल इमारत, 143, ए० के० मार्ग बम्बई-36 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा भागकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269, क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है।

दिमांक 14-2-1986
को पृथेकित सम्परित को विषय बाबार सूच्य ते कम को अवसान तिफल को लिए अंतरित की गई हैं और मूफ्ते यह विश्वास करने को कारण है कि वजापूर्वोक्त संपरित को उचित वाजार सूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्वनमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अभिक हैं और मन्तरक (अन्तरका) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के किए क्षय क्षया ग्या प्रतिफल, निम्मसिवित स्वृद्धिय है दक्त कन्तरण जिल्लाम से वास्तरिक में वास्तरिक के विष् क्षय

- (क) अन्तरण से तृद्ध किसी जाय कर्त जावत, उक्त विचित्रक के अभीत कर देने के क्यारण के वायित्व में कमी करने वा उससे क्याने में सुविधा के सिए; बॉट/का
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य जास्तिकों को बिन्हों भारतीय जावकर जिथिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या धन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तर्शिती बुक्तरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था , कियाने में स्विभा के सिए।

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, भी, उच्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) व वधीन, विकारिकाचित अधिनार्थे अधीन, विकारिकाचित अधिनार्थे

- (1) मेसर्स बी० जमसजी मिस्स्री प्राइवेट लि०। (प्रान्तरक)
- (2) डा० सुभाष भट्टाचार्य। (अन्तांरर्ता)

की बहु स्वता जारी भरके प्वोंकल सम्यक्ति के वर्णन को निर् कार्यवाहिया शुक्र करता हुई।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोड़" भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी जिन्म बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक क्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीसर उक्त स्थापर सम्पत्ति में दिलबद्ध किसी क्राय व्यक्ति द्वाल के किस्सानर्ग के पास निम्बन में किए वा स्कर्णः

वनस्थी

कार्यालय नं ० 42, जो 4थी, मंजिल, व्हाईट, हाल इमारत 143, ए० के० मार्ग बम्बई-36 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी क० सं० अई-1-37-ईई/9524/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-2-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार म्रहमव सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :-29-9-1986 मोहर :- प्रकल बाह^रू दी_ए एन_{्य} एक_{्य} स्टब्स्ट

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की शास 269-म (1) के बधीन सुंचना

भारत शरकार

कार्याल्य, ब्यायक नावकार वासूक्त (विश्वीक्षण)

ग्रजेंन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 सितम्बर 1986 निवेश सं० ग्रई/1/37-ईई/10140-85-86---ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद

बायकर मिश्रियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त स्थितिवय' क्राह्म स्था हैं), की भारा 269-च के स्थीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहः से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० कार्यालय नं० 906 जो 9थीं, मंजिल प्रसाद चेंबर्स स्वदेशी मिल्स कंपाउंड प्लॉट जिसका सी० एस० नं० 1487 भापेराहाउस, बम्बई -4 में स्थित है (भ्रौर इससे उपावद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा प्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई-स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 17-2-1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उधित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह निश्वास करने का कारण है कि बचाप्नोंका सम्पत्ति का उचित बाधाड़ ब्रुम्थ, उसके स्वयमान प्रतिक्षा थे, एवे स्वयमान प्रतिकत का वंद्रह प्रतिक्षत से विधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंजरितों (अन्तरित्यों) के बीच होने बन्तरण के लिए तय यात्रा पदा प्रति-कन निज्नोंकांचा उनुवोध्य से उच्छ बंदरण विधिय में बास्त्यिक क्य से कवित नहीं किया क्या है कन्न

- (क) अन्तरम् वे हुई किनी भागकी वासके, उपर अधिनियम के अधीन कुट दोने के अन्तरक के प्रायित्य में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (व) एसी किसी नाथ या किसी धन या नन्य कास्तिया को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उसत निधिनयम, या धनकर निधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नाथ नन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा वे सिका

शतः नव, उन्त सिंपिनयम की नारा 269-म के वयुक्तन को, सी, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीता, िपनिसिचित व्यक्तियों सर्माद्य डिल्ल 9—316 GI/86

(1) श्री रसिक लाल मुलचंद मेहता।

(भ्रन्तरक)

(2) मेमर्सं नवन्लीन डायमंडस् ।

(भ्रन्यरिती)

की वह श्रूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजधन में प्रकाशन की तारीब ६ 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विभी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवह व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हुनाराह
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ानिहस्ताक्षरी के पाद सिवित में किए जा सकींगे।

ल्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त जियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

कार्यालय नं० 906 जो 9वीं, मंजिल, प्रसाद चेंबर्स, स्वदेशी मिल्स कंपाउंड प्लॉट जिसका सी० एस० नं० 1487 ग्रापेरा हाउस अम्बई-4, में स्थित है।

श्रनुम् की जैसाकी क० स० श्रई-1/37—ईई/9530/85—86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ध द्वारा दिनांक 17–2—1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजीन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :-- 30-- 9-- 1986

मोहर ३

HER HIE'N KIN 442 44E House

बावकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के वंधीन कृषया

मारत सरकार

कार्याक्षण, सञ्चायक जायकार जागुक्त (निरक्षिक)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 ग्रन्तूबर 1986 निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/10174/85-86---भनः मुझे, निसार ग्रहमदः

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अभिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- का. स जिल्ला है

श्रोर जिसकी सं० पलैट नं० 11, जो छठी मंजिल मातृ मंदिर 278, ताइदेव रोड, बम्बई~7, में स्थित है। (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वॉणन

है), श्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रीधनियम 1961 की धारा 269, क, ख के श्रशीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 17-2-1986

कां प्रशंबत सम्पत्ति के यियत देखा मृत्य से कम के रद्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित वाजार अन्त्य, उसके दर्यभान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल के पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरित्यों) के दीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल,, निम्निचित उद्देश्य से उन्त अंतरण जिन्तित में वास्तिवक रूप से अधिक नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई भिन्ती आय कौ शावतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क वायित्व में कमी करने या उत्तस बचने में सूबिधा के सिए; और/या
- (क) एत्सी किसी काय या किसी धन का अन्य शास्तियां करों, जिन्हों भारतीय आयंकर बिधिनियम, 1922 (1922 को 11) ता एका राधिनियम, या धनकर अधिकिया, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना साहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

अमः अवः, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात हू-- (1) श्री ए० एस० ग्रग्रमाल।

(प्रन्तरक)

(2) श्री निनित्त श्रार० भंडारी श्रीर श्री मती रुपा एन० भंडारी।

(भग्तरिती)

(3) 契行表示

(धह व्यक्ति जिसके अधिभीग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करको पूर्वोच्छ सम्मत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुए।

जक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध के कार्ड भी बाब्जेंप :---

- (व) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की व्यविध वा तत्त्राव्यन्थी व्यक्तियों पर बूचना की तामील से 30 दिन की व्यविध, को भी श्रविध वाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्तियां त्राचा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति ब्वास वभोहस्ताक्षरी के पाव सिविस में किए या सकी वे।

स्वक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कक्यों बीट पदों का, वो उक्ट विधित्रमा, के कथ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष शोगा को उस वभ्याय में दिया वया ही।

भनुसूची

प्लैट नं० 11,जो छठी मजिल,मातु मंदिर, 278 ता डदेख रोड, बम्बई—7, में स्थित है।

श्रनुसूची र्जनाकी कर संर ग्रई-1/37-ईई/9564/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-2-1986 को रशिस्टई किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेज-1, बस्बई

दिनों ह: 3-10-198**6**

प्ररूप आई. टी. एन. एव. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्षायां नय्. सङ्घायक क्षायकर कायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज≁1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 1 प्रक्तूबर 1986

निदेश सं० ग्रई—1/37—ईई/10177/85—86—-श्रतः मुझे निसार श्रहमद

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इसमें इसके प्रभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हूँ), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संज पलैट तंज 11, सिक्का नगर, "इ" ब्लाक 138 विट्ठलभाई पटेल रोड, अम्बई—4, में स्थित है। (श्रीर इससे उपायद श्रनुसुधी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 17-2-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्युष्ट से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अभ्यारण से हुई किसी नाम की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के शायित्व में कभी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए, आर/शा
- (वा) एंसी किसी जाय वा किसी भन या जन्य जास्तियों को जिल्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर जिलियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविध्य के लिए;

अध अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण के, अनुसर्ण भं, भे, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) क अभीन, निम्नलिमित स्योक्तियों, अर्थास् :--- (1) जयालक्ष्मी पी० मेहता मधुमुदन पी मेहता, घंढुलाल पी० मेहता, ठाकोरवाम पी० मेहता, अरविद पी० मेहता. बिपति पी० मेहता, श्रुरुण पी० मेहता श्रीर भूपेन्द्र, पी० मेहता।

(ग्रन्थरक)

(2) श्री विनोद एमं० झब्हेरी श्रीर मुकेश एम० झब्हेरी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्थव्यीकरणः----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि । नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होता को उस अध्याय में दिया गया है।

सन्म्या

पर्लैट नं० 11, सिक्का नगर, "इ" ब्लाक, 138, विट्ठसभाई पटेल रोड, बम्बई-4 उमें स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा क० कि सं० ग्रई-1/37–ईई/9567/85–86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17–2–1986 को रिजस्टई किया गया है।

निसार श्रह्मद सक्षम प्राधि गरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (किरीक्षण) श्रजीन रेंज-I, बम्बर्ड

दिनांक :--1-10-1986

प्रकृत नाइ . ही . एन . एस . ------

काथकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुवना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 सितम्बर 1986

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/10229/85-86--श्रतः, मुक्को, निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- छ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 46, गराज, नं० जी-3, के साथ दार-उल-मुलुक-को० श्रापरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड पंडिता रमाबाई रोड, गामदेवी बम्बई 7 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्रतुसुची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269, क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 18-2-1986 को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ श्रित्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस उद्देश्य से जकत अन्तरण लिखित में थास्तिकल, निम्निलिसत उद्देश्य से जकत अन्तरण लिखित में थास्तिकल रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुद किसी आय की बाबत, उत्तक अधिनिम्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अखने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, सें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अधित:— (1) श्रीमती चंद्राबती श्रार गांबी श्रीमती स्मितां बेन एस गांबी।

(अन्तरक)

(2) श्री मती मीना प्रदीप दलाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स रम्पीत्स के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षीप :----

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनव्भ किसी बन्ध व्यक्ति व्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यक्ष्मीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्स किंधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

सन्स्ची

पसैट में ० 46, गराज नं ० जी ० के साथ दार-जल-मुलुक को धापरेटिव्ह, हार्जासंग सोसायटी लिमिटेड, 26 पंडिता रमाबाई रोड, गामवेबी, बम्बई-7 में स्थित है।

प्रमुखी जैसा कि कि के सं० ग्रई-3/37–ईई/9625/85–86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18–2–1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 25-9-1986

भोहर:

प्रकप नार्व.टी.एग. एस. -----

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वर्ष भारा 269-क (1) के अधीन स्वना

भारत संरक्षार

कार्यालय, सहायक नायकर पामृक्त (निष्टीकाण) ग्राजैन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 धक्तूबर 1986

निर्देश मं० प्रर्द-1/37—55/10241/85—86 अतः मुक्ते, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फलैंट नं० 91, जो 9वी मंजिल, निलांबर को भाप० ह। ऊर्मिंग सोसायटी लि०, 37, जी देशमुख मार्ग, बम्बई-26 में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यासय में रजिस्ट्री है। तारीख 18-2-86 की पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के कथमान प्रक्रिफेल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्स संपत्ति का उचित गाजार मृन्य, उसके सम्यमान प्रतिफल दश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत सं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अबुदांश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से **कथित** नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अवं, अक्त विधिनिषयं की भारा 269-ग की, बनुसरण मो, मी उक्त अधिनियम को भारा 269-म को उपभरत (१) के विभीत निम्नलिकित व्यक्तियों, अभीत ं----

- (1) श्री राजेश नि. शहा श्रीर श्री सुफेतु नि. शहा (श्रस्तरफ)
- (2) श्रीमति मिनल निरंजन शहा। (श्रन्तरिती)
- (3) श्रीमति मिलन एन० शहा । (धह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्षन के तिथ् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत संपृत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ हागा जो उप अध्याय मी दिया गया है।

अम् स्ची

फलैंट नं० 91, जो 9वी मंजिल, निलांबर को**-श्राप०** हाउमिंग सोसायटी लि०, 37 जी देशमुख मार्ग, बम्ब**ई--26** में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37–25/9635/85–86 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18–2–1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विसम्ब : 1-10-1986

प्ररूप आहाँ . टी . एन . एस . -----

शायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शक्तण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 वितम्बर 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/10242/85-86

म्रतः मुझे, निसार महभद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाप करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फलैट नं० 82ए, जो ग्रॅटशाम ग्रपार्टमेंटस्, 11, हार्कनेस रोड, बम्बई--6

में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर िसका करारनामा आयकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख़ 18-2-86 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का अचित बाजार न्त्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का नेम्न इसके दश्यमान प्रतिफल का अम्बर्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिंगित उद्दंश्य में उथत अन्तरण लिंगित में शिक्त है किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य मों कमी करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-म का अनुसरण मा, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (।) के अधीर, निम्निजिसिस व्यक्तियों, अर्थात् क्र--

- (1) श्री मिनू जे०पी० भिस्त्री श्रीर श्रीमिती मिन मिनू मिस्त्री (श्रन्तरक)
- (2) कमरूददीन श्रलीभीय चितलवाला भीर श्रीमती मुनिरा कमरूददीन चितलवाला । (ग्रन्तरिती)
- (3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

का यह सूचना जारी अरके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोककरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिंपिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हो. वहीं अर्थ होशा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

क्लट ने 82ए जो. अँटलान यपार्टमेंटस् 11, हाकनेस रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूचो जैसाकि कि सं अई-1/37-ईई 9636/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-2-86 की रजिस्टर्ड गया किया है ।

निमार घहसद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-1, वस्बई

दिनांक: 30-9-1986

प्रक्रम शाह , टी. एत. एस, ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वर्ती भारा 269-म (।) के अधीन शृथका

वारत सरकार

कार्यास्य, महायक आगण्डर आगुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-1, बस्बर्ड

बम्बई, दिनांक 3 श्रकत्बर 1986

निर्देण मं० श्रई-1/37—ईई/10265/85-86श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह धिश्यास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फलैंट नं० 61, जो छठी मंजिल, लिनस श्रपार्टमें टस् फलोरेन्स को-ग्राप० हार्जिमग सोगायटी लि० अएए, श्रन्टामांउट रोड, त्रम्बई-26

में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत अनुमूची में भीर पूर्ण रूप से बिंगत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर भ्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के ग्राधीन अस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

तारीख 19-2-1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार नृत्य म काम के दूरपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वेक्त संपाद्य का उचित बाजार मूक्त उसके दूरपमान प्रतिफल से एसे दूरपमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयअर अधिनियम, 1922 (1932 का :1) में कर्ल अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का सा सा किया जाना भाहिए था, जिल्हा की जुलका की विद्या

अतः अब, खबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमति भाग प्रितमदास।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति मिना के० भावनानी श्रौर श्री **किंगन** की० भावनानी।

(अग्तरिती)

(3) श्रन्त १ का । (अह स्मिनित शिसके अधिभोग में सस्मपति है)।

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए। हार्राविक जरणा हुई।

उत्रत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वतः के राजपत्र माँ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद माँ समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के विधियों में कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (क) रुप स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बं 45 दिन के भीतर उस्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी बं पास विवित में किए जा सकरें।

स्पष्टीक रण:---हामं प्रमुखत अन्दी जौर पदों का, वा अपर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

फलैट नं० 61, जो, 6टी मंजिल विनस धपार्टमें टस्, फलोरेन्स को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० उएए, धल्हा-माउंट रोड. त्रम्बई-26 में स्थित है।

श्रन्वृची जैसाकी क०सं० श्रई-1/37—ईई/9657/85—86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 19-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहम**द** सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, **बस्ब**ई

दिनां ~: 3-10-1986

माहर :

प्र**रू**प् आर्द्द्र , टी , एन , एस , ------

भायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

काबलिय, सहायक मामकर आयुक्त (निरक्तिण)

श्चर्णन रेंज-1, बग्वर्ष सम्बर्घ, दिनांक 30 शितम्बर 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/10269/85-86 श्रत: भुझे, मिसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि ध्यादर संपक्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी मं० कमरा नं० 1404, जो, 14वीं मंजिल, प्रसाद चेंबर्म, श्रांपिरा हाउस, बम्बई-4.

में स्थित है। (ग्रीर इसने उपाबद्य ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के ग्रिधीन अस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या। में रजिस्ट्री है। तारीख 20-2-86

का पूर्वीका संपत्ति के उचित नाजार मूल्य सं कम के दरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिकित में कारतिक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- एसी किसी अस्य या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, डिपाने में मित्रधा के लिए।

क्रमतः त्रज्ञ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमति कल्पना एन• शहा।

(भ्रम्तरक)

(2) मेसर्स शीतल मन्यूफॅक्किरिंग कंपनी।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांध भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ध किसी जन्य व्यक्ति इतारा, वजोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में यथा परिभावित ही, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अवसर्वा

कमरा नं० 1404, जो, 14**वीं मंग्रिल प्रसाद चेंबरीं** ग्रापेरा हाउस बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कर सं $= \frac{1}{37-5} = \frac{9678}{85-86}$ श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक = 20-2-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमध सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुप्रमें रेंज⊶1, वस्थई

विनांक: 30-9-1986

भूक्ष वाहें दी . वृष् पृष्ठ प्रत्यकारकारकार

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

आग्ल सर्काम्

भावनिय, महाथक बायकर बाव्कत (निरक्षिक)

ध्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 सितम्बर 1986

निर्देश सं० भई-1/37-ईई/10273/85-86

ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

शायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके श्रिकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-क के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाद करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अभिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 37, बिल्डिंग 7ए, नक्जीवन को० श्रो० हा० सोतायटी लिमिटेड, लॉमगटन रोड बस्बई--8 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बिणत है।) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रिधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है विनांक 19−2−1986

को पूना कित सम्पत्ति को जिसत बाजार मूक्य से कम के क्यमान हिन्य के तिए अन्दरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने वा कारण है कि मथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ह्ल्य, असके दश्यमान प्रतिफन से, एसे दश्यमान प्रतिफन का न्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकाँ) और बंतरिती अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया ।या प्रतिफन, निम्निसिश्त उद्वेषय से उक्त बन्तरण बिखित में ।स्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (फ) श्रांतरण ते हुई कियाँ बाव की बावता, उच्छ अधिवियम के ब्योग कड़ दोने के बन्तातक के दायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिय; औड़/या
- कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, 1922 (1942 का 11) वा उक्त अधिनियम, या अन-वा ना विश्व । 1957 (1957 का 27) के उबोक्नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

भतः गतः, उक्त गरिभिनयमं की भारा 269-न भी अनुसरम् हः, मी, जक्त अधिनियमं की भारा 269-न की उपभारा (1) धं अधीतः, निम्नलिखित व्यायतयों, अभीत् :---0-31601/86

(1) जयेश भार० मेहना रितेश प्रार० मेहना, श्रौर रमणिकलाल मेहना फादर श्रौर वैचरल गांडियन कु० झरना श्रार० मेहना के०

(ग्रन्तरः)

(2) प्रदीप के० श्राफ श्रीमती कोमल ग्नार० श्राफ चतुभूर्ज के० श्राफ०

(ग्रन्तरिती)

(3) घनश्याम किशनदास ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करके प्वेक्ति मंपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हो।

इसरा सम्परित के अवीर के संबज्ञान के रोव् भी शक्षांप राम्म

(क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिव की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्र स्वान की तामील से 30 दिन की सबधि, जो भी कवधि बाद में सम्भात है। है हैं, के भीतर पूर्वोक्स अधिकस्याँ से सिक्सी क्षावत द्वाराः

्त शुक्कत के राज्यव । १०६० का तारीज से 45 विक क भीगत करा । १०७ सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधाहस्ताक्षरी के पास । संख्या मा १९० क सहाये।

स्पर्ध्वीकरणः ----इसर्मा श्रयूक्त शन्यों और पर्दों का जो स्वक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, शही अर्थ होंगा. जो उस अध्याय की दिया नगर हैं।

अन्स्ची

फ्लैट नं० 37, बिल्डिंग नं० 7ए, नवजीवन को श्रापरे-टिव्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, लॉमंग्टन, रोड, बम्बई-8 श्रनुसूची जैसाकी क्र० सं० श्रई-1/37-ईई/9664/ 85-86-शौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-12-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार **अहमद** सक्षम प्राधि हारी, सहाय ३ भ्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 1-10-1986

मोहरः

प्रचम आर्घा हो . हन . एस .

बावकाड बरियनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (i) की सभीत नुकार

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक कायकर नायुक्त (विरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनांक 30 सितम्बर 1986

निदेश सं० श्र $\frac{5}{2}-1/37$ —ईई/10282/85-86—श्रत : मुझे निसार अहमद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उका अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपरित जिसका अचित नाजार मृत्य

1,00,000/- उ. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी संव कार्यालय नंव 109, जो पहली मंजिल प्रसाद चेंम्बर्स राक्सी सिनेमा के पास बम्बई-4, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की

धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक -20-2-1986

को पर्वोक्त सम्पत्ति के नियत बाबार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एन्डे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस्त उद्वरिय से उक्त अंतरण लिस्तित में वास्तिविक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (कः) अभ्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः सम, उकत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण यः मैं उनत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तितर्गः, अर्थात् :--- (1) मेसर्स दीपक एंटरप्रायजेस

(म्रन्तरक)

(2) मेसर्स सुप्रिम डायमंडस्।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुखना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में भोर्श भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्नंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 चिन की कार्यभा, जो भी अविध दाद में समाप्त होती हो, के श्रेटर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकारत की शारी सा 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितइस्थि किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

शिष्टिकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम, क अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन्स्भी

कार्यालय नं 109, जो पहली मंजिल, प्रसाद चेंबर्स, स्वदेशी मिल कंपाउंड, राक्सी सिनेमा के पास, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसुची जैसाकी ऋ० सं० अई-1/37-ईई/9673/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ं निसार श्रहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजीन रेंज, I, बम्बई

विनांक :-23-9-1986

अ**थ्य शाह⁴. टी. प्**स एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) श्री श्राद्ध 269 व (1) के प्राचीन एप्राटः

STREET STREET,

कार्यांतव, उहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंग बम्बई-2 बम्बई, दिनांक 1 भ्रक्तूबर 1986 निर्देश सं० भ्रई-1|37-ईई/10284/85-86

श्रतः मुझे, निसार श्रहमद्र

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथम) 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का आरण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 406, जो चौथी मंजिल, शिरीन श्रपार्टमेंट्रस इमारत नं० 1, गंगा जमुना सिनेमा के सामने, ताडदेव रोड, बम्बई—34

में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है। विनांक 20-2-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिसत बाजार मृन्य से कम के दूरयमान प्रांतफल को लिए अन्तरिश का गृह है और मुक्ते यह विद्यास अरने का अरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल में एमें दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिश्वत से भिष्क है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (जन्तरित्यों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दादेय सी उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी बाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा
- (क) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना बाहिए था, क्रियार में

अतः अब, उद्धि अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उत्कत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधान विम्निलिसत व्यक्तियों, अधीतः :—

(1) ताडदेव प्रापर्टीज प्रायवेड लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) पंचनभाई मेलाभाई णहा, देवायबेन पी० शहा, रिमकलाल पी० शहा और अर्रावद पी० शहा। (अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर तूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी जबिय बाद में समाप्त होती हो, को भीवर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुंबारा;
- (क) इक् बुक्ता के प्राव्यम में प्रकारम की वारीय थे 45 दिन के भीतर उन्हें स्थावर सम्पत्ति में हिछ-व्यूष किसी कम्य स्थावत ब्वारा, वशहस्ताकरी के वाल निशिक्ष में किए वा स्थापे

स्वच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त कव्यों और परों का, वो उक्त कि कि विश्व के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहाँ अर्थ होंगा. को उस अध्याय में दिया नया है।

अन्स्ची

फलैंट नं० 406, जो, चौथी मंजिल, शिरीन ग्रंपार्टमें ट्स, इमार्ग्त नं० 1, गंगा जमुना मिनेमा के मामने, ताडदेव रोड, बम्बर्ध-34 में स्थित है।

ग्रनुसुची जैसाकी ऋ०सं० ग्रई-1/37—ईई/9675/85 ~ 86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 20-2-1986को रजिस्टर्ड िया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-बम्बई-I

दिनांक :-1-10-1986

प्रस्य बाहा .टी . एन् एस

भागतक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नगर १६६० के ते के उन्होंने सुक्त

भारत सरकार

शामानय, महायक बायकार वायुवत (निर्द्रावाच)

ग्रर्जन रेज I, बम्बई बम्बई, दिनांक 26 सितम्बर 1986 निर्देश सं० ग्रई-1/37–ईई/10295/85–86––ग्रतः मुझे निसार ग्रहमद

नामकर ऑश्रांचयम. 51 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् उनत कांचिनामं कहा गया है), दर्श थारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि न्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० फलैंट नं० 23, जो, चौथी मंजिल मिस्ती कोर्ट, 209, दिन्या वाच्छा रोड, चर्चगेट, बम्बई-20 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध पनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) स्रीर जिसका करारनामा अप्यक्तर स्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के स्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 20-2-86 का पूर्वों को कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 20-2-86 का पूर्वों को निर्मारत को उनित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मृश्वें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापबांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दूर्यमान प्रतिफल में एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिभत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिल्हा से वासनिक रूप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, खक्त कर्य गार के अध्याद गार्थ खेलास्य का नामित्य मा गामी करने या उससे बचने में सुविधा अभिन्तु और/मा
- ६) एत् १७६६ अस्य या किसी धन या अन्य आस्तियाँ केत. किस्तु नारतीय आयकर अधिनियम, 1922 के ११) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अप्रतियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अप्रतियम अस्ति इन्य प्रकट नहीं किया गया था या भिष्ण अस्ति अस्ति के लिए:

कतः १४), उकत अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, भें इकत ऑधिनियम की धारा 269-म की स्वधारा (1) को अधीर, निम्नलिकिट का एक थें, अभित :—

- (1) कर्नल फिरोज एन्ट (निवृत्त) ग्रीर श्रीमती दौलत एन्टी। (श्रन्तरक)
- (2) प्रदीप पेपर्स लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यग्रहियां स्क करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यक्ष्टीक रण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, वा उनस विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा वा अध्याय में दिया नया है।

बन्सुची

फलैंट नं० 23, जो चौथी मंजिल मिस्ती कोर्ट 208, दिनशा वाच्छा रोड, चर्चगेज, बम्बई-20 में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकि ऋ०सं० ग्रई-1/37-ईई/9683/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज I, बम्बई-1

दिनांक :-28-9-1986 मोहर :- श्**रूप बाह**ै, टौ., एग., **एस**्न-जन्म

आयकर आपिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269 अ (1) के अधीन स्चनः

HING WARRE

कार्यासन, सहायक नामकर नामुक्त (निर्ह्मिक)

ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 भ्रक्त्बर 1986 निर्देश सं० श्रई-1/37—ईई/10297/85-86—श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-म के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

त्रीर जिसकी सं यूनिट नं 9, श्रीर 10, जो 4थी, मंजिल जोगानी इस्टेट्स, एन एम जोशी मार्ग बम्बई—I1, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण इप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 20-2-1986 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के जिपलय में रिजस्ट्री है दिनांक 20-2-1986 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के जिपलय में रिजस्ट्री है दिनांक 20-2-1986 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के जिपलय में रिजस्ट्री है दिनांक 20-2-1986 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के जिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्वेंद्र अतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की जपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेसर्स जोगानी इस्टेट्स।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स शारदा टेक्स इण्डिया (प्राइवेट) लि०। (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रताशन की तारीस से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किये जा सकेंगे।

स्पष्टिकिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो जस अध्याय ो दिया गया है।

अनुसूची

युनिट न० 9, धौर 10, जो 4थी मंजिल, जोगानी इस्टेट्स एन० एम० जोगी मार्ग बम्बई-II, में स्थित है। प्रनुसूची जैसािक क० स० प्रई-1/37-ईई/9695/85-86 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-2-1996 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–I, वस्बई

दिनांक: 3-10-1986

मोहर :–

भक्तप् आर्द्र ही, एन, एस

आधकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुव्या

शाहत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर नामुक्त (निर्दाक्षण)

श्रर्जम रेज-1, अम्बई बम्बई, दिनांक 19सितम्बर 1986 निर्देश सं०ग्नई-1/37–ईई/10300/85–86––श्रतः मुझे निसार श्रहमद,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कर्राण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी मं पलेंट नं 104 10 वा माला, पृष्पकुंज विलिंडग, सीं एम नं 405, श्रांफ ताडवेय रोड, बम्बई-4 में स्थित है। (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसुची में और पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा प्रायकर श्रींधिनियम, 1961 की घारा 269 क, ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 20-10-1986 का पूर्वों के सम्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वों कत सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप में किथत नहीं किया गया है अ-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित में दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) गुंसी किसी बाय या किसी भन या बन्य कास्तिय' को जिन्हें भारतीय आय-कर समिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया मा या किया जाना चाहिए का, कियाने में सुविधा के लिए;

दतः नग, उक्त भौधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थातः :—- (1) मेसर्स नवकेतन बिरुडमें प्राईवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विरकुमार सी शहा, श्रीमति पदमा व्ही शहा (ग्रन्:रिती)

को यह सूचना बारो करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन की लिए। कार्यवाहियां करता हुं।

उन्नत संपत्ति की वर्षन को संबंध में कोई' भी बाअप ८---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्षीच, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के जीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवस्त;
- ्(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन आर्ग तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्वोहस्तक्ष्टरी के पास जिक्ति में किए का सकत्ये।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयक्तर विभिन्नियान के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस लध्याय के िता निया है।

श्रन् सूची

फलैंट नं 104, 10वां माला, पुष्पकुंज बिल्डिंग व्ही एस० नं 405 श्राफ ताइदेव डिविजन, श्राफ ताडदेव रोड, बम्बई-4 ।

ग्रमुसूची जैसाकी ऋ०सं॰ ग्रार्घ--1/37-ईई/9688/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20/2/86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज–I, बम्बई

दिनांक: 29-9-1986

प्ररूप भार्ड. टी. एव. एव

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

'कार्बालय, सहायक जायकर **जायक्त (निरोक्तक)**

श्रर्जन रेंज-1, बम्बर्ध

बम्बर्ड, दिनांक 3 श्रक्तूबर 1986

निदेश सं० ग्र\$-1/37-\$\$1/314/85-86-%त: मुक्के, निसार अक्षमदे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेंपरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 100,000 /- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 181, जो, 18वीं मंजिल, जॉलीं मेकर प्रपार्टमेंटस-2, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण कप से विणित है),/श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 24-2-1986,

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे एह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाना गया प्रतिफल, निम्नि चित् उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि कार बन्तरण

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गवत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के किए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बार अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिवित, व्यक्तियाँ, क्यांत् ■— (1) श्री रमणभाई एम० पटेल श्रौर श्री राम बी० सखरानी ।

(भ्रन्तरक)

(2) शंकर लाल एल० जैन ग्रौर ग्रन्थ।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्पत्ति के अर्चन के संबंध में कोई बाक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, सो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु**स्थी**

फ्लैट सं० 181, जो, 18वीं मंजिल, जॉली मेकर श्रपार्टमेंट--2, कफ परेड, श्रभिशाषा प्रिमायसेस को०-श्राप० सोसायटी लि०, बम्बई--5 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-1/37–ई $\epsilon/10022/85$ –86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकार,वम्बई द्वारा दिनांक 24–2–1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 3-10-1986

प्रकथ बाही . दी . एन . एस . ------

कायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सूचना

शास्त बस्कार

कार्यां सप्, सहायक जायकर आयुक्त (निरोधाण)

ग्रर्जन रेज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 अभ्तुबर 1986 .

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/10319/85-86--श्रतः मुझे निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 1.00,000/- एउ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1102, 11वा माला, वॉलेम अपार्टमेंटस, 1, जंक्शन ग्राफ टी० जे० मार्ग, ग्रीर स्लेटर रोड़, ग्रंट रोड़, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रामकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 24 फरवरी 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृस्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि बंधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाबार मृस्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और बंधरक (अंतरकाँ) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंदरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्विषय से उन्त बंदरण विविध में वास्तिक रूप से कथिब नहीं किया बदा है है—

- (क) वंतरण तें हुई किसी जान की नामत , जनत विध-तियम के अधीन कर दोने के जंतरक के वायित्व में कमी करने वा प्रसर्व वचने में सुविध्य के लिए; बॉर/वा
- (का) एंसी किसी आय था किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का i1) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाड़िए चा, छिपान में सुविधा के सिए;

जत्त जब, उक्त जिम्मीनयम की धारा 269-म के अमृतरण में, में, धक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपचारा (1) के अधीय, निल्लीविधित स्पिक्तिनों, वर्णात क्ला

- (1) मेसर्स यूनिक इस्टेंटस डेव्हलपमेंटस कंपनी लिमिटेड । (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स अपूर्व इन्ट्रेस्मेंटस कंपनी प्राईवेट लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां शुक्र करता हुं।

उनत सम्यक्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाधोद :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तायज्ञ से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर स्थावर सम्बत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए का सकों ने।

स्मण्डीकरण:--- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, जहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैंट नं० 1102, 11वे मालेपे, वॉलेस श्रपार्टमेंटस 1, जंक्शन श्राफ टी० जे० मार्ग, श्रीर स्लेटर रोड़, ग्रेटरोड़, बम्बई श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37–ईई/10003/85–86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24–2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार म्रहमद; सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज– , बम्बई

विनांक: 6-10-1986

प्ररूप बार्ड .टी एन .एस . -----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के बभीन स्क्वा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 सितम्बर 1986

निर्देश सं० श्र\$-1/37—\$\$/10336/85—86—-श्रतः, मुझे, निसार श्रहमद,

शायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'त्कत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षत्र प्रतिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० कार्यालय नं० 46, जो, 4थी मंजिल, व्हाइट हॉल इमारत, 143, ए० के० मार्ग, बम्बई—36 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 24 फरवरी, 1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे क्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण वं हुदं जिल्ही यात की बावत अवस जिल्हीतव्य में ज्यीन कर दोने को जन्तरक थे वासित्व में कमी करने या उससे अधाने में स्विधः वे सिए; ब्रीडि/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या ब्रन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आगकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्स अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिशी ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था कियाने में सविधा की लिए:

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान. निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स बी० जमसजी मिस्स्री पाईवेट लि०। (श्रन्तरक)
- (2) नामदेव केमोक्रटम् ।

(अन्तरिती)

को यह सृषता जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिक कार्यवाहियां करता हों।

दक्त सम्पत्ति को गर्जन को संबंध में फोर्क भी शाओप :---

- (क) इस् स्थान के राजधन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तर्सबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हुए, अं भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से विश्वी व्यक्ति हुए।
- (क) इस सुमना के राजधन में प्रकाशन की हारी में 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पात्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति कुपारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पया का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा को उस कध्याय में दिया गुणा है।

अन्सुची

कार्यालय नं० 46, जो, 4थी मंजिल, व्हाइट हॉल इमारत, 143, ए० के० मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है।

श्रन्सूची जैसा कि कि के सं० ग्रर्ह-1/J7-ईर्ह/10007/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्तर्ह हारा दिनांक 24-2-1986 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्गन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 29-9-1986

प्रस्य बार्ड. टी. एवं. एसं. क्लाकारकारकार

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) जो अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) धर्जन रंज-1, वम्बर्ध

बम्बई, विनांक 6 अक्तुबर 1986

निर्देश मं० श्रर्ड $-1/37-\frac{4}{5}$ र्द/10341/85-86--श्रतः, मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्ष्मके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा कि के अधीन सक्षम शाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार भूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 52, सर्व्हटम क्वार्टर के साथ, भौर गराज नं० 52, हिल पार्क, ए० जी० बेल मार्ग, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ध्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी

के कार्यालय में रजिस्त्री है, दिनांक 24 फरवरी 1986
को पूर्वोक्षा सम्परित की उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करते का जारण हो कि वशापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाबार
मृत्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिपात स अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अतीरितिः) के बीक एक बंदरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल शास्त्रा स्था उद्शिष्ट में अस्त अस्वरण विविध्य में वास्त्रीकर
क्य अविधित नहीं किया गया है देन

- (क) अन्तर्भ पं हुई किथी बाब की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायरक यो कमी कर्ने या उससे व्यव में बृद्धिक. के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उच्च विधिन्यम, वा लिकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिकार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वाला की हए था, छिपाने में सीमा के लिए;

अतः अयः, जान अः विषयः की शरा 269-ग के, अन्सरणः भें, भें, अकत विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) इंडियन स्युइंग मणीन कंपनी लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) श्राल्जिमेन बॅक नेदरलैंड एन० व्ही०। (श्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को सह सूचना जाड़ी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति कं मर्चप के सम्बन्ध में सोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकी।

स्थ्याकरण:----इसमें प्रयूक्त धक्यों बहर पद्यों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाबिक है, वहीं अर्थ होगा जरे उस अध्याय में दिया दया है।

अनुसू को

फ्लैट नं० 52, सर्व्हेंटस क्यार्टर मीर गराज नं० 52 के साथ, हिल पार्क, ए० जी० बेल मार्ग, बम्बई।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-1/37-ईई/10016-ए/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 24-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रह्मद स**क्षम** प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, पूना

दिमांक: 6-10-1986

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के नभीन स्थना शास्त्र सहस्रो

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 धक्तुवर 1986

निर्वेश स॰ मई-1/37-ईई/10353/85-86--म्रतः, मुसे;

निसार भ्रहमव

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), को बारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार अस्थ 1.,00,000/-रा. संअधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 41, जो, 4थी मंश्रिल, निलांबर, गरेज नं० 42, श्रीर एक कार पार्किंग जगह के साथ, पेडर रोड़, बम्बई—26 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिष्टिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 24 फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान मितिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अंतरण लिखित को बास्करिय कर से लिखत

- (क) बन्धरम से हुई किसी बाय की यावत उक्त ब्रीभिनियम के बभीन कार दोने की बंतरक के द्यायित्य में कमी करने वा स्तत्त वचने में सुविधा औं सिए; श्रीर/या
- (श) एती किसी अप या किसी वन या अन्य शिक्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकर मिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा धनकर अधिनियम, पा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था छिपाने ने छ विभा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह——

- (1) श्री राजनारायण रूपनारायण खन्ना । (श्रन्तरक)
- (2) श्री किशान दौलतराम सदारंगानी श्रीर मनोज दौलत-राम सवारंगानी ।

(अन्तरिती)

(4) श्री क्रिजमारायण ग्रार० खन्ना श्रौर श्रोमनारायण ग्रार० खन्ना (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कर यह सूचना धारी करके पृथांकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए काण्याहियां करता हां।

उक्त संपर्तित के वर्षन के सम्बन्ध भी कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी अविभि भाद मों समाप्त हाती हों, के भीतर पूर्णकर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पक्ति में हिंत-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, वो उनत अधिनयम के अध्याद 20-क में परिभाषित हों वहीं वर्ष होंगा को उस खब्याय में दिया गया हो।

अन्सूची

फ्लैट नं० 41 जो, 4थी मंजिल, निलांबर, गरेज नं० 42 फ्रौर एक कार पार्किंग जगह के साथ, पेडर रोड़, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37—ईई/10015/85–86 श्रीर जो सक्षम श्राधिकारी, अम्बर्ट हारा दिनांक 24–2–1986 को रजिस्टर्श किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 1-10-1986

प्रकार बाह्य, टी. पुरा ,पुरा ,------

बामकर निवित्यन, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-अ (1) की गंभीन सुचना

मार्ड बहुकाड

कार्यालया, सहायक कायकर आयुक्त (तिरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० ग्रर्द-1/37-ईई/10390/85-86--श्रतः मुझे, निसार ग्रहमद.

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-अ के अधीर सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित काजार मृज्य 1,00,000 हुपये से प्रधिक है।

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 303, 3रा माला, डायमंड प्लाझा लेमिन्टन रोड़, बम्बई—4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्राधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 24 फरवरी 1986।

को पूर्वोक्ट सम्पन्ति को जिसत बाजार म्स्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अन्सरित की गई है और म्के यह विश्वास करने का का नहीं कि यसापूर्वोक्त सम्मति का जीवत बाजार मूल्य उसकी कामान हित्कल से, एसे क्यमान प्रतिफल का मृन्य उसकी कामान हित्कल से, एसे क्यमान प्रतिफल का मृन्य असकी कामान है जीक स्ते जंतरित (वंतरकों) जीर वंतरितों (वंतरितियों) के बीक एसे जंतरण के जिए तय पावा नवा प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त क्रन्तरण सिक्ति में बास्तविक क्य से किएत नहीं किया गया है है—

- (क) नगर न तं हुन् किती नाम की बान्त उन्त अभिभाग के नभीत कर दाने के मन्तरक के सामित्य में कर्ज करने या उससे बचने में सुविधा के किए; अरि/या
- (ख) श्रेमी विक्सी जाय या किसी भन वा काच जारितओं को, जिनकों भारतीय वावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भारतीय सिंपितियम, 1957 (1957 का 27) के अशोजनार्थ अन्तीरती वृषारा प्रकट नहीं किया गया या था किया बाना आहिए था, कियाने में कृषिका से शिक्स

नतः ग्या, उन्स अधिनियम की भारा 269-ग के नियम की भारा 269-म की उप के अधीन, निम्मलिलिक स्थानितयों, अभीन् हिन्स

- (1) प्लाझा बायमंब प्रापटिज प्राईवेट लिमिटेब । (श्रम्तरक)
- (2) श्री रसिकलाल एम० संघवी, जयंत एम० संघवी, किरन ग्रार० संघवी, ग्रौर दीपक एच० संघवी। (ग्रन्तरिती)

को नह क्षमा वाडी करके क्ष्मेंक्ष कम्यन्तिः के वर्षम थे जिल् कार्यनाहियो क्षम करवा हो ।

उपत राजरित के कर्मक के संबंध में कोई भी बालेत :

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीज से 30 दिन की बंबिय, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीच सं 45 विश के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जम्ब म्यक्ति ब्वाय जथाहरताकारी के पास सिवित में किए चा सकेंगे।

स्थानकीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कन्यों नीर पर्यों का, वो उपत अधिनिवस, के अध्याद 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं नर्य होगा को उस अध्याय में दिया नवा हाँ।

अनुसूची

पूनिट नं० 303, 3रा माला, खायमंड प्लाझा, लेमिग्टन रोड, बम्बई-4।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्रई-1/37–ईई/10026/85–86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 24–2–1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, बम्बई प्रस्प . बाह्र . टी . एस . एक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीय शुपना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

प्रजीन रेंज-1, अम्बई अम्बई, दिनांक 25 सितम्बर 1986

निर्वेश सं॰ म्रर्६-1/37-ईई/10411/85-86---श्रतः मुशे निसार श्रहमद,

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिएं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह निक्वाय करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित थाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, 7वां माला, दून ग्रपार्टमेंटम, लल्लूभाई ग्रमीचंद कंपाउंड, 225/27 ताड़देव नेड, बग्वई-7 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बग्वई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 24 फरवरी 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को ख्रयमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित सामार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रांतशत से अधिक है और अंतरक (अंतर्का) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण को लिए तथ पाया गया प्रतिक्र निम्मिनिधित उद्देषय से उक्त बन्तरण लिए तथ पाया यहा प्रतिक्र कर के तिम्मिनिधित उद्देषय से उक्त बन्तरण लिए तथ प्रांत वास्तिक्र कर के तिमित वहीं किया क्या है है

- (क) नन्तरण संहुइ किसी बास १६० वर्गा अवश्व अधिनियम के अधीन कर दोंग अस्त १६० अर्थ दाविस्य में अभी कारने या १३० गेंगा को सुरिया के बाद, मोद/या

बत्त वन, उन्त विभिन्नियम की भारा 2000 के वन्सरण बी, मी, उन्त वाभिनियम की भारा 200 के की उपनारा (1) के वृत्तिकृतिकालियां, स्थात क्रमा

- (1) श्रीमती नयना एन० शहा, नितिन के० शहा । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती उषा एन० वोहरा। (भन्तरिती)

को नष्ट सुचना पारी करके पूर्वोक्त कन्नित के नर्बन के किए कार्वनाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस त्याना को राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी स्पित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्पित्यों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना क राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच हो 45 दिन के भीतर उपरा स्थापर सम्पत्ति मों हितवक्ष किसी बन्द व्यक्ति हुनाराः वशोहस्ताक्ष्यी के पान जिकित मों किए अर स्केते।

स्पष्टिकिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त किंभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

पलैट नं० 5, 7वां माला, दून श्रपार्टमेंटस, लल्लूभाई श्रमीचंद कंपाउंड, 225/27, ताड़देव रोड, बम्बई-7।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/10030/ 85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-2-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार भ्रह्मव, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बस्बई

विनाक: 25-9-1986

फल्लप **अ**गाउ⁴. रूपे **ए**स्. स्प्. -

बामकार अभिनियम, 1961 (1961 का 40) की भारा 269-म (1) की अभीत श्रृंचना

सारत व्यक्ताः

कार्यात्रय, अहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 ग्रक्तूबर 1986

निर्देश सं॰ ग्रई-1/37-ईई/10435/85-86---श्रतः मुझे निसार ग्रह्मद,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (णिसं इसर्गे इसके क्ष्मात 'उक्ते अधिनियम्' कहा गया हैं), की भाक 269-४ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास कारनं का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, क्षिप्रकार विकास कारणं मस्थ 1,00.000/- क. म अधिक हो

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 144, जो, कासाब्लांका इमारत, 14वीं मंजिल, कफ परेड, कुलाबा, बम्बई—5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 26 फरवरी 1986।

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दश्यमान प्रतिफल के निए बन्तरित की गई है और मूर्य यह किस्ताम दर्व कारण है यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उनकें दश्यमान प्रतिफल सं एसे दश्यमान प्रतिफल का पल्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में रास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

-) बस्दम्भ से हुन्न किसी आप की व्यक्त हैं बिधिनयम की व्यक्ति कीर तो के कार्य के शिवित्व की कार्यी कार्य के असरों समार्थ की कुरितार क स्वार्श बॉव/का
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या लाय की, जिन्हें भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1000 वालने को बिनियम, 1000 वालने को बिनियम, 1000 की प्रयोजनार्थ की विस्तार की विस्तार की प्रयोजनार्थ की तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने यो सुविधा के लिए;

अप्तः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् (1) श्रीमती सुरजीत कंवलजीत सिंह ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मिनल ए० इसरानी।

(भ्रन्तरिती)

का यह सुचना आरा करक प्रतिकत सम्पत्ति के मर्जन के सिए कार्यवाहिमां करका हुए .

कारत सम्बंध में मा गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- े दर एका है एकएन में इकावन की वारीच से 45 एन की अनिम मा तरसंबंधी क्यन्तियों पर स्थान नी नामित से 100 दिन की अनिध, जो भी अहिए प्राव मी नामित होती हो, के भीवर पूर्णिक स्थितिक दिना हो।
- (७) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है २००० के के लग उन्तर मधावर गंपत्ति में हिल्लस्य क्ष १४ की अन्य किस्तर इंडाना अधाहरताक्षरी के पास के के के किए जा सक्तिं।

स्त्रष्टाक्ष्यरण --- इ.स. प्रयाप्त महार प्रवासित है। प्रवासित की अन्य आयकर अधिकार की अन्य अधिकार की अधिका

प्रनुस्ची

फ्लैंट नं 144, जो, कासाब्लोका इमारत, 14वीं मंजिल, कफ परेड, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37–ईई/10038/85–86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16–2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार **भहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) **श**र्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 3-10-1986

≂ंकाम्यास्य । स - प्रार्क्त आर्घः टी स्मास्थार ।

(1) श्री शेवाराम एन० छाबलानी।

(बस्तरक)

बायकर बधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-७ (1) के वर्षीन स्**चना** (2) भेरार्भ जै० जी० डायमंडम् ।

(श्रन्तरिती)

भारत सरकार

क्जबंबिय, सहायक बायवार बागक्त (विरक्षिक)

श्रजंन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 सितम्बर 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/10456/85-86--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

राम्हकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (बिन्हें इसकें इसकें प्रशाह 'उक्त अधिनियम' कहा गरा है). ती अपि १८०० के अधीन सक्षम आधिकारी को, यह किरवान यारचे जा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसदा उचिन वागर मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कार्यालय नं० 405, जो, 4थी मंजिल, प्रसाद चेंबर्स, श्रापेरा हाउस, वम्बई—4 में स्थित है (श्रौर इससे उपावह अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, विनांक 26 फरवरी 1986।

कर पृति त सम्पन्ति के लिया शारात तथा है क्या की ल्ल्यभात विचल के लिए बंचरित की वह है जीर मुक्ते यस विकास करने का जारण है कि यथापूर्विकर सम्परित का उचित बाजार कृष्य, जारण है कि यथापूर्विकर सम्परित का उचित बाजार कृष्य, जारण इसके इद्यमान प्रतिकाल से, एसे इद्यमान प्रतिकाल के प्रत्यह प्रतिकाल से अधिक है जीर अन्तर्क (जाराव्यों) बार अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के जीच एसे जन्तरिक के गारा जा लागा गुजा प्रतिकाल, जिम्मानिकत उच्चे देग से जायल अंतरिक निविक्त में वास्तिक कम से क्षिक मही किया है है —

- (क) बन्धरण सं हुइ किसी भाव की नावत, उपत संधितियम के संधीन कर दाने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने मा उससे बचारे में स्थिया के लिए; सर्थित्या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियाँ का, जिल्हां अध्योग अध्यक्त श्री वर्ग १००० (1922 स्त ११) के किस १००० व्यक्त १०० अधितिसम् ११ कि १०० व्यक्त १०० व्यक्तिसम् १८० व्यक्ति १०० व्यक्ति स्थान स्ति १८० व्यक्ति १८० व्यक्ति १८० व्यक्ति १८०

बराः वय अवस्य विधित्तमम् कः भारा 269-भ के अनुवरण भा , भी अवस्य अधिनियम् की धारा 269-भ को उपधारा (1) के अजीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अथित भाग मन्य संभाग करके प्रशासिक सम्मास्ति के सर्थम के निष कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

प्रकृत सहारित के क्षर्यंत्र के मञ्चात्र में कोई भी मार्कें :---

- (व) गर अवसा के राजपत्र में प्रकाशन की रारील है 45 दिन 'सी अन्नि या तत्संनी व्यक्तियाँ पद्र सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि , जो भी अपधि शांत में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकित क्षिशां में स स्थान क्षित दुवारा;
- (छ) इस स्थल के राज्यम में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के मीतर उन्हत स्थाबर सम्पत्ति में दिखबपुर जिली अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताकरी के पान

निक्तिक को दिया जा **तकारी।**

श्यक्तिशिक्षण:---इसमी प्रयुक्त शुन्दों और पर्यों का, को जबत विधिष्णिया के अध्यार 20-क में परिभाविक्ष हाँ, बहा तर्थ होंगा जो उक्त कृष्याय में क्रिकः नगा हो।

प्रनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 405, जो, 4थी मंजिल, प्रसाद चेंबर्स, ग्रांपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/10043/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा विमाक 26-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार **भ्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज~1, **बस्ब**ई

दिनांक: 30-9-1986

महिर :

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्धई बम्बई, दिनांक 3 ग्रस्तूबर 1986

निर्देश सं० ग्रर्६-1/37–६६/10514/85–86—-ग्रतः मुझे निसार ग्रहमद

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं उकान नं 40, जो, तल माला, मेकर टावर्स, प्लाट नं 73ए, 74, 83, 84 ग्रीर 85, ब्लाक 5, बकवे रेक्ल-मेशन स्कीम, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 26 फरवरी 1986

कां पृतिकत सम्मत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रयमान प्रतिकात के लिए जंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि बजाप्वें कि सम्मत्ति का उचित बाजार मृन्य अलक्षे द्रयमान प्रतिफल में , ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से बिभक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात , निम्मिजिस्त उक्वें स्थाँ से उच्च अन्तरण लिखित में वास्तिका क्या से कथित नहीं किया गया है हम्म

(क) अन्तर्ण सं हुइ किसी आय की बाबव, उन्तर अधिनियम के अधीन कर को के सन्तरक के किया के को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

एंसी किसी आए या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 कां 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंकार्थ अन्दिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, किपाने में पिश्वा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (1) जानानी इंटरप्रायसेस ।

(भन्तरक)

(2) गंभर्म फोटां क्वीक कलर लैंबस।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों। (तह व्यक्ति, जिसके श्रिष्टभोग में सम्पत्ति है)

(4) अनारितीयों । (बह व्यक्ति, जिसके वारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह गुचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त संगीण को अर्जन को संबंध में काई भी नाक्षेप

- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) धल सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 25 दिन के भीतर उक्त स्थावर सभ्यास्ति मे हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास क्षाच म दिल्ला सकींगे।

न्यव्हीक्षण - असमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अपर्धानयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही बर्च होगा को उस अध्याय में दिसा गया की।

मन्स्ची

दुकान नं० 40, जो, तल माला, मेकर **धार्केड, ए-मेकर** टावर काम्प्लेक्स, प्लाट नं० 73ए, 74, 83, 84 धीर 85, बंकबे रेक्लमेशन कफ परेड, बस्बई में स्थित है।

प्रनस्ची जैसा कि कि के सं $\pi = \frac{1}{37} - \frac{1}{37} - \frac{1}{25} = \frac{1}{10051}$ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 26-2-1986 क्या रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार घ्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--1, बम्बई

दिनांक: 3-10-1986

च क्रम क्ष्मा^क, जनी, **एन**ा **एस**्, भ भ भ भ भ

कारकार कारवांतयम, 1961 (1961 का 43) की ाम्यः 289-म (1) के अभीन स्कामा

HING BRADE

कार्यालय, सङ्ख्यक आग्रका आम्वत (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बर्धे, दिनांक 29 मितम्बर 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/10534/85-86-- ग्रत: मुझे निसार श्रहमद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें इसके परचाम् 'उन्ह अधिनियम' कहा पया हैं), की भारा 269 स के अधीन सक्तम गाँधकारी को यह विश्वास करने का कतरण है कि स्थावर सक्पणि जिस**म्**त उपित शालार म्थ्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कार्यालय नं० 103, जों, क्ष मालया, 37,न्यू मरीन लाईन्स, बम्बई-20 में स्थित है श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसचीय; श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क. ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, दिनांक 26 फ़रवरी 1986।

को पूर्वीवत सम्पर्ति के उपित बाबार मुख्य से कम के राज्यमान आक्रिकेन की निष्धारमिस की गर्ड हैं और प्रियेश निष्याम अरने का बारण है कि यथान्त्रीय सन्मित का उपित वाबार मन्य. उसके व्यवसान प्रतिफल से एसे व्यवसान प्रतिकास का पंदन परिवास अधिक ही भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिदिशियाँ) के बीच गुर्च बन्दरण के लिए तय पाया गया प्रतिकार, विकासिक्षित संद्विक में उपल मन्तरण लिखित भें राज्यातिक रूप से काधित नहीं किया नदा है यून-

- (क) कर/रण हे हुइ कि ही बाय की बार स, उक्त जिल्लीनयम के मधील कर दोन' के अन्तर्य के अधिकः में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए,
- (*) व्यंति मिल्ली छाता का किली त्य पा चाळ नारिमका को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अवारिकास अस्पिरतो अकार। प्रकार नहीं विवास तका का या किया राजा पाष्ट्रिय था, विकास ये द्विया के सिए:

को अधीय, निपर्याजिसित ध्यक्तियाँ, अर्थात :--

अतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपगरा (1) (1) मेसर्सक्षमा इंटरप्राइजेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स सूमेधा केमिकल्स ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता। हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपकी में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविधि बाद में भरान्त हांती हा, के भीतर प्वार्थित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ववारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उवस स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिलिइ में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं ० 103, जो, क्षमालया, 37, न्यू मरीन लाईन्स; त्रम्बई-20 में स्थित है।

ग्रन्चची जैसा कि कि मं श्रई-1/37-ईई/10057/ 85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 29-9-1986

ग्रस्प का**र्य**ः **टर्**न प्रम_ा प्रस्_{धकरण्या}

भागकर अधिनियम . 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बजीन स्मना

भारत सरकार

कार्याचय , महायम भागकर भायक्त (जिराक्षिक) भार्जन रेंज-1, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 1 अन्तुवर 1986

निर्देश स० श्रई-1/37 ईई/10550/85-86-श्रत: मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात जिसत अधिकार कहा गया है),, की बारा 269-श के अधीन सहार निर्देश के यह विश्वास करने का कारण है कि श्वायर सम्पत्ति जिसका उच्चित बाजार मृस्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० कार्यालय नं० 1108, जो, 11वी मंजिल, प्रसाद चेंबर्स, श्रापेरा हाउस, बम्बई—य में स्थित है भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विजित है), श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, विनांक 26 फरवरी 1986।

श्री प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बावार बुल्य भे कम के स्थयार बिल्या है लिए अन्तिरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकत्त से, एसे स्थ्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पाया नवा प्रतिकत, निम्नितिस्त उद््य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) वस्तरक से हुई किसी आब की आबत, उस्त अधिनिश्रम के अधीन कार एवं में ब्राह्मण्य ए याजिस्स में कभी करने या उससे वसने में सविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयका अधिनियम, 1922 (1922 का ११) का अबद अधिनियम, या पनवार अधिजिसमा, 1957 (1957 का 27) की प्रयोग्यमार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट हहां किया भण था या दिन्हा जाना शाहिए का द्वियामें ले स्विमा की सिए।

अतः वंश, उक्त विधितियम की धारा 269-ग सी वनसरण मीं, मीं, उक्त अधितियह की भारा 269-घ की उपधारा (1) है कथीन, निकालिसित स्थितियाँ, अर्थात ---- (1) हंसाबेन जयंतभाई शहा श्रीर जयंतभाई मानभीवई शहा।

(भ्रन्सरक)

(2) दिलीप कुमार चिमनलाल एंड कंपनी ।

(श्रन्तरिती)

(3) हानेस्ट ट्रेनिंग कंपनी एड ब्ल्यू नाईल एक्सपोर्टस् । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वन। कारी करके पृथीक्त सम्पत्ति कं अर्थन के तिर कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की सविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीस से 30 दिन की वविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट-बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे:

रचधीकरणः -- इतमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, जो उसके अभिनियम, के बन्धाय 20-क में परिभाषिय हैं. वहीं कर्ष होगेंग को उस अभ्याय में दिया गण न

नगृत्ची

कार्यालय न॰ 1108, जो, 11वीं मजिल, प्रसाद चेंबर्स, ग्रापेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित र।

श्रनुस्ची जैसा कि ऋ० स० श्रई-1/37—ईह/10058/85—86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-2-1986 को रजिस्टई किया गया है।

निसार भ्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज–1, बम्बई

दिनांक: 1-10-1986

मोहर]

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कर्मासव, रहायक वायकर बाग्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 सितम्बर 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/10456/85-86--अत: मुझे, निसार ग्रहमद,

जप्तकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) श्यको पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'). 🐃 भारा ७०९-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने ा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कार्यालय नं० 405, जो, 4थी मंजिल, प्रसाद चेंबर्स, भ्रापेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध **अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप** से वर्णित है), श्रौर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 26 फरवरी 1986।

को पूर्वीयत सम्पत्ति के एचित बाजार नृल्य ने कम के इस्यमान विकास के सिए वैतरित की पहें ही जीर मुओ यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वीकर सम्मिति का उचित बाजार बृक्ब, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का धन्यह प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तह पाया गवा पविकास, निम्निचित् उद्भवेश्य से उदत बंतरण सिखित में वास्त्रिक रूप से कवित नहीं किया पदा है है-

- (क) बन्तरम के हुई फिसी मात्र की बाबत; विधितिसम के बंधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा इससे बचने में सुविधा के किए; गौर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हां भारतीत शयकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिकार र अनकर देविनियम, 1957 (१९८७ पर २१) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वार अल्ड नहीं (क्ट) गण था ए किया जाना जाहिए था डियार के सविका के लिए

सराः वयः जनतः निवित्तमनः की भारा 269-न के बनसरम मं, में उक्ट अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अजीन, निम्निजिश्वत व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री शेवाराम एन० छाबलानी ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स जे० वी० डायमंडस् ।

(अन्तरिती)

को बहु सुचना जारी करके नुवा का सम्मतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

ज़क्त सम्मित्त के दर्शन के सम्मन्य में कोई भी वासीप :--

- (क) इस समझ के रावपत्र में प्रकारक की तारीच से 45 दिन की सर्वाच या तत्संबंधी व्यक्तियाँ सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, वर्ष मी क्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) ध्रम सुष्यमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिववपूर किसी बन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास

निक्टियाँ किए जा सकती।

लब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त बिधिविवयं के बध्यार 20-क में परिभाषिष है, बही वर्ध होगा जो उस नध्याय में दिख: नगा है।

श्रनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 405, जो, 4थी मंजिल, प्रसाद चेंबर्स, भ्रांपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है।

ग्रन्सुची जैसा कि कर सं ग्रई-1/37-ईई/10043/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 30-9-1986

मांहर :

प्रकार कार्य हो। एर एक -----

गायकर निभित्तवस, 1961 (1961 को 43) की वाछ। 269-व (1) से संपीत सुचना

नारत चरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 सितम्बर 1986

निर्देश सं० भ्रई-1/37-ईई/10646/85-86--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

काधकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बावार मृत्य 100,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० प्रिमायसेस नं० 247/ए, जो, 2री मंजिल, पंचरत्न को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, एम० पी० मार्ग, ग्रापेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क. ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 26 फरवरी 1986

कि मथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसकी द्रायमान प्रतिफल सं, एरंगे ब्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्त सं अधिक है को र्वोंकत संज्याति के उचित बाबार मृश्य से कम के व्यमान बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के उब्दोंक्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में क्षियत महीं किया गया है :~~

- (क) ब्रन्सरण सं हुद्र किसी बाय कर्त बावत्, सक्त व्यक्तित्रम के अधीन अप क्षेत्रे में सन्तरफ से शक्तिस्य में क्रमी करने वा उससे क्षेत्र में स्वीवनः श्रेतिस्; सीद/मा
- (च) ऐसी किसी बाम या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, चिन्हीं भारतीय काम-कर अधिनियं । 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियं । या धन-कर अधिनियं । 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी बुबारा प्रकट नहीं किया गया था विकास राज (विकास स्वार्थ) के विकास कर किया गया था विकास राज (विकास स्वार्थ) के विकास विकास स्वार्थ विकास स्वार्थ किया विकास राज (विकास स्वार्थ) के निर्माण विकास स्वार्थ किया विकास स्वार्थ के निर्माण स्वार्य के निर्माण स्वार्थ के निर्माण स्वार्थ के निर्माण स्वार्थ के निर्म स्वार्य के निर्म स्वार्य के निर्म स्वार्थ के निर्म स्वार्य के निर्म स्वार्य के निर्म स्वार्य के निर्म स्

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ---

- (1) मेसर्स पैरामाउंट प्लान्टेशन प्राईवेट लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स डी० रमेश एंड कंपनी । (अन्तरिती)

की बहु स्थला पर करके पूर्वोक्ट संपरित के अकेंग के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

अवस काम्प्रीत में अव्या प्रायमकार ये बार्ड का जातीय . -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना का तामील से 30 दिन की वर्वाध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ध्यक्तियों में स किसी व्यक्ति ब्वास:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्षि में हिसबद्ध किसी क्राय स्थिति द्वारण अक्षाप्रशासकी के बाल सिक्षित में क्षित वा कक्षाप्रशासकी

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दां और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-के के परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्रिमायसेस नं० 247/ए, जो, 2री मंजिल, पंचरत्न को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, एम० पी० रोड, श्रॉपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-1/37–ईई/10072/85–86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 26–2–1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमव सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

· दिनांक : 30-9-1986

प्ररूप आद्र.टी. एन. एस. -----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43)

का धारा 269 घ (1) के मधीन स्वात

भारत सरकार

ज्ञार्यालय, सहायक आयकर आयक्तं (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/10652/85-86--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्मर्क पश्चात 'उन्हा व्यक्तियम' कहा गया है), की भारा २६५-छ के अधीन राज्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 28, 7वां माला, बिल्डिंग नं० लेमिंग्टन रोड़ स्कीम ग्रॉफ नवजीवन को-श्रॉपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, लेमिंग्टन रोड़, बम्बई-8 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 26 फरवरी 1986।

को पूर्वीवत सम्परित के उित्त बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्परित का उधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) लन्तरण से शुक्ष किसी लाम की बायत उक्त लिए-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मां कमी अपने यह उत्तर याणी मां समिता के लिए, और/शा
- (स्त) भृष्मी किला कार या असी प्रजाश अन्य आस्त्रियां का, जिन्ही भारतीय वात कार विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उत्ता विभिन्नियम, या अप्र-अले असिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, कियाने भी स्विभा के तिकः

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर अ. मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (०), ले अभीत, निम्तिसित व्यक्तियों अभित केल्स (1) मेसर्स उषा झारडा कंपनी, श्रीमती श्रार० जे० जतानिया श्रीर श्री एच० जतानिया ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रशोक रतन खती

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रन्तरिती (बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्ववाहियां कृष करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यवितयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इत त्वना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य क्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास किश्वित में जिल्ला के जिल्ला के पास

स्थळकरणः---इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त मधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा सवा हैं।

शनज्ञी

फ्लैंट नं० 28, 7वां माला, बिल्डिंग नं० 12, लेमिंग्टन रोड़ स्कीम श्रांफ नवजीवन को-ग्रापरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटीं लिमिटेड, लेमिंग्टन रोड़, बम्बई-8।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-1/37-ईई/10059/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 1-10-1986

बायकर बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ग (1) न्हें सुधीन ग्रुप्कवा

माह्य प्रदेशार

कायिकयः, सहायक मायकर वायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/10680/85-86-श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

मायकर ब्राधिनियम . 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थायर नम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

का पूर्वोक्त सम्पत्ति संजिषित बाक्यार मृत्य से कम की इक्समान प्रतिकास के लिए बन्सरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास

करने का कारण है कि यथाएकोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूच, उसके क्रममान प्रतिफल है, एसे क्रयमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिचल से किथक है और जंतरक (बंतरकों) तौर अंतरिती (बन्तरिश्वितों) के बीच एसे अन्दर्भ के बिए सब पावा चवा प्रतिकल, निम्नसिखित उद्देश्य से उन्त बन्तरण निवित में बारविकल क्य से कवित मुद्दी कियर बना है :---

- (क) अन्तरण सं हुन्दं किसी बाग की बावस उक्त विध-नियम को बचीन कर दोने के बन्दरक के बारियर में कभी फरने या उसमें भवने भी सुरिधा के लिए करि/का
- (क) होते. किसी जाम मा किसी अस या अस्य अस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) अने प्रयोजनार्थ जन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था वा किया भाग भाष्ट्रिए था, क्रियाने में सुविधा औ ख्यार;

अतः अदः समस अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण मे, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निस्तुनिधित व्यक्तियों, सभीत्ः— (1) डा० कर्णे सिंह।

(मन्तरक)

(2) श्री एस० पी० कागझी (एस० हिं० श्र० कुं०), श्री के० बी० कागझी (हिं० श्र० कुं०) ग्रौर श्री ग्रार० एस० कागझी (हिं० श्र० कुं०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्मवाही कन्ति हों]।

जन्म सम्पारित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस ल्याना के कारण में प्रकाशन की दारोध से 45 विन की अविधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की बविध, को भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में किसी व्यक्ति स्वारा;

स्मान्तिकारणः --- हसमा प्रयापत सन्तां और पर्या का, जो उपत वीक्षित्रका के अध्याप 20-क जो परिभाविष्ट हुँ, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याद जो श्विशः प्रयाह हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं 42 फ्रौर गैरेज नं 26—इ फ्रौर 42, जो, उषा किरन, 15, एम 0 एल उहाणूकर मार्ग, बम्बई-26 में स्थित है 1

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/10081/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गंया है।

> निसार भ्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 1-10-1986

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्मना

भारत बरखार

काशौलय, सहायक जायकर बाय्क्त (निर्शेक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 25 सितम्बर 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/10690/85-86---ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

अगयक (अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्लैट नं बी-11, 1ला माला, दी सर्वोदय नगर, को-ग्राँपरेटिब हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 1ला पोंजरपोल, लेन, सी o पी o टैंक रोड, बम्बई-4 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 27 फरवरी 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का लिखत बाजार मूल्य लसके इश्यमान प्रतिफल से, एरें इश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) गौर अंतरिती (सन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम स्था प्रतिकात, निम्नीनिक्त उद्देश्य से तक्त अन्तरण कि किस में बास्त-निक कप से किशत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी जाब की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के दंशक की प्रणित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एँनी किसी बाय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जब्द अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए का, छिपाने में सूर्विधा के जिए:

अतः अरः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण थाँ, माँ, उत्तर अभिनियस की धारा 269-अ की उपधारा (1) की अधीन, निभनिविसित व्यक्तिसों अर्थात् :—- (1) श्रीमती हेमलता जी० कोटक ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बिपिनचंद्र एम० कोठारी, श्रीमती शांताबेन एम० कोठारी।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक ग्रौर उसका परिवार । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारो करके पूचोंकल संपत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करला हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी जालेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इ.स. सूजना क राजपण में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्द किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए चा सकोंगे।

स्थव्यक्रियण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो उरर अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्ची

फ्लैट नं बी-11, 1ला माला, बी बिल्डिंग, सर्वोदय नगर को-म्रापरेटिब हार्जीसंग सोसायटी लिमिटेड, 1ला पांजरपोल लेन, सी पी ठैंक रोड, बम्बई-4।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं ग्रई-1/37-ईई/10086/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 25-9-1986

मोहर: 🕫

प्ररूप कार्ड .टी .एन .एस . ------

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निर्नाक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक ७ ग्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० ग्रर्इ-1/37-र्द्र्ड्<math>/10692/85-86-ग्रतः सुक्षे, निसार भ्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1.00,000/- उ. ले आधिक है

स्रौर जिसकी सं० भाप नं० 65, प्राउंड फ्लोर, डिपेक इस्टेटस् प्राईवेट लिमिटेड, भामशेट इस्टेट, बम्बई—2 में स्थित है (स्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विजत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1931 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 27 फरवरी 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है जौर नुमें यह विश्वास करने का लगरण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके रस्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश रक्ष्येय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है हुन्

- (ग्प) अस्तरण से हुइ किसी आय की बायत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के क्राध्यस्य में कमी अपने या उसमें असने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी बाय ए किसी भग या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनके अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोगनार्थ अन्ति (ती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाग चाहिए था, छिमाने में सुविधा के लिए;

(1) मैसर्स मोटानी इंडस्ट्रीज ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शकुंतला ए० जैन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए सार्यवाहियां करता हूं।

उचत सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाभीप :--

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इव स्थान के रायपन में प्रकायन की तारीस से 45 दिन के मीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में किया बच्च किसी नक्त म्यक्ति तुनारा आपोलस्थाक्त्य व शाव निवित में किए वा सक्तिन।

स्पर्ध्वीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस लध्याय में दिया गया है।

जनसूची

शाप नं 65, ग्राउंड फ्लोर, मैंसर्स डिपेक इन्टेंटस प्राईवेट लिमिटेड, 65, शामशेट स्ट्रीट, बम्बई-2।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/10087/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-2-1986 को रजिस्टई किया गया है।

निसार् श्रहमद सक्षम प्रोधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-1, बम्बर्ड

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को जनुसरण भें. में जक्त अधिनियम की धारा 269-म की जपश्रास (1) के अभी: जिस्सीलिसित व्यक्तियों, वर्षा कुल

विनांफ: 6-10-1986

मोहरः

प्ररूप आर्ड. टी. एन . एस . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अशि शृंखना

भारत राजकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/10708/85-86--श्रतः मुझे निसार श्रहमद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूख्य 1,00,300/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 15, जो, 1ली मंजिल, श्रार० गरेज, जमीन का हिम्सा, जो, बी० जी० खेर मार्ग (गिब्ज रोड़), जिसका सी० एस० नं० 434(ग्रंग), मलबार हिल डिवीजन, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 27 फरवरी 1986।

का पूर्वोक्त सम्पर्ति को उचित बाबार मून्य से कम को क्यां मान मित्रिक्त के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि अधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके क्यां मान प्रतिकल से, ऐसे दण्डमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक अंतरका) और अंतरित्ती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तय पाया पंचा वित्तकल, निम्मिचित उच्चोक्य से उनक अंतरण विशिष्त में वास्तिकल, कि मिन्सिचित उच्चोक्य से उनक अंतरण विशिष्त में वास्तिकल रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नंतरक में हुई जिल्ली जाय की बाबत, उनल अधि-नियक की अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करमें या उससे अचने में स्विधा के लिए; व्यक्तिकः
- (य) होती किसी जाम जा किसी धन वा अन्य आस्टियों करी जिस्हें भारतीय अधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) जा उपल अधिनियम, का धन-कर जिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जेतीरती इवाका प्रकट नहीं किया जवा था या किया जाना पाहिए था, कियाने में मृतिधा के विक्य;

(1) द्रस्टीं आफ दि पारसी पंचायत फडस् एंड प्रापर्टींज।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुनू ए० श्रामा, झरीन एम० श्रामा श्रीर भुवीन एम० श्रामा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षण के निष् ागर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाभेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भौतर पूर्भोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 4.5 अभिभिष्ठ के सचीन कर दोने के अन्तरक क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए या सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं हैं, वहीं वर्ष होंगा को उस अध्याय में दिवा बना हैं।

वर्षक

फ्लैंट नं० 15, जो. 1ली मंजिल, श्रीर गेरेज, जमीन का हिस्सा, जो, बी० जी० खेर मार्ग (गिब्ज रोड़) जिसका सी० एस० नं० 434 (श्रंण), मलबार हिल डिवीजन, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमा कि ऋ० मं० ग्रई-1|37-ईई|10093| 85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार म्रहसद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज–1, बस्बई

दिनांक: 6-10-1986

ब्रोह्य आहु^र.टी.एन.एस.-----

শ্বানকা কলিখিন। 1961 (1961 का 43) की भारा এ6৪ গ (1) के अधीन मूजना

भारत यरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायकत (निरीजण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक । श्रक्तूबर 1986 निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/9923/85-86-%नतः मुझे, निसार श्रह्भद,

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यक्ष अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यक्ष अधिनियम, 1981 का स्वीतियम की का कारण है कि प्रधान स्थान प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधान स्थित जिसका जीचर जाजार मून्य

1,00,000/- रु. से अधिक है श्रीर जिसकी संव फ्लैंट संव ।।।. जो, 14वीं मंजिल, माउंट यूनिक , 62-ए, पेडर रोड, बस्वई-26 में स्थित है (ग्रीर उससे उपाबड अनुसूचीमें श्रीर पूर्ण एप से विणित है), /ग्रीर जिसका प्रिधिनियम, 1961 की धारा 268 कख के प्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय के रिजस्ट्री है, दिनांक 4-2-86.

के प्रतिपत सर्पास के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान में प्रति की लिए अतिरत की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मृतः, उनके दृश्यनान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का परिक्षा भित्रकात में अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिसा (अविश्वास प्रति के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिकृत कि निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में स्वास्तिक क्या से किथत नहीं किया गया है :--

- ्क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबस, उक्स अधिनियम के अधिन कर दोने के अंतरक के बाधित्व मों कमी करन पालससं ब्बने में सिल्प के लिल और/सा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आधका अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं । वर्ष्ण गया था किया जाना चाहिए था. अधानं सनिधा के लिए।

श्री: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण रो, भा, रक्का-अधिनियम की भाग 260-९ की सप्रधारा (१) के स्थीन, नियमिकिक कालिकार्यों अर्थाल क्ला (1) ज्यूपिटर एक्सपोर्टस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती भारतीय मुकन्व महा ।

(ग्रन्तरिती)

की यह स्थाना चारी करके वृजीबंध सन्वांध औं वर्णन 🖷 रिक्स कार्यवाहियां करता हुं।

तयत सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बार्श्य . ---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, को भी जनिश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी कृत्य व्यक्ति बुबारा अधाहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए या सकतें।

स्पव्यक्तिरथः - ६ समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवस, के अध्याय 20-क में परिभाषित द, बढ़ी वर्ष कांगा, वो इस अध्याय में विका रिया है।

मनुसूची

फ्लैट सं० ।।।, जो, 14वीं मंजिल, माउंट युनिक, 62-ए, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्र $\xi-1/37-\xi\xi/9319/85-86$ श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब ξ द्वारा दिनांक 4-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेज-1, बम्बई

विनांक : 1-10-86

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनास 1 अक्तूबर 1986

निदेश सं॰ श्रई-1/37-ईई/10721/85-86—श्रतः मुझे निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें मध्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, ग्राउंड फ्लोर, गामदेवी दीपक को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड 12 नवरंगी मार्ग, गामदेवी, बम्बई-7 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 27 फरवरी 1986

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क्त) अंतरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम क अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के िए; सरि/या
- (*) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में स्विभा के लिए।

अत. १५, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण भें, में, उक्त मिधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) के अधीर निम्निसिसिस व्यक्तियाँ, अर्थात :--- (1) श्री जे० ए० साठ।

(अन्तरक)

(2) श्री चिमणलाल जी० शहा, श्री किर्ति कुमार सी० शहा ।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना आरा करके प्रवक्त सम्राच के अर्थन के लिख्न काय-विद्यों करण हो।

उक्त संपत्ति में अर्जन के सम्बन्ध में काहाँ भी आक्षंप 🦟

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) पत्र त्या विकास का कार स्थान का कार होता से 45 किए के प्रेयण किए के किए का का का का का का का का प्राप्त की पास विकास की किए जा गई गई।

रषध्डीकरिया:-- १८६ अर्थ राज्यो कर पदा का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो एम अध्याप मी दिया गया ही।

अनुसूची

प्लैट नं० 2, ग्राउंड फ्लोर, गामदेवी दीपक को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 12, नवरंगी मार्ग, गामदेवी, बम्बई-7।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-1/37–ईई/11000/85–86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27–2–1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहसद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज–1, बम्बई

दिनांक: 1-10-1986

प्रकप बाइ^ड. टी. एम. एस. - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-कं (1) के बभीन सुचना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 भ्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/10728/85-86--श्रतः मुझे निसार श्रहमद,

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जमीन के हिस्से पर फ्लैंट, जो, बी० जी० खेर मार्ग (गिड्ज रोड), सी० एस० नं० 434 (श्रंश), मलबार हिल डिविजन, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 27 फरवरी 1986

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गईं हैं और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिवित उद्देश्य हे उक्त अन्तरण निक्ति में वास्त्रविक रूप से कियत वहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरच वे सूर्य किसी बाय की बायत, उक्त मिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे प्रचन में स्विधा क लिए; बॉर/या
- (च) एसं किसी बाय या किसी बन या अन्य आस्तिको को, जिन्हें भारतीय आयुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्ट था या किया जाना चाहिए था, किपाने में म्त्रिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :---

- (1) द्रस्टीज ग्राफ दि पारसी पंचायत फंड्स ग्रौर प्रापर्टीज . (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जमशेद एम० बिलिमारीया । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्ता स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिशकरण: --इसमं प्रस्था श्रव्यां और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के हिस्से पर फ्लैंट जो, बीठ जीठ खेर मार्ग (गिन्ज रोड), सीठ एसठ नंठ 434 (श्रंश), मलबार हिल डिविजन, बम्बई में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा कि कि कं सं श्रई-1/37-ईई/11001/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-2-1986 को रजिस्टई किया गया है।

निसार भ्रहमद, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 6-10-1986

प्रकृत वार्ष व्यो स्था - भूत - -----

नानकर निर्धानयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन तूचना

नारत सरुकार

कार्यांसय, सहायक नायकर श्रायुक्त (फिरीक्रक)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 6 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/10748/85-86--ग्रतः मुझे निसार ग्रहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं जमीन के हिस्से पर फ्लैंट जो, बी जी जो खेर मार्ग (गिब्ज रोड), सी उएस जं 434 (ग्रंश), मलबार हिल डिबिजन, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबन अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के भधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 28 फरवरी 1986

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्प्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय आती बाक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध के लिए।

अह. अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जन्दरण भं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिचित्त व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) द्रस्टीज म्राफ दि पारसी पंचायत फंड्स एंड प्रापर्टीज। (म्रन्तरक)
- (2) एच० एस० बिलिमोरीया श्रौर ए० एस० बिलिमोरीया (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्बों और पवों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विया गया है।

वनुसुधी

जमीन के हिस्से पर फ्लैट, जो, बी० जी० खेर मार्ग (गिब्ज रोड), सी० एस० नं० 434 (श्रंश), मलबार हिल डिविजन, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्रई-1/37-ईई/10102/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विमांक: 6-10-1986

प्रस्प बाह्र टी। एन । एम : -----

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन मुचना

भारत मायलान

कार्यायम्, सहायक्ष मामचात्र भागूनस (निद्धीक्षण)

प्रर्जन रेंज-1, धम्बई

बम्बई, दिनांक 6 श्रक्तूबर 1986

निर्वेश सं० श्र8-1/37-ईई/10749/85-86---श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसमें परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 26)-क के अपीन सक्षय प्रधिकारी को यह विश्वास करने न। कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं पलैंट नं 63, जो, 65ी मंजिल, ग्रीर गैरेज, हिस्सा, जो, जमीन का बी जी खेर मार्ग (गिक्ज रोड), सी एस नं 434 (ग्रंश), मलबार हिल डिविजन, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 28 फरवरी 1986

- (क) अंशरण के हुए फिक्षों लाग की बायस, उसत भाषानाय फिजबीन कर दारे के अपतरक के दायरल में कभी कारकेया उससे बचने में सुविका के लिए, भार/का
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय वावकर अभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्न अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, क्रियान बन क्ष्यां के जिन्हों;

अतः जवः, स्थतं वीधीनवसं की भारा 269-न से बनुकरण गो, भी, उक्त जीधीनयसं की धारा 269-भ की उपधासः (1) से अधीतः, विरामितिकतं स्मित्सयों, अमित् है—

- (1) द्रस्टीज आफ दि पारसी पंचायत फंडस् एंड प्रापर्द्रीज। (भन्तरक)
- (2) श्री विराफ के० चिनांय ग्रीर के० जे० चिनॉय । (ग्रन्तरिती)

को वह स्वना पारी करके पूर्वेक्त सम्मिति के वर्वन के सिए कार्यमाहियां करता हुं।

जन्म सफरित के जवान के अंबंध में कोई भी आक्रांप '---

- (२) इस सुचना की राजपात्र भी प्रकाशन की वार्याचा छ 45 दिन की भीतर जनत स्थावर संपत्ति प्रक्षे हितबर्ध किसी अन्य स्थिति देवारा अभीहस्ताक्ष्री के पाछ किसी अन्य के किए जा सकी।

्राधानस्य के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

समसर्ची

फ्लैट नं० 63, जो, 6ठी मंजिल श्रौर गैरेज, जमीन का हिस्सा, जो, बी० जी० खेर मार्ग (गिब्ज रोड), जिसका सी० एस० नं० 434 (श्रंण), मलबार हिल डिविजन, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं०ग्नई-1/37-ईई/10103/ 85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्तः (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 6-10-1986

अरूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन राचना

भारत सरकार

कार्जानय, स**हायक आयकर आयृक्त** (नि**रीक्षण)** ऋजीन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 भ्रन्तूबर 1986

निर्देश सं० प्रई-1/37—ईई/10751/85-86—प्रतः मुझे, निसार प्रहमद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्स, जिसका उचित बाबार भूलक 1.00.000/- रह से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 47, जो, 4थी मंजिल, श्रार० गैरेज, जमीन का हिस्सा, जो, बी० जी० खेर मार्ग (गिब्ज रोड), सी० एस० नं० 434 (श्रंश), मलबार हिल डिविजन, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 28 फरवरी 1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजा मृत्य से कम के द्रियमान गतिकन के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास अरन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रष्ट्र प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के विष् तय गया नवा वितिहर, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण जिलिस के प्रस्तिकर हम से कथित बही किया भया है के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की आवस, उक्स अभिनियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मा सुविश्व के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तिरती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपानं में म्यिथा के लिए,

बतः भाग, उक्त विधिनियम को भार 269-म के अनुगरक में, मी, उक्त विधिनियम की भार 269-म की उपधारा () है न्थीन, विकारिकाल व्यक्तियों, विभिन्न रूप

- (1) द्रस्टीज स्नाफ दि पारसी पंचायत फंड एंड प्रापर्टीज। (स्नन्तरक)
- (2) श्री पेसी एस० तलाटी, श्रीमती मिन्नोर तलाटी श्रौर कुमारी रत्नाकर तलाटी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त अम्पत्ति के अर्जन के लिए आर्यवरिह्यां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना को तागील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियां में में जिसी व्यक्ति द्वारा;
- ्त) इन कुचना के राज्यक्ष को शकाशन को तारीस सं 45 किए के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रश्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास १००० ते विकास आसर्थि।

्रास्टरणः --- उसम अयुक्त कब्दा और पदो का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एटा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 47, जो, 4थी मंजिल, भ्रौर गैरेज, जमीन का हिस्सा, जो, बी० जी० खेर मार्ग (गिब्ज रोड), जिसका सी० एस० नं० 434 (भ्रंश), मलबार हिल डिविजन, बम्बई में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि कि सं० प्रई-1/37–ईई/10104/85–86 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार भ्रहमब सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 6-10-1986

प्ररूप बाइं. डी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 श्रक्तूबर, 1986

निर्देश सं० ग्रर्ह-1/37-ईई/10752/85-86---श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिक बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 37 ग्रीर 38, जो 3री मंजिल, स्पेंटा को-भाप० हाउसिंग सोसायटी, बी० जी० खर मार्ग, (गिब्ज रोड़) बम्बई 6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है)/ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 28 फरवरी 1986

को दुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्यः, उसके इस्टमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मंधिक है और मंतरक (मंतरकों) और मंतरिती के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सब्दोध्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप से कथित रहीं किया म्या है:—

- (क) स्पन्तरण से हुन्द किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वाजित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए: और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना अहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

भूगः भग, भ्रमल, सीमीनयम की भारा 269-ग की कन्हरण गे, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभाशा (1) के अधीन, निम्नलिनित व्यक्तियों, अभीत्:— मेमर्स ट्रस्टीज श्राफ दी पारसी पंचायत फेड्स एण्ड प्रापर्टीज।

(भ्रन्तरकः)

 श्रीमती फ्रेनी सेम कान्द्रक्ट श्रीर श्री साम पी० कान्द्रक्टर।

(भ्रन्तरिती)

को बह सूचभः जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी -अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पाक करण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त मधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं मधि होगा जो उस मध्याध में दिया नया हैं।

वनुसूची

फ्लेट नं० 37 श्रीर 38, जो, 3री मंजिल, स्पेन्टा को-भाप० हार्जीसग सोसायटी (नियोजित), बी० जी० खेर मार्ग, गिका रोड़, बम्बंई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/10105/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को प्रजिस्टई किया गया है।

निसार भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 6-10-1986

मोहरः

प्रकृष **वार्ड**, टी. एन. एस.------ १. मेसर्स टर्स्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालरः, महायक अध्यकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 श्रक्तूबर, 1986 निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/10763-85-86--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० जमीन के हिस्से पी फ्लेट, जो बी० जी० खेर मार्ग (गिब्ज रोड़) सी० एस० नं० 42 (श्रंश) मलबार हिल डिवीजन, बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपा-वद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) /श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी हैं तारीख 28 फरवरी 1986

को पूर्विस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्ताधितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविद्य हुए से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधि-नियम के पंधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/था
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भगरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अध , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिणित व्यक्तियों, अर्थात :---

 मेसर्स ट्रस्टीज आफ दि पारसी पंचायत फण्डी एण्ड एण्ड प्रापर्टीज।

(अन्तरक)

 श्रीमती बानू एन० पटेल, श्री गेव एन० पटेल और श्री नारी एन० पटेल।

(श्रन्धरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्मित के अर्जन का त्लए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए एा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन के हिस्से पर फ्लेट जो, बी० जी० खेर मार्ग (गिब्ज रोड़) सी० एस० नं० 434 (श्रंश) मालबार हिल डिविजन वम्बई में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसाकी क० सं० श्रई-1/37-ईई/10107/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28 2-1986को रजिस्टर्ड किया गया है।

> िनमार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 6:10-1986

मोहर :

I4-316GI/86

0 1 2 mg.

अध्यक्तर क्षीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की

it intoger

भाषीलाथ, सहतावा ४०.४२ आधावत (निरक्षिण) धार्यन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 श्रक्तूबर, 1986

निर्देश सं॰ श्रई- |37-\$5| |10766| |85-786- श्रतः मुसे, निमार श्रहमद

भायकर अिविधियां, १८०१ (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्पण है कि एक्पण है कि भारा 269-क के अभीत सक्षम अविधिकारी की, यह विश्वास करने का भारम है कि क्षाप्य का एक्पण कि का जार मृत्य 1,00,000/ का में हिंदिन ही

श्रीर जिसकी सं० जमीन के हिस्से गर फ्लेट, जो, बी० जी० खेर मार्ग (गिक्ज रोष्ट्र) सी० एस० नं० 434 (श्रंग), मालाबार दिल खिनी ते, पश्रई में स्थिए है (श्रीण इन्हें उपा-वश्र श्रमुची में श्रीण पूर्ण किन से विभिन्न है)/श्रीण जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी प्ले कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 28 फरवरी 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित वाजार भूस्य में कम के करसमान प्रतिभाग के लिए बन्स**रित** करी गइरी F. विष्यास अभ्रत यह न्का कि संधापशकति गंभी ता अचित बाजार मृत्य, उसके खरमान प्रतिफल में, एंसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और कातरक (अन्तरकों। और अन्तरिती (अन्तरितियों) को भीच एमें लन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्दोष्य सं एक्स अस्परण किल्लिन में बास्तविक रूप में की बत अक्षेत्र गांचा ज्ञा स्वास्त्र वाणे ५----

- (क) अन्तरण रां हुई िकसी आय की बाबस, उक्त अधिरियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उरूपं बचने में स्विधा के लिए; और/गा

अतः अवः, उदल अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उतल अधितियम की धारा 269-च की उपभाग (1) के अधीर विकित्यों अधिकार, अधित ---- मेसर्से ट्रस्टीज श्राफ दि पारसी पंचायत फडस एण्ड प्रापर्टीज।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती रती बी० साहकार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूना के बंदरित जी नर्वन के बिए कार्यनाहियां करता हो।

उक्त संबुट्ति के बर्वन के संबंध में कोड भी आक्रोध ह---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीत ते 45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स महित्यों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (का) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अभोहस्ताक्षरी के पारु निवित में किए का सकेंगे।

स्वृद्धीकरणः -इतमें प्रयुक्त क्रव्यों जीर पर्यों की, वां उपस अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, ब्रही अर्थ होगा, वो उस अध्याय संविधा गंधा

अनुसूची

जमीन के हस्से फ्लेट जो बी० जी० खेर मार्ग (गिडज रोड़), सी० एस० नं० 434, (श्रंश), मालबार हिल डिविजन, बम्बई में स्थित हैं।

धनुसूची जैसा क कं० सं० घर्ছ-1/37-ईई/10108/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 श्रक्तूबर, 1986 निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/10772/85-86—श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रह. से अधिक **ह**ै

ग्रौर जिसकी सं० जमीन के हिस्से फ्लेंट जो, बी० जी० खेर खेर मार्ग (गिब्ज रोड़) सी० एस० नं० 434 (ग्रंग), मालाबार हिल डिड़ीजन, बम्बई में स्थित हैं (ग्रोर इससे उपा-वद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 28-2-1986

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्ति के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिजल निश्निलिखत उद्देश्य से उन्नत अन्तरण लिखित मे वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, हैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 मेसर्म ट्रस्टीज श्राफ दि पारक्षी पंचायत फंड श्रौर प्रापर्टीज।

(ग्रन्तरक)

 कुमारी श्रनहिता मोदी और श्रोमती परिवन एम० मोदी।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करक पूर्वावस सम्पोत्त के अवत के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जक्त राम्पत्ति के अजंब के राम्बन्य में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना क राजान व प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबनित का उत्तिवधीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वान के राज्यत में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उपत स्थापर सम्पत्ति मो हित- बद्ध किमी क्य व्यानि इवारा, अधाहरूकाक्षरी के पास निर्मात में वित्र जा निर्मात में वित्र जा निर्मात

स्पट्टिकरण:- इरामें प्रयापत चन्दा और एया का जनत अधिनियम, के जन्माय 20-क में यथा परिमा-पित हा बही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के हिस्से पर फ्लेट. जो बी० जी० खेर मार्ग (गिडज रोड़), सी० एम० तं० 434 (ग्रंग), मलबार हिल डिवीजन, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक क० सं० ग्रई-1/37-ईई/10110/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टई किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

प्रकृष बाही, ही, एस. एस. ------

आवकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक कायकर जायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 श्रक्तूबर, 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/10773/85-86----श्रत: मुझे, निसार भ्रहमद

अगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्से इसको पदचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने क कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,0ऍ,ऍऍऍ - रਨ. से अधिक **ह**ै

भौर जिसकी सं० जमीन के हिस्से पर्लेट, जो बी० जी० खेर पलट मार्ग, (गिब्ज रोष्ट), सी० एस० नं० 434 (अंश), मलबार हिल डिवीजन, बश्वई में स्थित है (और इससे उपाबद अन्-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करार-नामा स्रायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 28 फरवरी 1986

को प्रवेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यनान प्रतिफन को लिए जन्तरित की गर्द है और मुक्तेयह विज्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार स्स्य, उत्तक बद्यमान प्रतिफल से, एसे बद्यमान प्रतिफल का कुन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) जौर अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के शीच एसे अन्तरण के सिए तब पाया गक्षा प्रतिफास, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्देश सन्तरण लिधिल में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है 🖫

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभि-नियम को अधीन कर दोने को मतरक को दायिएल भी कमी करने या उसम बनने में स्विध्य के निए: मौर/या
- (क) प्रेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, याधन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिली ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

अत: अब, अबत अधिनियम की धारा 269-ग को अनसरण भं, मी, उन्ता अधिनियम की भारा 269-म की अपभारा (1) को अधीन, निम्निहिलित स्थितयों ह अर्थात् ६---

ा मेसर्स ट्रस्टीज श्राफ दि पारसी पंचायत फंड एण्ड प्रापर्टीज ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती अरनवाझ अरजानी श्रीर फरहाद श्ररजानी। (अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करको पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्जन को सिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन को संबंध में कोड़ी भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ध) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया 8 ।

अन्स्ची

जमीन ं्रेक हिस्से पर फ्लेट, जो बीं जी जो खेर मार्ग (गिब्ज रोड), सी० एम० नं० 434 (श्रंष), मलबार हिल डिविजन, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-1/37-ईई/10111/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर प्यायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 6-10-1986

प्रकाप बार्ष, टी. एव. एस. ------

श्यक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) का भाषा 269-घ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

प्रजीन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 श्रमतूबर 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/10787/85-86—श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का अपर है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहे से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जमीन के हिस्से पर फ्लैंट, जो, बी० जी खेर मार्ग (गिठ्ज रोड़), सी० एस० नं० 434 (श्रंग), मलबार हिल िजी तो बम्बई म स्थित हैं (और इसके उपाबद्ध स्रनु-सूची में स्रौर पूर्ण रूप में विणत हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के स्रधीन बम्बई सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 28 फरवरी 1986

जो प्वॉक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित् की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल कर पत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजियित उद्देश्य से उन्त जन्तरण निवित में गस्तिकक रूप से कियत नहीं किया गया है दे—

- (क) अन्तरण से हुई किसी साथ की वायत, उक्त मिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसि किमी अप या किमी धर्म या कत्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत ब्रिधिनियम वा भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था भा या किया जाना वाहिए था, किया निर्मा के विधा है निष्

अतः अबः, उक्त अधिनियम्, की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उपत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे सभीन, विकासिक अधितानों, सभीन है--- मेसर्स ट्रस्टीज श्राफ दि पारसी पंचायत फंड एण्ड प्रापर्टीज ।

(ग्रन्तरक)

2. डा० केकी एस० मसालावाला, श्रीमती तहमी के० मसालावाला, कुमारी विलगाद के० मसालावाला, श्रीर रूस्तम के० मसालावाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के निय कार्यवाहियां गरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया अथा है।

धनुसूची

जमीन के हिस्से पर फ्लैंट जो, बी० जी० खेर मार्ग (गिब्ज रोड़), सी० एस० नं० 434 (ग्रंश), मलबार हिल डिभीजन, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/10118/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 6-10-1986

प्रकम नार्द र हो । पुनं ह पुन ह - - - - - -

नाथकर मिथिनसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के नधीन स्वना

शासा करका

कार्यालय, सहायक जायकर नायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 ग्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/10790/85-86—ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद

मायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इस पे परचात् 'उक्स विभिनियक' कहा गया है कि भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर कम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- का से जिथक है

भ्रौर जिसकी सं० जमीन के हिस्से पर पर्लंट , जो, बी० जी० खेर मार्ग (गिड्ज रोड़), सी० एस० नं० 434 (श्रंश), मलबार हिल डिविजन, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपावड़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269, क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 28 फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान वितिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिक्त से, एसे दश्यमान प्रतिक्त का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्नलिखित उद्विदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— ट्रस्टीज श्राफ वि पारसी पंचायत फंड एण्ड प्रापर्टीज।

(श्रन्सरक)

2. श्री नोशिर इ० पारडीवाला।

(ग्रन्तरिती)

कारे बहु सूचना कारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी बाद में समाप्त हांती हो, के शीत किया किया के विकसी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पटिकेसरण: — इसमें प्रयुक्त काब्बों और पदों का, को उत्तत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁵।

बग्**य्या**

जमीन के हिस्से पर फ्लैंट जो, बी० जी० खेर मार्ग (गिब्ज रोड़), सी० एस० नं० 434 (ग्रंश), मलबार हिल डिवीजन, बम्बई में स्थित है।

धनुसूची जैसाकी ऋ० सं० ग्रर्ছ-1/37-ईई/10120/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्श किया गया है।

निसार धहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ध्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 6-10-1986

प्रस्य बाई.टी.एन.एस------

नायुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यामय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 अक्तूबर, 1986

निर्वेश सं० श्रई-1/37-ईई/10791/85-86---अतः मुझे, निसार श्रहमद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जब्द अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पोत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ उ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जिमीन के हिस्से पर फ्लेट जो, बी जी खेर मार्ग (गिब्ज रोड), सी एस जं 434 (श्रंश), मलबार हिल डिविजन, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्य रूप से विणित है) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 28 फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्याल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूख्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रक्ष-प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिक्षी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में आम्तिकक क्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आता बाहिए था नियाने में गोला के न्हिए:

अत: सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्ष्णिलिखित कार्यकारीत, अर्थात:--- मेसर्स ट्रस्टीज आफ दि पारसी पंचायत फंड एण्ड प्रापर्टीज।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बोमी एफ० मिणबत्तीवाला।

(म्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सक्यक्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचमा के राजधत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (का) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के यान लिपिन में किए जा सकेंगे।

स्पञ्जीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ द्वीगा, जो जस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्रकी

जमीन के हिस्से पर फ्लेट, जो बी० जी० खेर मार्ग (गिडज रोड), सी० एस० नं० 434 (ग्रंग), मलबार हिल डिविजन, बम्बई में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकी क्र० सं० भ्रई-1/37-ईई/10121/85- 86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2- 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार हमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायंकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 6-10-1986

er – a walke America, warang Tota toengang georgist

धरुष नाइ^र. टी. **एव**. **एव**. -=----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के बभीव ब्वंबा

बाहर परकार

कार्यीलय सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विमांक 30 सितम्बर, 1986

निर्वेश सं० प्रई-1/37-ईई/10792/85-86—-ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसके इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की बारा 269-स के अधीन सक्षम जाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित विसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० पलैट नं० 1805, जो, 18वीं मंजिल, पचरत की-ग्राप० हाउसिंग सोहायटी, राँक्सी सिनेमा के पास, ग्रापेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 28 फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुख्ये वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के हिए तब पाचा चवा प्रतिफल, निम्नीचित उप्रदेश से उच्छ कन्तरण किवित वें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है है—

- (६५) बन्तरण से हुई किसी गाय की बाधत, उपल बिध-नियम के अभीत कर दोने के बन्तरक भी बामित्य मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के निए: और/या
- (ल) एसी किसी बाय या किसी धन वा बन्च बास्तियों को जिल्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

अक्ष:, स्व., उक्क विभिनियम की भारा 269-व के अनुसरक मो., मी., उक्क अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्चित व्यक्तियों, वर्धात् ः— 1. श्री गिरीशभात्री गिरधरलाल मोदी ग्रौर डाक्टर बिपीनभाई गिरधरलाल मोदी।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स राज ज्वेलर्स।

(भ्रन्तरिती)

3. श्रन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वास्त सर्पातः जी अवन के लिख् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वनः। के राजपण में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी स्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इवायः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकोंगें।

स्थलांकरण :—इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का., जो उपक श्रीपनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होता को उस अध्यान में दिए। एका है।

अनुसूची

पलैट नं० 1805, जो, 18वीं मंजिल, इमारत पंचरत्न को-माप० हार्जीसंग सोसायटी, राक्सी सिनेमा के पास म्रापेरा, हाउस, बम्बई-4 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कि० सं० श्रई-1/37-ईई/10122/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 30-9-1986

शक्य सार्व_ा डी_ट एम : एस : -----

बाधकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बचीन वचना

मारत संबंधार

कार्यालय, सहायक नामकार नामृत्य (निद्धीकार्य)

भ्रार्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 श्रक्तूबर, 1986

निर्देश सं० प्रई-1/37-ईई/10794/85-86—-श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

तानकर विभिन्नियमं, 1961 (1961 का 43) (जिल्ले इसके इसके पश्चात् 'उक्त विभिन्नियमं' कहा गया ही, की भारा 269-क के वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित वाबार मुख्य 1,00000/-क. से विधिक ही

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 31, जो, 3री मंजिल जमीन का हिस्सा, जो, बी० जी० खेर मार्ग (गिब्ज रोड़), जिसका सी० एस० नं० 434 (श्रंश), मलबार हिल डिविजन, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे जपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खे के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 28 फरवरी, 1986 की पूर्वेक्य संपरित के जीवत बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए मंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींकत सम्मित का जीवत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और वंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंव-रण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निस्निलिखत उद्वरेग के क्वन कंतरण सिवित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आप की वाबत, जक्त श्रीधनियम को अधीन कर दनि के अन्तरक के दाखिल्य में अभी करने पा उससे क्यार माँ सुविधा ते लिए, श्रीर/माः
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उस अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया खाना जाहिए था, जिनाने में स्विभा थी लिए:

स्थ ०४, उक्त अधिनियम की भाग 269-च के जन्मरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1), के क्षीय, निय्नतिकिश व्यक्तियों, वर्षात् ■— 15—316 GI/86 मैंसर्स ट्रस्टीज आफ दि पारसी पंचायत फंडस और प्रापर्टीज।

(अन्तरक)

 श्री नेस द्वारा भुद्र्यारीवाला ग्रौर श्रीमती परविस द्वारा भुग्नारीवाला।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के निरू कार्यवाहियां करता हुं।

उथत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में की की वाक्षण : ----

- (का) इस स्थान क राजपार मो प्रकार को तारीख से 45 दिन को भीतर उपार स्थानक स्थानक यो क्रितकप्रश्च किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निविद्या में सिए का सर्वेषे :

स्थान्तिकरणः ----श्सको अपृत्ता १०३० और तथाः । जो दशकः अभिनियम को आजायः ३००० विकासिकाः ही, बही अर्थः होगाः को उत्त जन्यास्य से विका गयाः ।

अन्स्घी

प्लैट नं॰ 31, जो, 3री मंजिल, जमीन का हिस्सा, जो, बी॰ जी॰ खेर, मार्ग (गिब्ज रोड़), जिसका सी॰ एस॰ नं॰ 434 (श्रंश), मलबार हिल डिविजन, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अई-1/37-ईई/10123/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजी रीज-1, बम्बई

विनांक: 6-10-1986

प्रारूप बार्ड .टी.एन.एास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के ऋधीन सुचना

भारत प्रकार

कार्यालय, सहायक प्रायक र नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 मितम्बर 1986

निर्देश मं० भई-1/37-ईई/10795/85-86—स्वतः मुझे, नियार भ्रहम्द,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'तक्त कथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,06.000/- कि. से स्थिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, जो, तल माला, नरीमन बिल्डीग को-श्राप० हार्जामग मोहायटी लि०, 162, एम० कर्वे रोष्ठ, बम्बई-20 में स्थित है (भ्रौर इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 28 फरवरी 1986

करं पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्थास करने का कारण है कि यथा

पूर्विकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्षयमान प्रति-फल से एसे १६२४मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वित उन्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) वस्तरण वे हुव किसी आग की आवत, उसत अधिनियम ने अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्थिधा के शिष्ट; जीर/बर
- (क) ऐसी किसी बाय का किसी धन या अन्य पास्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उसत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था क्रियान में सविधा के लिए;

जतः अस, उवत अधिनियमं की धारा 269-ग के अनमरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्ति व्यक्तियों. अर्थातः :--- 1. श्रीमती सरस्वती गुलराजानी।

(भ्रन्तरक)

2. मेयर प्रार्गनिक्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरिनी)

3. भ्रन्तरका

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुषना बारी करके प्वॉक्ट सम्परित है अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू कारता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी त्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी बन्म व्यक्ति द्वारा प्रभागनाश्यो के पास शिक्त में किए जा सकेने।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिंधितयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, धही कर्ष शरेगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

मन्स्ची

प्लीट मं॰ 1, जो, तल माला, 162, एम॰ कर्वे रोड़, श्रम्बाई-20 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कर सं श्रई-1/37-ईई/10124/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अ**हमद** सक्ष्म प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुवन (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, वस्बर्ड

दिनांक: 29-9-1986

प्रकृष **कार्ड्ः डी. एन. एस. - - - -** 1. टस्टी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारः 269 भ (1) के अधीन सुचना

श्रादत सरकार .

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 श्रक्तूबर 1986

निर्वेश सं० श्रई-1/37-ईई/10846/85-86—श्रतः गुमे; निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात 'उक्त अधिनियम'क हा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 67, जो, 6ठीं मंजिल श्रौर गैरेज, जमीन का हिस्सा, जो बी० जी० खेर मार्ग (गिंब्ज रोड़), जिसका सी० एस० नं० 434 (श्रंण), मलबार हिल डिवीजन, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप ने वणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 28 फरवरी 1986

का पूर्जोंक्त संपरित के उत्तित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्जोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से बांधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिया) अं बीच एसं अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित भें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- ंका) मानारण से हुइं किसी माय मही बाबत, उपल मिर्शित्यम के अधीन कर दोने के मनारक औ शांपत्य में कभी करने या उससे वचने में सुहैब्धा औ लिख; औद्र√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आरिस्तर्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम या भन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आज बाहिए था, स्थिमने में स्विभा भी लिए;

कतः कात, उक्त अधिनियम की धारा 269-मं की कन्नरण भा, भी उक्त अधिनियम की भारा 269-मं की उपभारा (1) अ अधीन, निम्नीलिस्ति व्यक्तिसीं, अवस्ति :--- ट्रस्टीज श्राफ दि पारसी पंचायत फडंस ए॰ड प्रापर्टीज।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती कटी डी० दिवेचा ग्रौर श्री दिनशा एच० दिवेचा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सम्मना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनक अस्परित को अवर्षन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सं देशी स्थानित में पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि. जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पृत्रीक्य स्युक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वाया:
- (ज) इत मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सबोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त आभिनियभ के नध्यार १०-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नन्सूकी

पर्लंट नं० 67, जो, 6ठी मंजिल, ग्रौर गेरेज, जमीन का हिस्सा, जो बी० जी० खेर मार्ग (गिक्ज रोड़), जिसका सी० एस० नं० 434 (ग्रंश) मलबार हिल डिवीजन, बम्बई में स्थित है है।

ध्रनुसूची जैसाकी %० सं० धर्द-1/37/ईई/10135/85 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 6-10-1986

प्रकल काही, टी. एस एस. ------

लायकर सांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

भारत श्रास्काड

श्रायांस्तव सहायक कायकर मायुक्त (निरक्षिण) श्राजन रेंज-1; वस्वर्ह

बम्बई, दिनांक 1 अन्तूबर, 1986

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके प्रचार उबत अधिनियम कहा गया हु), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि संशवर सम्भत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं पलेट नं 14, 5वां माला, कैलाश नगर कोप-श्रापरेटिव हार्जसंग सोसायटी लिमिटेड, 658, ताडदेव रोड़, बम्बई-7 में स्थित है (ग्रौर प्रससे जपावद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है)/ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28 फरवरी, 1986

को पूरत कि अस्थित के उचित बाजार मृस्य से क्रिय के दश्यमान प्रतिकाल को लिए अस्तिरित की गर्द है और मुक्ते यह विद्यास करने का अन्यश्र हो कि यथापुनावत संपत्ति का उचित बाजार पूरा, के अस्थान प्रातिश्व से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्तर प्रतिकाल से अधिक है जोर जन्तरक (जन्तरकों) जोर अत्वापनी (अनारात्यों) से धीय एसे अंतरण के लिए तय पाया प्या प्रतिकाल भिम्नलिखित उद्देश्य से उच्त जंतरण निचित में अस्त प्रस् क्रिय से अधित नहीं किया प्रमा है क्रिया

- ुक्त) महाहरू भ्रं **हुई किसी बाय की बामतः, उपत्** शिलाम के प्रथीत कार दोने के अन्तरक के शिलाम की काली करने या उससे मकरे की पृतिका कार्यक्र की का
- (सी किसी आभ या किसी धन या अन्य बास्तिमी हो, जिन्हों अहातीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जिल्ला अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ अधिनियम अस्तिरित स्वारा प्रकट नहीं किया है। असिक्श के किया को सिंहा, था, छिपाने में सीवधा असिक्श,

अतः १४व उत्तरः विभिनियमः का भाग 269-ग नै अनुसरण राज्य स्थान काभिनयम क्षेत्रे एपरा १८०-छ का उपकाश १८० के अधीन, निम्हलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती निर्मेलाबेन एन बेहता और श्री प्रदिपभाई एन बेहता।

(प्रन्तरक)

2. श्री हरेश ए० दोशी भौर श्री लालजी ए० दोशी। (भन्तरिती)

का वह स्थना जा<u>री कश्यके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए</u> कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक्ष मं प्रकाशन की तारोख से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर वृष्या की ताशील से 30 बिन की व्यक्ति, को भी जनिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विन्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस स्वाना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उद्धत स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकते।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त कान्यों जार पद्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभागिकत ही, वहीं अर्थ होता को जस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लेट नं० 14, 5वां माला, कैलाश नगर को-म्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 658, तास्रदेव रोड़, बम्बई-7।

श्रनुसूची जैसाकी कि सं श्रई-1/37-ई/10136/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 1-10-1986

प्रकार वार्ष³ं द्वी । एक , एक , -----

क्राधनार्थ निधित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) वं अधीन सुधना

माउत बहुकार

कार्यानयः, बद्धानक बायकह बाब्क्स (निहरीक्सप)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 श्रक्तूबर, 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/10925/85-86--श्रतः मुझे, निसार **ग्रहमद**

धौर जिसकी सं० फ्लेंट नं० 44, जो, 4थी मंजिल, मेकर, टाबर-एच०, बेकवे रेक नेमेशन, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप संवर्णित है)/धौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम शाधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 28 फरवरी 1986

को पूर्विक्त सम्परित को उपित बाजार मूच्य से जान के अस्त्रभान प्रतिकान के लिए अंतरित की नई हैं और मूफें यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्विक्त सम्मरित का रिश्ति बाजार मूक्य, उसके क्यमान प्रतिकाल से, एपि एए तम प्रतिकान का बच्चह प्रतिकात से अधिक है और बंत के (वे रक्षी) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय राधा गया बचा प्रतिकात निस्मानिकात उद्वाप्य से उपन बंतपण निस्तित के वास्तिक रूप से समिक रूप से समिक स्था है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) क अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधित् हि—

1. श्री गौतम पटेल।

(भन्तरक)

- 2. श्री भरत सी० पारेख, श्रीमती श्राशा एच० पारेख, श्री चिमणलाल के० पारेख, संजय एच० पारेख, द्वारा-पालक श्रीमती श्राशा एच० पारेख। (धन्तरिती)
- अन्तरितीयों।
 (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाबांप---

- (क) इस बुबना के रावपण में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन की प्रवर्षि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्वना की तारील से 30 दिन की बनिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मक्तिकरण: ----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उनक अभिनियम के हैं साथ 20-क में परिभाषिष्ठ ही, वहीं अर्थ है ना को उस सभ्याय में दिया वया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 44, जो, 4थी मंजिल, मेकर टाघर-एच०, वेंकबे रेक्लेमेशन, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी किं सं० ग्रई-1/37-ईई/10140/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1; बम्बई

विनांक: 3-10-1986

प्रकप वार्ड दी . एन . एस . ------

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन सुचना

भारत शरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर माभुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनांक 6 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/10928/85-86--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

नामकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1.00.000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं फ्लेट नं 55, जो, 5वीं मंजिल, श्रीर गरेज, बी जी जि खेर मार्ग (गिब्ज रोड़), जिसका सी जि एम जं 434 (श्रांग), मलबार हिल डिविजन, बम्बई, में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है)/श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28 फरवरी, 1986

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितक के जिए करति का पूर्व हैं और मूम्के कह विश्वत करने का कारण है कि वभापूर्व कर कमारित का अभित बाजार मूल्य, उनके का कामान प्रतिकास के एसे प्रवचन प्रतिकास के स्वाह प्रतिकात से विधिक हैं और बंदरक (अंतरकार) और बंदरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से काथत नहीं किया गया है ——

- (कां) अन्तार्क से हुई सिक्ती जाय की यावत, छक्त अप्रिम्बिस के अधीन कर बाने के अन्तरण के बागित्क में कमी करने वा उससे क्याने में सुविधा अप्रिया
- (व) श्रेती किसी नाय या किसी भन या अस्य बारितवाँ कर्ते जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकृष्ट मही फिल्या गया या वा किया बाना चाहिए था, कियान में सुविधा अधिकाः

मतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मी, अक्त विधिनियम की भन्दा 269-ग की उपभादा (1) भू बचीन, निकासितिक मनितनों, सर्वाद क्रिक्ट मेसर्स ट्रस्टीज आफ दि पारसी पंचायत फंडस एण्ड प्रापर्टीज।

(अन्तरक)

2. श्रीमती माजा धुन दारूवाला ग्रौर श्री धुनजीशा एफ दारूवाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भार। करके पूर्वीक्त सम्पत्ति कं अर्जन के सिद्ध कार्यवाहिसां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मीं कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अजीय या इल्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूखना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि जाद में समाप्त हांती हो, को भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से जिस्सी व्यक्तियां क्रांस
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अयोहस्ताक्षरी के पास व्यक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वर्षः करणः --- इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर जीवित्रस्य क अध्यात होना को उस अध्यास मी दिया। स्वर्षः अर्थः

मन्स्ची

फ्लेंट नं० 55, जो, 5वीं मंजिल श्रौर गरेज, बी० जी० खेर मार्ग, (गिब्ज रोड़), जिसका मी०एस० नं० 434 (श्रंश) मलबार हिल डिविजन, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/10141/85- 86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2- 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 6-10-1986

प्रस्य व्हार्ड . टी . एन . एस .

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीर सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक वागकर वायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 ग्रक्तूबर, 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/10932/85-86—श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 68, जो, 6ठी मंजिल, ग्रीर गरेज, जमीन का हिस्सा, जो, बी० जी० खेर (गिब्ज रोड़), सी० एस० नं० 434 (ग्रंश), मलबार हिल डिविजन, बम्बई, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है)/ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28 फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित शकार मूल्य से कम के द्वायान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि वचाप्कॉक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के एसे प्रतिपति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कता, निम्नितियां उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्त-दिक रूप से कथित नहीं किया यथा है है—

- (क) अन्तर्थ से हुई किसी शास की दावत, उससे अधिनियम के अधीय कर दोने के जातरक की दाजित्य में कभी करने या उससे दचने में हृजिथा के तिष्; अरि/यः
- (क) एसी किसी आयः या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय जाम-कर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उत्तर वीधिनियम, या धन-कर अधिनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, दिशान में सुविधा की लिए;

अक्ष: अक्ष, उक्ष अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निनिधिक व्यक्तिकों, क्याँत है— मेसर्स ट्रस्टीज श्राफ दि पारसी पंचायत फंड्स एण्ड प्रापर्टीज।

(अन्तरक)

2. थी एम० के० पालिया।

(ग्रन्तरिती).

को यह सूचना जारिकरके पृथांक सम्माति के अर्थन के जिए भयवाहिया करता हा।

इन्द संपत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाक्फे :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वनिध वा तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तानील से 30 दिन की जनिध, को भी अब विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विवद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.स. स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्सक्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकों ने।

स्वक्रीकरण: इसमें प्रयुक्त सन्दों और पढ़ों का, वो उक्र अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गण है।

वन्स्वी

१लीट नं० 68, जो, 6ठी मंजिल और गरेज, जमीन का हिस्सा, जो बी० जी० खेर मार्ग (गिब्ज रोड़), सी० एस० नं० 434 (ग्रंश), मलबार हिल डिविजन, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कर सं श्रई-1/37-ईई/10148/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार **ग्रहमद** सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रें**ज-**1, **बम्बई**

दिनांक: 6-10-1986

प्ररूप काइ.टी.एन.एस.-----

नामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 श्रक्तूबर, 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/10933/85-86---श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क्ष के अधीन सक्षम शाधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

कौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 53, जो 5वी मंजिल, श्रीर गरेज, जमीन का हिस्सा, जो बी० जी० खेर मार्ग (गिब्ज रोड़), सी० एम० नं० 434 (श्रंश), मलबार हिल डिविजन, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)/श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28 फरवरी 1986

को प्यांचित सम्मत्ति के अचित नाकार मृत्य से क्य में क्यामान प्रतिकार के लिए सम्मरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि नमान्त्रींच्य सम्मत्ति का अचित नामार ब्रुच्य, इसके क्यामान प्रतिकास से होसे क्यामान प्रतिकास का पंद्रक्ष प्रतिकास से निषक हैं और जन्मरक (जंतरकों) और अन्तरिती (क्यारितिनों) के नीच ऐसे जन्मरण के निष्य सम पास क्या प्रतिकास, निम्नीसियत ज्याकेष्य में क्या नन्तरण जिलाक के वास्तिक क्या के क्यास नहीं क्या गुना है क्रिक्ट

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था। कियाने में सिवध के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग र अवस्यरण हो, हो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की रापनारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— मेसर्स ट्रस्टोज आफ दि पारसी पंचायत फंडस एण्ड प्रापर्टीज।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सी० एम० बहादूरजी श्रीर श्री एन० एम० बहादूरजी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उकत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की सविध या तत्संबंधी स्थितियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की कविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी स्थिकत स्थारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी व्यक्ति ब्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास
 िलिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोक्षरण :----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नकत्त्वी

पलैट नं० 53, जो 5वीं मंजिल, श्रौर गरेज, जमीन का हिस्सा, जो, बी० जी० खेर मार्ग (गिब्ज रोड़), सी० एस० नं० 434 (श्रंश), मलबार हिल डिविजन, बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकी क० सं० श्रई-1/37-ईई/10144/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टई किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 6-10-1986

प्रकर आहु थी. पुर. पुरा...

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मुधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 श्रक्तूबर, 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/11715/85-86---श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, जो, 1ली मंजिल, पवम इमारत, 48, पेडर रोड़, बम्बई-26 में स्थित है (भीर इससे उपाबक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है)/श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 18 मई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए जन्दरित की नहीं ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही

कि यथा पूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके उरममान् प्रतिकल से, एसे व्ययमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिकत से बिधक हैं और अंतरिक (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिबक रूप से किवत महीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के बायिस्य में कमी करने या उससे बन्नाने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियमे, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों. मों. उत्तत अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीनः निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 16—316GI/86 1. श्रीमती शकुंतला ६० राजदेरकर।

(अन्तरक)

2: श्रीमती शकुंतला बी० वंसाल, श्री राजेश एस० वंसाल, गंगाराम जी० वंसाल श्रौर श्रीमती पना-वाई जी० वंसाल।

(भ्रन्तरिती)

3. अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जरे. भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जगराची

श्रनुसूवी जैसाकी क० मं० श्रई-1/37-ईई/10061/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1,बम्बई

दिनांक: 1-10-1986

ए०

प्रकम बाहु", इ.सी. प्रमाह प्रमाह

भावकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भाज 269-स (1) में विभाग स्वाम

शाउत सहकात

कार्याजय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 ग्रक्तूबर, 1986 निर्वेश सं० ग्रई-1/37-ईई/18552/85-86---ग्रतः मुझे, प्रसाद

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ष्रीर जिसकी सं० लैन्ड वेग्नरिंग नं० एस० नं० 54, एच० नं० 3(पी०टी०), सी० टी०, एस० नं० 698 (पी०) विलेज नाहुर, तालुका कुलां, बी० एस० डी० बम्बई, मुलुंड में स्थित (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) /श्रीर जिसका कारनामा आयकर श्रिष्ठित्यम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3 फरवरी, 1986

को पूर्विकत सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए संतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूस्स, उद्यक्ते क्ष्ममान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पंद्र बहुत्वस से क्षममान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पंद्र बहुत्वस से क्षममान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पंद्र (अन्तरितिका) के बीच एसे लन्तरण के निए तम पामा गया श्रीतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दावित्य में कमी करने या उससे बचने ये सुनिधा की लिए गौर/दा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा अधिस्ह;

तत अहा, उक्त अधिनियम की धारा 269-य को अनमरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन,, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री गोपी नाथ महादेव कोली भौर ग्रन्य। (भन्तरक)
- 2. मेसर्स विजय एन्टरप्राइसेस।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके वृचीक्स संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोर्स भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्वना को राजनम में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अवधि या तत्साः वस्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधिक, को भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाए;
- (स) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीकर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिए-अव्य किसी अन्य व्यक्ति स्वास अभाहरताक्षरी में पास लिखित में किस जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ----इसमें प्रमुक्त शब्दों आँ पर्वा का, ओ जन्म अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भगा ही।

मन्त्र की

लैन्ड बर्धारंग नं० एस० नं० 54, एच० नं० 3(पी० टी०) सी० टी० एस० नं० 698 (पी०) विलेज नाहुर, तालुका कुर्ला, बी० एस० डी० बम्बई-, मुलुंड।

मनुसूची जैसािक कि सं प्रई-3/37-ईई/28 52/85-86 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1986 को रिजस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

विनांक: 9-10-1986

प्रकल बाह्". टी., एव : एवं :--------

आयकर वरिश्तियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारक करकार

कार्यक्रम, सहायक वायकर नामुक्त (विर्यक्रिण) प्रजीन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1986

निर्वेश सं अई-3/37-ईई/29249/85-86---- ग्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद

कायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से विध्यक हैं

भौर जिसकी सं० गाला, कर्मांक 3.4, 5.6 और 5-ए, तल माला भीर 1लामाला कर्ला, एस० नं० 204, कुर्ला, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है)/श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख जनवरी 1986

को पूर्वित्त सम्बन्धि को उपित बाबार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से एसे ध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—-

- (क्क) अंतरण सं हुई किसी आय की यावत, उक्त जिथ-अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के वाजित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की खिए;
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य शास्तियों को विन्हें भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिभनयम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्तिभा के सिक्; वीर/वा

श्राप्त स्वत्र, जनतः अभिनियम की भारा 269-ग के प्रमूप्तरण में, में, जनत अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) से अर्थीक निम्मकिषित स्वितियों, अर्थात ६——

- 1 श्री जयलक्ष्मी छिबलदास शहा ग्रीर भन्य। (भन्तरक)
- 2. श्री विजय फलेक्सियल कंटेनर्स प्रायईवेट लिमिटेड।

(मन्तरिती)

को बहु सूचमा चारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के वर्षम के निष् कार्यधाहियां करता हो।

उक्त सम्मास्य के अर्थन के संबंध में कोई भी आकरेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरण:—इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु अर्थ होता जो उत्त अध्याय में दिया नवा है।

षम्सूची

गाला कमांक 3, 4, 5, 6 श्रीर 5-ए तलमाला श्रीर 1ला माला, कुर्ला, एस० नं० 204 कुर्ला बम्बाई।

श्रनुसूची जैसाकि क० सं० ग्रई-3/37-ईई/29249/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी; सहायक ब्रायकर मायुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रेंज-3, यम्बई

दिनांक: 9-10-1986

मोहर

प्रकार जार्योज्ञ सर्वेष्ठ जुला । इस्य प्रकान व्यवस्थान

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) जै ल्योंन सूच्या

कार्याच्या , सहायक बायकार बाय्का (निद्वीकार्य) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1986

निर्वेश सं० ग्रई-3/37-ईई/28799/85-86—श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परचात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के जभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उधित बाबार अन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ि डिपार्टमेंटल स्टोग्नर्स, नं 1, ग्राउंड फलोर, नं 2 ग्राउं फ्लोग्नर, ग्रीर नं 1 मोलेपे, वेगाली शापिंग सेंटर, एस० वी० रोड़, मालाड (पिष्वम), बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में प्योंर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3 फरवरी 1986

को पृथितित सम्मस्ति के उचित बाजार मृत्य से का के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विकास फरने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रवमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंधिरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ज के जिए तुक् वाका नमा प्रीत-क्रम विकासितिक द्रव्यक्षि से अन्तर्ज बन्द्राण निविद्य में वास्त्रिक क्ष्य है अक्षीरिक मुखा क्ष्या प्रमा है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सर्विभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

कत जल, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की जनुबरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) व सभीन जिम्मीनिवित व्यक्तियों, समूद्रि के 1. श्री मशोक बिल्डर्सं।

(भन्तरक)

2. मेसर्स बाबी रेझटैंस और होस्डिंग प्राईवेट लिमिटेड। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बद्धि में नर्जन के तब्दान्य में कोई' भी बाबोर ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भीं अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इसः सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 वित्र के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिंद-अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी कें पास लिकित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषिष्ट हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

दगस्त्री

डिपार्टमेंटल स्टोर्स, नं० 1, धौर ग्राउंग फ्लोर नं० 2, ग्राउंग फ्लोर, नं० 1, 1 ले मालेप, वैशाली शापिंग सेंटर, एस० वी० रोड़, मालाड (पश्चिम), बम्बई।

श्चनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/28799/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी; सहायकष्प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण); मर्जन रेंज-3, यम्बई

दिनोंक : 9-10-1986

म्बद् अवि हो , एवं । पुर , जन-स्टाम्स

बावकळ विभिन्नुक, 1961 (1961 का 43) की भारत 289-न (1) के बभीय क्षारा

MINI HEADY

क्षाबावन , यहानक बावकार बाबुबद (शिरोक्षण)

म्रर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई दिनांक 9 श्रवद्वर 1986

निर्देश सं० भई-3-37ईई/29392/85-86---श्रतः मुझे ए० प्रसाद

सायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसर्वे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 769-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० गौड नं० 28, इन्डस्ट्रियल इस्टेट, श्रमर बास कंपाउंड, एस० नं० 159, हिस्सा नं 9, सी० टी० एस० रोड, कालिना, बम्बई 58 में स्थित है (श्रौर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रुप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर भ्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 3-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्वित यावार मूका से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती निम्निवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण वं हुइं िकली नाथ की यावत, उकत जिम्मिन्य के जभीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविभा के जिए; बहि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

जता धव, सम्य अधिनियम की भारा 269-म भी जन्मरण भा, भा, उनत अधिनियम की भारा 269-म की जनभारा (1) को अधीन, निम्निजित्तित अधिसतयों, तक्षीत 2 जिस्मिन इंडस्ट्रिज

(भन्तरक)

2. लुपिन क्षेबोरटरीज प्राईवेट लिमिटेड

(भन्तरिती)

न्दर्भ वह भूषमा वाही करचे प्यानिक संपत्ति के अर्थन के दिक् कार्यनाहियां के उठा हैंगू।

चनव रामारित के वर्षण में सामान्य में कोई भी नार्धांद्र

- (क) इस स्थान के उप्यापन में प्रकारण की तार्डीय हैं 45 दिने की मध्यित का सरस्वापन के मध्यित की स्थान की तानीय से 30 दिन की नविभा, को भी क्ष्मित वाल में सभाग्त होती हो, के भीतर पृक्षिक क्ष्मित्वकों में वे किसी क्ष्मित द्वाराष्ट्र
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश शे 45 विन के बीचर स्वय स्थानर सम्मतित में हितनकृष किसी अन्य व्यक्ति इनारा तथाहरताकड़ी में शक्त जिल्लाकड़ में किए का सकतें है।

स्पटिकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उत्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ है, यही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

ग्रैंड नं० 28, इंडस्ट्रियल इस्टेट, श्रमर **ग्रास कंपाउन्ड**; एस० नं० 159, हिस्सा नं० 9, 159 सी० एस० टी० 'रोड, कालना बम्बई--98।

श्रनुसूची जैसा ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई:29392/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, 3 अम्बई

दिनांक 9-10-86 मोहर: **भक्ष्य बाहु ह**ि स्टेश स्ट ह

1 जस्मिन इन्डस्ट्रिज

(झन्तरक)

मायक्ट महिन्दिनम्, 1961 र्री 1961 का 43ह की भारत 269-द (1) में नगीय क्लाना

कार्यासय, बद्धायक बायकर थायुक्त (विद्यीक्षण)

मर्जन रेंज, 3, बम्बई बम्बई-विनांक 9 मन्दूबर 1986

निर्वेश सं० म्रई-3/37-ईई/29993/85-86--- झतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1967 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० यूनिट नं० 29, भ्रमर बास कंपाउन्ड, सी० एस० टी० रोड, कािलना, बम्बई, 98में स्थित है भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से जित है भौर जिसका करारनामा भ्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रिजस्ट्री है विनांक 3-2-1986

की नृष्टिया तम्पत्ति के डीचत बाबार मून्य से कन में स्थमान प्रतिपान के सिन्ध बन्धरित की यहाँ हैं कीर बुओ वह विश्वास करने का कारण है कि बनापूर्वीकत सम्मत्ति का उचित बाजार मून्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे क्ल्यमान प्रतिफल का न्द्रहें प्रतिशत से मौक्क हैं और मंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के सिन्ध क्या पाया गया इतिक व विम्युविधित स्मूचके से स्वत्य बन्धरूप विश्वित के शास्त्रीविक क्या से कथित नहीं किया बना है क्ष्र--

- (क) बन्तरक से हुई किसी बाय की बावत, उक्त बीगीनवस के जभीत कर दोने के बन्तरक के बावित्व में क्यी क्टुने वा बस्त वसने में बुविधा के सिए; और/धा
- (श) एकी जिसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बासकार अधिनियम 1922 की 11) को उनके वीचित्रका, वा वय-कर बीधित्रका, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा विका जाना लाहिए वा, कियाने में सुद्धिया में सिद्धाः

नश्च ज्व, उक्त निविचक, की भारा 269-न के कन्द्रारक ं. वे. प्रक्त अभिनिचन की भारा 269-च की परणारा (1) के जनीन, निकालिसित व्यक्तियों, अभीत् :--- को यह तुम्मा आहो कहते पूर्वीयह संपृक्ति को अर्थम् भी जिल् कार्यमाहिया करता हो।

र्वे लुपिन लेबोरेटरीज (प्राईवेट लिमिटेड) (भ्रन्तरिती)

क्या कुन्तिक से नर्जन के कुन्तन के साई की बार्जन्तन

- [क) इस न्यता के श्रमपन में प्रकार की पार्टीय हैं 45 दिन की जनभि या तत्त्रं मंभी कावितयों पर भूषण की वामील में 30 दिन की नवीच को भी भूग्रिय कार की वामान होती हो, के बीव्द पूर्वों का माध्यां में में दिन्दी माहिन्द हुनाहर;
- (क) इव स्थान के राज्यन में त्रकासन की बारीब से 45 विम के भीतर ज्ञान स्थापर संगरित में हिरानकृष् किती अन्य व्यक्ति द्वारा, नभोहरताबाड़ी के शक विश्वित में किस वा सुबीचे।

क्शक्कोकरण:---इसमे प्रवृक्तं सन्दौत्रीर पदौका, परिशासिक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशासिक हैं, वहीं जर्थ होगा को उस अध्याय में विधा कथा है।

वन्स्वी

्यूनिट नं० 29, बमर ब्रास कंपाउन्ड, सी*र््रू*एस० टी० रोड, कालिना, बम्बई, 98।

धनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-3/37-ईई/29339/ 85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-86 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें-ख ३, बम्बई

दिनांक: 9-10-1986

प्रकृष के उर्द . ही , युन् , युन् , मान मन्त्रात्रम अन्त्रात

भारत प्रतिभाग । 1961 (१९61 का 43) की भारत 269-म (1) के सभीन सुप्रता

कार्यातव, वक्तवक वायकर वाय्वतः (विशिक्तक) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1986 निर्देश सं० श्रई-3/37/-ईई/28551/85-86---श्रतः मुझे, प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हड़में १६सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का अपूर्ण हैं कि स्थावर संपर्तित, विस्तका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जमीन भौर प्लाट नं० 1, बेमरिंग नं० टी० पी० एल०, म्रो/129 पार्ट म्राफ एस० नं० 8602, देवनार विलेज भौर एस० नं० 58—60, (पी०), बोरला विलेज, बेंबूर, बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपायद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) भौर जिसका करारनामा श्रायकर मधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम से दश्यमान प्रिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार ब्रुच, उश्व अध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेदय से उक्त अन्तरण कि जिल्हा के बास्तरिक क्य से कि प्रतिक नहीं कि या गया है स्न

- (क) जन्मरण वे हुई किसी नाम की बाबस, अर स अधिनियम के अधीन कट दोने के नृत्यरक के बाविस्त वें कभी करने या उसके ब्याने में सुनिधा के लिए; केंद्र/था
 - (था) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने प्रें स्थिता के विकार,

नतः ननः उन्त निमिन्यन की भारा 269-न के नन्∨रण , मैं , जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा '1, अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—— 1. मेसर्स मंगल ट्रेडिंग कार्पोरेशन।

(मन्तरक)

2. मेसर्स भावेश्वर डेव्हलपर्स।

(भन्तरिती)

को यह कृषना चारी कर्के पूर्वोषत कम्मरित के कर्षन के सिंध् कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त बन्दरित के वर्षम के सम्बन्ध के कोई भी मार्केर :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारीक सं
 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवस्थ
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के शड
 सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थलतीकरण ----इसमी प्रयुक्त शब्दी जौर पर्यो का, वो उक्ट् अधिनियम, के अध्याम 20-क में यथा परि-भाषित हीं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्यास में दिया गया ही।

अनुस्ची

जमीन भौर प्लाट नं० 1, बेग्नरिंग नं० टी० पी० एल० शो०/129, पार्ट ग्राफ एस० नं० 8602, बेबनार विलेख हिमीर एस० नं० 58-60 (पी०), बोरला विलेज चेंब्र्र, बम्बई। श्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० श्रई 3/37-ईई/28551/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1986 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 9-10-1986

ANY RIGIDAL STATE OF THE PROPERTY OF

भाषकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाड़ा 269-घ (1) के सधीन संघना

प्राच्य बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 9 ग्रन्तूबर 1986

निर्देश सं॰ म्रई-3/37-ईई/28634/85-86--- म्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद

बावकर बीधिनवव, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसकें इसकें परवाध् उन्त विधिनवर्ग कहा थवा है), की धार्य 269-व के अधीन सक्षण प्राधिकारी को यह विध्वास करने का बादभ है कि स्वावर कन्मीत, विश्वका उचित माधार यूक्त 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, बेश्वरिंग नं० एस० नं० 24, हिस्सा नं० 22, विलेज किरोल, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणत है)/श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्मरित के उपित वाजार मूच्य के काम के कामजान मितकार के लिए अस्तरित की गई और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूर्व , उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विकास, निम्नीनीयन स्पूर्वक्य है उसन अन्तर्भ विचित ये गस्तिक स्पूर्व करित नहीं किया गया है है——

- (त्र) सम्बद्धण वे हुई कियाँ मान मा वावत, अपर व्यक्तिप्रियम के गणीय कर वोचे के मन्तरण के वाम्यस्य वे क्रमी करने वा स्वयं वचने वे युविशा के किए; व्यद्/मा
- (वा) योशी किसी नाव मा भिनी भग का जस्य नास्तिनों भी, विस्ते भारतीय नाम-नद व्यक्तियान, 1922 (1922 का 11) वा उपत नामिननम, जा भर-कर जिपित्रका, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अमरिया (भारतीया) (भारतीया) विस्ता प्रयोग मा विका नामा वाशिष्ठ भा, कियान भी नुविधा के विक्रा के विवध:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :——

मेसर्स राजेन्द्र कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(ग्रन्तरक)

2. डाक्टर जगदीप टी० शहा।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जा**री करते प्रतिक सम्मरित के सर्वन में दिवह** कार्यकालियां करता हो।

क्ष्मक स्थापित के अर्थन में क्षेत्र की कार्यन क्ष-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्तक्षरी के पास स्वित के पास

स्यष्टिक्शिश क्षा क्षा प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उकर विधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया हो।

अनुस्ची

जमीन का हिस्सा बेग्नरिंग एस० नं० 24, हिस्सा नं० 22, विलेज किरोल घाटकोपर (पश्चिम) बम्बई।

भ्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० भ्रई-3/37-ईई/28634/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 9-10-1986

मोहर

THE RES STORES THE PROPERTY.

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाद 269-क (1) वी समीन सुमा

शारत बहुकाड

कार्याजय, तहायक मायकर मायक्स (निरीक्सण) प्रजीन रेंज-3, बम्बई

सम्बई, दिनांक 9 ग्रक्तूबर, 1986 निर्देश सं० ग्रई-3 | 37-ईई | 28507 | 85-86---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चार 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विदेवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मेंस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा एस० नं० 557, 551/1, से 3 तक, विलेज, वलनई, माधहें रोड़, मालाडा (पश्चिम) बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 फरवरी 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का अरण है के याप्यांक्त सम्पति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरितो (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण वे हुई किबी भाग की बाबस. ठक्स विधिनियम के बचील कर बोने के बम्तरक को पावित्य में कमी करने या उससे बचने में सृष्टिका वी सिक्; बीट्र/या
- (स) एंसी किसी लाय या किसी अन या अस्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन-कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए:

भतः अतः, उप्तः विधिनियमं कौ धारा 269-मं कै जनसरकं में . में उपतः विधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अभीर जिल्लानियमं स्वीति क्षाति क्ष

1. श्रीमती मेरी कोरेश्रा।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स एम० एन० कार्परिणन।

THE REPORT OF THE PROPERTY OF

(श्रन्तरिती)

कृति सृह श्वाना कारी कहती पूर्वीयस् संपत्ति से अर्थन के जिए कार्यनाहियां करता हूं।

उद्य सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षीप है---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की सारीच से 45 विव की व्यक्ति या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की जविध, जो भी अनिध वाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्विकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस न्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उभत स्थावर समिति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति ध्वारा व्यक्षिताकारी के गम लिखित में किए का सकोंगे।

रथक्दीकर्षः---इसमें प्रवृक्त शक्ते और पक्षे का, को खक्त विभिन्नियम में अध्याय 20-क में परिश्लाविक है, वहीं अर्थ होगा को उद्य सध्याय में स्थिट नवा है।

नन्स्ची

जमीन का हिस्सा एस० नं० 557, 551/1 से 3 तक, विलेज वलनई, मार्ह्वे रोड़, मालाड (पश्चिम), त्रम्बई।

श्रनुसूची जैसाकि कि मं० श्रई-3/37-र्हर्ड/28507/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

दिनांक: 9-10-1986

मोहरः

ए० प्रसाद

प्रारूप अर्ड्: टी. एन. एस :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-र (1) क अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 ग्रक्तूबर, 1986 निर्देश सं० ग्रई-3 37-ईई 29309 85-86 म्प्रतः मुझे,

शायकार विधानसम, 1961 (1961 का 43) विश्व इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सर्पातः, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 12, 13 स्रौर 14 विमूर्ती एन-क्लेह्व, प्लाट बेर्झिरंग एस० नं० 164 हिस्सा नं० 1/5 सी० टी० एस० नं० 97-ए, विलेज मालाड हकारिया रोड़, मालाड (पिंचम) बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतर्क (बंतरकाँ) और वंच-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तय पासा नवा इतिका , निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्विक में बालाबिक अप से कथिस नहीं किया, नया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायतं, उत्ततः बिधिनयमः के अभीन कर देशे के बंदरका के त्याधितः में कमी करने या उससे वचने में मुविधाः के लिम्हः बरि/या
- एसी किसी बाय-या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया प्रानः चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिनि खित व्यक्तियों, अर्थात् ह— 1. मेसर्स मोनार्च कन्स्ट्रनशन कंपनी।

(अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मीचंद श्रार० बदलानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बन्ध के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बासेए ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 । इन की मन्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मन्धि, को भी जन्धि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन कि तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संबंधित के हितक वृद्ध किसी बज्ज व्यक्ति इसाम क्यांहरताकारी के पास विविद्य में कि इ.ज. स्थाने वे।

स्थळीकरणः — इसमें प्रवृक्त शब्दों बार पदों का, यो उक्त वहीविवत्र क्षेत्रकाय 20-क में परिवाधित हैं; वही वर्ष होगा को उस बध्याय में दिया। गया हैं।

नगसची

पलेट नं० 12, 13, भौर 14 तिम्ति इन्मलेब ब्लाट बेम्रिंरिंग एस० नं० 164 हिस्सा नं० 1/5 सी० टी०एस० नं० 97-ए, विलेज मालाड, हकारिया रोड़, मालाड (पश्चिम) बम्बई।

अनुसूची जैसाकि कि सं अई-3/37-ईई/29309/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारीः सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 9-10-1986

प्रेक्षण आहो. टी. 'एस. एस -----

नावश्वर अधिनियम, 1964 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) में अधीन स्चना

भारत सरकार

आयलिय, सहायक नामकार वायुक्त (निर्दाक्षण) भर्जन रेंज-3, जम्बई

बम्बई, दिनांक 9 शक्तूबर, 1986

निर्देश सं॰ भई-3/37-ईई/29259/85-86—भतः मुझे, ए॰ प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिसे इसमें इसके पर्धात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 303, 2री माला, सुंदरम विंग, सत्यम शिव, सुंदरम, एम० जी० रोड़, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत नाजार मृत्य से कम में क्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्यति नाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पृत्य प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीं) के बीच एसे अन्तर्ण के निए तय पामा गया प्रतिकात, निम्नीसिवत उज्वेदिय से उस्त अन्तर्ण सिवित के बार्यां का स्थान कर सिवित के बार्यां का स्थान कर सिवित के वास्थानक क्या के का स्थान कर सिवित के बार्यां का स्थानक क्या के का स्थानक का सिवित का स्थानक का स्थानक क्या के का स्थानक स्थानक स्थानक का स्थानक का स्थानक का स्थानक का स्थानक स

- (क) बन्तारुम से हुए किसी शाय की बाब्द, उक्त निभिन्नियम में अधीन कर दोने के बन्तरक में बाजित्व में कभी कहने वा वर्षचे वचने में सुविधा में सिए; मोर/मा
- (क) एसे किसी शाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या क्ल-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना जाहिए था, जियाने में सुनिधा भी जिएक

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) वै करीन, निम्नितिवित व्यक्तिमाँ क्रमाँत क्रमां 1. मैसर्से सरल एन्टरप्राइसेम।

(भ्रम्तरक)

2. श्री हरेण टी० रावजिवानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

धनत सम्पत्ति के नर्जन क संबंध में काई भी नाक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिस्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण भें प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर अस्त स्थावर सम्मत्ति में हित-वृष्य किसी स्थावित स्थारा, अभोहस्ताक्षरी के पास प्रतिकृत मांकण आ सकेंगे।

स्यव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

बग्स् जी

फ्लेट नं० 303, 2री माला, सुंदरम, विंग, सत्यम शिव, संदरम एम० जी० रोड़ घाटकोपर (पूर्व), बम्बई।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/29259/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), श्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 9-10-1986

प्रकर बाइ . टी. एन . एव ु ~~~~

वासकर अभिन्तिका, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के स्थीद त्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्ड, विनांक 9 श्रक्तूबर, 1986 निर्देण सं० श्रई-3/37-ईई/28327/85-86—अत: मुझे, ए० प्रसाद

असम्बद्ध अधिकिस्म, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमा इसक परवात उत्तत अभिविषम कहा गया है), की भारा १६५ म के गमील सहस्त प्राधिकारी को वह निश्वात करने का कारण हो कि स्थावर सम्बद्धित. चित्रका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/रा. से अधिक हाँ

भीर जिसकी सं प्लाट नं ए-19, बंगलो ए-19, श्री दत्तगुरु को-म्रापरेटिव हार्जसंग सोसायटी, लिमिटेड, देवनार विलेज रोड़, बम्बई-28 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में मौर पूर्ण क्ष्म से विलित है) श्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 फरवरी 1986

कां पूर्विचित संपत्ति के उभित बाबार मृश्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है भीर मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उभित अवार मृश्य, लग्नके अवमान प्रतिफल से, एते क्यमान प्रतिफल का वंदर प्रतिफल में अधिक है बीर जन्तरक (जंतरकों) भीर जंतरिती कि मोंगिकों। के बीच एते अन्तरण के निए तब बाया गया प्रतिफल, अन्तरमान सिंवत परें अन्तरण के निए तब बाया गया प्रतिफल, अन्तरमान सिंवत परें कार्यका कम से स्थित महीं किया क्या है ——

- (क) अन्तरण सं हुई फिसी बाब का बाबता, अक्ट ांधनियम को स्थीन कर दोने के बन्तरक के राधितक से क्रमी करने या उसके बचने में जुनिका क राधित भी के सि
- (अ) पृष्टि कि भी बाध भी किसी वस वा बन्स वास्त्रियों की, जिन्से बाइबीय बाय-कर विधियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भनः अय उत्तत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भं, गों, उत्तत अभिनियम की भारा 269-भ की जनभारा (1) अ अभीन, निम्मसिक्ति आधानसभा, अधान ग श्रीमती कमला सुन्नमिम।

(ग्रन्सरक)

2. इतः मधुकर धारः लीकेश्वर।

(मन्तरिती)

की यंष्ट्र सूचना बा<u>टी करके पूजीक्त सम्मरित के अर्थन के जिए</u> कार्यवाहियां करता शूं।

उन्त राज्याति के बार्यन में सम्बन्ध में कार्य भी बाधाय हुन्न

- (क) इस स्था के श्राचयन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की नवीय या तत्संत्री व्यक्तियों पर स्वा की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकासों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकुष किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ल्काकरणः--द्वाने प्रमुक्त कन्यों कृष्टि वर्षों का, की क्या प्रदेशीयक्_ट में बच्चान 20-म वो प्रदेशीयक हाँ_{।:} नहीं वर्ष क्षोता को उस बच्चाय में दिवा यहां हों।

धनुसूची)

प्लाट नं० ए-19, बंगलो ए-19, श्री दत्तगुरु को-श्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, देवनार विलेज रोड़, बम्बई-28। श्रनुसूत्री जैसाकि क० सं० श्रई-3/37-ईई/28327/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

विनोक: 9-10-1986

प्रकार बाह्री, दी . एवं . एस . : --------

भावकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

शारत तरकार

कार्याचय, सहायक नामकर नामुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 ग्रक्तूबर, 1986 निर्देश सं० भई-3/37-ईई/28965/85-86—ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269--च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी में प्लाट बेग्नरिंग नं० एस० नं० 69, हिस्सा नं० 2, सी० टी० एस० नं० 1007, भांडुप (पूर्व) बम्बई-78 में स्थित है (ग्रीर इस उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ज रूप से विजत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3 फरवरी 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपात बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपात बाजार मृत्य, उसके धर्यमान प्रतिफल से एसे धर्यमान प्रतिफल के प्रतिकृत से प्रतिकृत से परिकृत (अन्तरकां) जौर चन्तरित (अन्तरित के निष् तय प्रतिकृत से किया से विष्क है और अन्तरक (अन्तरकां) जौर चन्तरित (अन्तरित के निष्क है और अन्तरक (अन्तरकां) जौर चन्तरित (अन्तरिक से परिकृत से अन्तरण के सिष् तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिकित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण निकृत में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है क्षेन्तर में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है क्षेन्तरका में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है क्षेन

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, अकत विभिन्नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक कें बायित्व में कमी करने या उसले रूपने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य का किसी का का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के किए।

बतः मब, उक्त मीधीनयम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मी, उक्त मीधीनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थीत :---- 1. श्री धी० एव० सोह्स।

(भगरक)

2. मेसर्स मुकुल कन्स्ट्रवशन कार्पोरेशन।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां घुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षण के सम्बन्ध में कोई वाकीप प्र---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकायन की तारीय के 45 दिन की जयिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समान्त होतीं हो, भी भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्थवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्दित में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभाइस्ताक्षरी के पाठ सिखित में किए जा सकरों।

मप्राची

प्लाट बेग्ररिंग एस ० सं० 69, हिस्सा नं० 2, सी० टी० एस० नं० 1007, भांडुप (पूर्व) बम्बई-78।

ग्रनुस्थी जैसाकि कर संर ग्रई-3/37-ईई/28965/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा विनांक 3-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज-3, अम्बई

विनांक: 9-10-1986

प्रकार काही, हो। एक, एक, 🗸 🗷 🖛 - 🖦

कावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के अधीन स्थला

भारत सरकार

कार्यक्रव, बहायक वावकर वाव्यत (निरक्षिण)

म्रजेंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 9 श्रक्तूबर, 1986

ए० प्रसाव

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 702, 7वां माला, गरोडिया नगर, घाटकोपर, (पूर्व) बम्बई-81 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 फरवरी, 1986

की पूर्वीक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य *से कम के* दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्तें यह विश्वस का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्मति का अचित बाबार मुस्य, इसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तस्क (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एं प्रे अन्तरण के लिए तय पाया गया परिकल, निम्ननिसित अबुदाश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त ब्रिजियम् से बनीर क्षेत्र दोनं के बन्तरक क्षेत्र वर्गकरन में कमी करने वा उत्तर बचने में सुविधा की लिए; आंद्∕याः
- (क) ऐसी लिबी बाब वा किसी धन वा जन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनिएम, 1922 (1922 का 11) या जक्त लिधिनियम, या अन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा 🖠 भिष्

क्रदः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण भी, भी, **उक्त अधिनियम** की धारा 269-थ की उपपान (1) के जभीन निम्निजितिक व्यक्तियों, अर्थात् :---

मेसर्स निलम डेव्हलपर्सं।

(ग्रन्तरक)

2. श्री यस्मिन एच० दारुवाला भ्रौर भ्रन्य।

(श्रन्तरिती)

करें यह सुकता आर्था कारके पृत्रीकत सम्पत्ति भी वर्षण की विवर शायंगाहियां करता हां।

उपस सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में की है भी मास्रेप ड---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारी स 45 विन की अविध वा तत्सम्बर्गी व्यक्तियों पर गुन्नदा की तामील से 30 किन की बविभ, वो औ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी अर्थित हुवारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अपितत बुवारा नाभां हस्ताकारी ने पाच लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण: ---१समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उपत अभित्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बही अर्थ होगाची उस अध्याय में विया नमा 🎜

फ्लेट नं० 701, 702, 7वां माला, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-81।

ग्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/29106/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 9-10-1986

प्रकार बार्ड. टी. एत. एस.

नायकर विधिनिसम, 1961 (1961 का 43) की

भारा १६९-६ (1) अं अधीन प्रश्ना

भारत सरकार

कार्यम् , रहायक मायकार नामुक्त (निर्दाखक)

ध्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अन्तूबर, 1986

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/28611/85-86---श्रनः मुझे, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-श को अभीन स्थाम अधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा वेग्न ्त नं० एस० नं० 349, हिस्सा नं० 17, सी० जे० एस० नं० 3163, ग्रीर एस० नं० 349, हिस्सा नं० 19, सी० टी० एस० नं० 3172 एस० नं० 349, हिस्सा नं० 35 सी० टी० एस० नं० 3178, कोले कल्यान, वाकोला विलेज, सांताकूज (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 फरवरी, 1986

कर पृथितक संपर्शिक जिसत बाबार मृत्य सं कम के स्वयान प्रितिक के लिए अन्तरित की एवं हाँ आर मृत्ये मह विश्वास के स्वी कारण हाँ कि संभापूर्विक्त संपर्शित का जिसत बाजार कृत्य, उन्नके दश्यमान प्रतिकाल से एसे इस्थ्यमान प्रतिकाल का पन्तह प्रतिकाल से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से काथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से सुर्ह किसी आय की बाबत उपक जिथ-निवस के अभीन अप दीन के अन्दिर्श के शायिस्य में कमी कार्न या प्रथम बच्छा ही सुधिया के लिये;
- (क) एंसी किसी श्राय या किसी पत्र था जन्म आस्थियों की, जिन्हों भारतीय अववार और राज (1922 का 11) या जन्म की प्रतिपद्ध, ा लग्न व्याप अभिनयमा 1957 (1957 का 27) की प्रयाजनाथ अन्तर्शिती युरासा श्रीका प्रशा किसी गर्भ से विकास का वितास का विकास का विकास

अत: अब:, उक्त अधिनियम को धारा 269-र के अन्सरण कों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-र की उपधारा (1) ले अपीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अथित —

- 1. श्रीमती मेरलिन ग्रलान नोरोव्हा श्रीर भन्य। (भन्तरक)
- मेलसं एमझेड कार्पेरिशन और मेससं सालकर कार्पे-रेशन।

(भन्तरिती)

को यह स्वमा जारी करके ग्वॉब्स सम्पर्ति के बर्चन के विव कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उत्तर सम्परित के अर्थन को सम्भन्य में कोई भी साखीप ह---

- (क) इस स्थान के राजण्य में प्रकाशन की तारोकः है 45 दिन को जबकिया तत्सम्बर्धी स्थानतामें पर स्थान की दानीस से 30 दिन की नविध, को भी सब्दिश वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों हो से सी स्थापत होती हो से सी स्थापत होती हो से भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों हो से सिम्ही स्थानत स्थापत;
- (ग) इस स्थान के राज्यन के प्रकासन की तारीच के 15 किन के गीतर क्लत स्थानर संपत्ति में दिने-त्रक्ष किसी गान्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्यासरी के यास निस्ति में किस वा स्थाने।

स्यक्षीकरणः ---- असमें प्रयुक्त शब्दों और यदों का, को अवक अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषिता हों, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया लक्ष हों।

जन्सूची

जमीन का हिस्सा, बेग्नरिंग एस० नं० 349, हिस्सा नं० 17, सी० जे० एस० नं० 3163, भौर एस० नं० 349, हिस्सा नं० 19, सी० टी० एस० नं० 3172 एस० नं० 349, एच० नं० 35, सी० टी० एस० नं० 3178, कोले कल्यान, वाकोला, विलेज, सांताकूज (पूर्व), बस्बई।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/28611/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1986 को रशिस्ट इंकिया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राक्षिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3, अस्बई

दिनांक : 9-10-1986

प्रकष् बार्द् . टी . एन . एस . ---:---

1. मेसर्स गंगा डेव्हलपर्सं।

(भ्रन्तरक)

2. श्री नरेन्द्र कुमार मिलक।

(भन्तरिती)

बायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, सम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 9 ग्रक्तूबर, 1986

निर्वेश सं० ग्रई-3/37-ईई/29266/85-86——ग्रस: मुझे. ए॰ प्रसाद

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का आएण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं बंगलो नं ए०-1, ग्राउंड फ्लोग्नर, "ए.' विंग बिल्डिंग नं 7, ग्रतुर पार्क के पीछे, सायन ट्राम्बे रोड़, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत हैं) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिविनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उपित बाजार मृख्य से कम के स्वयमान क्रितिक्त के लिए अंतरित की नहीं है और मुक्ते यह विद्यास अरमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का भन्तह प्रतिदास से अधिक है और अंतरक (अंतरकः) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई िकसी जाय की बाबत, उबत जिंध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में ताती करने या उससे अचने में स्विधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निकासिबत करियां, अधीत :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यकाहियां कहता हुए ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराव से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त जीध-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

बंगली नं० ए-1, ग्राऊंड फ्लोग्रर, "ए" विग, विडिंग नं० 7, श्रतुर पार्क के पीछे, सायन ट्राम्बे रोड़, चेंबूर, बम्बई-71।

श्रनुसूची जैसाकि क्रम० सं० ग्रई-3/37-ईई/29266/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

दिनांक: 9-10-1986

<u>____</u>

प्रारूप आर्ड . टी . एन . एस : ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत नग्नार

कार्यालय, सहायक आयकर जायृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, अम्बई

्र बम्बई, तिनांक 9 अक्तूबर, 1986

निर्देण सं० श्रर्ध-3/37-ईई/28915|85-86—श्रतः मुझे.

ए० प्रमाद

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा मुलुंड में, टी० वार्ड, तालुका साऊथ सॅलसेट, ए२० नं० 145, हिस्सा नं० 1, मुलुंरिङ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिशिन्यम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन वस्वई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्टा है तारीख 3 फरवरी 1986

के कार्यालय में रिजर्स्ट्रा है तारीख 3 फरवरी 1986 को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य मों कसी करने पा उससे तजने में सुविधा के लिए; और /ए।
- (ल) एंसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयश्चर अधिनियम. 1922 (1922 को 11) या उसत अधिनियम. या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया शाना वाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवः जकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जकत अधिनियम की धारा 269-**ग को उपधारा** (1) के अधीन निम्मालिकित व्यक्तियों, अर्थात :----18—316GI/86 1. श्रीमती वासंती वसंत नाईक।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स रक्षा कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वक्त सञ्पन्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो

उक्त सभ्पत्ति को अर्जन सम्बन्ध मो कांई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्चना कं राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थण्डीकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनस ची

जमीन का हिस्सम मुलुंडमे, टी बार्ड तालुका साऊथ मलसेट, एस० नं० 145, एच० नं० 1, मुलुंड। अनुसूची जैसाकि ऋ० नं० भ्रई-3/37-ईई/28915/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1986 को रिजस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 9-10-1986

मोहरः

प्रकृष आहु^द.टी.एन.एन. -------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन स्चता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 श्रक्त्बर, 1986

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/28349/85-86--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रायक प्रकाद उनक विभिन्न में बहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहनिश्नास करने का कारण है कि स्वावर सम्बंध, दिस्का उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक है

भ्रौर जिसक की सं० रो हाउस रं० 4, कनवल शापिंग सेंटर, 15वां रास्ता चेंबूर, दम्बई-71 में स्थित है (ग्रौर इसो उपा- बढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3 फरवरी 1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण म हाई किसी आप का बाबत, उक्त अभिनियम के अपीन कर दोने के अन्तरक के कविकल में कमा करने या अवस्त ककार के स्विधिश के लिए; आर्थ/या
- एए एती विर्ता अह या किसी धन या अन्य आस्तियाँ वर्ष, विरुद्ध निर्देश अध्यक्त अधिनियम, 1025 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के वर्षेवनक अन्तियम, वर्षेवनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के वर्षेवनक अन्तिर्देश कृतिर्देश कर्तिरदी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सिवंशा के लिए

भी प्रेड. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, का, काल अधिनियम की धारा 269-त की उपयोग (1) - १९८८ के किलामिक व्यक्तियों, अर्थात :-- मेसर्स संदीप कन्स्ट्रक्शन।

(ग्रन्सरक)

2. श्री चमनलाल गुप्ता ग्रौर ग्रन्थ।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-इद्य किती व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यध्दीकरण :--इसमें प्रयुक्श शब्दों और पद्यों का, जो उस्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

रो हाउस नं० 4, रुनवल शार्षिग सेंटर, 15वां राम्ता, चेंबूर, बम्बई-71।

अनुसूत्री जैसािक क० सं० भ्रई-3/37-ईई/28349/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 9-10-1986

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

शायकर लीधनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन सचन

भारत शहलार

कायालय, सञ्चयक गायकर गायक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, वम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अन्तूबर, 1986

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/28647/85-86—ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

सायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ∴69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० रुनवल कर्माशयल सेंटर, पुरा 2रा माला, 1ला रास्ता, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है)/ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 फरवरी 1986

को पूर्वोबन संपर्ति के उचित राजार मृत्य के अब उ उपविश्व प्रतिकुल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (गंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तद गया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्वित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्लाहण से हुई किसी बाय की बाब्लू, उक्ल विभिन्त्य की स्थीन कर देने के बन्तहक के द्वियल्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; शरि/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना बाहिए था, कियाने में स्विधा है लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण बे, मं, धक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मेसर्स रुनवल प्रापर्टीज प्रायवेट लिमिटेड।
 - (भ्रन्तरक)
- 2. मेसर्स म्रताश लिजिंग एण्ड इन्डस्ट्रियल लिमिटेड। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकेगे।

स्थाप्तीकरणः ---इसमे प्रवृत्तत शब्दो बाँर पदा का, का उपक्ष बीधीनयम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं बार्ग होता को उस अध्याय में दिक्क एसा हैं

अनुस्ची

रुनवल कर्माशयल सेंटर ,पुरा 2रा माला, 1ला रोड़, चेंबूर, बम्बई-71।

ग्रनुसूची जैसाको कर् सं $2 = 3 \cdot 37 - \frac{1}{2} \cdot \frac{1}{2$

ए० प्रसादं सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 9-10-1986

प्रकम बाइ. टी. एव. एत. -----

नायकार वर्षिणींनवन 1961 (1961 का 43) की भारा

269-च (1) के मधीन स्चना

शार्ध संद्रकार

कार्यासन, बहायक जायकर जायुक्त (रिनरीक्षण)

म्रजीन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक । श्रक्तूबर, 1986 निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/28647/85-86—श्रतः मुझे, ए० प्रलाद,

कायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इववें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० लैण्ड बेश्रिरिंग प्लाट नं० 122, गामदेवी रोड़, श्राफ एल० बी० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची मं श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं)/ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं। तारीख 3 फरवरी

को पर्वावत सम्पत्ति के उन्नित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (बन्तरिशयों) के बीच एसे बन्तरच के लिए तम रामा माथ प्रतिफल, निम्नितिचित उद्वदेश से उन्त अन्तरण निचित्त वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आब की बाबह, सक्त निवस के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व मो कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए: भौड़/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

नतः तन, उत्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, स्वत विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन मिम्निसिसित व्यक्तियों वर्धात क्रिक्त

1. श्री एकनाथ रामचंद्र कोपरडे।

(ग्रन्तरक)

2. मसस स्वस्तिक बिल्डर्स।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना कारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्घन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

अवस सम्परिस के अर्जन के सर्वन में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध बंद्ध किसी जन्य अधिकत द्वारा अधावस्ताक्षरी के तास सिवित में किए वा सकींगी।

स्थक्ष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदां का, ओ उक्त अधिनयभ के अध्यात 20-15 भें शर्माचित हैं, मही अर्थ होना को उस अध्याय में विद्या गमा हैं।

अनुसूची

लैण्ड बेग्ररिंग प्लाट नं० 122, गामदेवी रोड़, श्राफ एल० ी० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम) , बम्बई-861

ग्रनुसूची जैमाकी फ्र॰ सं॰ ग्रई-3/37-ईई/28647/85-86 श्रौर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1986 को रजिस्टडं किया गया।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 1-10-1986

प्रकृष नाधै हो प्रन**्एक**ु

बायकः विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विधीन सुमना

गाउन स्रकार

कार्यासय, तहायक आयकर आयुक्त (निराक्षिक)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई दिनांक 30 सितम्बर 1986 निर्देश सं० श्चई-3/37-ईई/2784/85-86—अत: मुझे, ए० प्रसाद

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' फहा पया हैं), की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आक्ष्म है कि स्वाधर सम्पर्ति, जिसका अचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० जमीन का हिस्सा बेग्नरिंग सी० एस० नं० 51, 51/2 श्रौर 3, हरियाली बांडेड नाक्षी, विकोली (पिण्चम), बम्बई-79 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं)/श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिश्तियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टई है तारीख 13 फरवरी 1986

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है द्र--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाग की बाबत, उक्क अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बार/या
- (सं) एसी किसी वाय या धन या वन्य वास्तियों कों, जिन्हों भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उन्त विधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को प्रयोधनार्थ वन्सरिती युवारा अवस्य वहीं विकास मना था किया वामा चाहिए चा, किया सं स्विधा के शिए;

वत्तः अग्रः, अवतः अभिनियमं की भारा 269-मं वी वनुसरण वो, भी, शक्त अभिनियमं की भारा 269-चं की उपभारा (1) की वभीत, निम्नशिचित व्यक्तियों, वचीत क्र— 1. मेसर्स ग्राशादेवी चेरिदेवल ट्रस्ट।

(भ्रन्तरक)

 मेसर्स केसन्स को-म्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड।

(म्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्भित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र मं प्रकाशन की तारीच सं 45 किन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद् सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ष किसी जन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्दों का, जो उनत सिंपियम, के बन्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्यास में विया प्रसाह

अन्स्ची

सर्वे सी० टी० एस० नं० 51/51/1,2, ग्रौर 3 हरियाली बांडेड नार्य, विकोली, (पश्चिम), बम्बई-79।

श्रनुसूची जैसाकी बिलेख सं० 1482/73 श्रीर जो श्रपर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 11-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेंज-3, बम्बई

विमांक: 30-9-1986

प्ररूप आइं .टी. एन . एस

मत्यकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-म (1) के सभीन सुच्छा

भारत सरकार

कार्याचय , सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई वम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1986 निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/29108/85-86—श्रतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के प्रवीन सक्षा आधिकारी कां यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सर्पात जिल्हा अधिक अधिक वाजार सल्य

1.00.6007 - रा. स अरोधक हो

श्रीर जिसकी सं० प्लाट बेर्झांग्ग नं० 353/7 फ्लेट नं० 7 श्रार० ई० मेहता गार्ग, श्री नटराज को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड घाटकोपर (पूर्व), वस्वई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं)/ ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 3 फरवरी 1986

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उमके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का ग्रिष्ठ प्रतिकात स अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (कः) अन्तरण सं हुई किसी आय कं! वानत, उक्ट विधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दाविस्थ में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; भार/या
- (ध) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध वास्तिया कार, चिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्दिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गरे, धा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सृविभा छ निए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण दं, औं. उपत अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1, श्री इन्दर जीत लाल।

(भ्रन्तरक)

3. श्रीमती हंमा लिलाधर चितालिया।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारा करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां जुरू अरहा हुं।

उक्स अंतिस के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूधना के राजपत्र मी प्रकाशन की लारीस च 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मी समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकरा व्यक्तियों मी से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुक्षना कं राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य विक्त क्यारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित मों किए जा एकोंगी।

मनुस्ची

प्लाट बेग्नरिंग नं० 353/7, फ्लेट नं० 7, श्रार० ई० मेहता मार्ग, श्री नटराज को-श्रापरेटिय हार्जीसग सोसायटी लिभिटेड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-3/37-ईई/29108/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-3, बस्बर्ध

दिनांक: 9-10-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-व (1) के ब्रुपीन स्वत**।

HITTE TANK

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 9 श्रवतूबर, 1986
निर्देश सं० अई-3/37-ईई/28558/85-86---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पहचाक् 'उकत अभिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारच के कि स्थावर सम्बद्ध विकास करने का कारच

1,00,000/- रा. से अधिक ह²

ग्रौर जिसकी सं० ग्रोल्ड सर्वे नं० 128, न्यू एस० नं० 314, एच० नं० 1 (पी), प्लाट नं० 7, (पी), विलेज मालाड कादरम्ल रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्व इप से वर्णित है)/ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की श्रारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एस श्रथमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जस्तरक संहवं किली कार वर्ष अवस्त, एकः अधिविक्य कं मधील कर वेत्र के बंतरक के स्पेटल के बादिक के प्राप्त कर वेत्र के बातरक के स्पेटल के बादिक के बादिक के बादिक के बादिक के प्राप्त के विकास के लिए।
- (ख) एसी किसी आय या किसी धर या उत्य आस्तिकों कर्त, जिल्ली अपरतीय आयकार अधिनियम, 1920 (1922 को 11) के अक्त अधिनियम अप धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रवोचनार्थ जल्लिंगिती तनारा पंकट वहीं किस गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में पर्विचा के लिए:

अप्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269 प की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—— 1. श्रीमंती आशंबी विडो श्राफ पिर मोहमद िह्० बौदासम श्रीर अन्य

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स श्रलका कन्स्ट्रशन कंपनी।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हा।

जन्म संपरित के अर्थन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षाप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 क्षित कि को अविधि के तन्धवीधी व्यक्तियों प्रश् सम्बद्ध की तासीय से 30 दिन की वर्गीय जो भी अधिक नाम में समान्य होती हो के मीतर प्रवेक्ति
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किशी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टि है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

भ्रोल्ड सर्वे नं० 128, न्यू एस० नं० 314, एच० नं० 1 (पी), प्लाट नं० 7 (पी), विलेज मालाड केदारमल रोड, मालाड (पूर्व) बम्बई।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/28558/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० १ साद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, बम्बर्ड

दिनांक: 9-10-1386

भक्ष्य नार्षः दौ <u>पुत्र पुराञ्चननननम</u>

भाधकर लिबिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन स्थाना

माइत चरुका

कार्यास्य, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्भन रेंज-3, बम्बई वम्बई,दिनांक 9 श्रवत्बर 1986 निर्देश सं० श्रर्ट-3/37-ईई/29252/85-86——श्रतः म**से.** ए० प्रसाद,

नायकर मोधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं विल्डिंग नं 56, यशोधाम, श्राफ वेस्टर्न एक्सप्रेम हायवे, गोरेगांव (पूर्व), वस्वई-63, बेग्नरिंग सर्वे नं 51, विचोली सर्वे नं 34, डिडोशी सी० टी० एस० नं 98, विलेज श्रीर विचोली डिडोशी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है)/भीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3 फरवरी 1986

को प्रविक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के करवान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पावा गवा प्रतिफल, विश्वतिचित उद्देश से स्थल अन्तर्य किवित में बास्तिक रूप से केंग्रित नहीं विश्वा नवा है है—

- (कः) अन्तरण सं शुर्श किसी जाय की वावतः , उत्कक्ष विभिन्निय के सभीत कर दोने औं अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्याने में सुविधा के सिए; वीर/धा
- (क) एसी किसी नाम या किसी भग वा लग्ध वास्तिको की जिल्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 .922 की 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, जिल्हों में सुविधा की लिए।

नतः नन, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग कं जन्तरभ में, में, उक्त निधिनियम की भारा 269-चं की उपेधारों (1) के नधीन, निम्तिचित व्यक्तियों, अभित् डिच्च

- मेसर्स गोएंका एण्ड एसोसिएटस एज्युकेशनल ट्रस्ट।
 (ग्रन्गरक)
- 2. बैंक ग्राफ महाराष्ट्र।

(भ्रन्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्बद्धि के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध शर भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रें कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकासन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अयक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकोंचे।

स्मच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय।

ग्रन्स्ची

बिल्डिंग नं० 56, यशोधाम, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायबे, गोरेगांव (पूर्व), लैंग्ड बेग्रॉरिंग नं० सर्वे नं० 51, चिंचोली, ग्रौर सर्वे नं० 34, श्राफ डिंडोगी, सी० टी० एस० 98, विलेज चिंचोली, 156 बिलेज छिंडोगी।

मनुसूची जैसाकी कं० सं० श्रई-3/37-ईई/29252/85- 86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2- 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, पूना

विनांक : 9-10-86

प्रकार कार्यः द्वीत् एत् तु प्रसातु गण्यान

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के न्थीन मुखनः

भारत उरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरक्षिण)

प्रजीन रोज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 प्रक्तूबर 1986

निर्देण सं० ऋई-3/37-ईई/29398/85-86—-ग्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहां गया हैं), की भारा 260-ख के अधीन सक्षम श्राणिकारों को, यह निश्वास करने का आएण हैं कि स्थावर सम्मित्ता, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं सब प्लांट नं ए०-1, वि लेश्राउट श्राँफ लोकप्रिय को-श्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी श्रांफ 90, घाटकोपर मुलुंड लिंक रोड़, भांडूप (पूर्व), बस्बई-78 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रौर जिसका करारनासा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, अ के श्रधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पन्ति कर्जाच्छ बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्र<mark>तिफल के त</mark>्लए अन्तरित की ग**र्द और** मुक्ते यह गिरवास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंशरक (अंतर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतर्थ के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया प्या है

- (क) सम्बद्ध से हुइं ग्रेंशाबी बाय की बाबता, स्थल कथितिक के ब्योन कार दोने के ब्लाइक से दामिरम से कसी करने के उससे कचने में सुविधा से भित्र बॉर/का
- (क) एनी किसी अप या किसी पन ण अन्य आहिल्यों के जिल्हीं भारतीय आय-कर ग्रंथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनियम, या वन्-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरियी बनारा प्रकृट नहीं किया भेगा था किया जाना पाहिए था, किनाने में करिए के सिया के लिए.

अतः अब, उक्त अधिरियम की धारा 269-ग के अन्सरण मी, मी, अबह अधिनियम की धारा 269-भ की उपवास (1) के जधीन निकर्णनिकत व्यक्तिक्तों, अर्थात

को जधीन - विक्तांश्वरिधत व्यक्तिकों , अर्थात् । 19—316 GI/86 मेमर्स लोकिशिय हासर्सिंग डेबलपमेंटज प्रायतेट लिमि-टेडा

(अन्तरक)

 श्री गुरुदत्त पोलिस को-श्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उच्च सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के हाजपत्र में प्रकाधन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इत ब्रूचमा के रावपत्र में प्रकाबन की तारीब हो 45 विन के भौतर उनत स्थावर सम्पन्ति में हित- ब्रूचम किसी अन्य स्थानत ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंन।

स्विधिकरणः ---- इतमें प्रयुक्त क्वां बृद्धि वृद्धों का, को उक्श विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषिश हैं, वहीं ज़र्य होगा को जस अध्याय में दिए, गुवा है।

अनुसूची

सब-प्लाट नं० ए-1, दि लेग्नाउट ग्रॉफ लोकप्रिय को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ग्रॉफ 90, घाटकोपर मुलुंड लिंक रोड़, भांडूप (पूर्व), बस्बई-78।

श्रनुभूची जैसाकी कि० सं० श्रई-3/37-ईई/29398/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 3-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 9-10-1986

मोहर

प्रकप आर्धः हो. एगः एसः ------

मामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-त्र (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

काधालय, धहायक गायकर आयुक्त (निरोक्तण) श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 भ्रम्तूबर 1986

निदेश सं० टी॰ग्रार-226/86-87/एस० 1255/प्राई०

ए० सी०/एववी० आर-1/कल०—यतः मुझे, प्राई० के० गोयल गायकर गर्भिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें श्रमके प्रकार (उक्त कि भिन्म कहा गया है), की भारा 169-ए के अधान स्वत्य अधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावन स्वत्य (जिस्सी अधिक हैं भीर जिसकी सं० 72 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद प्रनुसूची में जौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के ग्रधीन दिनांक 27-2-86,

कां प्रांचित सम्पत्ति को उपित बाजार मृत्य से कम को सक्याम प्रित्तिक को लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने की कारण है कि समाप्त्रोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसकी सश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्द्रहे प्रीत्रक से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित विश्वित की विश्वित में अंतरित के सिए तय पावा नवा प्रति-फल कि कि कि तस्वीति की तहाँ से अंतरित अंतरित की सिए तय पावा नवा प्रति-फल कि कि कि से कि सिए तय पावा नवा प्रति-फल कि कि से कि सिए तय पावा नवा प्रति-

- (क) जतरण से हुई किसी आय की शबत, उक्त शिंशिन्यम के अभीन कर वने **के बंत्रक के** वाभित्य में कमी करने या उत्तर्श वचने में स्विधा क जिए, और/या

अल.. अव, यांचत मीधीनमभ की धारा 269-ग आ अनुसरक भी अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) मधीन, किन्निसिक्त अक्तियों, अमित् :— (1) मेसर्स चित्रकृट प्रापर्टीज लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स लार्सेन टुक्रो लिमिटेड ।

(श्रन्तरिती)

को बहु बुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नजेन के सिक्ष कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीज सं 45 दिन की जबींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबींच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेतिस स्यक्तियों में से किसी स्यप्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़भ किसी अन्य स्थानित इवारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास किहित में किए वा सकेंगे।

स्वक्षीक रण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों अर् को का, वो उदस् विधिनियम के अध्यादः 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष क्षीचा, को उस अध्याय में दिवा नमा हैं।

अवस्था

72 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित मकान का 4803 वर्ग फिट का स्पेस सं० 2ए एवं 2वी दूसरा तल्ला में कार पार्किंग स्पेस जो रजिस्ट्रार श्रव एंग्युरेंस कलकत्ता के पास डीड सं० 1-2913 के ग्रनुसार 27-2-86 में रजिस्ट्री हुआ।

म्राई० के० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज−1, 54, रफी म्रहमद किदवई रोड, कलकस्त-16

विनांक: 3-10-86

मोहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 28th May 1986

No. 32013/2/86-Admn, I.—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint the following permanent Section Officers of the CSS cadre of UPSC to officiate as Under Secretaries in Grade-I of CSS on ad-hoc basis for the period shown against each or until further orders, whichever, is earlier under the powers vested in him vide Regulation 7, of UPSC (Staff) Regulations, 1958.

SI. Name No.	Period
1. Shri S.D. Sharma.	. for 3 months w.e.f. 22-5-86-
2. Shri P.D. Srivastava .	. for 3 months w.e.f. 22-5-86
3. Shri K. Kochugovindan	. for 3 months w.e.f. 22-5-86

The 2nd June 1986

No. A. 19014/8/86-Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Puri, CSS as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 30th May, 1986, until further orders.

The 18th June 1986

No. A. 19013/1/82-Admn. I.—Shri M. Balakrishnan, an Office of Indian Audit and Accounts Service, presently on deputation as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission is relieved of his duties with effect from 18-6-1986 (AN) on completion of his tenure.

Shri Balakrishnan has been granted 12 days Earned Leave with effect from 19-6-1986 to 30-6-86. On the expiry of the leave Shri Balakrishnan will report for duty in his parent department i.e., office of the Comptroller & Auditor General of India, 10 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi.

- No A. 19014/4/82-Admn. I.—Consequent upon completion of his tenure at Centre, Shri H. K. Narula, an Officer of Indian Ordnance Factory Service on deputation as Deputy Secretary in the Union Public Service Commission has been relieved of his duties in the Commission office w.e.f. 18-6-1986 (AN).
- 2. In pursuance of Ministry of Defence, Ordnance Factory Board, Calcutta's letter No. 381/A/G dated 7-5-86, Shri H. K. Narula has been posted in the Office of General Manager, Ordnance Factory, Muradnagar.
- 3. Shri Narula is directed to assume charge of his new assignment at Muradnagar, after availing of the usual joining time.

The 3rd July 1986

No. A. 19013/1/82-Admn, I.—In supersession of this office Notification of even number dated 18th June, 1986, Shri M. Balakrishnan, an Officer of Indian Audit and Accounts Service, on deputation as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission has been relieved of his duties with effect from 18-6-1986 (AN) on completion of his tenure.

Shri Balakrishnan has been granted 12 days Earned Leave with effect from 19-6-1986 to 30-6-86. On the expiry of the leave Shri Balakrishnan will report for duty in the office of the Accountant General (Audit) I, Tamil Nadu & Pondicherry, Madras as he is posted as Senior Deputy Accountant General in that office vide Office of the Comptroller and Auditor General of India's Order No. 3010-GE.I/I-86 dated 25th June, 1986.

The 10th July 1986

No. A. 19014/9/86-Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri S. V. Ramani. CSSS as Under Secretary in the

office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 8th July, 1986, until further orders.

M. P. JAIN Under Secy. (Per. Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF PERSONNEL AND TRAINING, ADMINISTRATIVE REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES & PENSION

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 4th October 1986

No. 10/1/85-AD. V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri Z. N. Shaikh presently working on deputation with the C.B.I. as Public Prosecutor (Group 'B' Gazetted) in C.B.I. on 'transfer' basis in a substantive capacity w.c.f. 15-9-86.

D. P. BHALLA Administrative Officer (E) CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110003, the 16th October 1986

No. CE-18(191)/PT.—In accordance with the Rule 48(I) (IA) (a) (b) of the Central Civil Services (Pension) Rules, the undersigned being the Head of the Department is pleased to accept the notice for voluntary retirement served on 9-10-1986 by Shri K. N. Prasad, Junior Scientific Officer (Doc.), Central Forensic Science Laboratory, Chandigarh.

Shri K. N. Prasad, JSO, CFSI., Chandigath will accordingly retire voluntarily with effect from 18-10-1986 AN i.e. after completion of 30 years of qualifying service.

S. K. MALLIK Director General

New Delhi-110003, the 15th October 1986

No. 13/4/86-Adm. 1.—The Director General, Bureau of Police Research and Development is pleased to appoint Shri K. N. Prasad Junior Scientific Officer as Junior Scientific Officer (Doc.), Central Forensic Science Laboratory, Chandigarh in a substantive capacity with effect from 1-7-1978.

N. P. GUPTA Assistant Director

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 10th October 1986

No. D.I. 56/85-85-Estt-I.—The services of Shri V. Lakshmi Narayanan, Asstt. Commandant, Group Centre, CRPF, Nagpur are placed at the disposal of the Export Inspection Agency, Madras (Ministry of Commerce) on deputation basis with effect from 30-9-86 AN.

KISHAN LAL Deputy Director (Estt.)

New Delhi-110003, the 9th October 1986

No. O.H. 1798/83-Estt-I.—The President is pleased to terminate services of Doctor Pranhendu Debnath, General Duty Officer, Grade-II on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the C.C.S. (Temporary Service) Rules, 1965. The notice for termination of service was served on Dr. Debnath

on 30-9-85. Accordingly, his services have been terminated with effect from 19-10-85 afternoon.

V. P. RAMAN Assistant Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 13th October 1986

No. E-28017/10/84-Pers. II-1611.—Consequent on the retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation. Shri K. P. Nair relinquished charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit VSSC, Thumba, Trivandrum in the afternoon of 31st August, 1986.

D. M. MISRA Director General, CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 13th October 1986

No. 10/11/86-Ad. 1.—Consequent to his posting in this office vide Department of Statistics, Ministry of Planning Order No. A-12025/1/86-STU dated 1-9-86, the President is pleased to appoint Shri Lautoo Ram Yadav, an officer of Grade IV of Indian Statistical Service as Research Officer in the office of the Registrar General, India, New Delhi, with effect from the forenoon of 1st September, 1986, until further orders.

The Headquarters of Shri Yadav will be at New Delhi.

V. S. VERMA Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

CURRENCY NOTE PRESS

Nasik Road, the 13th October 1986

No. ESC-1-21/15270.—General Manager, Currency Note Press is pleased to appoint Shri Sohanlal, Store Keeper as Stores Officer (Group B Gazetted) in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 purely on ad hoc basis initially for a period of six months with effect from 20th September 1986 (FN) or till the regular appointment is made whichever is earlier.

S. D. IDGUNJI General Manager Currency Note Press

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 8th October 1986

No. 443/A.—As recommended by the Dpartmental Promotion Committee (Group 'B'), India Security Press, Nasik Road, Shri T. V. Ulhanan, Ad-hoc Security Officer is hereby appointed as Security Officer (Group 'B' Gazetted) in the Revised Pay Scale of Rs. 2000-3500 on regular officiating basis with effect from 1-10-1986 until further orders.

P. S. SHIVARAM General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E)-I MADHYA PRADESH

Ciwnhor, the 6th October 1986

No. Admn. 1/GO's Prom,199/1085.—Accountant General (A&E)-I Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to promote Shri Ram Das Jatay, officiating Section Officer (02/1478) as Accounts Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-FiB-40-1200 until further orders with effect from 28-8-86 FN.

(Authority-A.G.I (A&E)-I's order dated 26-8-86).

G. L. GARG Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E)-I UTTAR PRADESH

Allahabad, 7th October, 1986

No. Admn I/11-144/Notfn./2264.—The amendment to the notification, published earlier is made as under:—-

SI. Date of pro- Date of Motion notion notion fication earlier amended to Accounts officer

Date of pro- Date of motion notion promotion amended to 31-1-86 A.N. 31-1-86 F.N. Accounts officer

Deputy Accountant General (Admn)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIFF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 13th October 1986

(IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL)
(ESTABLISHING)

No. 6/1652/86-Admn. (G)/4898.—The President is pleased to appoint Shri D. Rajagopalan, tAS (GI: 74) as Joint Chief Controller of Imports and Exports Bombay with effect from the afternoon of 10th September, 1986 until further orders

R. L. MISRA Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF TEXTILES

. I the I was named a

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE TEXTURE COMMISSIONER

Bombay 400 020, the 14th October 1986

No 2(59) ES1, I 85/4226,—Shri K. V. Ramaswamy, Assistant Director, Gr. II, Powerloom Service Centre, Erode retired from service on superannuation from the afternoon of 31-7-1986.

ARUN KUMAR Textile Commissioner

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-6) New Delhi-110 001, the 6th October 1986

No. Λ -6/247 (613)/69.—Shri C. J. Wadhwani permanent Assistant inspecting Officer (Met-Chem.) in the office of Director of Inspection (Alet.). Jamshedpur retired from

service on the afternoon of 31st August, 1986 on attaining the age of superannuation.

R. P. SHAHI
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies and Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700 016, the 13th August 1986

No. 6799B/A-19011(1-JS)/86-19A.—Dr. J. Simhachalan, Geologist (Sr.), Geological Survey of India relinquished charge of the post of Geologist (Sr.) in the GSI on the atternoon of 31st July, 1986 for joining the post of Scientist/Engineer-SD in the scale of pay of Rs. 1100-1600/- in the Department of Space, Government of India on deputation for a period of two years initially on the normal terms and conditions of deputation.

The 14th October 1986

No. 6812B/A-19011(1-SKS)/85-19A.—Shri Sanjay Kr. Srivastava, Geologist (Junior) Geological Survey of India relinquished charge of the post of Geologist (Jr.) in Geological Survey of India on resignation with effect from 15-4-86 (AN).

The 15th October 1986

No. 6824B/A-19011(1-RKS)/79-19A.—Shri R. K. Sharma, Geologist (Junior), Geological Survey of India relinquished charge of the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India on the afternoon of 19-7-85 for taking his appoinment of Research Officer (Geology) with Planning Commission, Government of India, New Delhi.

No. 6837B/A-19011(6-KKN)/66-19A.—Dr. K. K. Nandi, Mineralogist (Sr.) relinquished charge of the post of Mineralogist (Sr.) on 11-8-1986 (AN), for joining the post of Visiting Scientist in the Presidency College, Calcutta on deputation for a period of two years on normal terms and conditions.

A. KUSHARI, Director (Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 14th October 1986

No. A. 19011(179)/80-Estt.A,—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri S. M. Pimple, permanent Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on regular basis with effect from the forenoon of 4-8-1986, until further orders.

No. A. 19011(176)/84-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri S. L. Pitale, permanent Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on regular bass with effect from the forenoon of 31st July, 1986, until further orders.

No. A.19011(180)/86-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee the President is rleased to appoint Shri R. Rajgopal, Permanent Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on regular basis with effect from the forenoon of 4-8-86, until further orders.

No. A.19012(227)/86-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri A. Hadi, Senior Technical Assistant. Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Assistant Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 28th July, 1986. No. A.19011(243)/86-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri B. P. Sinha, Officiating Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 6th August, 86, until further orders.

The 16th October 1986

No.A.19011(50)/70-Estt.A.—On the recommendation of Departmental Promotion Committee, the President is pleused to appoint Shri M. L. Singhal, Superintending Mining Geologist to the post of Chief Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 30-9-1986, until further orders.

G. C. SHARMA.
Asstt. Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mincs.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

FILMS DIVISION

Bombay-26, the 13th October 1986

No. 6/37/55-Est.I.—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri M. Radhakrishna Murthy, Salesman, Films Division, Trivandrum as Branch Manager in the same office with effect from forenoon of 26th August, 1986.

V. R. PESWANI, Asstt. Administrative Officer for Chief Producer.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, 14th October 1986

No. PA/73(18)/86-R-IV/1094.—The Contoller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Anil Kumar I allubhai Patel as Resident Medical Officer in Medical Division of this Rosearch Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of September 19, 1986 to the ufternoon of December 1, 1986.

C. G. SUKUMARAN, Dy. Establishment Officer,

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

INDIRA GANDHI CENTRE FOR ATOMIC RESEARCH Kalpakkam-603102, the 14th October 1986

No. IGCAR/A 32013/22/86-R.—The Director, Indira Gandhi Centre for Atomic Research is pleased to appoint the following persons in the Indira Gandhi Centre for Atomic Research centre Kalpakkam to the Posts shown against each of them in an officiating capacity in this Centre with effect from the forenoon of February 1, 1986 until further orders.

Si. Name and Designation No.	Substantive postable	Post in which appointed
1 2	·	4
01. Shri V. Ganapathiraman Scientific Assistant 'C'	Scientific Assistant 'B'	Scientific Officer/ Fngineer Grade 'SB'
02. Shri N. Karapagam Draughtsman 'C'	Draughtsman 'B'	Scientific Officer/ Engineer Grade 'SB'
03. Smt. Leela Kunchitha- patham Scientific Assistant 'C'	Scientific Assistant 'B'	Scientific Officer/ Engineer Grade 'SB'

1		5
04. Shri J. Kandasamy Scientific Assistant 'C'	Scientific Assistant 'B'	Scientific Officer/ Engineer Grade 'SB'
05. Shri R. Palanichamy Scientific Assistant 'C'	Scientific Assistant 'A'	Scientific Officer/ Engineer Grade 'SB'
06. Shri R. Ranganathan Scientific Assistant 'C'	Scientific Assistant 'B'	Scientific Officer/ Engineer Grade 'SB'
07. Shri Sathish Bellavi Scientific Assistant 'C'	Scientific Assistant 'B'	Scientific Officer/ Engineer Grade 'SB'

P. VENUGOPALAN Administrative Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 14th October 1986

No. AMD-8/7/85-Rectt/15015.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Mahabir Singh a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant, Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division vice Smt. Suraswati Venkatachalam Assistant Accounts Officer proceeded on leave with effect from 18-8-1986 to 19 9-1986.

No. AMD-8/7/85-Rectt./15014.—Director, Atomic Minerials Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri J. K. Sharma, a permanent Upper Division Clerk and officiating Accountant, Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Accounts Officer on ad-hoc basis in the same Division with effect from 22-8-1986 until further orders.

> I, V. GOVINDARAJAN, Administrative Officer-II.

THE PERSON AS ASSESSED FOR THE PARTY THE PARTY

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehm Dun, the 13th October 1986

No. 16/198/71-Ests.I.—On his attaining the age of superannuation Shri D. N. Bhatia Research Officer, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun retired from service with effect from the afternoon of 31-8-86.

J. N. SAXENA. Registrar

DIRECTORATE ENERAL OF INSPEC CUSTOMS OF CENTRAL EXCISE ENERAL OF INSPECTION

New Delhi, the 14th October 1986

No. 20/86 (C. No. 1041/48/86).—Shri H. T. Acharya, lately posted as Supdt. Group 'B' of Central Excise Collectorate, Ahmedabad on his appointment as Inspecting Officer Group 'B' vide this Directorate General Order No. 1041/47,84-W.R.U. dated 11-7-86 assumed charge of the post of Inspecting Officer Group 'B' in the W.R.U. of this Directorate General at Bombay w.c.f. 8-9-86 (forenoon).

No. 18/86 (C. No. 1041/39,86).—Shri D. Subrahmanyam lately posted as Superintendent of Central Excise Group B. in the Central Excise Collectorate, Hyderabad, on his appoint-

ment as Inspecting Officer Group 'B' vide this Directorate General order C No. 1041/47/84-Central Regional Unit dated 16-6-1986 assumed charge of the post of Inspecting Officer Group 'B' in the Central Regional Unit Directorate General of Inspection General of Inspection, Customs and Central Excise at Hyderabad w.e.f. 14-7-1986 (FN).

Director General of Inspection.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110 066, the 13th October 1986

No. A-19012/1161/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. Das Gupta, Jr. Engine-I to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc boss in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 20-6-1986 the forenoon of 20-6-1986.

M. R. SINGLF. Under Secy. (C)

KRISHNA CAUVERY CIRCLE

Hyderabad-500 001, the 22nd September 1986

Notice of termination of Service issuedu nder Rule 5(1) of the Central Civil Services (Temporary Services) Rules, 1965

No. KCC/A/20012/556/85/Adm/7338-43.—In pursuance of sub rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Services) Rules, 1965, I, V. V. RAMASARMA, Superintending Engineer, hereby gives notice to Shri Hæmcedullah Saurcef, Tracer hat his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on, or, as the case may be, tendered to him.

> V. V. RAMASARMA Superintending Engineer.

Regd. Post Ack, Duc. Tα

(1) Shri Hamecdullah Sharcef, Tracer, H. No. 11-2-570, Habibnagar,

Nampally, Hyderabad-500001

Shri Hameedullah Sharee Tracer,

H. No. 1-3-77/30, Quwafe-311, Islam St., M. G. Road, MEDAK-502 110

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES, In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s.

Bimcons Private Limited.

Hyderabad, the 9th October 1986

No. 1280/TA.III/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the names of M/s. Bimcons Private Limited, has the day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1955 and of Pioneer Chis and Finance Private Limited

Hyderabad-1, the 9th October 1986

Notification No. 2787/TA.HI/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Pioneer Chits and Finance Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and of M/s. Hyderabad Textiles Private Limited

Hyderabad, the 9th October 1986

No. 2034/TA.III/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act. 1956 that the name of M.s. Hyderabad Textiles Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sofarim Chemical Process Private Limited

Hyderabad-1, the 9th October 1986

No. 2429/TA.III/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Sofarim Chemical Process Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Labour, Economic & Personnel Services
Private Limited

Hyderabad-1, the 9th October 1986

No. 1697, TA.III/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Labour, Foonomic & Personnel Services Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Bhagyanagar Tools & Fabricators Private Limited

Hyderabad-1, the 9the October 1986

No. TA.III/560/3425.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Bhagyanagar Tools & Fabricators Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Hotel Sagarview Private Limited

Hyderabad-1, the 9th October 1986

No. 1340 TA.III/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Hotel Sagarview Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

R. K. BHATTACHARJEE Registrar of Companies Andhra Pradesh, Hyderabad

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Gulf Power & Energy Engg, Service Private Limited

Bombay-400 002, the 13th October 1986

No. 723/13134/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act. 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Gulf Power & Energy Engg. Service Private

Limited, unless is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Micro Peripherals Bombay Private Lamited

Bombay-400 002, the 13th October 1986

No. 721/32323/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Micro Peripherals Bombay Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Collins Watch Bracelets Mfg. Private Limited

Bombay-400 002, the 13th October 1986

No. 722/17261/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Collins Watch Bracelete Mfg. Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Ganesh Shipping Limited

Bombay-400 002, the 13th October 1986

No. 726/18966/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Ganesh Shipping Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Collins Watch Case Private Limited

Bombay-400 002, the 16th October 1986

No. 713/21795/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Collins Watch Case Private Limited, unless is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. RADHAKRISHNAN Addl, Registrar of Companies Maharashtra, Bombay-2

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Om Shiv Shakti Hotel Private Limited

Panaji Goa, the 15th October 1986

No. 463/560/(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Om Shiv Shakti Hotel Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

B. N. HARISH Registrar of Companies Goa, Daman & D²

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Jatrik Private Limited

Calcutta-20, the 16th October 1986

No. 22149/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Jatrik Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. A. G. V. Finance Private Limited

Calcutta-20, the 16th October 1986

No. 36577/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of A. G. V. Finance Private Limited has this day been struck off the Register and the sald Company dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. R. H. N. Choudhuri & Company Private Limited

Calcutta-20, the 16th October 1986

No. 17511/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. R. H. N. Choudhuri & Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Behar Development Corporation Private Limited

Calcutta-20, the 16th October 1986

No. 15179/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that the name of M/s. Behar Development Corporation Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Midnapore Loan & Trading Company Private Limited

Calcutta-20, the 16th October 1986

No. 12014/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Midnapore Loan & Trading Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Ralbow Industries Private Limited

Calcutta-20, the 16th October 1986

No. 21649/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Rainbow Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Rainbow Industries Private Limited

Calcutta-20, the 16th October 1986

No. 23156/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. West Bengal Salt & Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

N. N. MAULIK Addl. Registrar of Companies West Bengal

FORM ITNS-

- (1) M/s Chitrakut Properties Ltd.
- (Transferor) (Transferce)

(2) M/s I arsen Toubro Ltd.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J

Ahmedabad-380 009, tht 3rd Ocober 1986

Ref. No. TR-226/86-87/Sl.1255 I.A.C./Acq. R-J/Cal.-Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 71, sinated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at R.A. Calcutta under registration No. I-2913 dated 27-2-86, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforese's persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parameters. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the space No. 2A & 2B on 2nd floor at 71, Park Street, Calcutta Area 4803 sq. ft. and Car parking space at basement of the building. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1 2913 dated 27-2-86.

> I. K. GAYFN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L 54 Rafi Ahmed Kidwai Road Calcuttu-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

20-316 GJ/86

Date: 3-10-1986

Sen1 :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th September 1986

Ref. No. 4/Feb.86.-Whereas, I,

A. R. RFDDY. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovas the said Act.) have reason to believe that the able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No. 19. Flowers Road, Madras-10 situated at Madras-10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Punasawalkam/Doc. No. 353/86 in February 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the said Act or the Wealth-tax (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely;

(1) Sri V. Aswath 8/0 V. Sethurama Chetty, 19, Flowers Road, Kilpauk, Madras-10. (Transferor)

(2) Smt. Jyostnaben B. Patel, wo Babubhai Patel Mahaveer Colony, Rundalls Road, Vepery, Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever paried expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Horticultural land in R.S. No. 3119/3, No. 19, Flowers Road, Madras-10, Puraswalkam/Doc, No. 353/86.

A, R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 30-9-1986

PORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th September 1986

Ref. No. 2/Feb.86.—Whereas, I,

A R REDDY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

19, Flowers Road, Kilpauk, Madras-10, situated at Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Purasawalkam/Doc. No. 364/86 to 375/86 in February 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) or section 269D of the said Act to the following persons, namely:— (1) Sri V. Emberumannar Chetty and others, No. 19, Flowers Road, Madras-10.

(Transferor)

(2) Mr. Jignesh R. Zaveri, 7. Brithapet Road, Vapery, Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 1/12th undivided share in the property bearing New Door No. 19. Flowers Road, Kill tauk, Madras-

Purasawalkam/Doc, No. 364 to 375/86,

A, R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 30-9-1986

Scal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

GFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACGUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th September 1986

Ref. No. 1/Feb.86.—Whereas, I.

transfer with the object of :--

A, R. REDDY.

being the Con-potent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 8,

19, Flowers Read. Kilpauk, Madras-10, situated at Madras-10 (and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Purasawalk my Dac. No. 361/86 in February 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the eforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen received of such apparent consideration and that the consider the for such transfer as agreed to between the parties has not been unly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri V. Ramesh, No. 19, Flowers Road, Madras-84.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Banumathi P. Shah,
No. 236, Thambu Chetty St., Madras-1,
2. Mrs. Yashodhara Y. Shah,
3. Mrs. Madhukantha K. Doshi, Arihant

Arihant Apart-

Both residing at No. 22, Raja Annamulai Road, Madras-84.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land Plot No. 8, No. 19, Flower's Road, Kilpauk, Madras, with building.

Purasawalkam/Doc. No. 361/86.

A, R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :--

Date: 30-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-U MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th September 1986

Ref. No. 4/Fcb.86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as as the 'said Act') have reason (6 believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Horticultural land in R.S. No. 3119/3, 19. Flowers Road. Kilpauk, Madras-10, situated at Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Purasawalkam Doc. No 232/86 in February 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

of 1908) in the office of the registering officer at Purasawalkam, Doc. No 232/86 in February 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes fo the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I before initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri V. Aswath 8/0 V. Sethurama Chetty, 19. Flowers Road, Kilpauk Madras-10.

(Transferor)

(2) Smt, Pushpaben C. Doshi w/o Chandrakant Doshi, No. 41, Ritherdon Road, Veprcy, Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Horticultural land in No. 19, Flowers Road, Madras-10. Purasawalkam/Doc. No. 232/86.

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 30-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th September 1986

Ref. No. 5/Feb/86.-Whereas, I, A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Vacant land in 5. Cenotaph Road,

situated at Teynampet, Madras-18, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 129/86 in February 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and t have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Anne Alaganan, Fankajam Cottage, Munnar High Range, Kerala State.

(Transferor)

Mrs. Kalyani Thomas. 15A, Boat Club Road, Adyar, Madras-28,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons with na period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

t:XPLANATION:—The terms and expressions used herein as shall have the same meaning as given in that Characi.

THE SCHEDULE

Vacant land in Plot No. 5, Cenotaph Road, Teynampet, Madras-18.

Madras Central/Doc. No. 129/86.

A, R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 30-9-1986

CHOM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th September 1986

Ref. No. 7/Feb/86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceedings
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
65A and new No. 86, 4th Main Read,
situated at Gandhinagar Adayar: Madras-20,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registration Officer at
Madras South/Doc. No. 322/86 in February 1986,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent of nsideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. 2 the Westin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Vijaya Sundaram, w/o R. Sundaram,
 P. A. Seshambai, w/o N. K. Subramaniam,
 3T. Millers First Cross, Bangalore-560 046.

(Transferor)
(2) Smt. Nirmala Santhanam, w/o K. Santhanam,
34, Hindi Prachar Sabha St., T. Nagar, Madras-17.
(Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: 4th Main Road, Gandhi Nagar, T.S No. 11, Block No. 1 Adayar, Madras-20.

Madras South Doc. No. 322/86.

A, R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Madras-600 005

Date : 30-9-1986

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th September 1986

Ref. No. 8/Feb.86.-Whereas, I, A. R. REDDY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reprired to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 58, First Main Road, CIT Nagar, situated at Nandanam,

Madrag-600 035.

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot Madras South/Doc. No. 503/86 in February 1986, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri M. A. Krishaamurthy, 55, birst Main Road, CIT Nagar, Madras 35.

(Transferor)

(2) Sri K. Mahadevan, No. 4, North Road, West CIT CIT Nagar, Madras-35

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovalse property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defized in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Land and building 58, (Old Plot No. 15), First Main Road, CIT Nagar, Nandanam, Madras-35.

Madras South/Doc. No. 503/86.

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 30-9-1986

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th September 1986

Ref. No. 10-Feb.86.—Whereas. I, A. R. REDDY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

145, Sterling Road, Nungambakkam, situated at Madras-34, (and more fully described in the Schedule annoxed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Madras North/Doc. No. 688/86 in February 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than officers per control of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any in one arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets Alack have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition or the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--21-316 GI/86

(1) M/s Soundararajan and Co. P. Ltd. 144 and 145, Sterling Road, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferor)

(2) M·s Aljuna Sugars Ltd., 145, Sterling Road, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building Lour no. 145, Sterling Road, Nungambakkam, Madras-34,

Madras North/Doc. No. 688/86.

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 30-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF . INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th October 1986

Ref. No. 4/February/86.—Whereas, I. R. JANAKIRAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing
No. 12, Errabalu Chetty Street, Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Madras North (Doc. No. 573/86 and 574/86). in February 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the comideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (1) Mrs. Roxsana Zackria. Mrs. Asma Akthar, Mrs. Anisa Noor Jaffer, 12, Lady Curzon Road, Bangalore-560 001.

(Transferor)

(2) 1. Vipinchandra S. Davey,
 12. Errabalu Chetty St., Madras-1.
 2. Sri Husseini Masaliya,

128, Angappa Naicken St., Madras.
3. Moizbhai Asgarbhai,
55, Mufuskhan Garden Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b). facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building at Door No. 12, Errabalu Chetty Sircet, Madras-1 (Doc. No. 573 and 574/86).

THE SCHEDULE

R. JANAKIRAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-cction (1) of Section 269D of the said Act to the following lersons namely:—

Date: 10-10-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 6th October 1986

Ref. No. 2/Feb/86.—Whereas, I,
A. SELVARAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
ot as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property baving a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
R.S. No. 282/45-1, 31. 27 to 29
situated at Surulakodu Village and Ponmalai Village,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer at
Sub-Registrar, Thiruvallar (Doc. No. 424 to 427 and 459
and 460 and 86) in February 1986,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the fransferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Iddikkula Abraham,
 S/o Sanni Abraham
 Vains Compound, Home Set Pilangilav,
 Nandancode.

(Transferor)

(2) Shri A. George and others, TC 24/222, Thaikkadu Word, Valuthakkadu, Changalachery, K. K. District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARMANATION — the reams and expression used acrein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site.

A. SELVARAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range i/c Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-10-1986.

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE **JAIPUR**

Jaipur, the 30th September 1986

Ref. No.: Raj./IAC(Acq.)/2702.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable research to be action of the competence of the property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

and bearing
Nahata Building situated at Jodhpur
(and more fully described in the Schedule annexed heretc.),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur
in 20th February, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
infleen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of: transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-election (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: persons, namely :-

(1) Shri Nirmal Chand S/o Shri Som Chand Bhandari R/o Kharadio Ka Bass, Jodhpur

(Transferor)

(2) S/Shri Kiran Chand Jagdish Kumar, Anil Kumar Sons Shri Jawaharmal and Smt. Kiran Kanwar, Smt. Vecna, Smt. Recta Shri Ajay Kumar and Shri Akshya Kumar R o 8 Neni Appa Naikon Street, Secon floor,

(Transforce)

(3) Shri Hanumandass, Shri Lal Singh, Shri Prem Arora,

Madras,

Shri Sambhu Nath Bhandari, Shri Nank Singh Duggar, Shri Subhash Chand and

may be made in writing to the undersigned :-

Shri Sohan Raj Chopra (Tenant). (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share of property Nahata Building, Jalori Gate, Chopsani Koad, Jodhpur, well described in Sale—Deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide registration No. 817 dated 20-2-86.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jaipur

Date: 30-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 30th September 1986

Rel. No.: Raj./IAC(Acq.)/2703.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Nahata Building situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur in 20th February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- in) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Rikhab Chand S/o Shri Som Chand Bhandari R/o Kharadio Ka Bass, Jodhpur,

(Transferor)

(2) Shri Kiran Chand Jagdish Kumar, Shri Anil Kumar son of

Shri Jawaharmal,

Smt. Kiran Kanwar, Smt. Veena,

Smt. Reeta and Shri Ajay Kumar and Shri Akshya Kumar

R/o 8 Neni Appa Nayakon Street,

Madras.

(Transferce)

(3) Shri Laxminarain and Shri Ramdass Urf. Ranidass saad (Tenant).

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANAMON: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share of property Nahata Building, Jallori Gate, Chopsani Road, Jodhpur, well described in Salc—Deed registered by Sub. Registrar, Jodhpur vide Registration No. 818 dated

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jaipur

Date: 30-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **JAIPUR**

Jaipur, the 30th September 1986

No.: Raj./IAC(Acq.)/2701.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Nahata Building situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur in 20th February, 1986

for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Mohan Exports India Pvt. Ltd., (1) Snri Nirmal Chand S/o Shri Som Chand Bhandari and Rikhab Chand S/o Shri Som Chandji Bhandari,

R/o Khairadio Ka bas,

lodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Kiran Chand Jagdish Kumar S, o Shri Jawaharmal

Smt. Kiran Kanwar,

Smt. Veena.

(Transferee)

Smt. Reeta, Shri Ajay Kumar and Shri Ajay Kumar R/o Neni Appa Nayagan Street,

Second Floor, Mndras.

(Transferee)

(3) Shri Ashok Gandhi and Central Bank of India, Jodhpur.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period at 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Jalori Gate "Nahata Building" Chopsani Road, Jodhpur, more fully described in Sale-Deed registered by the Sub-Registrar Jodhpur vide Registration No. 819 dated 20-2-86.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jainur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid preperty by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1986

Ref. No. KHR/76/85-86.—Whereas, I. DOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding, Rs. 1,00,000/- and bearing No. In lustrial Shed No. B-23 situated at Phase 3, Mohali Tch.

Kharar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kharar in February, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the cansideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 M/s Aryan Pvt. Ltd., Mobali Teh. Kharar Dist. Ropar through S. Harnam Singh S/o S. Dial Singh Managing Director R/o B/23, Industrial Area Mohali Teh. Kharar Distt. Ropar.

(Transferor)

M/S Sukhar Enterprises (Share Holder)
 Smt. Sukhdev Kaur wd/o Sh. Amarjit Singh Soni
 Smt. Harcharan Kaur w/o S. Tejinder Singh Soni, w/o S. Jaspal Singh Soni
 St. Harpal Kaur w/o S. Jaspal Singh Soni, R/o 4-Princep Street, Calcutta-72.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days and the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. B-23 Phase 3, Mohali Teh. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 5781 of Feb. 1986 of the Registering Authority Kharar Distt. Ropar.)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I udhiana

Date : 8-10-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (41 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1986

Ref. No. IA/Raj/85-86/RAJ/9|85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land measuring 1100 sq. yds. situated at Rajpura and Ban-

wari Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajpura in February, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to besieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/S Dalmia Biscuits Private Limited (formerly known as M/S Patiala Biscuit Manufacturets Ltd.) Registered Office at Rajpura, District Patiala.

(Transferor)

(2) M/S Punjab Calibre Builders (P) Limited, Registered Office at Patiala Century Enclave, Nr. PRTC Workshop, Nabha Road, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as.

are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1100 sq. yds. in Rajpura and Banwari Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3792 of Feb. 1986 of the Registering Authority Rajpura.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rance
Ludhiana

Date: 8-10-1986

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1986

Ref. No. RAJ/1/86-87.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land measuring 500 sq. yds. situated at Rajpura and Banwati

Distt. Patlala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajpua in August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for use purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— 22-316 GI/86

(1) Sh. H. S. Sidhu Manager of M/S Dalmia Biscuits Private Limited (formerly known as M/S Patiala Biscuit Manufacturers Ltd.) Registered Office at Rajpura, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Janak Dulari W/o Sh. Prem Chand and Sh. Suriit Rai S/o Sh. Gian Chand. R/o 5J/13. Gobind Colony Rajpura, Distt. Patialo.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Galette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested he the said immaov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 500 sq. yds. in Rajpura and Banwari Distr.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2027 of August, 1986 of the Registering Authority, Rajnura.)

> JOGINDER SING Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date : 8-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCLASS TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

TOTALL CARRYL OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMESIONER OF INCOMETAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1986

Rcf. No. RAJ22/86-87.—Whereas, 1, JDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Lacorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land measuring 2B-3B and 1 Kanal 18 Marla situated at Banwari and Rajpura Distt. Patiala.

nativati and kajpina Dist. Patiala. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajpina in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evision of the thiblilly of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the conceaument of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1) or the said Act. or the Wesleh-ray Aut. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, to pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby indicate proceedings for the acquisition of the aforesaid properly by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

 Sh. H. S. Sidhu, Manager of M/S Dalmia Biscuits Private Limited (formerly known as M/S Patiala Biscuit Manufacturers Ltd.) Registered Office at Rajpura, Diet Patiala Distt. Patiala.

(Transferor) R/o Sham Nagar Rajpura,
4. Sh. Piara Singh /o Sh. Nathu Ram,
R/o Sham Nagar Rajpura,
5. Sh. Partap Singh S/o S. Ganda Singh,
R o Sham Nagar Rajpura,
6. Chempit Slaph 6. Sh. Charanjit Singh, 7. Sh. Rattan Singh SS/o Sh. S. Santa Singh, 7. Sh. Rattan Singh SS/o Sh S. Santa Singh, Ro Sham Nagar Rajpura.
8. Sh. Kartar Singh S/o Sh. S. Sewa Singh, R o 21. Officer Colony Patiala,
9. Smt. Pritpel Kaur W/o Sh. Kurtar Singh, R/o 21. Officer Colony Patiala.
10. Smt. Charanjit Kaur W/o S. Odrjit Singh, R o Ajnali Gobindgarh, Distt. Patlala,
11. Smt. Raipal Graiwal W/o Sh. S. Jaghir Singh, R/o Ajnali Gobindgarh, Distt. Patlala,
12. Sh. Shasi Bhushan S/o Sh. Satparkash and
13. Sh. Parkash Chand S o Sh. Chhota Lal, R/o Patlala.

R/o Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, lokever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazatte.

Explanation:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Cherter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2B-3B and 1 Kanal 18 Marla in Vill. Bonwari and Rajpura Distt. Patiala. (The property as mentioned in the deed No. 2398 of Sept. 1.86 of the Registering Authority Rajpura.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Ludhiana

8-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ARSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BANGALORE

Bangalore-560 001, the 8th October 1986

C. R. No. 62/R.1958/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, J. K. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 22, Apartment No. 301 situated at III Floor. Laneford Gardens Bangalore

langford Gardens Bangalore (and morefully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the Office of the Registering Office at with the competent authory under Section 269AB, in this office at Bengalore on 4-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mrs. Parvathi Shetty No. 38, 5th Main, III Block Jayalaxmipuram, Mysore-12.

(Transfero)

(2) M.s. United Breweries 1.td., No. 24, Grant Road, Bangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. R. 1958 dated 4-2-86) Property built area admeasuring 1780 sq. ft. at Longford House No. 22, Apartment No. 301, III floor, longford Gardens, Baugalore.

> J. K. RAO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ranca Bangalore

Date: 8-10-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560 001, the 8th October 1986

C. R. No. 62/50016/85-86/ACQ/B.-Whereas, I,

1 K. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
16/A, Binny Crescent B'lore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been (ransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Shri Ramesh P. Khanna 16/5, Binny Crescent, Benson Town, B'lore.

(Transferor)

 Mrs. Saroj Bagaria, W/o Mr. Santosh K. Bagaria, E-80, Massjed Moth Scheme, New Delhi- 110048.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Cefficial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in. that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3/180 dated 17-2-1986) 16/A, Binny Crescent, Benson down, B'lore.

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 8-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. V. S. Ramachandra Mudaliar 2. V. R. Sundara Murthy, No. 12, Infantry Road, Blore 1.

(Transferor)

(2) Mr. Ziaulla Sheriff, No. 15/2, Primrose Road, B'lore-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560 001, the 8th October 1986

C. R. No. 62/50084/86-87/ACQ B.—Whereas, I, J. K. RAO. being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 36 situated at Kasturbai Cross Road, old 19-L, Lavelle Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (1) or 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 3-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 3600/-85-86 dated 3-2-86) 36, Kasturbai Cross Road, Old 19-L, Lavelle Road, B'blore,

THE SCHEDULE

J. K. RAO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-ald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore, 560 001, the 8th October 1986

No. 62/50030/86-87/ACQ/B.—Whereas, I. J. K. RAO. being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 5010, Palace Road, Blore city
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 116 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Hangalore on 7-3-1986

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Power Cables (Pvt. Ltd., Rep. by Finance Director Mr. Satish Mehra, No. 20A, Camac Sheet, Calcutta-16.

Transferor 1

(2) M. S. Suresh & others No. 106, I. N. Block, Rajaji nagar, Bangalore.

Transferce (5)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undewigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interesed in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3116 dated 21-2-86) No. 50/10, Palace, Road, Bangalore City.

J. K. RAO ${\color{red} \textbf{Competent}_\textbf{Authority}}$ Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 8-10-1986 - Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-308 009, the 26th September 1986

Ref. No. P. R. No. 4729 Acq.23/II/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refetred to as the 'said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Forms No. 37EE are submited Flats at Jatalpur Survey No. 563/1/3 & 64/2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) in the office of the undersigned on September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more like lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which itave not been or which ought to be discosed by the transferrer to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C or the saurance of the large Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, stamely:—

(1) Smt. Ramaben. S. Zaveri 'Trushna' Milan Socy. Race Course, Baroda.

(Transferor)

(2) Smt. Vidyaben Shantilal Shah 'Janardan Cold Storage Co.op. Ltd. Smita Kiritkumar Amin, Milian Society Race Course, Baroda,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcaton of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XKA of the said Assembly shall have the sains meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Forms No. 37EE are submitted in the office of the undersigned in September, 1986.

B. R. KAUSHIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedab. !

Date: 12-9-86.

PORM ITNS-

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME PAX ACT, 1961 (41 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Chandra Kantilal Mehta At 1/3887 Rooghnathpura Thobhasheri, Surat.

The state of the s

(Transferor)

(2) Sudha Shiv Gandhi Rawa H. Gotar, At 4/328, Dudhara Sheri, Begampura, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380-009, the 26th September 1986

Ref. No. P.R. No. 4730/Acq.23/H/86-87.—Whereas, I. B. R. KAUSHIK, bein the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shed at Kntargam S. No. 4665, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or eventen of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The documents were revd. at S.R. Surat vide No. 7355 and 7354 dt. 10-9-1986.

B. R. KAUSHIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-usetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380-009, the 26th September 1986

Ret. No. P.R. No. 4731/Acq.23/11/86-87.—Whereas, IB. R. KAUSHIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/- and hearing No.

as he said Act.), having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Building at Surat Ward No. 9, Nondh No. 1862 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 17-9-1986

ter an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as sforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Miraben Muheshchandra & Others Ratan Co.op. Hsg. Socy., Third Floor, Gopipura, Surat.

(Transferor)

 Dhirajlal Gopaldas Suratwala & Others Raghunath Maharaj Street, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S. R. Surat vide No. 7483 dt. 17-9-1986.

B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissione_r of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. Pamely:—23—316 GI/86

Date: 26-9-1986

FORM LT.N.S.-

p. gen a two of byter to any material agree (Material Agree of Material Agree of

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME-TAX ACA, 1961-(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 26th September 1986

Ref. No. P.R. No. 4732/Acq.23/II/86-87.—Whereas, I. B. R. KAUSHIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 or 1961) (hereinstter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land at Udhana, Surat S. No. 190 Adm. 4249 sq. ft. i.e.

5080 sq. yd.

and more fully described in Form No. 37EE is submitted

in the office of the undersigned on 26-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair to as the 'said Act') have reason to believe that the immovmarket value of the aforesaid property, and I have reason afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the provise beautiful to the residues the provise beautiful to the residues th ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Dahyabhai R. Patel & 3 others Sonawala Bldg. No. 8, E-65, Tardeo, Bombay-400 007.

(Transferor)

(2) M/s, Mistry Sidhpura Patel & Associated 10-D, Tardey Road, Bombay-400 034.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE was submitted in the office of the undersigned on 26-9-1986.

> B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, nomely ---

Date: 26-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Narayan G. Sathe, 1437, Shukrawui Peth, Pune-2.

(2) Amrit Enterprises, 1025, Sadashiv Peth, Pune-30,

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th October 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/7239/1985-86.—Whereas, I. ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 161, Survey No. 26/1 to 4 Dahanukar Colony, Kothrud, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered U/s 269AB of the said Act

in the O/o the Competent Authority at IAC. Acqn. Range, Pune on 17th Feb., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Compter NXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 161, Survey No. 26/1 to 4 Dahanukar Colony, Kothrud, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range Pune, under document No. 37EE/7239/1985-86 in the month of Feb., 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-10-1986

and the control of th

FORM JINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th October 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/7646/1985-86.—Whereas, I, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Property situated at Survey No. 817, Sadashiv Peth, Punc

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered U/s 269AB of the said A.t in the O/o the Competent Authority at IAC, Acqu. Range, Pune on 25th Feb., 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason a believe that the fair market value of the property of atorogula exceeds the apparent consideration therefor by more than either per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insumment of consideration with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt, Anandibai Keshav Datar & Shri Ganesh Keshav Datar, 24, Neelkanth Apartment, Chembur, Bombay.

(Transferor)

 P. K. Deore & Associates, 48-B, Raksha Lekha Society, Dhankwadi, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of ordice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Survey No. 817, Sadashiv Peth, Pune. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range Pune. under document. No. 7645/1985.86 in the month of Feb. 1986)

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Pune

Date: 16-10-1986

NOTICF UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th September 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37G/186/1986-87.—Whereas, I. ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aut, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, Mangaldas Road, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S.R. Haveli in April, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Ast, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Dolly Rashid Engineer & Others Hermes Park Co-operative Housing Society, Bund Garden Road, Pune.

(Transferor)

(2) Chairman Neeta Terrace Co-operative Housing Society Ltd.,
Chairman Lalitkumar Kesarimal Jain,
2, Mangaldas Road,
Pune

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2, Mangaldas Road, Punc-1. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub-Registrar, Haveli, under document No. 37G/186/1986-87 in the month of April, 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range

Date: 4-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 3rd September 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/10950/86-86.—Whereas, I. ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Land, Bldg., Plant Machineries, Spares and Tools, situated at Plot No. 18 & 21, MAFCO-APM-YARD, Vashi, New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and lor
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- Mchul Ice & Cold Storage Co. Pvt. Ltd. F-1, Goragandhi Apartment, Chandavarkar Road, Borivli (W). Bombay-400 092.
- (Transferor)
 (2) Shri Wama Sahakari Dudh Utpadak Prakriya
 Sangh Ltd.
 Amrut Nagar,
 Wama, Dist, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Land, Building, Plant, Machineries, Spares and Tools, situated at Plot No. 18 & 21, MAFCO-APM-YARD, Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqn, Range, Pune under document No. 37EF/10950/85-86 in the month of Feb., 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune

Date: 3-9-1986

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Punc, the 8th August 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/896/86-87.-Whereas, J. ANJAN1 KUMAR, being the Competent Authorny under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Final Plot No. 157 of TPS-1, of Thane S. No. 99/4, 98/5 98-C and 98/2 / CTS No. 1497, 1499 to 1507 situated at

fund more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn.

Range, Pune on June, 86 I.A.C. Acqn. Range, Pune on June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the consenion of any income or any party velors of their same which have not been on which pught to be desired by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following tereous, namely :----

(1) Shei Mukesh Ramful Gupta & Others, 144, Manoj Kunj, Flat No. 7. Schapati Bapat Marg, Bombay-400 016.

(Transferor)

(2) M/s. Mchta Enterprises, Rajgor House, 339, Lohar Ali, Ghendani, Thane-1

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as Panch Pakhadi, Village Naupade, Thane bearing original Plot No. 265 and 266 of TPS No. 1 of Thane and Final Plot No. 157 of T.P.S. No. 1 of Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range, Pune under document No. 37EF/986/85-87 in the month of lune, 1986).

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Pitne

Date: 8-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) OOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th August 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37G/230|86-87. Whereas, I. ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 227 at S. No. 219, Hissa No. 1, Village Sansari, Lam Road, Deolali situated at Deolali Camp, Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.A.C. Acqn. Range, Pune in March, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not occurrence of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evaluate at the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising trues the transferand/or
- noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rameshchandra Devchand Shah & Others, 36/37, 3rd Floor, 273, Shahid Bhagatsingh Rd., Fort, Bombay.

(Transferor)

 Sri Maharaj Krishan Birmani, 'Deepak Mahal', 227, Lam Road, Deolali Camp, Dist, Nasik,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULF

Property known as 'Deepak Mahal', Holding No. 227 situated on Survey No. 219, Hissa No. 1 of Village Sansari, Lam Road, Deolali Camp, Dist. Nasik.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 37G/230/86-87 in the month of March, 86).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune

Date: 29-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Vijay L. Belani through His Power of Attorney Dr. B. D. Belani,

(Transferor)

(2) Mos. Pritam Kaur C/o Hydel Constructions Pvt. Ltd., 78, Nehru Place, New Delhi-110 019.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1986

Ref. No. IAC/Acq/IV/37EE/2-86/11.— Whereas, I. D. K. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing Apartment No. 4. Block Diwan Shree, 30 situated at Fenozeshah Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Rangel, New Delhi on Feb., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 4, Block Diwan Shree 30, Perozeshah Road, New Delhi Leasehold.

D. K. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—24—316 GI/86

Date: 11-9-1986

[PART III—SEC. 1

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

25116

(1) Narang Industries Limited 3, Dr. G. C. Narang Road, Delhi-7.

(Transferor)

(2) Gay Properties Pvt. Limited. 8C/6 WFA, Karol Bagh, New Delhi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1986

Rcf. No. IAC/Acq/IV/37EE/2-86/12.—Whereas, I, D. K. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing.

7.18 Acres at Village Jonapur Tehsil Mehrauli New Delhi situated at Khasra No. 42|10, 42|11|2, 43|4|2, 43|5, 43|6, 43/7, Half Share in Mustatil No. 42, Kila No. 1, 2 and 3/4.

Part of kila No. 1, 2 and 3|1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi in Feb. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7.18 Acres at Village Jonapur Tchsil Mchrauli, New Delhi, Free-hold. Khasra Nes. 42|10, 42|11|2, 43|4|2, 43|5, 43|6, 43|7, 1 share in Mustatil No. 42, Kilu No. 1, 2 and 3/1, Part of Kila Nos, 1, 2 and 3 1.

> D. K. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Delhi/New Delhi

Now, therefore, he pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sucressaud property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following portous, manachy :---

Date: 11-9-1986

------FORM ITNS-

IOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

PFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1986

Flat No. 7 on the 6th first of proposed multistered group itoleyed group Housing Scheme Adishawar Apartmens 24.

Housing Scheme Adishawar Apartmens 24, Housing Scheme Adishawar Apartmens 24, Housing Scheme Adishawar Apartmens, 24, Force 10th Kead, New Delhi, situated at May with and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at 1.T. Act, 1961 IAC Range-1. New Delhi in Feb., 1986

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen percent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument with the object of :--

(1) M/s. Kaliash Nath & Associates. 1006, Kanchehnjunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi-110 001.

(Tansferor)

(2) Mrs. Bimla Jam R/o Todar Mal Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insurable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

Residential flat plinth area 1600 sq. ft. on Flat No. 7 on 6th floor of proposed multistoreyed Group Housing Scheme 'ADISHWAR APARTMENTS' at 34, Ferozeshah Road, New Delhi Leasehold, Property under construction,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. K. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :-

Date: 11-9-1986

DI SAN CARRELLO E AUTO Company de la company de la CONTRO DE MANAGES DE LA CONTRO DEL CONTRO DE LA CONTRO DEL CONTRO DELLA CONTRO DELLA CONTRO DE LA CONTRO DELLA CONTRO DELA CONTRO DELLA CONTRO DELLA CONTRO DELLA CONTRO DELLA CONTRO DELL

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-Λ, ASAF ATT ROAD, NEW DELHT

New Delhi, the 11th September 1986

Rcf. No. IAC/Acq.IV/37-EE/2-86/14.--Whereas, 1, D. K. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Aparament No. AP-791, Block A' Dalmia Vihar, Village
Brijwasan, Tehsil Mehrauli situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office

of the Registering at I. T. Act 1901 IAC Range I, New Delhi in Feb., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proverty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (%) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1967).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I heraby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Dalmia Dairy Industries Ltd., 11-ABC Atma Ram House, 1 Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Chander Merani, 281 Green Moor PL, Thousand Oaks C.A.-91361, USA.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pent House Apartment No. AP-701, B Vihar Village Brijwasan Tehsil Mehrauli,

' in Dalmia Delhi.

D. K. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Delhi/New Delhi

Date: 11-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1986

Ref. No. IAC/Acq./R-IV/SR-III/2-86/5.—Whereas, I, D. K. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incime-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

3 Bigha 18 Biswas, Khasra No. 601, Khetauni No. 492, Village Dera Mandi, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act. 1961 in the Office of the Registering at

at I. T. Act 1961 IAC Range I, New Delhi in Feb., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/en

(b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Mam Chand, s/o Shri Hukam Singh, H. No. 60, Tamur Nagar, New Delhi.

(Transferor) (2) M/s United Technical Consultants Pvt. Ltd., United House, 6 Community Centre, Saket, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as EXPLANATION:—The terms and expression given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 3 bigha 18 Biswas Khasra No. 601, Khatauni No. 492, Village Dera Mandi Tehsil Mehrauli, New Delhi.

> D. K. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Delhi/New Delhi

Date: 11-9-1986

(1) M/s. Jupiter Exports.

(Transferor)

(2) Smt. Bharti Mukund Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st October 1986

No. AR-I/37EE/9923.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- und bearing

Flat No. 111 on 14th floor Mount Unique, 62-A, Peddar

Road, Bombay-400 026

situated at Bombat (and more fully described in the Schedule

annexed hereto)

has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 4-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any racing the conceaning of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1322 (11 of 1922) or the said Act, or the Weatth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Flat No. 111 on 14th Floor, Mount Unique, 62-A, Peddar Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/9319/85-86 on 4-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority aspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 1-10-1986

FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Rajkumari Bhagi, Mr. Des Raj Bhagi and Mr. Vijay D. Bhagi,

__ - ____

(Transferor)

(2) Dr. Vijay Z. Belani, Mrs. Kala B. Belani and Mrs. Rouchyka Belani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd October 1986

No. AR-I/37EE/9932.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat at Persepolis at Custee Parade, Flat No. 144, 14th Floor

Bombay-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 4-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Persepoilis situated at Cuffe Parade, Flat No. 144, 14th Floor Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/9329/85-86 on 4-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ;-

Dute: 3-10 1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Rusiklat K. Parekh. Smt. Taramati R. Parekh.

(Transferor)

(2) Shri Dineshkumar V. Dattani, Shri Aniflumar V. Dattani, Shri Pacshkumar V. Dattani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st October 1986

No. AR-I/37EE/9934/85-86.—Whereas, I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Room Nos. 1 &2 on 3rd floor, Tribhuvan Building CHSL,
1/3 Kalbadevi Roud, Vijay Vallabh Chowk (Pydhonic)

Bombay-400 002 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the 'ncome-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 4-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice to the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Room Nos. 1 & 2 on 3rd floor, Tribhuvan Co-op Housing Society Limited. 1/3, Kalbadevi Road, Vijay Vallabh Chowk (Pv Ihonie), Bombay-400 002.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombuy, under No. AR-1/37EE/9331/85-86 on 4-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manualy

Date: 1-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th October 1986

Ref. No. AR-1/37EE/9936.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 122, 12th Floor, Kalpavarkaksha Co-operative
Society Ltd., 27 Ridge Road, Bombay-400 006

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 4-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
25—316 GI/86

(1) Shri Anantrai Prataprai Mehta, Shri Jayraj Anantrai Mehta and Shri Deepak Anantrai Mehta.

(Transferor)

(2) Smt. Vinyala Kamalchand Kothari.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)

(4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority. Rombay, under No. AR-1/37FF/9936/85-86 on 6-10-1986.

NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-10-1986

Seal ;

(1) M/s Chimanlal Bhogilal.

(Transferor)

(2) M/s Pragji Mulji & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st October 1986

No. AR-I/37HE/9950/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Godown Shed situated in Unit No. 4 and Unit No. 6 in Gulzare Kasmi Estate at Mazagaon, Bombay, C.S. No. 100 (pt.) and 127 (pt.) of Mazgaon Division,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property muy be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Godown Shed situated in Unit No. 4 and Unit No. 6 in łulzara Kosami Estate at Mazagaon, Bombay-10, C. S. No. 00 (pt.) and 127 (pt.) of Mazagaon Division.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-I/37EE/9346/85-86 on Competent 4-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

N.w., therefore, in pursuance of Section 269C of the said t. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ~епзоп≴, namely :—

Date: 1-101986

(1) Shri Jawarilal C. Jain, Smt. Chhaya J. Jain.

(Transferor) (2) Shri Paresh R Shah and Smt. Shilpa P. Shah. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 25th September 1986

No. AR-I/37EE/9964/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 81 on 8th floor, Pushpakunj Building, Tardeo Road, Bombay, C.S. No. 405 of Tardeo Divn.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of wansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any incom- or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improve able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 81 on 8th floor, PUSHPAKUNJ BUILDING, Tardeo Road, Bombay, C.S. No. 405 of Tardeo Division.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9358/85-86 on 5-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-9-1986

(1) M/s. Bharat Engineering Works (India).

(Transferor)

(2) Prem N. Raney (HUF.).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 29th September 1986

No. AR-I/37EE/9998/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Show-room (Godown) No. 10, 43, New Marine Lines, Rear side of Marine Chambers, Bombay-20,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-2-1986

ter an apparent consideration which is less than the tair arrithet value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Show-room (Godown) No. 10 on rear side of Marine Chambers, 43, New Marine Lines, Bombay-400 020.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9388/85-86 on 10-2-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-9-1986

阿尔纳 作网络。

(1) Mrs. Sita R. Kanjani, Mrs. Kani J. Kanjani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 25th September 1986

No. AR-1/37EE/10036/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

Being the Competent Authority under Section 269B of the issuemental Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the iramevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 26, Gr. floor, Manish Market, Palton Road,

Bombay-400 001, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 11-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay the image the said Act, in respect of any income unlains from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mrs. Komalam R. Nair, Mrs. Devayani R. Nair, Muster Suresh R. Nair, Master Mahesh R. Nair, Muster Manok P. Nair, father and Natural Guardian Mr. Prabhakar Nair.

(Transferee)

Transfererors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 26, Ground floor, Manish Market, Palton Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/9424/85-86 on 11-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone, namely :--

Date: 25-9-1986

FORM ITNS...

(1) L. G. Chhabria,

(2) Shantilal Lunkund.

(Transferor)

(Transferes).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 26th September 1986

No. AR-I/37EE/10038/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 43, 12-A Foreshore Road,

Bombay-400 001,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 11-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perties has not been trul-stated in the said instrument of tracefor with the object o. -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 43, 4th floor, Advent Building, 12-A Foreshore Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9426/85-86 on 11-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 26-9-1986

- (1) Tatanagar Transport Corporation.
- (Transferor)
- (2) Goods Transport Labour Board.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st October 1986

No. AR-I/37EE/10052/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetate Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Office premises No. 102/103, Steel Chambers, 1st floor, Broach St., Bombay-400 009, attracted at Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same as registered under Sec tion 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 12-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office premises Nos. 102/103, 1st floor, Steel Chambers, Broach Street, Bombay-400 009.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9440/85-86 on 12-2-1986

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said month of '154 pies sq. 10 (1607 nonces) to (1) nonces aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ing persons, namely :-

Date: 1-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Malay S Shah.

(Transferor)

(2) Chardulal Mandial Sheth & Sons.

due by made in writing to the undersigned :-

Smt. Vilya S. Shah &

(Transferee)

(3) Transferors (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J ВОМВАУ

Bombay, the 25th September 1986

Ref. No. AR-1/37EE/10059/85-86.--Wheras, J, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 26918 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 43, 4th floor, Mody Bhuyan, Pandita Rambai Marg,

Bombay-400 007

transfer with the object of :---

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in he Office of the Competent Authority at Bombay on 12-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said increment of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the pusy-oses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the estroice of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date at the publication of this notice in the 130000

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 43, 4th floor, Mody Bhuvan, Pandita Rambai Marg, Bombay-7.

The agreement has ben registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/9448/85-86 on 12-2-86.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 25-9-1986

FORM ITNS-

(1) Mr. Praful Jamohandas Mehta & Mrs. Panna P. Mehta.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mi, J. C. Shah & Others,

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st October 1986

Ref. No. AR-1/37EE · 10062, 85-86.—Whereas, 1, NISAR AHMÉD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 71 on the 7th Floor in Maker Tower I.

Cuffee Parade, Pombay-400 005

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in he Office of the Congretal Authority at Bombay on 12-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resp.ct of Auly arcoine arming from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FERPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 71 on the 7th Floor in Maker Tower I, Cuffee Parade, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/9451/85-86 on 12-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, amely :-

26 - 316 G1/86

Date: 1-10-1986

- (1) M/a. B. Jamasji Mistry Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Shernaz B. Poonawala & Ora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 29th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10068/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,009/- and bearing
Office No. 32, 3rd Floor, White Hall,
143, A.K. Marg, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in he Office of the Competent Authority at Bombay on 13-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely *--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 32, 3rd Floor, White Hall A. K. Marg, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9458/85-86 on 13-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 29-9-1986

(1) Hasmukhlal Nathalal Zaveri, Smt. Indira H. Zaveri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

(2) Narendrakumar Virchand Shah, Jayantilal V. Shah and Chandrika R. Shah, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 29th September 1986

Ref. No. AR-1/37EE/10078/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1, 1st floor, Alexander House, Kashibhai Navrang Street, Gamdevi, Bombay-400 007 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in he Office of the Competent Authority at Bombay on 13-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as anoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-Cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9466/85-86 on 13-2-1986.

Street, Gamdevi, Bombay-400 007.

Flat No. 1, 1st floor, Alexndar House, Kashibhai Navrang

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 29-9-1986

(1) Jaywant Development Corporation.

(Transferor)

[PART III—SBC.]

(2) Mr. Aspi Chinov.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd October 1986

Ref. No. AR-1/37EE/10097/85-86.--Whereas 1,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. One on 13th floor Jaywant Apartments. Dadarkar Compound, Tulsi Wadi,

Tardeo Road, Bombay-400 034

25134

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in he Office of the Competent Authority at Bombay on 14-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. one on 13th floor, Jaywant Appartments, Dadar-kar Compound, Tulsi Wadi, Tardeo Road, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/9488/85-86 on 14-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-10-1986

FORM ITNE

(1) Smt. Soona J. Gandhi, Shri Keki J Gandhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Navnitlal R Gandhi, Smt. Jayaben N Gandhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I ROMBAY

Bombay, the 3rd October 1986

Ret No. AR-1/37EE/10098/85-86.--Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovproperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 25, 3rd floor, A Building, Anand Nagar, Forjett Street Bombay-400 036

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in he Office of the Competent Authority at Bombay on 14-2-1986 for an apparent consideration which is less than the

fait morket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid lastrument of transfer with the chiest of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- b) fabilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax. Act, 1927. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-test Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 25, 3rd floor, A Building, Anand Nagar, Forejett Street, Bombay-36,

The agreement has been registered by the Competent Bombay, under No. AR-I/37EE/9487/85-86 on Authority,

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-10-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Manoramaben P Shah, Shri Pravinchandra L Shah.

(Transferor)

(2) Shri Prakash M Mehta, Shri Bhadresh M Mehta Smt. Kamini P Mehta, Smt. Niva B Mehta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 6th October 1986

Ref. No. AR-1/37EE/10101/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Res. 100,000/2, and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 43 on 4th floor, Satguru Apartments CHSL, 16 French Road, near French Bridge, Chowpatty, Bombay-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in he Office of the Competent Authority at Bombay on 14-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give, in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 43 on 4th floor, Satguru Apartments, Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 16, French Road, near French Bridge, Chowpatty, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR I/37EE/9492/85-86 on 14-2-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-10-1986

FORM ITNE-

Mr. Sushi'kumar Shubhkaran Ruia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Indu R. Singhania & Master Ashwini R. Singhania.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st October 1986

Ref. No. AR-1/37EE/10121/85-86.—Whereas I, NISAR AHMID,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 25, 2nd Floor, Vimal Mahal, Peddar Road, Bombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in he Office of the Competent Authority at Bombay on 14-2-1986 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined :—

(1) Mr. Rajendra Kumar Shubhkaran Ruia &

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 25, 2nd Floor, Vimal Mahal, Peddar Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9512/85-86 on Authority, 14-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 1-10-1986

Soal:

(1) M/s. B Jamasji Mistry Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Sudhansu Bhattacharva.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 29th September 1986

Ref. No. AR-1/37EE/10133/85-86,---Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovas the said Act is that the transfer to believe that the rable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Office No. 42, 4th floor, White Hall Building,
143, A.K. Marg, Bombay-36

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Inco. *-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 42, 4th floor, White Hall building, 143, A. K. Marg, Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/9524/85-86 on 14-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 30th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10140/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Office No. 906 on 9th floor Prasad Chambers at Swadeshi
Mill compound on Plot bearing No. C. S-1487

Opera House, Bombay-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-2-1986 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traly stated in the still interacent of transfer with the object of :--

- (a) Incilitating the reduction or of the transferor to pay tax
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

(1) Shri Rasiklal Mulchand Mehta.

(Transferor)

(2) M/s. Navclean Diamonds.

(Transferee)

(3) N.A.

(Person in occupation of the property)

(4) N.A.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions wood hereas as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 906 on 9th floor, Prasad Chambers at Swadeshi Mill compound on plot bearing No. CS, 1487, Opera House,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-J/37EE/9530/85-86 on 17-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

w, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said vet, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-- 27-316 GI/86

Date: 30-9-1986

scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri S. S. Agarwal.

(Transferor)

(2) Mr. Nitin R. Bhandari Mrs. Rupa N Bhandari

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10174/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11, 6th floor Matiu Mandir, 278, Tardeo Road, Bombay-400 007

transfer with the object of :-

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;
- (b) by any ether person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 6th floor, Matru Mandir, 278, Tardeo Road, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9564/85-86 on 17-2-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-9-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OP 1961)

(Transferor)

(1) Jayalakshmi P Mehta, Madhusudan P Mehta,

Indulal P Mehta, Thakordas P Mehta, Arvind P Mehta, Bipin P Mehta &

(2) Shri Vinos M Zaveri Shri Mukesh M Zaveri.

Bhupendra P Mehta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10177/85-86,-Whereas I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. 139 (1375 sq. yds.)
Flat No. 11, Sikka Nagar E Block, 138 Vithalbhai Patel

Road, Bombay-400 004 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-2-1986 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than difteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weskib-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period a 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ass. shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Sikka Nagar 'E' Block, 138, Vithalbhai Patel Road, Bombay-4.

The agreement has been registered by Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/9567/85-86 on 17-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-10-1986

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 25th September 1986

No. AR-I/37EE/10229/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

bearing No. Flat No. 46, with Garage No. G-3, Dar-Ul-Muluk CHSL, 26,

Pandita Ramabai Road, Gamdevi,

Bombay-400 007 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-2-86.

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- Smt. Chandravati R Gandhi, Smt. Smitaben Gandbi.
- (2) Smt. Meena Pradeep Dalal.

(Transferor) (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immow able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 46 with Garage No. G-3, Dar-Ul-Muluk Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 26, Pandita Ramabai Road, Gamdevi, Bombay-400 007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9625/85-86 on 18-2-1986.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 25-9-1986

Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st October 1986

No. AR-I/37EE/10241.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 91, 9th Floor Neelamber Co.op. Housing Society Ltd., 37 G. Deshmukh Marg, Bombay-26. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Sh. Rajesh V. Shah & Sh. Suketu V. Shah. (Transferor)
- (2) Smt. Minal Niranjan Shah.

(Transferee)

(3) Smt. Minal N. Shah. (Person in occupation of the property)

(4) N.A.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition to the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 91, 9th Floor, Neelamber Co-operative Housing Society Ltd., 37 G. Deshmukh Marg, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9635/85-86 on 18-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 1-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th September 1986

No. AR-I/37EE/10242.--Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 82A, Atlas Apartments, 11, Harkness Road, Bombay-400 006. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument. of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andice
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Minoo J. P. Mistri & Mrs. Mani Kinoo Mistri.
 (Transferor)
- (2) Kamruddin Alibhoy Chitalwalla Mrs. Munira Kamruddin Chitalwalla. (Transferee)
- (3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) None.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period approximately.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gassets.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 82A, Atlas Apartments, 11, Harkness Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/9636/85-86 on 18-2-1986.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9636/85-86 on 18-2-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 30-9-1986

FORM FINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Bhag Preetamdas.

T-----

(2) Mrs. Meena K. Bhavnani & Mr. Kishin D. Bhavnani.

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd October 1986

No. AR-I/37EE/10265/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing bearing No. Flat No. 61, 6th fl. Venus Apartments, Florence CHSL, 3AA, Altamount Road, Bombay-26.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-2-1986

Competent Authority at Bombay on 19-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made is writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 61 on the 6th floor, Venus Apartments, Florence CHSL, 3AA, Altamount Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9657/85-86 on 19-2-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-10-1986

(1) Smt. Kolpana N. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sheetal Manufacturing Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-I, BOMBAY

Bombay, the 30th September 1986

No. AR-I/37EE/10269/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. Room No. 1404, 14th fl. Prasad Chambers, Opera House,

Bombay-400 004,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; andlov

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid versons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) he and other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 1404, 14th floor, Prasad Chambers, Opera House, Bombay-4.

Thouse, Bombay A.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9678/85-86 on 20-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :-

Dated: 30-9-1986

(1) Jayesh R Mehta, Ritesh R Mehta & Ramniklal Mehta, as Father & Natural guardian of Miss Zarna R Mehta, (Minor).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st October 1986

No. AR-I/37EE/10273/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000. - and bearing No. Flat No. 37, Bldg. 7A, Navjivan Co-op. Hsg. Soc. I td., Lamington Road, Bombay-400 008. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under section

269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evalues of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, sx respect of any income evising from the treasfer: indor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ournt to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of he said Act, to the following persons, roomly :-28--316 G1/86

(2) Pradeep K Shroff, Smt. Komal R Shroff Chaturbhuj K Shroff.

(Transferee)

(3) Ghanshyam Kishandas. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gastette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- any other person interested in the said immovable properly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 37, Building No. 7A, Navjivan Co-op. Housing Society Ltd., Lamington Road, Bombay-400 008.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/9664/85-86 on 19-2-1986.

> NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 1-10-1986

(1) M/s. Deepak Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. Suprem Diamonds.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 30th September 1986

No. AR-1/37EE/10282/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'maid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. Office No. 109, 1st floor, Prasad Chambers, near Roxy Cinema, Bombay-4. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the noperty as aforesaid exceeds the upparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any knoome arising from the transfer; and/or
- (b) familitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (*1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Aug. 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exp. Y (SN :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 109 on 1st floor, Prasad Chambers, Swadeshi Mills Compound near Roxy Cinema, Bombay-400 004.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9673/85-86 on 20-2-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Scution 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 30-9-1986.

Sewl

(1) Tardeo Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Pachanbhai Gelabhai Shah, Devaiben P. Shah, Rasiklal P. Shah & Arvind P. Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st October 1986

No. AR-I/37EE/10284/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinutter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 406, 4th floor, Shirin Apartments, Bldg. No. 1, Opp. Ganga-Jumna Cinemas, Tardeo, Bombay-400034 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under sector. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Offlice of the Competent Authority at Bombay on 20-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 406, 4th 'floor, Shirin Apartments, Bldg. No. 1, Opp. Ganga Jumna Cinemas, Tardeo Road, Bombay-400034.

The agreement has been registered by the Comretent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9675/85-86 on 20-2-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 1-10-1986.

Seal

FORM TINE-

(1) Col. Firoze Entce (Retd.) & Mrs. Daulat Entec.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pradcep Papers Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 26th September 1986

No. AR-I/37EE/10295/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 23, 4th floor, Mistry Court, 209, Dinshaw Vacha Road, Churchgate, Bombay-400 020.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-2-1986

for an apparent consideration which is I ess than the land market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLINATION: - the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 23, 4th floor, Mistry Court, 208, Dinshaw Vachha Road, Churchgate, Bombay-400 020.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/9683/85-86 on 20-2-1986.

> NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 26-9-1986

(1) M/s. Jogani Estates.

(Transferor)

(2) M/s. Sharda Tax India (P) Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd October 1986

No. AR-1/37EE/10297/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 9 & 10, 4th fl. Jogani Estates, N.M. Joshi Marg,

Jogani Estates, N.M. Joshi Marg, Bombay-11.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-2-1986

Competent Authority at Bombay on 20-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- 'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 9 & 10, 4th floor, Jogani Estates, N.M. Joahi Marg, Bombay-11.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/9683/85-86 on 20-2-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

Dated: 3-10-1986

(1) M/s. Navketan Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Veerkumaor C. Shah, Smt. Padma V. Shah. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 ÒF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 29th September 1986

No. AR-I/37EE/10300/85-86.—Whereas. I. NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 104, 10th fl.

Pushpakunj building, C.S.
No. 405 of Tardeo Divn.
Off Tardeo Road, Bombay-4
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which outght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable Property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, on 10th floor, Pushpakunj building, V.S. No. 405 of Tardeo Division, Off Tardeo Road, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/9688/85-86 on 20-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection(1) of Section 269D of the said Act, to the following persona namely :-

Date: 1/9/1986

(1) Mr. Ramanbhai M. Patel, Mr. Ram B. Sakhrani.

(Transferor)

(2) Shankarlal L. Jain & Others.

(3) Transferees.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd October 1986

No. AR-I/37EE/10314/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 181, 18th floor, Jolly Maker Apt. II, Cuffe Parade, Bombay-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Com-

petent Authority at Bombay on 24-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideranun therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the and instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noites in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 181, 18th floor, Jolly Maker Ant. II, Cuffee Parade, Bombay-5 Abhilasha Premises Co-op. Soc. Ltd.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10022/85-86 on 24-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition 'Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sair. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 3-10-1986

(1) M/s. Unique Estates Dev. Co. Ltd.

(Transferor)

(2) M,'s, Apurva Investments Company Pvt Ltd. (Transferee) NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NOOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th October 1986

Ref. No. AR-1/37EE/10319/85-86,-Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1102, 11th fl. Wallace Apartments I, Junction of T. J. Marg & Sleater Road, Grant Road, Bombay situated at Bombay

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the property and the property as agreed to between the property and the property as a proper ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the a oresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1102 on 11th floor, Wallace Apartments I, Junction of T.J. Marg & Sleater Road, Grant Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, under No. AR-I/37FE/10003/85 86 on 24-2-86.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-10-1986 Seal:

NOTICE UDNER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 29th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10336/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Office No. 46, 4th fl. White Hall building, 143, A. K. Marg.
Rowbay-400 036 situated at Bombay

Bombay-400 036 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
29—316 GI/86

(1) M/s. B. Jamasji Mistry Pvt. Ltd.

(2) Namdeo Chemocrats

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 46 on 4th floor, White Hall Bldg. 143, A. K. Marg, Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10007/85-86 on 24-2-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 29-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10341/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 52 (with servants quarters & Garage No. 52) Hill Park, A.G. Bell Marg, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Indian Sewing Machine Company Limited (Transferor)
- (2) Algemene Bank Nederland N.V.

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be reade in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 52 (with servants quarters & Garage No. 52), Hill Park, A.G. Bell Marg, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I/37EE/10016-A/85-86 on 24-8-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-10-1986

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10353/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 41, 4th floor, Neelamber, alongwith Garage No. 42, one car parking space, Pedder Road, Bombay-26 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the lncome-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the and/or
- (b) facilitating the concealment of any inco-0 CK 807 moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Rajnarayan Roopnarayan Khanna

(Transferor)

(2) Kishin Doulatram Sadarangani Manoj Doulatram Sadarangani

(Transferce)

(3) Nil

(Person in occupation of the property)
(4) Brijnarain R. Khanna
Omnarayan R. Khanna

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 41 on 4th floor, Neelamber, alongwith Garage No. 42 and one car parking space, Pedder Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10015/85-86 on 24-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-l, Bombay

Dated: 1-10-1986

(1) Plasa Diamond Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rasiklal M. Sanghavi, Jayant M. Sanghavi Kiran R. Sanghavi & Deepak H. Sanghavi. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st October 1986

No. AR-I/37EE/10390/85-86.—Whereas, J, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax' Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 303, 3rd floor, Diamond Plasa, Lamington Road, Bombay-400 004 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than difteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 303, 3rd floor, Diamond Plasa, Lamington Road, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10026/85-86 on 24-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated : 1-10-1986

(2) Mrs. Usha N. Vora (1) Mrs. Nayana N. Shah, Nitin K. Shah

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 25th September 1986

No. AR-I/37EE/10411/85-86.—Whereas, I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 5 on 7th fl. Dun Apartments, Lallubhai Amichand Compound, 225/27 Tardeo Road, Bombay-67 situated at

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been trally stated in the said last unempt of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and Expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 5 on 7th floor, Dun Apartments, Lallubhai Amichand Compound 225/27, Tardeo Road, Bombay-400 007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10030/85-86 on 24-2-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this actice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-9-1986

(1) Mrs. Surjit Kawaljit Singh.

(Transferor)

(2) Mrs. Meenal A. Israni.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10435/85-86.-Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 144, Casabtanca Building, 14th floor, Cuffe Parade,

Colaba, Bombay-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration threfor by mor than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the Object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) familitating any moneys or other sesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes 2 the purposes of the Indian Income-tax Act, 192 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-taxt. 1937 (27 of 1957); 1922 Wealth tox

otions, if any, to the acquisition of th o said proposty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :--- the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 144, Casablanca Building, 14th floor, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-5.

The agreement has ben registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10038/85-86 on 16/2/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:---

Dated: 3-10-1986

(1) Mr. Shewaram N. Chablani

(Transferor)

(2) M/s. J. B. Diamonds.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 30th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10456,—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 405, 4th Floor, Prasad Chambers, Opera House,

Bombay-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Compartar Authority.

of the Competent Authority at Bombay on 26/2/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 405, 4th Floor, Prasad Chambers, Opera House Bombay-4.

The agreement has ben registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10043/85-86 on 26/2/1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 30-9-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10514/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 40, Ground floor Maker Towers, plot Nos. 73A, 74, 83, 84, and 85 of Block V, Backbay reclamation scheme, Cuffe parade, Bombay-5. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at at Bombay on 26/2/1986 being the Competent Authority under Section 269B of the

at Bombay on 26/2/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following cornons, namely :---

(1) Balaii Enterprises.

(2) M/s. Foto Kwik Color Labs.

(Transferor)

(3) Self-occupied

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(4) Purchaser. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper,

THE SCHEDULE

Shop No. 40, Ground floor Maker Arcabe in the Complex known as A Maker Towers, Plot Nos. 73A, 74, 83, 84 and 85, Backbay Reclamation scheme Cuffe Parad, Bombay.

The agreement has ben registered by Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10051/85-86 on 26/2/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 3-10-1986

(1) M/s. Kshama Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. Sumedha Chamicals.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 29th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10534/86-87,—Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 103, 'Kshamalaya' 37, New Marine Lines, Bombay 100,020

bay-400 020.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at at Bombay on 26/2/1986

at Hombay on 26/2/1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to beliuve that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

- (a) facilitating one reduction or evapor or the mannity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 103, 'Kshamalaya' 37, New Marine Lines, Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10057/85-86 on 26/2/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesals property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: — 30—316 GI/86

Jate: 29-9-1986

(1) Hansaben Jayantbhai Shah & Jayantbhai Maujibhai Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Dilip kumar Chimanilal & Co.

Exports.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property)

(3) Honest Trading Company & Blue Nile.

Bombay, the 1st October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10550.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property bearing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Office No. 1108, 11th Floor, Prasad Chambers, Opera House,

Rombay-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at at Bombay on 26/2/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sall instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 1108, 11th Floor, Prasad Chambers, Opera House, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-II37EE/10058/85-86 on 26/2/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-10-1986

Soul ;

(1) Shri Trilokchand P Bhinani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramesh P. Bhimani.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 3rd October 1986

Ref. No. AR-1/37EE/10645/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/s and bearing Flat No. 4, 3rd floor, Bldg. No. 2, Navjeevan Hsg. Society,

Lamington Road, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at at Bombay on 26/2/1986

at Gurgaon under Registration No. 334 dated 21-4-00 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as therefor by at Gurgaon under Registration No. 334 dated 21-4-86 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given le that Chaster.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 3rd floor, Bldg. No. 2, Navjeevan Hsg. Society, Lamington Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10077/85-86 on 26/2/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Dated: 3-10-1986

M/s. Paramount Plantation Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s, D. Ramesh & Co.

(Transferee)

(3) N.A.

(Person in occupation of the property)

be interested in the property)

(Person whom the undersigned knows to

(4) N.A.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 30th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10646.—Whereas, I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- und bearing
Premises No. 247/A, 2nd Floor of Panchratna Co. Op. Hsg.
Socy Ltd., M. P. Marg, Opera House, Bombay-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

at Bombay on 26/2/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following peras, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be unlike in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 247/A, 2nd Floor of Panchratna Co. Op. Socy. Ltd., M. P. Marg, Opera House, Bombay-4
The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-I/37EE/10072/85-86 on 26/2/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 30-10-1986

FORM LT.N.S.

(1) M/s. Usha Zarda Company Smt. R. J. Jatania & Shri H. J. Jantania (confirming parties).

(Transferor)

(2) Shri Ashok Ratan Khatri.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferces.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferees.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-J BOMBAY

Bombay, the 30th September 1986

Ref. No. AR-1/37EE/10652/85-86.—Whereas, I,

NISAR AHMED.

being the Competent Auhority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 28, 7th floor, Building No. 12, Lamington Road

Scheme of Navjival Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Lamington Road,

Bombay-8.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at at Bombay on 26/2/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) instituting the reduction or everien of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, no arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (13 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Sot, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expirer later;
- (b) by any other person interested in the said immersal property, within 45 days from the date of the publi ention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 28, 7th floor, Building No. 12, Lamington Road Scheme of Navjival Co-op, Hsg. Soc. Ltd., Lamington Road, Bombay-8.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10059/85-86 on 26/2/1986

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 30-10-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the thoresaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :----

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1951)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I . BOMBAY

Bombay, the 30th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10680.—Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 42, and Garage No. 26E & 42 at Usha Kiran 15,

M.L. Dahanukar Marg, Bombay-26.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26/2/1986

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the faiar market value of the property as aforesaid succeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the benefiteration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of exaster with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not need or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-test Act, 1922 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dr. Karan Singh

- (2) Shri S. P. Kagzi (S, HUF). Shri K. B. Kagzi (HUF). Shri R. S. Kagzi (HUF).
- (3) None.

(Person in occupation of the pro

(4) None.

(Person whom the undersigned know. be interested in the propert

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning se given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 42, and Garage No. 26E & 42 at Usha Kiran 15 M.L. Dahanukar Marg, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10081/85-86 on 26/2/1986

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 30-9-1986

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 25th September 1986

No. AR-I/37EE/10690/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereiaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. B-11, 1st floor, The Sarvodaya Nagar CH SL, 1st Panjrapole Lane, C.P. Tank Road, Bombay-4,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration to the fair by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the affresaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely:—

(1) Mrs. Hemlata G. Kotak.

(Transferor)

(2) Mr. Bipinchandra M. Kothari. Mrs. Shantaben M. Kothari.

(Transferee)

(3) Transferor and her family members. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-11, 1st floor, B Building, Sarvodaya Nahar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 1st Panjrapole Lane, C. P. Tank Road, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10086/85-86 on 27-2-86.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 25-9-1986

(1) M/s Motani Industries.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shakuntala A. Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within in days from the rate of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 6th October 1986

No. AR-I/37EE/10692/85-86.—Whereas, I,

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Shop No. 65, Gr. floor, M/s Dipec Estates Pvt. Ltd., 65, Shamshet St., Bombay-2.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

situated at Bombay

NISAR AHMED,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid xecreds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 65, Ground floor, M/s Dipec Estates Pvt. Ltd., 65, Shampet St., Bombay-2,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10087/85-86 on 27-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-10-1986

(1) Trustees of the Parsi Panchayat Funds and Properties.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Munoo A Aga, Zarrin M Aga, Zubin M. Aga.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 6th October 1986

No. AR-I/37EE/10708, 85-86.---Wheras, J, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 15, 1st floor and Garage on land situate at

B.G. Kher Marg (Gibbs Road) C.S. No. 434 (pt.) of

Malabar Hill Divn. at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 27-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason the believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to te disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette. publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15 1st floor and Garage on land situated at B.G Kher Marg (gibbs Road) C. S. No. 434 (pt.) of Malabar Hill Divn. The agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay, under No. AR-I/37EE/10093/85-86 on

Authority, 27-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, tocretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-31-316 GI/86

Date: 6-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 3rd October 1986

Ref. No. AR.I/37EE/10716/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 16, 4th floor, Garage No. 14 in basement, Open car parking place in Jalkiran building, Cuffe Parade Bombay-400 005.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be allowed that the thete fair realization which is the strength of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesad exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any sioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11. of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Ramchand Jasuja, Smt. Sushila R Jasuja, Shree Vijay R Jasuja, Shree Arun R Jasuja. (Transferor)

(2) Kanubhai R Shah, Rama K Shah.

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 4th floor alongwith Garage No. 14 at Basement, Open car parking place, Jalkiran bldg., Cuffe Parade, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10096/85-86 on 27-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 3-10-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri J. A. Sathe.

(Transferor)

(2) Shri Chimanlal G Shah, Shri Kirtikumar C Shah.

(Transferor)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 1st October 1986

AR-I/37EE/10721/85-86.--Whereas, I, Ref. No. NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, Gr. floor, Gamdevi Deepak CHSL, 12, Navrangec Marg, Gamdevi, Bombay-7 situated at Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-12-1986 Office of the Competent Authority at Bombay on 27-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground floor, Gamdevi Decpak Co-op. Housing Society Ltd., 12, Navrangee Marg, Gamdevi, Bombay-400 007.

The agreement has, been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/11000/85-86 on 27-2-1986.

> NISAR AHMED Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-10-1986

(1) Trustees of the Parsi Panchayat Funds & Properties.

(2) Mr. Jamshed M. Bilimoria.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION, 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-MONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 6th October 1986

Rcf. No. AR-1/37EE/10728/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMFD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat situated on land on BG Kher Marg (Gibbs Road)
CS No. 434 (pt) of Malabar & Cumballa Hill Divn.
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fastlitating the reduction or evador of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) factitating the concealment of any income or any manages or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any either person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on land situate at BG Kher Marg (Bibbs Road) CS No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/11001/85-86 on 27-2-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 6th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10748/85-86.--Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing

Flat on land situated at B. G. Kher Marg, (Gibbs Road) CS No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcesam exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Trustees of the Parsi Panchayat Funds & Properties.

(2) H. S. Billimoria & A. S. Billimoria.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor) (Transferce)

25175

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on land situate at B. G. Kher Marg (Gibbs Road) CS No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10102/85-86 on 28-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 6-10-1986

FORM I.T.N.S.

(1) Trustees of the Parsi Panchayat Funds & Properties.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Viraf K Chinoy & K J Chinoy.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

(b) By any other person interested in the immovable property, within 24 days from the date of the pulication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 6th October 1986

Fef. No. AR-1/37EE/10749/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Flat No. 63 on 6th floor and Garage on land situate at B.G. Kher Marg (Gibbs Road) CS No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn.

Malapar Fill Division situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair results traine of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer to a satisfact to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in of any income arising from the transfer; respect and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 63 on 6th floor & Garage on land situate at B.G. Kher Marg (Gibbs Road) bearing CS No. 434 (pt.) of Malabar Hill Divn.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-J/37EE/10103/85-86 on 28-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persus, namely :-

Date: 6-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Trustees of the Parsi Panchayat Funds & Properties.

Miss Delnar Talati,

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor) (2) Mr. Pesi S Talati Mrs. Minnor Talati &

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

from the service of notice on the respective persons

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 6th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10751/85-86,—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Flat No. 47, 4th floor and Garage on land situated at B. G. Kher Marg (Gibbs Road)
CS No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn.
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 47 on 4th floor & Garage on land situate at B. G. Kher Marg (Gibbs Road) bearing CS No. 434 (pt.) of Malabar Hill Divn.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10104/85-86 on 28-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 6-10-1986

- (1) Trustees of Parsi Panchayat Funds & Properties. (Transferor)
- (2) Mrs. Freny Sam Contractor Mr. Sam P Contractor

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th October 1986

Ng. AR-I/37EE/10752/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 37 & 38 on 3rd fl. Spenta CHS, B. G. Kher Marg (Gibbs Road) Bombay-6

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by some than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Flat No. 37 & 38 on 3rd floor, Spenta CHS (proposed) B. G. Kher Marg, Gibbs Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10105/85-86 on 28-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid A.t. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 6-10-1986.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 6th October 1986

No. AR-1/37EE/10763/85-86,—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat on land situate at BG Kher Marg (Gibbs Road) CS No. 434 (pt) of Mulabar Hill Divn. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same in registered under section

has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 32—316 GI/86

(1) Trustees of Parsi Panchayat Funds & Properties. (Transferor)

(2) Mrs. Banoo N Patel, Mr. Gev N Patel, Mr. Nari N Patel.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gamette.

BEFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat on land situate at BG Kher Marg (Gibbs Road) CS No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10763/85-86 on 28-2-1986,

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 6-10-1986,

(1) Trustees of Parsi Panchayat Funds & Properties. (Transferor)

(2) Mrs. Rati B Sahukar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th October 1986

No. AR-I/37EE/10766/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situate on land at BG Kher Marg (Gibbs Road) CS No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market vulue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ox under the said Act, in respect of any income arising from the transferi عد/ أحد
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferector the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the uforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable prpoerty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on land situate at BG Kher Marg (Gibbs Road) CS

No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10108/85-86 on 28-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 6-10-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th October 1986

No. AR-I/37EE/10772/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situate on land at BG Kher Marg (Gibbs Road) CS No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linefity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afteresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

- (1) Trustees of Parsi Panchayat Funds & Properties.
 (Transferor)
- (2) Miss Anahita Mody & Mrs. Pervin M Mody.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat situate at BG Kher Marg (Gibbs Road) CS No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10110/85-86. on 28-2-1986

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant C-y contribution of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Dated: 6-10-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Trustees of the Parsi Panchayat Funds & Properties.

(2) Mrs. Arnavaz Arjani & Farhad Arjani.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10773/85-86.--Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat on land situate at BG Kher Marg (Gibbs Road) CS

No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I

have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consument of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat on land situated at BG Kher Marg (Gibbs Road) CS No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10111/85-86 on 28-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th October 1986

Ref. No. AR-1/37EE/10787/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED, under Section 269B of being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat situate on land at BG Kher Marg (Gibbs Road) CS No. 434 (pt) of Malabar Hill Diva. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986 too an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid process value I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the amongos include mation therefor by more than fifteen per vent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any measure or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Trustees of Parsi Panchayat Funds & Properties.
(Transferor

(2) Dr. Keki S Masalawala, Mrs. Tahmi K Masalawala Todd Dilshad K Masalawala, Rustok K Masalawala

(Transferce)

Objections, if any, to the sequisition of the said property reay be made in writing to the understaned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on land situate at BG Kher Road (Gibbs Road) CS No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10118/85-86 on 28-2-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Dated: 6-10-1986.

FORM ITNS-

(1) Trustees of the Parsi Panchayat Funds & Properties. (Transferor)

(2) Mr. Noshir E Pardiwala

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 6th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10790/85-86.—Whereas I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat on land situate at BG Kher Marg (Gibbs Road) CS

No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat on land situate at BG Kher Marg (Gibbs Road) CS No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10120/85-86 on 28-2-1986.

> **NISAR AHMED** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 6-10-1986

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Trustees of the Parsi Panchayat Funds & Properties. (Transferor)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

(2) Mr. Bomi F Minbatiwala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 6th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10791/85-86,-Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat on land situate at BG Kher Marg (Gibbs Road) C.S.

No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used hereir as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on land situate at BG Kher Marg (Gibbs Road) C.S. No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-I/37EE/10121/85-86 on 28-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 6-10-1986

·-.___

FORM TINS.

(1) Shri Cirishbhai Girdharlat Mody & Doctor Isminbhai Girdharlal Mody.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Raj Jewellers.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 30th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10792/85-86.--Whereas I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1805 on 18th Floor in Bldg known as Panchratna Co-op. Hsg. Society, situated at Ajdut to Roxy Cinema Opera

House, Bombay-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section

269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the oart'es has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

may be made in writing to the understaned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is espect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1805 on 18th Floor, in Building known as Panchratna Co-op. Hsg. Society, situated at Adjut, to Roxy Cinema. Opera House, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10122/85-86 on 28-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/107954/85-86 -- Whereas I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 31, 3rd floor, on land situate at B. G. Kher Marg
(Gibbs Road) bearing C.S. No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namaty :--

33-316 GI/86

- (1) Trustees of the Parsi Panchayat Funds & Properties. (Transferor)
- (2) Mr. Ness Dara Bhuariwala Mrs. Pervis Dara Bhuariwala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this negice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd floor, on land situate on B. G. Kher Marg (Gibbs Road) C.S. No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10123/85-86 on 28-2-1986

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Dated: 6-10-1986

- (1) Mrs. Saraswati Gulrajani,
- (Transferor)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (2) Myer Organics Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 29th September 1986

No. AR-I/37EE/10795/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
Flat No. 1, Ground floor, Nariman Bldg. CHSL, 162, M.
Karve Road, Bombay-400 020

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 28-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a oreside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of he transferor to pay tax under the said Act, he respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, 162, M. Karve Road, Bombay-400 020,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10124/85-86 on 28-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the spread property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 29-9-1986

PART III—Sec. 1]

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10846/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 67 on 6th floor on land situate at B. G. Kher Marg (Gibbs Road) C.S. No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986

269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tag under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely in-

(1) Trustees of the Parsi Panchayat Funds & Properties.
(Transferor)

(2) Mrs. Katy D Divecha & Mr. Dinshaw H Divecha.

(Transferee)

25189

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 67 on 6th floor & Garage on plot of land situate at B. G. Kher Marg (Gibbs Road) C.S. No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10135/85-86 on 28-2-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Dated: 6-10-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Nirmalaben N. Mehta & Shri Pradeepbhai N. Mehta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Haresh A. Doshi & Shri Lalji A. Doshi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-MONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st October 1986

No. AR-I/37EE/10918/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 14, 5th floor, Kailash Nagar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 658, Tardeo, Read Bordhau 7 situated at Bordhau

658, Tardeo Road, Bombay-7 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28/2/86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 5th floor, Kailash Nagar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 658, Tardeo Road, Bombay-400 007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10136/85-86 on 28/2/86.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

Dated: 1-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd October 1986

No. AR-1/37EE/10925/85-86.—Where, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 44, 4th floor, Maker Tower H, Backbay Reclamation, Cuffe Parade, Bombay-400 005 situated at Bombay

Flat No. 44, 4th floor, Maker Tower H, Backbay Reclamation, Cuffe Parade, Bombay-400 005 situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28/2/86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Gautam Patel

Transferor)

- (2) Shri Bharat C. Parekh, Smt. Asha H. Parekh, Shri Chimanlal K. Paresh, Sanjay H. Parekh, through natural guardian Mrs. Asha H. Parekh. (Transferee)
- (3) Transferces

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 44 on 4th floor, Maker Tower H, Backbay Reclamation, Cuffe Parade, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10140/85-86 on 28/2/86.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 3-10-1986

(1) Trustees of the Paris Panchayat Funds & Properties

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Maja Dhun Daruwala Mr. Dhunjishaw F. Daruwala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th October 1986

No. AR-1/37EE/10928/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 55 on 5th floor and Garage on land situate at B.G. Kher Marg (Gibbs Road) C.S. No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn. situated at Bombay

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28/2/86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269A of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 55 on 5th floor & Garage on land situate at B. G. Kher Marg (Bibbs Road) bearing C.S. No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10141/85-86 on 28/2/86.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Dated : 6-10-1986

Scal

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Trustees of the Parsi Panchayat Funds and Properties

(2) Mr. M. K. Palia

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th October 1986

No. AR-I/37EE/10932/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 68, 6th floor, Garage in land situate at B. G. Kher Marg (Gibbs Road) C.S. No. 434 (pt) of Malabar Hill situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28/2/86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) friedituting the reduction or everythin of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: had /w

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the vadersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 68 on 6th floor & garage on land situate at B. G. Kher Marg (Gibbs Road) C.S. No. 434 (pt) of Malabar Hill

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10148/85-86 on 28/2/86.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Rembay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sunsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 6-10-1986

(1) Trustees of the Parsi Panchayat Funds and Properties

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Cyrus M. Bahadurji Mr. Neville M. Bahadurji

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th October 1986

No. AR-I/37EE/10933/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000)-

and bearing No.
Flat No. 53 on 5th floor and Garage on land situate at B. G.
Kher Marg (Gibbs Road) C. S. No. 434 (pt) of Malabar

Hill Divn. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28/2/86 for an apparate constitution.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid mensors within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 53 on 5th floor & Garage on land situate at B. G. Kher Marg (Gibbs Road) C.S. No. 434 (pt) of Malabar Hill

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10144/85-86 on 28/2/86.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 369C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subaforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 6-10-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st October 1986

No. AR-I/37EE/11715.-Whereas, I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 5, 1st Floor, Building 'Padam' 48, Peddar Road,
Bombay-26 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19/5/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

34—316 GI/86 (1) Smt. Shakuntala E. Rajderkar

(Transferor)

(2) Smt. Shankuntala B. Bansal Shri Rajesh S. Bansal Gangaram G. Bansal Smt. Panabai G. Bansal

(Transferee)

(3) Smt. Shankuntala & others. (Person in occupation of the property)

(4) N.A.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid porsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in 'but Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, First Floor of building 'Padam', 48 Peddar Road, Bombay-400 026,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10061/85-86 on 19/5/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 1-10-1986

PORM ITNS-

(1) Gopinath Mahadev Koli & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Vijay Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

No. AR.III/37EE/28552/85-86.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. land bearing S. No. 54, H. No. 3(p) CTS No. 698(p) Village

Nahur, Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mare than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the culout of-

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or nav moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferen for the purposes of the Indian Income-tax' Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 54, H. No. 3(p) CTS No. 698(p) Village Nahur Taluka, KKuKrla, B.S.D., Bombay, Mulund.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR, III /37EE /28552 /85-86 dated 3-2-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the asoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

Dated: 9-10-86

FORM I.T.N.S.

(1) Jaylaxmi Chhabildas Shah & Ors.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vijay Flexible Containers Pvt. Ltd.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

No. AR, III / 37EE / 29249 / 85-86. - Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. Gala No. 3, 4, 5, 6 & 5A, Ground and 1st fl. Kurla, S. No. 204, Kurla, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumont of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or ovasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Galas Nos. 3, 4, 5, 6 & 5A Ground and 1st fl. S. No. 204, Kurla, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/29249/85-86 on 3-2-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 9-10-86

(1) Ashok Builders.

(Transferor)

(2) Boby Resorts & Holding Pvt. Ltd.

whichever period expires later:

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

No. AR.III/37EE/28799/85-86.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. Departmental Stores No.1 and Gr. Fl. No. 2 on Grd. fl. and No. 1 on 1st Fl.

Vaishali Shop ing Centre, S.V. Road, Malad (W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

section 269AB of the Income-tex Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Aftern per cent of such apparent comideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from, the service of actice on the respective persons.

Chicotiens, if any, to the association of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as siven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Departmental stores No. 1 and No. 2 on Ground Fl and store No. 1 on 1st Fl. Vaishali Shopping Centre, S.V. Road Malad Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/28799/85-86 dated 3-2-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 9-10-86

FORM ITNS

(1) Jasmine Industrics.

(Transferor)

(2) Lupin Laboratories Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

No: AR.III./37EE/29392/85-86.-Whereas, I,

A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinsfier referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shed No. 28, Indl. Estate, Amar Brass compound, S. No. 159, Hissa No. 9, 159, CTS Road, Kalina, Bombay-98

Bombay-98.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1986 for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linkility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the conster: notal car
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferon for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesast persons within a period @ 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said imastreable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shed No. 28, Indl. premises, Amar Bross Cmound S. No. 159, Hissa No. 9, 159, CST Road, Kalina, Bombay-98.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/29392/85-86 dated 3-2-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 9-10-86

(1) Jasmine Industries.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Lupin Laboratories (p) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

No. AR.III/37EE/29393/85-86.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and-bearing No. Unit No. 29, in Amar Brass Compound, CST Road, Kalina, Bombay-98.

Compound, CST Road, Kalina, Bombay-98. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 3-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imanovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the salf Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shed No. 29 (Unit) in Mar Brass Compound S. No. 159, Hissa No. 9, 159 CST Road, Kalina, Bombay-98.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/29393/85-86 dated 3-2-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 9-10-1986

FORM I.T.N.S.

(1) M/s Mangal Trading Corpn.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Ehaveshwai Developers,

may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 9th October 1986

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. AR, III/37EE/28551/85-86.—Whereas, I,

bearing No. land and plot No. 1, bearing No. TP LO/129 part of S. No. 8602, Deonar Village and S. No. 58-60(p) Borla Village, Chembur, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement in existenced under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land and plot No. 1, bearing No. TP/LO/129, part of S. No. 86/2, Deonar Village and S. No. 58-60(p) Borla Village, Chembur, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/28551/86-86 dated 3-2-1986.

> A. PRASAD Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Dated: 9-10-1986

and the company of th

FORM ITNS-

- (1) M/s. Rajend'a Const. Co.
- (Transferor)
- (2) Dr. Jugdip T. Shah.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

No. AR.III/37EE/28634/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Piece of land bearing S. No. 24, Hissa No. 22, Village Kirol, Ghakopar (W), Bombay.

has been transferred and the agreement is registered under

has been transfereed and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FERNANDION --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tox Act, 1957 (27 of 1957);

Piece or parcel of land S. No. 24, Hissa No. 22, Village Kirol, Ghatkopur (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Fornbay under Sr. No. AR.IH/37EE/28634/85-86 dated 3-2-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 9-10 1986

(1) Mrs. Mary Correa. (2) M/s. M. N. Corpn.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

No. AR, III /37EE /28507 /85-86.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. Piece or parcel of land
S. No. 557, 551/1 to 3
Village Valnai, Marve Road,
Malad (W), Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by a secret of such apparent consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land S. No. 18, Hissa No. 2(p) and CTS No. 557, 551/1 to 3 Village Valuai, Marve Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/28507/85-86 dated 3-2-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Dated: 9-10-1986

Scal:

35-316 GI/86

(1) M/s Monarch Const. Co.

(Transferor)

(2) Shri Laxmichand R. Badlani,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

шенте и пред таки и пред пред пред пред пред на пред пред достоя и пред достоя и пред достоя и пред достоя и п

GOVERNMENT OF INDIA

GENICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR-III/37EE/29309/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat Nos. 12, 13 & 14, Trimurti Enclave, Plot bearing
S. No. 164, Hissa No. 1/5 CTS No. 97(A), Village Malad,
Hakaria Road, Malad (W), Bombay
(and prove fully described in the Schedule approved hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-ax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on

3-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the resprotive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nos. 12, 13 & 14 in Trimurti Eclave plot bearing S. No. 164, Hissa No. 1/5 CTS No. 97(A) Village Malad. Jakaria Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE 29309/85-86 dated 3-2-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ac, I hereby initiate procedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to hte following persons, namely :-

Date: 9-10-1986

_:___

FORM ITNS-

(1) Saral Enterprises.

(2) Haresh T. Ravjivani.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR-III/37EE/29259 85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 203, 2nd floor Sunderam Wing, Satyam Shiva, Sunderam M. G. Road, Ghatkopar (E), Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on

3-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor Sunderam Wing, Satyam Shivam Sunderam M. G. Road, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competen Au hority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE 29259/85-86 dated 3-2-1986.

A. PRASAD
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

aie : 9-10-1986

(1) Mrs. Kamala Subramaniam,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Mudhukar R. Lokeshwar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR-III/37EE/28327/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. A-19, Bunglow in A-19, Shree Dattaguru C.H.S.L. Deonar Village Road, Bombay-88

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer 494 / OF

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow A-19, Shree Dattaguru Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Village Deonar Road, Bombay-88.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/28327/85-85 dated 3-2-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-10-1986

FORM ITNS-

(1) Shri D. H. Sohal.

(Transferor)

(2) Mukul Construction Corporation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR-III/37EE/28965/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing Plot bearing S. No. 69, Hissa No. 2, CTS No. 1007 Bhandup

(□), Bombay-078

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

may be made in writing to the undersigned—

Objections if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing S. No. 69, Hissa No. 2, CTS No. 1007 Bhandup (E), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competen Au hority, Bombay under Sr. No. AR- $1\Pi/37EE/28965/85-85$ dated 3-2-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :---

Date: 9-10-1986

(1) Nellam Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Yasmin H. Daruwalla & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME, TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR-HI/37EE/29106, 85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 701, 702, 7th floor, Garodia Nagar, Gnatkopar (E),

Bombay-81

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office or the Competent Authority at Bombay on 3-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 701 & 702, 7th floor Bldg. No. 3, Shanti Park, Garodia Nagar, C-Wing Bldg. No. 3, Shanti Park Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. AR-III/37EE 29106 85-86 Competent dated 3-2-1986.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

sale : 9-10-1986

(1) Mrs. Merlin Allan Norohna & Ors.

(Transferor)

(2) M/9 Emzed Corporation & . M s Salkar Group,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR-III/37EE/28611 85-86.—Whereas, I.

A: PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Piece or parcel of land bearing S. No. 349, Hissa No. 17, C.J.S. No. 3163 and S. No. 349, Hissa No. 19, C.T.S. No. 3172 S. No. 349, S. No. 35 C.T.S. No. 3178 Kole Kalyan, Vakola Village Sangacrus (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or wasken of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this tastice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing S. No. 349, H. No. 17, C.J.S. No. 3163 and S. No. 349, Hissa No. 19, CTS No. 3172 and S. No. 349 Hissa No. 35 CTS No. 3178 at Koley Kalyan, Vakola Village Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE|28611|85-86 dated 3-2-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 9-10-1986

(1) M/s. Ganga Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mr. Narendra Kumar Malik.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR-III/37EE/29266/85-86.—Whereas I, • A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Bungalow No. A-1, Gr. floor, A-Wing, Building No. 7,
Behind Atur Park Sion Trombay Road,

Chembur, Bombay-71

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which count to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Bungalow No. A-1, Gr. Floor, A-Wing, Bldg. No. 7, at M/s. Ganga Developers, Behind Atur Park Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/29266/85-86 dated 3-2-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 9-10-1986

(1) Smt. Vasanti Vasant Naik. (2) M/s. Raksha Const. Co.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.III/37EE/28915/85-86,---Whereas 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Piece or parcel of land at Mulund 'T' Ward Taluka South Salsette, S. No. 145, H. No. 1 Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the rollowing persons namely :--

36-316 GL/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nonce in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land S. No. 145, H. No. 1, Mulund 'T' Ward Taluka South Salsette Mulund, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/28915/85-86 dated 3-2-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 9-10-1986

FORM TINE

(1) MAri / Santierp, Const.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chamnlal Gupta & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.III/37EE/28349/85-86.-Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Row House No. 4, Runwal Shopping Centre,
15th Road, Chembur, Bombay-71
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered
under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the
office of the Competitive Authority of Royalov on 32,1986 office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeasid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration between the consideration and that the consideration for such apparent consideration for the property as a consideration for such apparent consideration apparen and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if may, to the acquisition of the said property may be made in arriting to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANMATION .: The sterms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or everion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Row House No. 4, Runwei Shopping, Centra, 15th Road, Chembur, Bombay-71)

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/28349/85-86 dated 3-2-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following corsons, namely.---

Date: 9-10-1986

(1) M/s. Runwal Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Atash Leasing & Indl. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.III/37EE/28934/85-86.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Runwal Commercial Centre Entire second floor, 1st Rd. Chembur, Bombay-71

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given as that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Runwal Commercial Centre Entire Second floor, 1st Rd., Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EF./28934/85-86 dated 3-2-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

37—316 GI/86

Date: 9-10-1986

(1) Eknath Ramchandra Koparde.

(Transferor)

(2) M/s. Swastik Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.III/37EE/28647/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land bearing plot No. 122. Gamdevi Road, Off L.B.S. Marg, Ghatkopwar (W), Bombay-86 (and move fully described in the schedule appayed beauty).

Marg, Ghatkopwar (W), Bombay-86 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mose than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are define! in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing plot No. 122, Gamdevi Road, Off L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/28647/85-86 dated 3-2-1986,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 9-10-1986

- (1) Ashadevi Charitable Trust,
- Transferor(s)
- (2) Kaysons C.H.S. Ltd.

Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 30th September 1986

Ref. No. AR.III/37.G/784/86.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Piece or panel of land bearing CTS No. 51, 51/2 and 3, Hari-

yali Bonded North, Vikroli (W), Bombay-79

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Bombay on 11-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :-

- (a) incilitating the reduction or evapon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; said/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the association of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey CTS No. 51/51/1, 2 & 3, of Hariyali Bonded North, Vikhroli (W), Bombay-79.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 1482/73 dated 11-2-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-9-86

(1) Shri Inder Jit Laul.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Hansa Liladhar Chitalia. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

No. AR.III.37EE/29108/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Plot bearing No. 353/7, Glat No. 7, R. E. Mehta Marg, Shree Natraj Co-op. Hsg. Sct. Ltd., Ghatkopar (E),

Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeirng Officer at Bombay on 3-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot bearing No. 353/7 Flat No. 7, Shree Natraj Co-op. Ltd., R. B. Mehta Marg, Ghatkopar (E), Housing Sct. Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37.EE/29108/ 85-86 dated 3-2-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date: 9-10-1986

(1) Mrs. Ashabi Wd/o Peer Mohamed V. Chaudasam

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

(2) M/s. Alka Construction Co.

(Transferes)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

No. AR.III.37,EE/28558/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No.
Old survey No. 128, New S. No. 314 H. No. 1(p) plot No.
7(p) Village Malad Kadermal Rd., Malad (E), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeirng Officer at

Bombay on 3-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) incilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persorn, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motice on the respective persons, shever period expires later;

other person interested in (b) by any immsovable property, within 45 days from date of the publications of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parce of land bearing Old S. No. 128 New S. No. 314 H. No. 1(p) plot No. 7(p) Village Malad Kedarmal Rd., Malad (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37.EE/28558/85-86 dated 3-2-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-2-1986

(1) Goenka & Associates Educational Trust.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bank of Maharashtra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IN. BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

No. AR.III.37.EE/29252/85-86.—Whereas, 1,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 51, of Chincholi S. No. 34, Dindoshi at Goregaon,

Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 51 of Chincholi & S. No. 34 of Dindoshi CTS 89, 156 Village Dindoshi, Borivli, Taluka, Building No. 56 at Yashodham, Off. Western Express High Highway, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37.EE/29252/85-86 dated 3-2-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-10-1986

(1) M/s. Lokpriya Hsg. Dev. Pv. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shree Gurudatta Police C.H.S. Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

No. AR.III.37.EE/29398/85-86.—Whereas, I,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing

Sub plot No. A-1 the layout of Lokpriya C.H.S. Ltd. off 90' Ghatkopar Mulund Link Rd., Bhandup (E), Bombay-78 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or

Sub-Plot No. A-1 the layout of Lokpriya C.H.S. Ltd. Off 90' Ghatkopar, Mulund Link Rd., Bhandup (E), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37.EE/29398/ 85-86 dated 3-2-1986,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax A.f. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westin-Lax Act. 1937 (27 of 1937):

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mentions namely

Date: 9-10-1986